टी बोर्ड भारत

TEA BOARD INDIA

66वीं वार्षिक रिपोर्ट

66th Annual Report

2019-20

INDIA TEA

World's Gold Standard

विषय-सूची

66वीं वार्षिक रिपोर्ट, टी बोर्ड: 2019-20

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ सं.
अध्याय-1	संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य	1-16
अध्याय -2	वैश्विक परिदृश्य में भारतीय चाय	17-20
अध्याय -3	वित्त	21-24
अध्याय -4	चाय विकास	25-66
अध्याय -5	चाय अनुसंधान	67-84
अध्याय -6	चाय संवर्धन	85-108
अध्याय -7	अनुज्ञापन	109-114
अध्याय -8	सांख्यिकी	115-117
अध्याय -9	मानव संसाधन विकास	118-129
अध्याय -10	हिन्दी कक्ष	130-132
अध्याय -11	सतर्कता प्रकोष्ठ	133
अध्याय -12	विधि प्रकोष्ठ व सूचना का अधिकार	134-136

अध्याय -1

स्थापना

संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य

बोर्ड का गठन

चाय अधिनियम 1953 के अनुच्छेद 4 के प्रावधानों के अनुरुप टी बोर्ड की स्थापना 1 अप्रैल 1954 में की गई थी । टी बोर्ड को भारत में चाय उद्योग के समग्र विकास का कार्य प्रभारित किया गया है और यह केन्द्र सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रहा है ।

बोर्ड का संगठन

बोर्ड का गठन अध्यक्ष एवं भारत सरकार द्वारा नियुक्त चाय उद्योग के विभिन्न विभागों से संबन्धित 31 सदस्यों से हुआ है। प्रत्येक तीन वर्ष में बोर्ड का पुर्नगठन होता है। दिनांक 11 फरवरी, 2019 एवं 9 मार्च 2019 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान बोर्ड का पुर्नगठन तीन वर्ष की अवधि हेतु किया गया है ।

टी बोर्ड का कार्य

चाय अधिनियम की धारा 10 के तहत वर्णित टी बोर्ड के कार्य व्यापक है एवं संक्षिप्त रुप से इस प्रकार प्रस्तुत है :

1. चाय बागानों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना ।
2. चाय की गुणवत्ता में सुधार ।
3. लघु चाय कृषकों में सहकारिता प्रयासों का संवर्धन ।
4. चाय अनुसंधान एवं विकास को समर्थन ।
5. निर्यात एवं घरेलू खपत में वृद्धि हेतु संवर्धन अभियान का निष्पादन ।
6. विनियामक कार्य-चाय बागानों, फैक्ट्रियों, प्राथमिक क्रेताओं का पंजीकरण एवं चाय ब्रोकरों, नीलामी संगठनों, निर्यातकों तथा चाय अपशिष्ट डीलरों हेतु अनुज्ञापन जारी करना ।
7. स्वास्थ्य, आरोग्य शास्त्र, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में रोपण कर्मियों एवं उनकी संतानों हेतु कल्याणकारी उपाय ।
8. चाय आंकड़ों का संग्रहण एवं वितरण; तथा
9. केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी ऐसी अन्य गतिविधियाँ ।

निधि का स्रोत :

उपर्युक्त कार्य हेतु निधि केन्द्र सरकार द्वारा पूंजी तथा राजस्व शीर्ष के अंतर्गत बोर्ड को प्रदान की जाती है ।
राजस्व निधि का प्रयोग विशेषरुप से प्रशासन व स्थापना प्रभार के लिए किया जाता है जिसमें चाय पर उपकर मुख्य स्रोत है । पूंजीगत निधियों का प्रयोग बोर्ड के विविध विकासात्मक, संवर्धनात्मक एवं कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु पूंजी निधियों का प्रयोग किया जाता है । चाय अधिनियम, 1953 की धारा 25(1) के तहत भारत में उत्पादित सभी चायों पर 50 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से उपकर लगाया जाता है, केवल दार्जिलिंग चाय पर उपकर 20 पैसे प्रति किलोग्राम है । यद्दपि जीएसटी कार्यान्वयन के बाद, तैयार चाय के उत्पादन पर लागू उपकर को जीएसटी में समाविष्ट किया गया है एवं धारा 3 के खंड (सी), धारा 25 एवं 26 तथा धारा 27 की उपधारा (1) के खंड (ए) भारत के राजपत्र की धारा 1 भाग II में प्रकाशित कर नियम (संशोधन) अधिनियम, 2017 (2017 के सं. 18) के तहत निरस्त किया गया है ।

प्रशासनिक ढांचाः

चाय नियम, 1954 के नियम 3 के अनुसार बोर्ड का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है । अध्यक्ष गैर-कार्यपालक प्रधान है एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारी है । गुवाहाटी (असम) तथा कुनूर (तमिलनाडु) में स्थित बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में दो कार्यपालक निदेशक तैनात हैं । भारत में बोर्ड के अड़तीस (38) कार्यालय हैं जिसमें क्षेत्रीय/आंचालिक/उप-क्षेत्रीय कार्यालय शामिल है तथा विदेश में अर्थात् मॉस्को में एक (01) कार्यालय है ।

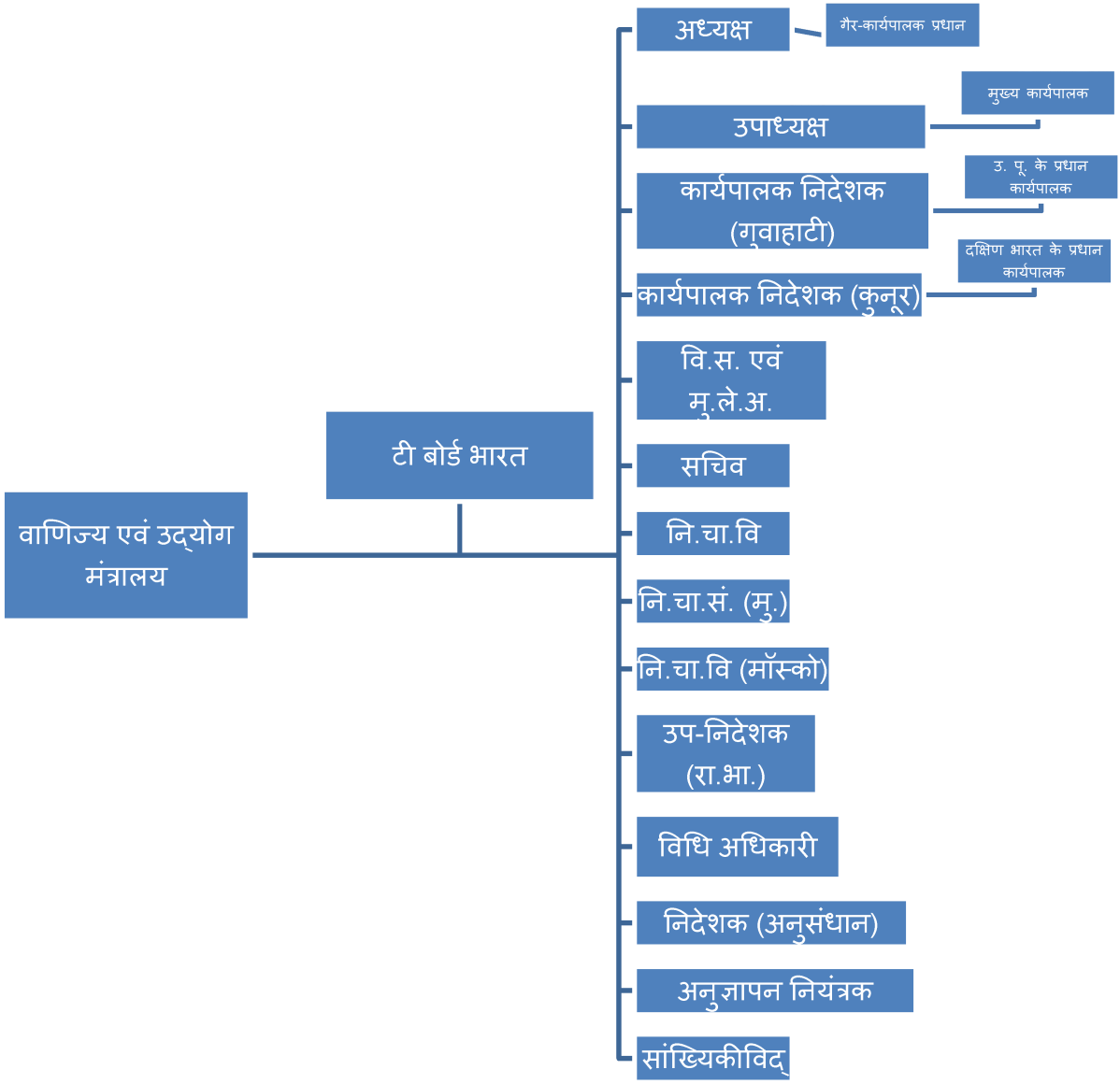

टी बोर्ड का प्रशासनिक ढ़ांचा

स्थापना विभाग की भूमिका नीति बनाना तथा चाय नियमों के प्रावधानों तथा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग व कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी उप-नियमों, नियमों, आदेशों तथा परिपत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सचिव इस विभाग के प्रधान हैं जिसे सहायक सचिव द्वारा सहायता दी जाती है । यह बोर्ड के कर्मचारियों व अधिकारियों से संबंधित मामलों, सेवा सम्बंधी मामलों, कार्यालयों की स्थापना, जनशक्ति पदों आदि से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है । सचिवालय अनुभाग सचिवालय से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है जैसे वीआईपी संदर्भ से संबंधित मामलें, बोर्ड मीटिंग का आयोजन आदि जबकि भंडार शाखा बोर्ड के सभी रिकॉर्ड व सूची रखता है ।

न किया गया जिसका

019
019

नल है) । भारत में बोर्ड
का विवरण तालिका-1

कुल
109
312
4
425

ले वर्ग	कुल
	29
	56
	76
	161

03.2020)

कुल
16
132
104
169
421

कुल
21
13
20
19
31
104

बोर्ड की बैठक

रिपोर्टाधीन अवधि (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक) के दौरान चार (04) बैठकों का आयोज
विवरण निम्नवत है :

बोर्ड के बैठक की संख्या	स्थान	दिनांक
238वीं बौर्ड की बैठक	कोलकाता	3 अप्रैल, 2019
239वीं बौर्ड की बैठक	कोलकाता	27 जून, 2019
240वीं बौर्ड की बैठक	कोलकाता	24 सितंबर, 20
241वीं बौर्ड की बैठक	कोलकाता	30 नवम्बर, 20

टी बोर्ड की जन-शक्ति

31.03.2020 तक बोर्ड की कुल जनशक्ति 421 थी (इसमें प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी शामि
के कार्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों की वर्तमान क्षमता
में दिया गया है ।

तालिका-1

भारत में बोर्ड की समूहवार जनशक्ति (31.03.2020) तक

क्षेत्र	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी
मुख्यालय	14	24	71
क्षेत्र/उप क्षेत्रीय कार्यालय	48	96	168
टी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी	4	0	0
कुल	66	120	239

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़े वर्ग (31.03.2020)

	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछ
ग्रुप ए	8	4	17
ग्रुप बी	20	5	31
ग्रुप सी	40	14	22
कुल	68	23	70

बोर्ड के कर्मचारियों का आयु-वार विवरण (प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को छोड़कर) (31.0

आयु वर्ग	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी
18-30	3	8	5
31-40	21	52	59
41-50	17	22	65
51-60	21	38	110
कुल	62	120	239

टी बोर्ड की सेवानिवृत्ति तालिका (अगले पाँच वर्षों में)

वर्ष	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी
2020	1	6	14
2021	0	6	7
2022	3	6	11
2023	2	5	12
2024	4	8	19
कुल 2020 से 2024 तक	10	31	63

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की जन-शक्ति में बदलावः

पदोन्नतिः

मितव्यय सम्बंधी उपायों के अंश के रुप में प्रशासनिक व्यय में प्रभावी आर्थिक तंत्र के लिए टी बोर्ड के नियंत्रण मंत्रालय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने दिनांक 22.02.2017 के पत्र द्वारा यह सुझाव दिया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई नयी भर्ती अथवा पदोन्नति न दी जाए ।

अतिरिक्त दायित्वः

- श्री ऋषिकेश राय, उपाध्यक्ष (राजभाषा) ने 22.12.2018 से सचिव, टी बोर्ड का अतिरिक्त दायित्व संभाला तथा यह 2019-2020 के दौरान भी जारी रहेगा ।
- श्री ए. राजन, सांख्यिकीविद् ने 14.08.2019 से निदेशक चाय संवर्धन (मुख्य.) का अतिरिक्त दायित्व संभाला ।

त्यागपत्र एवं पदमुक्ति

- श्री राकेश तलुरु, फै.स.अ. ने बोर्ड की सेवा से 14.04.2019 त्यागपत्र दे दिया ।
- श्री प्रकाश रॉय, फै.स.अ. ने बोर्ड की सेवा से 21.06.2019 को त्यागपत्र दे दिया ।
- वर्ष 2019-2020 के दौरान दो अन्य कार्मिकों ने बोर्ड की सेवाओं से त्यागपत्र दे दिया ।
- वर्ष 2019-20 के दौरान एक अन्य कर्मचारी को बोर्ड की सेवाओं से सी.आर.एस. प्रदान किया गया।

नियुक्तियाँ

- श्री एम. बालाजी, भा.प्र.से. (टीएनः2005) ने कार्यपालक निदेशक, टी बोर्ड कूनूर का पदभार 16.09.2019 से संभाला ।

सेवानिवृत्ति

- श्री टी.के.दे, वरि. लेखा अधिकारी 30.06.2019 बोर्ड की सेवा से सेवानिवृत्त हो गए ।
- श्री ए. राजन, सांख्यिकीविद 31.03.2020 बोर्ड की सेवा से सेवानिवृत्त हो गए ।
- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बारह (12) अन्य कर्मचारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए ।

दिवंगत

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान एक (01) कर्मचारियों का निधन हो गया ।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान एक (01) कर्मचारी ने विभिन्न संवर्गो से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ग्रहण किया।

एमएसीपी लाभ

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, एमएसीपी योजना के तहत कुल 59 (उनसठ) कर्मचारियों को विभिन्न संवर्गों में लाभ प्राप्त हुआ वह निम्नस्त हैः-

ग्रुप-ए	02
ग्रुप-बी	11
ग्रुप -सी	46
कुल	59

स्वच्छ भारत अभियान

- समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी निदेशों के अनुसार, टी बोर्ड ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया ।

प्रशिक्षण

- अप्रैल से मई 2019 के दौरान टी बोर्ड के लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति एवं कार्यक्षमता की वृद्धि पर टी बोर्ड के कर्मचारियों को पावर इंफिनिटी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।
- आईआईएफटी (भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, कोलकाता कैम्पस) ने "भारतीय चाय के निर्यात में बढ़ोत्तरीः बाज़ार एवं अवरोध" पर प्रबंधन वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन दो दिन अर्थात् 28-29 सितम्बर 2019 को टी बोर्ड के सभी अधिकारियों के लिए किया गया ।
- श्री प्रमोदा कुमार दास, विधि अधिकारी, टी बोर्ड को आईएसटीएम, दिल्ली में आर.टी.आई. पर दो दिन अर्थात् 27-28 फरवरी 2020 हेतु प्रशिक्षण दिया गया ।

लोक शिकायत, संसदीय प्रश्न, मंत्रालय पत्राचार एवं अन्य वीआईपी संदर्भ

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड ने 115 संसदीय प्रश्न, 16 लोक शिकायत, 132 मंत्रालय पत्राचार एवं 34 अन्य वीआईपी संदर्भ का समाधान किया । असम सभा के 12 प्रश्नों का भी समाधान किया गया है।

कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न के निवारण हेतु शाखा

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान टी बोर्ड में यौन उत्पीड़न के निवारण हेतु गठित शाखा में कोई भी शिकायत दर्ज नहीं की गई है ।

चिकित्सा नीति

- टी बोर्ड भारत ने समूह स्वास्थ्य मेडिक्लेम बीमा के विस्तार हेतु मेसर्स यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को वर्तमान कर्मचारिगण एवं उनके आश्रितों के इन-पेशेंट चिकित्सा के लिए 28.03.2019 से दायित्व सौंपा गया ।

अनुलग्नक - I

भारत तथा विदेशों में स्थित टी बोर्ड कार्यालयों का पता

पश्चिम बंगाल और बिहार

टी बोर्ड 14, बीटीएम सारणी , कोलकाता – 700001, दूरभाष : 033-22351331/फ़ैक्स : 033-2221-5715 ईमेल : secytboard@gmail.com वैबसाइट : www.teaboard.gov.in	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, वीरपाड़ा, ऊषा कॉम्पलेक्स, एम.जी. रोड, अलिपुरद्वार, पश्चिम बंगाल-735204 फो.03563-266542 ई-मेलःteaboardbirpara@gmail.com
दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेव्लपमेंट सेंटर (डीटीआर एंड डीसी) आचार्य भानुपथ, कार्सियांग-734203, दार्जिलिंग दूरभाषः 0354-230287 फैक्स व दूरभाषः 0354-230218 ईमेलः teaboarddarjeeling@gmail.com	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, ईस्लामपुर, पावर हाउस पाड़ा, मुख्य बस टरमीनस के विपरीत, पोस्ट ईस्लामपुर, जिला-उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल-733202 ईमेल: teaboardislampur@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, [illegible], बाबूपाड़ा, वार्ड सं 7 [illegible] 2nd माइल , सेवोक रोड , सिलिगुड़ी-734001, पश्चिम बंगाल दूरभाष/फैक्स : 0353-2544778 ईमेल : siliguriteaboard@gmail.com	टी बोर्ड, आंचलिक कार्यालय शहीद भगत सिंह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, (3 तल) [illegible] पो. व जिलाः जलपाईगुड़ी-735101 पश्चिम बंगाल दूरभाष/ फैक्सः 03561-225146 ईमेल: teaboardjal@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय पोस्ट-ठाकुरगंज, जिला- किशनगंज , बिहार ।	क्वालिटी कंट्रोल लैबोरेटरी (क्यूसीएल) टी बोर्ड, आंचलिक कार्यालय टी पार्क (एनजेपी रेलवे स्टेशन के पीछे) सिलिगुड़ी-735135

तमिलनाडु

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय को-ऑपरेटिव बैंक के सामने मैसूर रोड, गुडलूर-643212 द निलगिरिज, तमिलनाडु दूरभाष-04262-262 316 ईमेल : teaboardgudalur@gmail.com	कार्यपालक निदेशक , टी बोर्ड आंचलिक कार्यालय, “शेलवूड”, लाईब्रेरी रोड ,पोस्ट बॉक्स न. – 6, कूनूर -643101, नीलगिरि, तमिलनाडु दूरभाष : 0423-2231638/2230316*[डी] फ़ैक्स : 0423-2232332, 2231484-आर ईमेल : teaboardcoonoor@rediffmail.com
1. टी रुम, टी बोर्ड चेन्नई सचिवालय, दुकान सं. 3, 4 सेन्ट. जॉर्ज, चेन्नई-600009 दूरभाष-044-24342754/फैक्सः044-24341650 ई मेलः teaboardchennai@sancharnet.in	1. टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, 139, एलडैम्स रोड, तैनामपेट (2 तल) चेन्नई-600002, तमिलनाडु ।

केरल

टी बोर्ड इन्दिरा गांधी रोड , विलिंगडॉन आइलैंड, कोची – 682003, केरल , दूरभाष : 0484-2666523/2340481 फ़ैक्स : 0484-2666648 ईमेल : teaboardkochi@sancharnet.in	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, 511/1, कल्लोलिकल बिल्डिंग, पीयरमेड पोस्ट इदुक्की जिला, केरल – 685 509, दूरभाष : 04869 – 222628 ईमेल : teaboard.kumily@gmail.com

आंध्र प्रदेश

टी नूक, सी.आर.ओ. (जी) कार्यालय के निकट (रेलवे आरक्षण कॉम्पलेक्स काउंटर के विपरित) तिरुमाला-517504, आंध्रप्रदेश

असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम एवं मेघालय

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड उत्तर पश्चिम आंचलिक कार्यालय हाउसफेड कॉम्पलेक्स, 5वां व 6 वां तल, सेंट्रल ब्लॉक बेलतला बशिष्ठ रोड, दिसपुर, गुवाहाटी -781006, दूरभाष : 0361-2228944 / 2228945 फ़ैक्स : 0361-2234251 ईमेल : teaboardguwahati@hotmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, टी बोर्ड, आईटीआई रोड, पोस्ट-. इंद्रनगर, वाया-कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा-799006 दूरभाषः0381-2354639/फैक्सः0381-2354182 ईमेल: teaboard.agartala@gmail.com
लघु चाय रोपण विकास निदेशालय, जीग-जैग रोड, चौकीदींघी, शांतिनिकेतन अपार्टमेंट के विपरित, पोस्ट- डिब्रूगढ़-786001 दूरभाष :0373-2324982 ईमेल: teaboardsgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, क्लब रोड, सिल्चर -788 001, जिला – कछार, असम, दूरभाष : 03842-232518, ईमेल : silchar_tboard@rediffmail.com
टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, प्राइवेट रेसीडेंस, 2 तल, किंगकप स्कूल के निकट, वी.आई.पी. रोड, पोस्ट-इटानगर अरुणाचल प्रदेश – 791 111 ईमेल आईडी: teaboarditanagar@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, टी बोर्ड, टी रिसर्च एसोशिएशन कॉम्प्लेक्स , सिन्नामारा, जोरहाट – 785001, असम ईमेल : teaboardjorhat@gmail.com

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, चुनाव कार्यालय के विपरीत, जिला – सोनीतपुर, गणेश घाट, तेजपुर-784001, असम , दूरभाष : 03712-233664, ईमेल : tezpurteaboard@gmail.com	टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय एल.के. बरुआ रोड,अमोलापट्टी, जिला- सिवसागर, असम पिन- 785640 ईमेल: teaboard.sivsagar@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, ''पुण्यालय'' मारवाड़ी पट्टी, वार्ड नंबर -1 पोस्ट व जिला – गोलाघाट (असम) पिन -785621 , असम ईमेल: teaboardgolaghat@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, खर्गेस्वर रोड ,बीएसएनएल कार्यालय के निकट , जिला-तिनसुकिया, असम पिन-786125 ईमेल: tinsukiateaboard2019@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- मृणाल मोनी भट्टाचार्या, फार्म मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट के पीछे , पोस्ट व जिला – बिस्वनाथ चारियाली,असम ईमेल: nandyanupam3@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- श्री प्रभात दास, पोस्ट – जिला : उदालगुरी पिन-784509, असम ईमेल – nabajyotibaro73@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय, लुमनॉनग्रीम,उम्सनिंग , जिला –रि-भोई , मेघालय पिन-793105 ईमेल: teaboardumsning@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, C/O. गुनिन गोगोइ , पोस्ट –गोगामुख,जिला- धेमाजी ,असम । पिन-787034 ईमेल: rituvd@gmail.com
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- श्री हेमकांत खानीकर, 14 नंबर लाइन रोड , इलाहाबाद बैंक के पीछे राजगढ़ ,डिब्रुगढ़ , असमपिन- 786611 ईमेल: pbaidya23@yahoo.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, जेमाबाव्क, हाई स्कूल रोड, हाउस नंबर आरके -62 , ऐजवाल, मिज़ोरम पिन-796017 ईमेल:diganta_2009@rediffmail.com
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, पोस्ट – धर्मनगर, नॉर्थ त्रिपुरा, त्रिपुरा , पिन-799250 ईमेल: mnskrmllk@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, राजाधाप ,पशु अस्पताल के निकट पोस्ट – सोनारी ,जिला- चराईडिओ, असम पिन-785690 असम । ईमेल: teaboard.sonari@gmail.com

दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं महाराष्ट्र

उ.प.भा. विशेषाधिकारी टी बोर्ड 13/2 जाम नगर हाउस, शाहजहाँ रोड , नई दिल्ली -110011, टेली फ़ैक्स: 011-23074179, मोबाईल : 09818007168 ईमेल : nasstats@gmail.com , daktboard@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, कालु दी हट्टी, पालमपुर, कांगड़ा, हि.प्र. दूरभाष : 01894-238171 फैक्स : 01894-238178 ईमेल : teaboardpalampur@gmail.com

टी बोर्ड उप- कार्यालय लिंक रोड ,थापलिया, अल्मोड़ा, जिला:- उत्तराखंड , पिन-263601 ई:मेल-teaboardalmora@gmail.com	टी बोर्ड रेशम भवन , 78, वीर नरीमन रोड, मुंबई – 400002, टेलीफोन : 022-22041699, जी.एच (टेली) 23675401 ईमेल : mumteaboard@gmail.com

रूस

टी बोर्ड ऑफ इंडिया , 4, वोरोंत्स्वो पोलये- भारतीय दूतावास , मॉस्को रशियन फैडरेशन , दूरभाष/ फैक्स: +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 एक्स: 293 + 7(495)917 1657 आवास : +7(495)952 0524 मो. : +0079653862273, ईमेल : teaboard@indianembassy.ru , dcp@indianembassy.ru

अनुलग्नक-II
बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	11 फरवरी, 2019 से 10 फरवरी, 2022 तक के बोर्ड के सदस्यों का नाम		
1.	श्री प्रभात कमल बेज़बरुआ फ्लैट 41, 17 लोअर रेंज, कोलकाता-700017 पश्चिम बंगाल	अध्यक्ष	नियम 4 के उप-नियम (1) के तहत नियुक्ति [वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं. एस.ओ. 1172 (ई) दिनांक 08.03.2019 एन.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) देखें]
2.	सचिव, उद्योग, वाणिज्य एवं उपक्रम विभाग पश्चिम बंगाल सरकार कोलकाता	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
3.	प्रधान सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग त्रिपुरा सरकार अगरतला	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
4.	सरकार के सचिव सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम विभाग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
5.	कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रधान सचिव, कृषि विभाग, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]

6.	सरकार के सचिव व आयुक्त वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, असम सरकार, गुवाहाटी	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
7.	हिमाचल सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (कृषि) के प्रधान सचिव, शिमला	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
8.	श्री रमेन डेका, सांसद, लोकसभा **(17 सितंबर 2019 तक)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
8ए.	श्री होरेन सिंह बे सांसद, लोक सभा **(18 सितम्बर, 2019 से)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक **18/09/2019** की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सं.एस.ओ. 3359(ई) देखें]
9.	श्री पी. नागराजन सासंद, लोकसभा **(17 सितंबर 2019 तक)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
9ए.	श्री राजू बिष्ट, सांसद , लोक सभा **(18 सितम्बर, 2019 से)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक **18/09/2019** की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सं.एस.ओ. 3359(ई) देखें]

-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत प्रतिनिधित्व [एफ.न.टी-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 वं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना ई) देखें]	10.	श्रीमती शांता छेत्री सांसद, राज्यसभा	सदस्य	नियम 4 के उप- संसद का 49019/1/2018-प की वाणिज्य एव सं.एस.ओ. 783(इ
नियम (1) के, खंड (ग) के तहत वं चाय संपदा व बागानों के निधित्व [एफ.स.टी-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295	11.	श्री बी. कुमारन, 6/415, होनाथली, बील्लीकॉम्बी (पोस्ट) नीलगिरि-643214 तमिलनाडु	सदस्य	नियम 4 के उप-नि चाय उत्पादक एव मालिकों का प्रति 49019/1/2018-प की एसओसीआई (ई) देखें ।]
नियम (1) के, खंड (ग) के तहत वं चाय संपदा व बागानों के निधित्व [एफ.स.टी-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295	12.	श्री बिपन सिंहल सचिव, लघु उद्योग भारती-उत्तर बंगाल इकाई मैग ट्री प्राईवेट लिमिटेड प्रिमियम अपार्टमेंट, 2 तल, शिव मंदिर रोड, पंजाहीपारा, सिलिगुड़ी-734001, पश्चिम बंगाल	सदस्य	नियम 4 के उप-नि चाय उत्पादक एव मालिकों का प्रति 49019/1/2018-प की एसओसीआई (ई) देखें ।]
नियम (1) के, खंड (ग) के तहत वं चाय संपदा व बागानों के निधित्व [एफ.स.टी-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295	13.	श्रीमती डिकी ताशी वांगचूक ताशी उत्पल, तातोंग सरकारी स्कूल के नीचे, तातोंग, पोस्ट दारा गाँव, गंगटोक-737102, सिक्किम	सदस्य	नियम 4 के उप-नि चाय उत्पादक एव मालिकों का प्रति 49019/1/2018-प की एसओसीआई (ई) देखें ।]
नियम (1) के, खंड (ग) के तहत वं चाय संपदा व बागानों के निधित्व [एफ.स.टी-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295	14.	श्री किशोरीलाल अग्रवाल 1ए, 137, सेक्टर 3, साल्ट लेक कोलकाता-700096 पश्चिम बंगाल .	सदस्य	नियम 4 के उप-नि चाय उत्पादक एव मालिकों का प्रति 49019/1/2018-प की एसओसीआई (ई) देखें ।]

15.	अध्यक्ष भारतीय चाय संस्थान रॉयल एक्सचेंज, 6, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ग) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
16.	सभापति, द युनाईटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ सदर्न इंडिया, पोस्ट बॉक्स सं. 11, ग्लैनव्यूह, कुन्नूर-643101	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ग) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
17.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
18.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
19.	महासचिव असम चाहमज़दूर संघ, जीबन फुकन नगर, डिब्रुगढ़-786003, असम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
20.	श्रीमती वीणा (बीना) श्रीवास्तव पत्नी श्री महीन्द्र नाथ, ग्राम-डुग्नी, पोस्ट महाहु द-पालमपुर, जिला-कांगड़ा हिमाचल प्रदेश	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ग) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]

21.	सभापति भारतीय चाय संघ इंडिया एक्सचेंज, 4, महाराणा प्रताप सरणी 7वां तल, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कोलकाता-700 001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ग) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
22.	श्री जे. रमन थुम्बानटी ग्राम व पोस्ट,ऊटी, द नीलगिरि-643002 तमिलनाडु ।	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ग) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
23.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
24.	श्री निधेश हंसमुखलाल शाह टी ट्रेडर्स व एक्सपोर्टस फोरम, “मधुवन”, घर हो तो ऐसा के विपरीत कमल मंदिर रोड, संस्कार सोसाईटी के निकट, सुरेन्द्रनगर-363002 गुजरात	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (घ) के तहत चाय के निर्यातक व आंतरिक व्यापारियों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
25.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
26.	श्री भावेश रमेशभाई पटेल संयुक्त प्रबंध निदेशक विक्रम टी प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड अजंता नगर, देवेलगाँव राजा रोड, जालना-431203, महाराष्ट्र	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ड़) के तहत चाय के विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
27.	श्री पी. मोहनन ताचपुरमबिल, लांडी, पोस्ट- लांड्री एस्टेट इडुक्की-685505, केरल	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ड़) के तहत चाय के विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]

28.	श्री रतन नंदलाल बिदादा प्रबंध निदेशक बिदादा इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड गंगा मैंशन, सिंहागाद सोसाइटेड, कन्हेरी रोड, मोती नगर, लातुर-413512, महाराष्ट्र	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (च) के तहत चाय के उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
29.	संत श्री नानकदास महाराज सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान (एनजीओ) छपरीदंगरी, पोस्ट बड़ीखाटु तेहःजयल, जिला-नागोर, राजस्थान-341301	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (च) के तहत चाय के उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
30.	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना 33, पार्न विला, सेवक आश्रम रोड, देहरादून, उत्तराखंड-24800	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (छ) के तहत अन्य इंटरेस्ट का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
31.	श्री सुनील किरवई भारतीय मजदूर संघ कार्यालय हाउस सं. 136/बी, वाटर वर्कस कॉलोनी, फायर सर्विस स्टेशन के निकट, पांडु, पोस्ट-रेस्ट कैम्प जिला-कामरुप-781012 असम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (छ) के तहत अन्य इंटरेस्ट का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
32.	उपाध्यक्ष, टी बोर्ड	पदेन सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एए) के तहत नियुक्त [एफ.सं.टी-49019/1/2018-पौध(ए) से दिनांक 11/2/2019 की एमओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 783 (ई)]

अध्याय-2

वैश्विक व भारतीय चाय परिदृश्य का एक व्यापक सिंहावलोकन

वैश्विक चाय परिदृश्य

उत्तरी अमेरिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों में करीब 36 से अधिक देशों तक विस्तृत है, जिसमें जॉर्जिया और अर्जेंटीना के बीच व्यापक कृषि-जलवायु परिस्थितियों में चाय पैदा होती है । वर्ष 2019 के दौरान वैश्विक चाय उत्पादन और उपभोग क्रमशः 6150 मिलियन किग्रा और 5859 मिलियन किलोग्राम था। वर्ष 2019 के दौरान उत्पादक देशों से कुल निर्यात 1904 मिलियन किलोग्राम तक बढ़ा। मुख्य चाय उत्पादक और निर्यातक देशों में चीन, भारत, केन्या, और श्रीलंका हैं और वे क्रमशः 80% और 74% विश्व चाय का उत्पादन तथा निर्यात करते हैं। (तालिका -1)

तालिका -1

2019 के दौरान प्रमुख उत्पादक और निर्यातक देशों का उत्पादन और निर्यात में हिस्सेदारी ।

देश	उत्पादन		निर्यात	
	मिलियन किग्रा	विश्वव्यापी हिस्सा	मिलियन किग्रा	विश्वव्यापी हिस्सा
चीन	2799	45	367	20
भारत	1390	23	252	13
केन्या	459	7	497	26
श्रीलंका	300	5	290	15
अन्य	1202	20	499	26
विश्व योग	**6150**	100	**1904**	**100**

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2020 (भारत को छोड़कर)

2019 के दौरान मांग की तुलना में पूर्ति की अधिकता के कारण बांग्लादेश को छोड़कर मुख्य उत्पादक देशों के विश्वव्यापी नीलामी मूल्य में गिरावट आई ।

तालिका-2 : चाय का विश्व-व्यापी नीलामी मूल्य (यूएस$/कि.ग्रा. में)

देश	**2018**	**2017**	>/< **वृद्धि 2017**
भारत	2.00	2.03	-0.03
बांग्लादेश	2.31	3.11	-0.80
श्रीलंका	3.05	3.58	-0.53
केन्या	2.04	2.43	-0.39
लिम्बे	1.46	1.84	-0.38

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2020 (भारत को छोड़कर)

चाय की औसत प्रति व्यक्ति खपत अलग अलग देशों में व्यापक रूप से भिन्न होती है। सबसे अधिक खपत वाले देश तुर्की (3.04 किग्रा), लीबिया (3.02 किलो), मोरक्को (2.07 किलो), आयरलैंड (2 किलो), संयुक्त राज्य (1.59 किग्रा) एवं हांगकांग (1.59 किलो) भारत में खपत करीब 840 ग्राम है।

यद्दपि, भारत में प्रति व्यक्ति चाय की खपत अन्य देशों की तुलना में कम है, तथापि भारत की जनसंख्या के कारण चाय की खपत वैश्विक खपत का 19% हिस्सा है। देश में कुल उत्पादन का लगभग 81% हिस्से का उपयोग किया जाता है। यह विशिष्ट स्थान अन्य उत्पादक देशों, विशेष रूप से केन्या और श्रीलंका के विपरीत है जो कि किसी भी मजबूत घरेलू मांग के लिए मुश्किल नहीं है और इसलिए वे अपने अधिकांश उत्पादन का निर्यात करते हैं।

वर्ष 2019 में वैश्विक चाय की स्थिति

उत्पादन:

वर्ष 2019 के दौरान कुल चाय उत्पादन में वर्ष 2018 की तुलना में 183.87 मि.कि.ग्रा. की वृद्धि हुई। इसका विस्तृत ब्यौरा तालिका-3 में देखा जा सकता है कि भारत को छोड़कर सभी उत्पादक देशों में काली चाय का उत्पादन घट गया है। तथापि, चीन एक प्रमुख हरी चाय उत्पादक देश है, उसके उत्पादन में 188.99 मि.कि.ग्रा. की वृद्धि हुई ।

तालिका-3: मुख्य चाय उत्पादक देशों में चाय का उत्पादन (मि.कि.ग्रा.)

देश	2019	2018	>/< वृद्धि 2018
भारत	1390.08	1338.63	51.45
श्रीलंका	300.13	304.01	-3.88
केन्या	458.85	493.00	-34.15
चीन	2799.38	2610.39	188.99
अन्य	1201.64	1220.18	-18.54
कुल विश्व उत्पादन	6150.08	5966.21	183.87

स्रोत; आईटीसी के वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2020 भारत को छोड़कर

निर्यात:

वर्ष 2019 में कुल वैश्विक निर्यात 2018 की तुलना 40.54 मिलियन कि.ग्रा बढ़ गया (तालिका -4)। हालांकि, भारत के निर्यात में सीमांत गिरावट आई, केन्या, श्रीलंका की स्थिति में सुधार आया ।

तालिका-4: प्रमुख उत्पादक देश (मिलियन किलोग्राम) का निर्यात

देश	2019	2018	>/< वृद्धि 2018
केन्या *	496.76	474.86	21.90
चीन	366.55	364.71	1.84
श्रीलंका	289.59	271.78	17.81
भारत	252.15	256.06	-3.91
अन्य	498.62	495.72	2.90
कुल विश्व निर्यात	**1903.67**	**1863.13**	**40.54**

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2020 (भारत को छोड़कर)

* केन्या के निर्यात में पड़ोसी अफ्रिकी उत्पादन करने वाले देश शामिल हैं

भारतीय चाय परिदृश्य

भारत में 15 राज्यों में चाय की खेती की जाती है जिसमें असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल प्रमुख चाय उत्पादक राज्य हैं। वे कुल उत्पादन का 98% हिस्सा रखते हैं। अन्य पारंपरिक राज्य जहां चाय की खेती की जाती है, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और कर्नाटक राज्य हैं। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, और सिक्किम भारत के चाय के नक्शे में प्रवेश करने वाले गैर-पारंपरिक राज्यों में शामिल हैं।

दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि और कांगड़ा जैसी दुनिया की बेहतरीन चाय जो उत्कृष्ट स्वाद, कड़कपन और चमक के लिए प्रसिद्ध हैं, भारत में उत्पादित किए जाते हैं। विविध कृषि जलवायु परिस्थितियों के साथ भारत उपभोक्ताओं के विभिन्न स्वादों और वरीयताओं के अनुकूल चाय के मिश्रण का उत्पादन करता है। प्रत्येक क्षेत्र की विशेषताएं अलग-अलग होती है जो उन्हें अन्य से अलग करती है।

उत्पादन:

वर्ष 2019-20 **चाय उत्पादन का रिकार्ड वर्ष है**, उत्तर भारत के प्रमुख चाय उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में जलवायु के अनुकूल परिस्थितियों के कारण 2018-19 की तुलना में कुल चाय के उत्पादन में 1360.81 मि.कि.ग्रा. सहित 10.77 मि.कि.ग्रा. वृद्धि दर्ज की गई ।

निर्यातः

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भारत ने चाय निर्यात की धारा को बरकरार रखा । चाय निर्यात 5457.10 करोड़ रुपए की मूल्य वसूली सहित मात्रा में 241.34 मि.कि.ग्रा. थी । यह 9.73 प्रति किलोग्राम के बेहतर इकाई मूल्य वसूली के कारण मात्रा में 13.16 मि.कि.ग्रा. तथा मूल्य में 49.74 करोड़ रुपए कम था ।

प्राथमिक विपणन :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान देश में कुल उत्पादित चाय का 44.35% सार्वजनिक नीलामियों के माध्यम से बेचा गया, जिसे गत वर्ष बढ़ाया गया था एवं शेष को अन्य तरीके से बेचा गया।

घरेलू प्रतिधारण :

वर्ष 2018-19 में 1120 मिलियन कि.ग्रा. के मुकाबले वर्ष 2019-20 के दौरान चाय का अनुमानित घरेलू प्रतिधारण लगभग 1135 मिलियन कि.ग्रा. रहा।

अध्याय - 3

वित्त

प्रस्तावना

टी बोर्ड को सरकार द्वारा सहायता अनुदान से निधि दी जाती है । टी बोर्ड आंतरिक अतिरिक्त बजट स्रोत (आईईबीआर) जैसे अनुज्ञप्तियों पर शुल्क ऋण एवं अग्रिमों पर ब्याज तथा विविध आय जैसे तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, आवेदन पत्रों व अन्य प्रकाशनों आदि की बिक्री द्वारा लघु राशि प्राप्त करते हैं।

टी बोर्ड को उपलब्ध सभी निधि वार्षिक संघ बजट द्वारा प्राप्त होती है । सरकार की वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन करने के विषय में चाय अधिनियम की धारा 10 में प्रतिस्थापित प्रावधानों के अनुसार टी बोर्ड द्वारा ऐसी निधि का उपयोग किया जाता है ।

उपकर प्राप्ति

वर्ष 2019-20 के दौरान चाय अधिनियम 1953 की धारा 26 के तहत उपकर की प्राप्ति में टी बोर्ड को गैर-योजना के रुप में (अथ शेष छोड़कर) 7355.00 लाख रु. सरकार द्वारा विनिर्मुक्त किया गया था । 1.82 लाख रु. तथा 4.50 लाख रु. अथ शेष तथा अंत शेष था ।

अनुसंधान एवं विकास अनुदान

वर्ष 2019-20 के दौरान अनुसंधान एवं विकास अनुदान के प्रति सरकार से 1901.00 लाख की राशि प्राप्त की गयी । 38.82.00 लाख तथा 17.20 लाख रु. का अथ शेष तथा अंत शेष था एवं अन्य प्राप्तियाँ 23.92 लाख रु. थी।

अनुसंधान (एएसआईडीई)

वर्ष के दौरान सरकार से अनुदान के रूप में कोई राशि प्राप्त नहीं हुई । तथापि 33.23 लाख रु. एवं 131.92 लाख रु. अथ शेष तथा अंत शेष था एवं अन्य प्राप्तियाँ 1.96 लाख रु. थी ।

सहायिकी

वर्ष के दौरान सरकार से सहायिकी के रूप में 8342.**13** लाख की राशि प्राप्त हुई । 20.69 लाख रु. तथा 29.89 लाख रु. का अथ शेष था तथा अन्य प्राप्तियाँ 372.80 लाख रु. थी ।

विशेष प्रयोजन चाय निधि-पूंजीगत

वर्ष के दौरान, एसपीटीएफ पूंजी अंशदान के प्रति सरकार से कोई राशि प्राप्त नहीं हुई ।

गैर-योजना प्राप्तियाँ एवं व्यय

क. प्राप्तियाँ

वर्ष 2019-20 के दौरान गैर-योजना के विभिन्न शीर्षो के तहत प्राप्तियाँ निम्नवत थी :

(रु. लाख में)

चाय अधिनियम की धारा 26 के तहत प्राप्त राशि	7355.00
अनुज्ञापनों/टीएमसीओ, 2003 के बाबत वसूले गए शुल्क	292.51
एचएसीसीपी के बाबत वसूले गए शुल्क	0.00
तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, प्रकाशनों की बिक्री, नियत जमा पर ब्याज इत्यादि सहित विविध प्राप्तियाँ	392.36
अग्रिम पर ब्याज	8.08
डीसीटीएम के बाबत वसूले गए पंजीकरण शुल्क, असम, डुअर्स, नीलगिरि ट्रेड चिह्न व लोगो प्रशासन	16.05
अन्य प्राप्तियाँ	178.00
कुल	**8242.00**

ख. भुगतान

वर्ष 2019-20 के दौरान गैर-योजना व्यय निम्नवत थी:

(रु. लाख में)

पुस्तकालय सहित प्रशासन	2950.32
भारत में चाय संवर्धन	463.80
भारत से बाहर चाय संवर्धन	0.00
पेंशन उपदान व छुट्टी नकदीकरण सहित	2580.50
अन्य स्थापना व्यय	200.39
नई पेंशन योजना में नियोक्ता का अंशदान	116.92
अन्य प्रशासनिक व्यय	687.46
अचल सम्पत्तियों का क्रय	153.30
अन्य भुगतान	1086.63
कुल	**8239.32**

प्लान योजना प्राप्ति व भुगतान

ग. प्राप्तियाँ

विभिन्न प्लान योजनाओं के तहत वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्तियाँ :

(रु. लाख में)

चाय रोपण विकास सहायिकी योजना	3531.12
अनुसूचित जाति उप-योजना	542.00
गुणवत्ता उन्नयन व उत्पाद विविधिकरण योजना	109.03
मानव संसाधन विकास योजना	339.64
आर्थोडॉक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	2184.13
बाजार संवर्धन योजना	812.71
चाय विनियम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम	200.00
अनुसंधान व विकास योजना	1901.00
जनजाति क्षेत्र उप-योजना	623.50
कुल	**10243.13**

घ. भुगतान-अनुसंधान व विकास अनुदान

(रु. लाख में)

टीआरए/उपासी को सहायता अनुदान	952.94
टीआरए/उपासी के अलावा वित्तिय सहायता	0.00
परियोजना व्यय (कर्सियांग-एकीकृत चाय सुधार परियोजना)	8.88
डीटीआर व डीसी का वित्तिय उन्नयन	41.39
कार्यशाला/संगोष्ठि इत्यादि	0.40
संविदागत स्टाफ को वेतन	0.00
क्यूसीएल सिलिगुड़ी व्यय	67.55
संपदा क्रय	1.10
मूल्यांकन व अनुवीक्षण	0.00
अन्य भुगतान	796.02
कुल	**1868.28**

ड़. भुगतान - सहायिकी

(रु. लाख में)

रोपण सहायिकी योजना	3736.20
गुणवत्ता उन्नयन व उत्पाद विवधिकरण योजना	108.97
मानव संसाधन विकास योजना	339.46
आर्थोडॉक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	2263.82
बाजार संवर्धन योजना	816.04
अनुसूचित जाति उप-योजना	545.67
चाय विनियम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम	254.22
जनजाति क्षेत्र उप-योजना	621.34
कुल	**8685.72**

च. भुगतान- अनुसंधान योजना (एएसआईडीई)

(रु. लाख में)

व्यय	1.54
कुल	1.54

छ. भुगतान-ऋण योजना एवं चाय केंद्र

(रु. लाख में)

ऋण योजना हेतु आवर्ती कार्पस निधि	1486.22
एसपीटीएफ	2956.54
चाय केंद्र	4.06
कुल	**4446.82**

वर्ष 2019-20 के दौरान योजना पर कुल व्यय

(घ + ड़+ च) = **रु.** 10555.54 लाख

अध्याय - 4

चाय विकास

परिचय :

चाय अधिनियम के अंतर्गत चाय बोर्ड के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक कार्य विकास परियोजनाओं का सूत्रीकरण एवं कार्यान्वयन है जिसका लक्ष्य बागानों का चाय उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना, चाय प्रक्रिया का आधुनिकीकरण, पैकेजिंग तथा मूल्य संवर्धन सुविधाएं प्रदान करना, लघु चाय उत्पादकों में सहकारिता प्रयासों को बढ़ावा देना तथा चाय बागान के कामगारों के लिए कल्याणकारी उपाए करना है जो बागान श्रमिक अधिनियम के प्रावधानों के अनुपूरक है ।

उपरोक्त क्रियाकलापों के लिए वित्तीय सहायता अनुमोदित परियोजनाओं के द्वारा प्रदान की जाती है।

विकास समिति :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विकास समिति में निम्नलिखित सदस्य है :

1. उपाध्यक्ष, चाय बोर्ड, समिति का पदेन अध्यक्ष
2. श्री विवेक गोएंका, आईटीए
3. श्री मुदित कुमार, टीएआई
4. श्री निदेश हसमुखलाल शाह
5. डॉ अशोक कुमार सक्सेना
6. श्री ए. ई. जोसफ

बोर्ड/विकास समिति की बैठकें :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित तारीखों को बोर्ड/विकास समिति की बैठकें हुईं :

बैठक की संख्या	बैठक की तारीख	स्थान
बोर्ड की 238वीं बैठक	3 अप्रैल, 2019	कोलकाता
बोर्ड की 239 वीं बैठक	27 जून, 2019	कोलकाता
बोर्ड की 240 वीं बैठक	24 सितंबर , 2019	कोलकाता
बोर्ड की 241वीं बैठक	30 नवंबर 2019	कोलकाता

1. मध्यम अवधि ढ़ांचा (एमटीएफ़) (2017-18 से 2019-20) :

मध्यम अवधि की रूपरेखा (2017-18 से 2019-20) के दौरान 12वीं योजना के चाय विकास और संवर्धन योजना को चालू रखने के लिए ईएफ़सी द्वारा यथा अनुमोदित चाय बोर्ड के प्रस्ताव को दिनांक 29.12.2017 के पत्र संख्या : एफ.सं.टी.17014/2/2016/पौध-ए द्वारा सरकार की अनुमति से अवगत कराया गया ।

सरकार ने मध्यम अवधि की रूपरेखा (2017-18 से 2019-20) के अंतर्गत चाय विकास एवं संवर्धन योजना के लिए स्थापना व्यय के अलावा रोपण विकास,गुणवत्ता उन्नयन एवं उत्पाद विविधिकरण,बाज़ार संवर्धन,अनुसंधान एवं विकास तथा राष्ट्रीय चाय विनियम कार्यक्रम के घटकों सहित अन्य क्रियाकलापों के लिए 394.85 करोड़ रु० के परिव्यय को मंजूरी दे दी है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 मध्यम अवधि की रूपरेखा का अंतिम वर्ष था । 2019-20 के दौरान विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि और व्यय का विवरण इस प्रकार है :

सारणी :1

2019-20 के दौरान चाय विकास एवं संवर्धन योजना के पीडीएस, क्यूयूपीडीएस, एचआरडी, एससीएसपी और टीएएसपी के अंतर्गत प्राप्त एवं संवितरित धनराशि			
(रु० करोड़ में)			
क्र.सं	**परियोजनाएँ / घटक**	**प्राप्ति**	**व्यय**
	रोपण विकास क) बड़े उत्पादक	26.26	27.12
	ख) लघु उत्पादक विकास	9.05	9.05
1	**उप – कुल**	**35.31**	**36.17**
	क) गुणवत्ता उन्नयन एवं उत्पाद विविधिकरण	1.09	1.11
	ख) आर्थोडॉक्स चाय का उत्पादन	21.84	22.61
2	**उप – कुल**	**22.93**	**23.72**
3	मानव संसाधन विकास	3.40	4.31
4	अनुसूचित जाति उप योजना	5.42	5.42
5	जनजाति क्षेत्र उप योजना	6.24	6.23
	कुल	**73.30**	**75.85**

त 3 वर्षों में प्राप्त एवं व्ययित

0)	
एमटीएफ़ कुल	
प्राप्ति	व्यय
83.40	84.30
26.58	26.51
109.98	**110.81**
11.33	11.29
54.06	54.89
65.39	**66.19**
10.77	11.98
17.35	17.25
12.48	12.46
215.97	**218.69**

में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है
और अधिक ध्यान देने के लिए
की स्थापना की गई और असम
लघु उत्पादक वाले प्रमुख क्षेत्रों

न करने की प्रक्रिया शुरू कर दी
ला में पारदर्शिता लाने के लिए
लीफ़ एजेंट्स, बोर्ड के फील्ड
बाइल एप्प को जब हितधारकों
ससे चाय बोर्ड को हरी पत्तियों
द हरी पत्तियों द्वारा तय दूरी,
जानकारी मिलती रहेगी।

मध्यम अवधि की रूपरेखा के दौरान विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के अंतर्गत विग
धनराशि का विवरण इस प्रकार है :

सारणी : 2

मध्यम अवधि की रूपरेखा – एमटीएफ़ (2017-18 से 2019-20						
	2017-18		2018-19		2019-20	
परियोजना	**प्राप्ति**	**व्यय**	**प्राप्ति**	**व्यय**	**प्राप्ति**	**व्यय**
पीडीएस –बीजी	32.57	32.57	24.57	24.61	26.26	27.12
पीडीएस-एसजीडी	12.50	12.43	5.03	5.03	9.05	9.05
पीडीएस उप-कुल	**45.07**	**45.00**	**29.60**	**29.64**	**35.31**	**36.17**
क्यूयूपीडीएस	6.91	6.86	3.33	3.33	1.09	1.10
ओटीपीएस	17.57	17.62	14.65	14.66	21.84	22.61
क्यूयूपीडी उप-कुल	**24.48**	**24.48**	**17.98**	**17.99**	**22.93**	**23.72**
एचआरडी	4.91	5.22	2.46	2.45	3.40	4.31
एससी एसपी	2.74	2.64	9.19	9.19	5.42	5.42
टीएएसपी	0.00	0.00	6.24	6.23	6.24	6.23
कुल	**77.20**	**77.34**	**65.47**	**65.50**	**73.30**	**75.85**

2. लघु उत्पादक विकास निदेशालय :

लघु चाय उत्पादक एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है जो देश के निर्मित चाय के उत्पादन
। इस क्षेत्र के बढ़ते योगदान को देखते हुए तथा लघु चाय उत्पादकों के समग्र विकास के लिए
टी बोर्ड द्वारा अप्रैल 2013 में लघु चाय विकास निदेशालय के नाम से एक अलग निदेशालय
के डिब्रूगढ़ स्थित मुख्यालय के साथ उसे क्रियाशील बनाया गया । रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान
में 11 उप - क्षेत्रीय कार्यालय थे ।

लघु उत्पादकों की परिगणना एवं क्यूआर कोड के साथ पहचान-पत्र जारी किया जाना :

चाय बोर्ड ने क्यूआर कोड के साथ पहचान-पत्र जारी करते हुए लघु चाय उत्पादकों के पहचान
है। इन उत्पादकों के खेतों से लेकर कारखानों तक हरी चाय पत्तियों की सम्पूर्ण आपूर्ति श्रृंख
चाय बोर्ड ने हितधारकों, जैसे- लघु चाय उत्पादकों, कारखानों (ईएफ़+बीएलएफ़), ग्रीन
ऑफिसर्स एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए एक मोबाइल एप्प विकसित किया है। इस मो
को क्यूआर कोड युक्त आईडी कार्ड जारी करने के लिए वेब पोर्टल के साथ जोड़ा जाएगा तब उ
की मात्रा एवं गुणवत्ता, प्रति किलो ग्राम हरी चाय पत्ती पर प्राप्त कीमत, उत्पादन के बा
उसमे लगने वाले समय, ट्रेसिंग, प्रशिक्षण जरूरतों, मौसम विवरण, चेतावनी आदि की सटीक

लघु उत्पादकों की परिगणना तथा मुद्रित एवं जारी किए गए क्यूआर कोड का राज्य – वार विवरण नीचे प्रस्तुत है :

सारणी : 3

लघु चाय उत्पादकों की कुल संख्या			
राज्य	**संख्या**	**क्षेत्र (हेक्टेयर)**	**मुद्रित और जारी किए गए क्यूआर कार्डों की संख्या**
केरल	8497	5567.74	3597
तमिलनाडु	45765	33284.57	22943
कर्नाटक	0	0	-
असम	101085	105291	75785
नागालैंड	3354	22772.27	1721
मेघालय	644	910.35	240
त्रिपुरा	2766	1407.28	831
मिज़ोरम	364	182.8	-
मणिपुर	489	1382.61	-
अरुणाचल प्रदेश	1690	4630.5	-
पश्चिम बंगाल	37365	33711.27	22605
बिहार	3500	3900	
सिक्किम	30	8.75	-
हिमाचल प्रदेश	1526	710.22	272
उत्तराखंड	3150	2127.08	210
कुल	**210225**	**215886.44**	**128204**

जिला स्तरीय हरी पत्ती मूल्य निगरानी समितियों के माध्यम से कीमत की निगरानी :

हरी पत्तियों की निगरानी के लिए विभिन्न चाय उत्पादक जिलों में जिला स्तरीय मूल्य निगरानी समिति की बैठकें हुईं।

3. प्रमुख घटनाएँ:

विकासात्मक योजनाओं के लिए ऑन लाइन सिस्टम की स्थापना :

काम में पारदर्शिता लाने और शीघ्र निपटारे के लिए बोर्ड के वर्तमान मध्यम अवधी की रूपरेखा (एमटीएफ़) परियोजना के लिए विभिन्न हितधारकों को ऑनलाइन सेवाएँ प्रदान करने के लिए, टी बोर्ड ने सभी विकासात्मक योजनाओं के लिए ऑनलाइन सिस्टम स्थापित करने के जरूरी कदम उठाएँ हैं। बोर्ड के क्यूयूपीडीएस (ओटीपीएस) तथा एचआरडी एप्लिकेशन पहले से ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में है जबकि अन्य योजनाएँ बीटा वर्जन (beta version) में परीक्षण में है। जहां तक लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के संवितरण का मामला है वह लॉकडाउन के बावजूद डीबीटी के माध्यम से पहुंचा दी गई है।

उत्कृष्ट पत्ती की गणना के लिए कृत्रिम सूचना : आईआईटी खड़गपुर द्वारा शुरू की गई एक स्टार्ट अप – एजनेक्स्ट(**Agenext**) और टीआरए के बीच एक सहयोग से इस प्रौद्योगिकी को विकसित किया गया है जिसका लक्ष्य चाय की गुणवत्ता में सुधार लाना है । इस प्रौद्योगिकी से विकसित मशीन 'उत्कृष्ट पत्ती ''की गिनती करने में मदद करेगी । इसका उद्देश्य सटीकता में सुधार लाना,पारदर्शिता, समय की बचत करना तथा कच्चे माल की गुणवत्ता में सुधार लाना है। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और असम में एक-एक मशीन स्थापित (कार्य प्रगति पर है) कर दी गई है ।

चाय सहयोग एपः- लघु चाय उत्पादकों के लाभ तथा लघु चाय उत्पादक, बॉट लीफ़ टी फैक्ट्रीज़, एस्टेट फैक्ट्रीज़,ग्रीन लीफ़ कैरिएर्स के इस्तेमाल के लिए टी बोर्ड द्वारा "चाय सहयोग'' नाम का एक मोबाइल एप्प विकसित किया गया है जिसका इस्तेमाल बोर्ड के अधिकारी बेहतर संचार सुनिश्चित करने, कीमत की जानकारी प्राप्त करने, पता लगाने, प्रशिक्षण आवश्यकता, मौसम की जानकारी और सूचना प्रसार इत्यादि के लिए कर सकते हैं । हितधारकों द्वारा इस एप्प के इस्तेमाल से सम्पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी जिसके फलस्वरूप लघु चाय उत्पादक द्वारा आपूर्तित ग्रीन लीफ़ के लिए अच्छी कीमत मिल सकेगी । अब तक कुल 1004 कारखानों, 7894 लघु उत्पादकों तथा एसएचजी और एफ़पीओ सहित 2745 लीफ़ एग्रीग्रेटर्स ने यह एप्प डाउनलोड कर लिया है ।

जलवायु उन्मुख चाय :देश भर के लघु चाय उत्पादकों द्वारा जलवायु परिवर्तन से जूझ रहे प्रभावों को दूर करने के लिए टी बोर्ड ने जीजीजीआई के सहयोग से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए पाँच राज्यों यथा-असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और हिमाचल प्रदेश के लिए एक भेद्दता आकलन परियोजना (vulnerability assessment project) की शुरुआत की है। जीजीजीआई लघु चाय उत्पादकों की भेद्दता आँकने में टी बोर्ड की सहायता कर रहा है जिससे भारत सरकार के एनएएफ़सीसी तक पहुँचकर चाय क्षेत्र में जलवायु उन्मुखता लाने में मदद मिलेगी । 2020 से 2024 तक के चार वर्ष की अवधि के लिए इस परियोजना पर कुल 148 करोड़ रुपए का खर्च आएगा । यह परियोजना संबंधित विभाग द्वारा विचाराधीन है ।

आभासी/वरचुअल (virtual Conference) **कॉन्फ्रेंस :**

उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास के साथ टी बोर्ड ने कार्यालयों में आभासी कॉन्फ्रेंस शुरू किया तथा हितधारकों से जुड़े सभी [illegible]

ध कराये गए । बाधित न हों इसके लिए सभी अधिकारियों को प्रौद्योगिकी सहायता एवं उपकरण उपलब

मौसम आधारित फसल बीमा योजना :

असम के गोलाघाट, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी और तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में लघु चाय उत्पादकों के हित में मौसम आधारित फसल बीमा योजना को परिचालित करने के लिए टी बोर्ड द्वारा एक बीमा कंपनी को शामिल करने का निर्णय लिया गया । इस उद्देश्य के लिए परियोजना के कार्यान्वयन हेतु निविदा जारी किए गए ।

कारख़ाना बंदी :

कम गुणवत्ता वाली चाय के विनिर्माण को रोकने के लिए वर्ष 2019-20 के शीतकालीन महीनों (दिसंबर, 2019 से फरवरी, 2020) के दौरान उत्तर भारत में निम्न गुणवत्ता वाली चाय के उत्पादन को रोकने के लिए कदम उठाए गए ।

नीति फोरम फॉर द नॉर्थ ईस्ट के अंतर्गत उत्तर पूर्व के लिए क्षेत्र विशेष योजनाएँ :

टी बोर्ड ने नीति फोरम के अंतर्गत उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए विशेष योजनाओं के तहत 994.00 करोड़ रुपये की अंतिम कार्यवाही योजना सरकार के सम्मुख विचारार्थ रखा है । इस क्रियाकलाप में (**i)** जैविक मूल्य श्रृंखला का निर्माण **(ii)** चाय पर्यटन (**iii)** गुणवत्ता वृद्धि (**iv)** चाय का ब्रांड निर्माण और भांडागार सहायता शामिल है।

कृषि निर्यात नीति :टी बोर्ड ने द्वितीय अंतर मंत्रालय कृषि नीति कार्यान्वयन समिति की अनुशंसा पर आधारित कुल 52.92 करोड़ रु० के प्रस्ताव के साथ एक एक्शन प्लान जमा किया है जिसमें उत्तर पूर्व क्षेत्र से चाय की निर्यात भागीदारी को बढ़ाने के लिए असम के तिनसुकिया, डिब्रूगढ़ और सिवसागर जिलों में क्लस्टर निर्माण द्वारा निर्यात के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण किया जाएगा । इस प्रस्ताव में (**i)** क्लस्टर्स में कटाई के बाद आधारभूत संरचना का निर्माण (**ii)** क्षमता निर्माण (**iii)** नई प्रौद्योगिकी/ नई मशीनरी लाना (**iv) GAP** कार्यान्वयन (**v)** उत्पाद विकास के लिए सहायता (**vi)** विपणन के लिए सहायता (**vii)** अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता शामिल है।

पीएमकेवीवाई-आरपीएल कार्यक्रम :टी बोर्ड ने प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनसीडीसी) के द्वारा लगभग 14,700 चाय बागान श्रमिकों को प्रशिक्षण एवं कौशल मान्यता प्रदान करने के लिए कदम उठाए हैं ।

सारणी : 4

क्रम सं	राज्य/केंद्र प्रशासित राज्य	अनुमोदित लक्ष्य	नामांकित उम्मीदवार	प्रशिक्षित उम्मीदवार
1.	असम	6780	2162	
2.	केरल	979	477	
3.	तमिलनाडु	2675	570	
4.	त्रिपुरा	363	380	
5.	पश्चिम बंगाल	3903	2972	
	कुल	14700	6561	4971

परंतु, कोविड -19 के कारण 24.3.2020 से पूरे देश में लॉकडाउन लागू कर दिया गया था । इसलिए 24.3.2020 के बाद प्रशिक्षण /कार्यशालाएँ आदि नहीं किए गए ।

कोविड -19 उपाए :

कोविड -19 महामारी और पूरे देश में 24.3.2020 से लॉकडाउन की घोषणा के कारण टी बोर्ड ने समय समय पर मानक संचालन विधि या एसओपी तैयार किया तथा अनुपालन के लिए चाय उद्योग को एसओपी जारी किया । कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए टी बोर्ड ने अपने विभिन्न कार्यालयों में परिपत्र जारी करते हुए उपाय भी किए।

4. स्वच्छता एक्शन प्लान (एसएपी):

सरकार के निर्देशानुसार टी बोर्ड ने बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों एवं चाय बागानों में स्वच्छता कार्य योजना के अनुपालन के लिए कदम उठाए। बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों की सफाई, उनके सौंदर्यीकरण एवं अन्य क्रियाकलापों पर 54 लाख रु० खर्च किए गए ।

5. बंद चाय एस्टेट्स :

चाय एस्टेट्स के बंद होने के प्रमुख कारणों में खराब बागान प्रबंधन अभ्यास, गुणवत्ता एवं कीमत में गिरावट, असहज (यद्दपि सामान्यत: अस्थिर नहीं) औद्दोगिक संबंध परिदृश्य,विकास दृष्टिकोण की कमी, अति ऋणोन्मुख वित्तीय पोषण रणनीति, स्वामित्व विवाद, श्रमिक असंतोष आदि है।

सारणी : 5

वित्तीय वर्ष 2019-20 में देश में बंद पड़े चाय बागानों की अद्दतन स्थिति							
क्रम सं.	टी एस्टेट का नाम	चाय अंतर्गत क्षेत्र (हेक्टेयर)	राज्य	बंद की तारीख	कामगारों की संख्या		वर्तमान स्थिति
					स्थायी	अस्थायी	
1	पानीघाटा टी एस्टेट	460.15		10.10.2015	787	0	कामगारों का बकाया राशि आदि का भुगतान नहीं होने से श्रमिक असंतोष
2	ढेकलापाड़ा टी एस्टेट	197.00		11.03.2006	604	200 (लगभग)	एस्टेट को औपचारिक रूप से माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा परिसमाप्त कर दिया गया। चाय बागान को माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय (आधिकारिक परिसमापक) द्वारा दिनांक 11 मई 2012 को ई - नीलामी के लिए रखा गया था परंतु कोई संभाव्य क्रेता नहीं मिला।
3	बुंदापानी टी एस्टेट	530.00		13.07.2013	1215	68	भूमि का पट्टा समाप्त हो जाने पर राज्य सरकार ने बंद पड़े बुंदापानी टी इस्टेट की भूमि को दिनांक 15 अक्टूबर, 2014 को अपने अधीन ले लिया

	4	धरनीपुर टी एस्टेट	265.00	पश्चिम बंगाल	21.10.2013	357	450 (लगभग)	राज्य सरकार ने दिनांक 18 नवम्बर 2014 को बंद पड़े धरनीपुर टी एस्टेट की भूमि को अपने अधीन ले लिया ।
	5	रेडबैंक टी एस्टेट	369.00		19.10.2013	888	700 (लगभग)	भूमि का पट्टा समाप्त होने के बाद राज्य सरकार

	ने दिनांक 21 नवम्बर, 2014 को बंद पड़े रेडबैंक टी इस्टेट की भूमि को अपने अधीन कर लिया है।							
50 भग)	राज्य सरकार ने दिनांक एक के 14.11.2014 आदेशानुसार टी नगर सुरेन्द्र के भूमि की इस्टेट कर रद्द को पट्टे के भूमि और दिया राज्य को पट्टे द्वारा सरकार दिनांक को 13.01.2015 अपनेअधीन लिया गया ।	6	सुरेन्द्रनगर टी एस्टेट	172.00		19.10.2013	301	15 (लग
0	अनौपचारिक सूचना के अनुसार, संपत्ति बिक्री की प्रक्रिया के अंतर्गत है ।	7	मधु टी एस्टेट	323.00		23.09.2014	947	0
01	कामगारों के बकाया रकम आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक असंतोष ।	8	मानाबारी टी एस्टेट	281.08		08.10.2016	452	10

9	लंकापारा टी एस्टेट	758.45		16E दिनांक 28.01.2016 को अधिसूचित किया गया था	1705	816	चाय अधिनियम के अनुभाग 16(ई) के अंतर्गत चाय बागान को अधिसूचित किया गया था वर्तमान में बंद है।
10	दूटेरिया टी एस्टेट	444.92		09-06-19	1248	4	कामगारों के बकाया रकम आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक असंतोष तथा कुप्रबंध
11	कालेज घाटी टी एस्टेट	235.56		09-06-19	559	143	कामगारों के बकाया रकम आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक असंतोष तथा कुप्रबंध
12	पेशोक टी एस्टेट	314.70		09-06-19	517	110	कामगारों के बकाया रकम आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक असंतोष तथा कुप्रबंध
13	पीरमेड एंड लोनेट्री टी एस्टेट	679.79	केरल	01.04.2016	220	0	कामगारों के बकाया रकम आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक असंतोष । केरल सरकार इस टी एस्टेट को पुन: खोले जाने की प्रक्रिया में है।
14	कोट्टामाला एंड बोनामी टी एस्टेट	677.51		23.12.2013/ 11.10.2014	375	0	कंपनी को केरल उच्च न्यायालय से रोक आदेश प्राप्त हुआ है जिसमें यह कहा गया है कि वर्तमान में कंपनी का चाय

							अधिनियम के अंतर्गत होने के कारण उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती ।
15	बोन्नाकोर्ड	378.00		05.03.2015	220	0	वित्तीय संकट के कारण इस्टेट प्रबंधन ने इस्टेट का परित्याग कर दिया है ।
	कुल	6086.16			10395	2742	

4.5 चालू परियोजनाओं के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि का विवरण

घटक – रोपण विकास गतिविधि (वृहद उत्पादक क्षेत्र) :

सारणी : 6

घटक – बागान विकास गतिविधि

2019-20 के दौरान राज्य-वार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धि (लाख रु० में)

राज्य	क्रियाकलाप	पुनर्रोपण (हेक्ट)	पुनर्स्थापन रोपण (हेक्ट)	जीर्णोद्धार छँटाई (हेक्ट)	नया रोपण (हेक्ट)	सिंचाई (हेक्ट)	भूमि यांत्रिकीकरण (उपकरणों की संख्या)	मुख्यालय/ अन्य प्रशासनिक व्यय	कुल
असम	वित्तीय (लाख रु०)	1601.30	176.52	68.73	125.53	55.56	11.17	2.02	**2040.83**
	हितधारकों की संख्या	216	20	25	21	14	6		
	भौतिक (हेक्ट)	209.8	112.93	22.17	38.75	1287.97	117		
त्रिपुरा	वित्तीय (लाख रु०)	4.30	0.88	0.51	0.89				**6.58**
	हितधारकों की संख्या								
	भौतिक (हेक्ट)								

मणिपुर	वित्तीय (लाख रु०)	10.37							**10.37**
	हितधारकों की संख्या	1							
	भौतिक (हेक्ट)	4.06							
पश्चिम बंगाल	वित्तीय (लाख रु०)	468.66	57.58	5.93	0				**532.17**
	हितधारकों की संख्या	23	2	3					
	भौतिक (हेक्ट)	320.82	31.91	19.12	0				
तमिलनाडु	वित्तीय (लाख रु०)	42.10		9.24			0.62		**51.96**
	हितधारकों की संख्या	6.00		1			9		
	भौतिक (हेक्ट)	33.70		3.00			1		
केरल	वित्तीय (लाख रु०)	41.99					27.86		**69.85**
	हितधारकों की संख्या	6					6		
	भौतिक (हेक्ट)	45.18					201		
कर्नाटक	वित्तीय (लाख रु०)								**0**
	हितधारकों की संख्या								
	भौतिक (हेक्ट)								
हिमाचल प्रदेश	वित्तीय (लाख रु०)						0.70	**0.01**	**0.71**
	हितधारकों की संख्या						2		
	भौतिक (हेक्ट)						2		
अखिल भारत	वित्तीय (लाख रु०)	**2168.72**	**234.98**	**84.41**	**126.42**	**55.56**	**40.35**	**2.028**	**2712.47**
	हितधारकों की संख्या	**252**	**22**	**29**	**21**	**14**	**23**	**0**	**361**
	भौतिक (हेक्ट)	**613.56**	**144.84**	**44.29**	**38.75**	**1287.97**	**321**	**0.00**	

घटक – गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधिकरण

सारणी : 7

घटक – गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधिकरण								
वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धियां (लाख रु० में)								
राज्य	**क्रियाकलाप >**	**कारख़ाना का आधुनिकरण (संख्या)**	**मूल्य संवर्धन (संख्या)**	**नए कारखानों की स्थापना (संख्या)**	**प्रमाणन (संख्या)**	**आर्थोडॉक्स एवं ग्रीन टी के लिए प्रोत्साहन (मिलियन कि.ग्रा.)**	**अन्य प्रशासनिक व्यय**	**कुल**
असम	वित्तीय (लाख रु०)		100			1028.15	9.93	**1138.08**
	भौतिक		7			34.26		
त्रिपुरा	वित्तीय (लाख रु०)					6.49		**6.49**
	भौतिक					0.22		
अरुणाचल प्रदेश	वित्तीय (लाख रु०)					1.35		**1.35**
	भौतिक					0.04		
पश्चिम बंगाल	वित्तीय (लाख रु०)					490.44		**490.44**
	भौतिक					16.33		
तमिलनाडु	वित्तीय (लाख रु०)					525.68		**525.68**
	भौतिक					17.52		
केरल	वित्तीय (लाख रु०)					199.16		**199.16**
	भौतिक					6.63		
हिमाचला प्रदेश	वित्तीय (लाख रु०)				0.43	9.93		**10.36**
	भौतिक					0.33		
अखिल भारत	**वित्तीय (लाख रु०)**	**0**	**100**	**0**	**0.43**	**2261.20**	**9.93**	**2371.56**
	भौतिक	**0**	**7**	**0**	**0**	**75.33**		

घटक पैकेजेस विशेष एवं योजना विकास उत्पादक लघु –

सारणी : 8

घटक पैकेजेस विशेष एवं योजना विकास उत्पादक लघु – भाग-1

वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धियां

	राज्य	असम		त्रिपुरा		अरुणाचल प्रदेश		मेघालय		नागालैंड		मिज़ोरम		पश्चिम बंगाल		बिहार	
घटक	क्रिया कलाप	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक
	फील्ड कार्यालय का सुदृढीकरण	50.89	20	1.52	2	0.15	1	0.44	1			0.72	1	16.91	75	0.58	1
एसजीडी	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम -	4.47	8 385											5.01	48 570	0.10	1 30
	नया रोपण (हेक्ट)	269.33	107.2 327	0.91	0 7			0.29	0.30 1.00	43.07	27.15 16						
	नया रोपण (हेक्ट)																
	जीर्णोद्धार छंटाइ (हेक्ट)																

जीर्णोद्धार छंटाइ (हेक्ट)							
फील्ड का मशीनीकरण (उपकरणों की संख्य)							
लघु सहायता समूह को सहायता (ल.स.स.की संख्य)	2	12.15		83			
जैविक परिवर्तन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)		0.50	1	1			
जैविक प्रमाणन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)		0.08	1	1	1.33	3.50	2

एसपीएनई	नर्सरी हित) धारकों की संख्या																
एसपीआई	उन्मोलन ईएएम पुनर्रोपण(संख्या एवं हेक्ट)																
	एसएचजी को सहायता (एसएचजी की संख्या, लाभार्थियों की संख्य)																
एसकेआरपी	नर्सरी (लाभार्थियों की संख्य)																
	भूमि यांत्रिकीकरण (लाभार्थियों की संख्य)																

	एसए चजी को सहाय ता																
	एफ़पी ओ/ए फ़पी सी द्वारा नए छोटे टी कार खानों की स्थाप ना																
	अन्य (ट्रेसे बिलि टी/ न्यूज़ लेटर)	39.96															
	कुल	**377.38**	**797**	**3.76**	**9**	**0.15**	**0**	**0.73**	**1**	**43.07**	**16**	**0.72**	**0**	**21.92**	**570**	**0.68**	**30**

सारणी : 9

घटक-लघु उत्पादक विकास योजना एवं विशेष पैकेजेस – भाग-2

वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धियां

	राज्य	तमिलनाडु		केरल		कर्नाटक		हिमाचल प्रदेश		उत्तराखंड		अखिल भारतीय कुल	
घटक	**क्रिया कलाप**	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	**वित्तीय (लाख रु०)**	**भौतिक**
	फील्ड कार्यालय का सुदृढीकरण	3.78						0.19	1	1.79	12	**76.97**	**प्रयोज्य नहीं**
एसजीडी	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम – कार्यशाला एवं ओं प्रतिभागियों संख्या							0.05	1 30	0.40	20 240	**10.03**	**78.00** **1255**
	नया रोपण		9.12		33.30								**177.10**
		349.50	**427**				(हेक्ट)	5.80	22	30.1	54		
			17.23				पुनर्रोपण		15.86		1.37		
		18.26	**35**				(हेक्ट)	16.08	32	2.18	3		

	जीर्णोद्धार छंटाइ (हेक्ट)	236.46	811.01 1398	80.93	283.65 395							317.39	**1094.66** **1793**
	सिंचाई (हेक्ट)	9.71	17.90 16	6.86	3.56 7							16.57	**21.46** **23**
	भूमि यांत्रिकीकरण (उपकरणों की संख्य)											0.00	**0.00** **0**
	एसएचजी को सहायता (एसएचजी की संख्या, लाभार्थियों की संख्य)											12.15	**2.00** **83**
	जैविक परिवर्तन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)											0.50	**1.00** **1**

	जैविक प्रमाणन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)											1.41	4.50 3
एसपीएनई	नर्सरी (लाभार्थियों की संख्य)											0.00	0.00
एसपीआई	उन्मोलन एवं पुनर्रोपण (संख्या एवं हेक्ट)			6.7	2 7							6.7	2 7
	एसएचजी को सहायता (एसएचजी की संख्या, लाभार्थियों की संख्य)											0	0 0

एसकेआरपी	नर्सरी (लाभार्थियों की संख्य)											**0.00**	**0.00**
	भूमि यांत्रिकीकरण (उपकरणों की संख्य)							2.6	7			**2.60**	**7**
	एसएचजी को सहायता (एसएचजी की संख्या, लाभार्थियों की संख्य)							35.61	20			**35.61**	**20**
									358				**358**
	एफ़पीओ/एफ़पीसी द्वारा नए छोटे टी कार खानों की स्थापना							17.04	3			**17.04**	**3**
									34				**34**

		39.96	प्र. न.
9	240	904.69	4026.00

	अन्य (ट्रेसेबिलिटी/ न्यूज़ लेटर)										
	कुल	**271.83**	**1468**	**126.77**	**466**	**0**	**0**	**55.49**	**429**	**2.1**

सारणी :10

घटक-अनुसूचित जाति-उप योजना

वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धियां

	असम		त्रिपुरा		तमिलनाडु		केरल		हिमाचल प्रदेश		उत्तराखंड		पश्चिम बंगाल		बिहार		कुल	
क्रिया कलाप	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	**वित्तीय (लाख रु०)**	**भौतिक**
पुनर्रोपण (हेक्ट)							3.23										**3.23**	
																	0	**0**
जीर्णोद्धार छंटाइ (हेक्ट)					7.8	6.93	2.18	1.01									**9.98**	**7.94**
						56		14.00										**70**
सिंचाई (हेक्ट)					0.36	1.30											**0.36**	**1.3**
						2.00												**2**
भूमि यांत्रिकीकरण (संख्या)	28.32	108	0.94	2													**29.26**	**110**
एसएचजी को सहायता (एसएचजी की संख्या, लघु एसएचजी	5.31	5			3.28	3 52			37.91	4 131	45.30	11 172	32.58	6 756			**124.38**	**29** **1116**

की संख्य)																	
एफ़पीओ को सहायता (एफ़पीओ की संख्या, एफ़पीओ के लघु उत्पादकों की संख्य)								33	1 45			5.94	2 94			**38.94**	**3** **139**
एफ़पीओ/एफ़पीसी द्वारा नए बड़े चाय कारखानों की स्थापना (संख्या)												168.2	2 406			**168.23** **0**	**2** **406**
कार्यशाल / प्रशिक्षण कार्यक्रम (कार्यक्रम	36.86	88 3797	0.54	5 210	13.09	 106		1.6	1 8			23.58	81 2542	0.05	1 30	**75.72**	**176** **6693**

की संख्या एवं प्रतिभागियों की संख्य)											
अध्ययन यात्रा (यात्रा की											0

						0	0
							0
						0	0
		19.81	144			**89.67**	**517**
		0.10	1			**2.04**	**23**

संख्या एवं प्रतिभागियों की संख्य)											
इनपुट्स, एलसीवी (संख्या) आदि के लिए एसटी एसटीजी को सहायता											
शिक्षा वेतन (संख्य)					48.79	292	21.07	81			
नेहरू पुरस्कार (संख्य)					1.5	17	0.44	5			

पुस्तक एवं वर्दी अनुदान (संख्य)							0.56	14									**0.56**	**14**
अन्य प्रशासनिक खर्च /अन्य खर्च									0.01								**0.01**	**0**
कुल	**70.49**	**3910**	**1.48**	**212**	**74.82**	**525**	**27.48**	**114**	**72.52**	**184**	**45.30**	**172**	**250.24**	**3943**	**.05**	**30**	**542.38**	**9092**

सारणी : 11

घटक – जन-जातीय क्षेत्र उपयोजना - भाग -1												
वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धियां (एनईआर)												
	असम		**त्रिपुरा**		**अरुणाचल प्रदेश**		**नागालैंड**		**मेघालय**		**मिज़ोरम**	
क्रियाकलाप	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक	वित्तीय (लाख रु०)	भौतिक
जीर्णोद्धार (हेक्ट)												
फील्ड का यांत्रिकीकरण (संख्या)	32.79	65	4.24	11	0.4	1	1.5	5				
स्वयं सहायता समूह को सहायत - (स्वयं सहायता समूह की संख्या, स्वयं सहायता समूह के लघु उत्पादकों की संख्या	44.13	5	9.40	1			18.88	4 60				
एफ़पीओ को सहायता (एफ़पीओ की संख्या, स्वयं सहायता समूह के लघु उत्पादकों की संख्या	7.26	1 25					18.88	3 75				
एफ़पीओ / एफ़पीसी द्वारा नए छोटे चाय के कारखानों की स्थापना	132.15	4 146										
एफ़पीओ / एफ़पीसी द्वारा नए बड़े कारखानों की स्थापना							184.85	1 21				
कार्यशाला /प्रशिक्षण कार्यक्रम (कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या तथा प्रतिभागियों की संख्या)	48.97	155 6140	0.45	9 270	0.10	2 60	0.87	8 290	0.4	8 230	0.25	5 150
जैविक परिवर्तन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)			0.50	1 1			5.00	2 10				

जैविक प्रमाणन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)							0.15	2 10				
अध्ययन यात्रा (अध्ययन यात्रा तथा प्रतिभागियों की संख्या)	1.00	2 16										
इनपुट,एलसीवी आदि के लिए एकल को सहायता (संख्या)												
शिक्षा वजीफा (संख्या)												
नेहरू पुरस्कार (संख्या)												
अन्य प्रशासनिक / फुटकर खर्च												
कुल	**266.30**	**6397**	**14.59**	**283**	**0.50**	**61**	**230.13**	**471**	**0.40**	**230**	**0.25**	**150**

यां (ओएनईआर)

पश्चिम बंगला		कुल	
(लाख रु०)	भौतिक	(वित्तीय) (लाख रु०)	भौतिक
		4.32	13.5 20
		39.53	1 83
		99.30	20 381
		26.14	4 100
		132.15	4 146
		184.85	1 21
7.82	2 200	74.87	183 7402
		5.50	3 11

सारणी -12

घटक – जनजातीय क्षेत्र उपयोजना - भाग-2

वर्ष 2019-20 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धि

	तमिलनाडु		केरल		हिमाचल प्रदेश		उत्तराखंड		
क्रियाकलाप	(वित्तीय) (लाख रु०)	भौतिक	(वित्तीय) (लाख रु०)	भौतिक	(वित्तीय) (लाख रु०)	भौतिक	(वित्तीय) (लाख रु०)	भौतिक	(वित्तीय)
जीर्णोद्धार (हेक्ट)	3.88	12.3 19	0.44	1.2 1					
फील्ड का यांत्रिकीकरण (संख्या)					0.6	1 1			
स्वयं सहायता समूह को सहायता- (स्वयं सहायता समूह की संख्या, स्वयं सहायता समूह के लघु उत्पादकों की सं)	21.10	14 288			5.79	2 27			
एफ़पीओ को सहायता (एफ़पीओ की संख्या, स्वयं सहायता समूह के लघु उत्पादकों की संख्या									
एफ़पीओ / एफ़पीसी द्वारा नए छोटे चाय के कारखानों की स्थापना									
एफ़पीओ/एफ़पीसी द्वारा नए बड़े कारखानों की स्थापना									
कार्यशाला/ प्रशिक्षण कार्यक्रम (कार्यशाला/ प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या तथा प्रतिभागियों की संख्या)	4.41	1 30			1.6	8 32			1[illegible]
जैविक परिवर्तन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)									

जैविक प्रमाणन (मामलों की संख्या एवं क्षेत्र)												**2**
											0.15	**10**
अध्ययन यात्रा (यात्राओं की संख्या तथा प्रतिभागियों की संख्या)												**2**
											1.00	**16**
एसटीएसटीजी को सहायता (संख्या)											**0.00**	**0**
शिक्षा वृत्तिका (संख्या)									54.82	471	**54.82**	**471**
नेहरू पुरस्कार (संख्या)											**0.00**	**0**
अन्य प्रशासनिक /व्यय									0.52		**0.52**	**0**
कुल	29.39	337	0.44	1	7.99	60	0.00	0	73.16	671	**623.15**	**8661**

सारणी : 13

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बनी एसएचजी एवं एफपीओ

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बनी एसएचजी एवं एफपीओ					
क्र. सं.	आंचलिक कार्यालय	एसएचजी		एफपीओ	
		निर्मित एसएचजी की संख्या	लाभार्थियों की संख्या	निर्मित एफपीओ की संख्या	लाभार्थियों की संख्या
1	उत्तर पूर्व	17	329	8	267
2	पश्चिम बंगाल	1	146	2	94
3	दक्षिण भारत	0	0	1	56
	कुल	18	475	11	417

सारणी : 14

वर्ष 2019-20 के लिए भौतिक लक्ष्य बनाम उपलब्धि				
घटक	**क्रियाकलाप**	**लक्ष्य 2019-20**	**उपलब्धि 2019-20**	**प्रतिशत**
पीडीएस बड़े उत्पादक	पुनर्रोपण एवं पुनर्स्थापन रोपण (हेक्ट)	2600	758.4	29.17
	जीर्णोद्धार (हेक्ट)	250	44.29	17.72
	सिंचाई (हेक्ट)	9000	1287.97	14.31
	भूमि यांत्रिकीकरण (हेक्ट)	50	321	642.00
पीडीएस-लघु उत्पादक	पुनर्रोपण एवं पुनर्स्थापन रोपण (हेक्ट)	15	19.23	128.20
	जीर्णोद्धार (हेक्ट)	150	1116.10	744.07
	सिंचाई सुविधा का निर्माण (हेक्ट)	150	22.76	15.17
	भूमि यांत्रिकीकरण (संख्या)	25	197	788.00
	प्रशिक्षण/ कार्यशाला/सेमिनार (लाभार्थियों की संख्या)	300	1255	418.33
क्यूयूपीडी	मूल्य संवर्धन (इकाइयां)	5	7	140.00
	स्पेशल्टी चाय इकाइयां (इकाइयां)	2	0	0
	गुणवत्ता प्रमाणन (इकाइयां)	100	0	0
	ऑर्थोडॉक्स उत्पादन में सब्सिडी (मिलियन किलोग्राम)	90	75.33	83.70

मानव संसाधन	चाय बागान श्रमिकों पर आश्रितों दिव्यांग लोगों को सहायता/दिल और कैंसर रोगियों के विशेष मामले (संख्या)	60	1	1.67
	शैक्षणिक वृत्तिका, वर्दी/पुस्तक अनुदान आदि/नेहरु पुरस्कार (संख्या)	12400	3360	27.10
	क्रियाकलापों के आर्थियों की संख्या)	400	85	21.25
	विद्या हासिल करने (बैचों की संख्या)	4	3	75.00
विकास	भारत स्काउट्स गाइड्स आयोजन हेतु सहायता (लाभ			
	कामगारों को नई कौशल वि में व्यवसायिक प्रशिक्षण			

एमटीएफ अवधि के दौरान उपलब्धियों का सारांशः अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अधीन

सारणी - 20

एमटीएप – अनुसूचित जनजाति उपयोजना (2017-20)												
एमटीएफ-टीडीपीएस	2017-18			2018-19			2019-20			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	0	0	0	0	0	0	5.5	11	3	5.5	11	3
पीडीएस- जिर्णोद्धार	0	0	0	1.73	15	1.2	4.32	20	13.5	6.05	35	14.7
पीडीएस-सिंचाई	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	0	0	0	283.24	437	447	39.53	83	83	322.77	520	530
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	0	0	0	262.71	10691	353	201.46	7909	224	464.17	18600	577
पीडीएस-कारखानों की स्थापना	0	0	0	11.73	1	1	317	167	5	328.73	168	6
क्यूयूपीडीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ओटीपीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-स्वास्थ्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-शिक्षा	0	0	0	63.54	589	595	55.34	471	471	118.88	1060	1066
मा.सं.वि.-प्रशिक्षण	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**0**	**0**	**0**	**622.95**	**11733**		**623.15**	**8661**		**1246.1**	**20394**	

एमटीएफ अवधि के दौरान लघु उत्पादक क्षेत्र (एससीएसपी व टीएएसपी शामिल) हेतु मुख्य गतिविधियों की उपलब्धियों का सारांश

सारणी -16

चाय विकास व संवर्द्धन योजना- लघु चाय उत्पादक क्षेत्र जिसमें एससीएसपी व टीएएसपी शामिल												
एमटीएफ-टीडीपीएस	2017-18			2018-19			2019-20			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	341.7	207	229.52	269.36	227	185.46	383.69	483	200.33	994.75	917	615.31
पीडीएस- जिर्णोद्धार	171.13	902	479.58	39.04	392	98.055	331.69	1883	1116.1	541.86	3177	1693.735
पीडीएस-सिंचाई	0.14	1	0.73	1.15	5	3.45	16.93	25	22.76	18.22	31	26.94
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	80.26	569	181	521.44	3374	925	71.39	200	197	673.09	4143	1303
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	582.715	45299	1323.2	731.418	32200	957.67	616.63	17556	625.5	1930.763	95055	2906.37
पीडीएस- छोटे चाय कारखानों की स्थापना	175	1	1	11.73	1	1	149.19	180	7	335.92	182	9
पीडीएस- बड़े चाय कारखानों की स्थापना	0	0	0	356.88	172	3	353.08	427	3	709.96	599	6
क्यूयूपीडीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

एमटीएफ के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियों का सारांशः वृहद् एवं लघु उत्पादक क्षेत्र (एससीएसपी व टीएएसपी शामिल)

सारणी -17

एमटीएफ 2017 -2020 के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियाँ (बीजी +एसजी)															
एमटीएफ-टीडीपीएस	उत्तर पूर्व			पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल व उत्तराखंड			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	6008.05	1067	2701.24	1871.25	100	1487.33	431.43	325	267.57	13.41	3	11	8324.14	1495	4467.14
पीडीएस- जिर्णोद्धार	203.56	46	251.06	101.5	31	289.05	572.23	3183	1702.985	0	0	0	877.29	3260	2243.095
पीडीएस-सिंचाई	543.95	72	6687.02	80.77	14	1213.77	23.46	31	88.13	0	0	0	648.18	117	7988.92
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	583.78	889	1233	31.49	14	157	56	26	317	126.39	3310	444	797.66	4239	2151
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	888.38	63985	1864.37	335.08	16047	438	167.88	9480	282	550.633	5543	322	1941.973	95055	2906.37
पीडीएस-कारखानों की स्थापना	375.61	338	7	478.23	408	4	175	1	1	17.04	34	3	1045.88	781	15
क्यूयूपीडीएस	726.92	28	28	271.77	18	18	146	22	13	25.02	8	5	1169.71	76	64
ओटीपीएस	3048.698	524	101.58	934.92	437	31.13	1412.35	152	48.75	52.75	59	1.76	5448.718	1172	183.22

एमटीएफ के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियों का सारांशः लघु उत्पादक क्षेत्र (एससीएसपी व टीएएसपी शामिल)

सारणी -18

एमटीएफ 2017 -2020 के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियाँ (लघु चाय उत्पादक क्षेत्र)															
एमटीएफ-टीडीपीएस	उत्तर पूर्व			पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल व उत्तराखंड			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	722.9	616	470.96	0	0	0	271.52	300	143.35	0.33	1	1	994.75	917	615.31
पीडीएस-जिर्णोद्धार	0	0	0	0	0	0	541.86	3177	1693.735	0	0	0	541.86	3177	1693.735
पीडीएस-सिंचाई	0.22	2	1.46	0	0	0	18	29	25.48	0	0	0	18.22	31	26.94
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	538.52	860	860	9.31	4	4	0.27	1	1	124.99	3278	438	673.09	4143	1303
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	886.36	63985	1864.37	325.9	16047	438	167.88	9480	282	550.623	5543	322	1930.763	95055	2906.37
पीडीएस-															

एमटीएफ अवधि के दौरान उपलब्धियों का सारांशः अनुसूचित जाति उपयोजना के अधीन

सारणी -19

एमटीएफ – अनुसूचित जाति उपयोजना (2017-20)												
एमटीएफ-टीडीपीएस	2017-18			2018-19			2019-20			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	0	0	0	3.52	3	0.4	3.23	2	0	6.75	5	0.4
पीडीएस- जिर्णोद्धार	0	0	0	9.29	95	18.815	9.98	70	7.94	19.27	165	26.755
पीडीएस-सिंचाई	0	0	0	0.92	3	1.22	0.36	2	1.3	1.28	5	2.52
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	23.09	16	4	216.89	355	322	29.26	110	110	269.24	481	436
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	84.85	5799	244.2	280.83	9881	232.67	239.04	7948	208	604.72	23628	684.87
पीडीएस-कारखानों की स्थापना	0	0	0	356.88	172	3	168.23	406	2	525.11	578	5
क्यूयूपीडीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ओटीपीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-स्वास्थ्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-शिक्षा	156.07	582	582	50.66	312	315	92.28	554	554	299.01	1448	1451
मा.सं.वि.-प्रशिक्षण	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**264.01**	**6397**		**918.99**	**10821**		**542.38**	**9092**		**1725.38**	**26310**	

एमटीएफ अवधि के दौरान उपलब्धियों का सारांशः अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अधीन

सारणी - 20

एमटीएप – अनुसूचित जनजाति उपयोजना (2017-20)												
एमटीएफ-टीडीपीएस	2017-18			2018-19			2019-20			कुल एमटीएफ 2017-20		
घटक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	भौतिक
पीडीएस-पुनर्रोपण/पुनर्स्थापन	0	0	0	0	0	0	5.5	11	3	5.5	11	3
पीडीएस- जिर्णोद्धार	0	0	0	1.73	15	1.2	4.32	20	13.5	6.05	35	14.7
पीडीएस-सिंचाई	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीडीएस-यांत्रिकीकरण	0	0	0	283.24	437	447	39.53	83	83	322.77	520	530
पीडीएस-एसएचजी/एफपीओ	0	0	0	262.71	10691	353	201.46	7909	224	464.17	18600	577
पीडीएस-कारखानों की स्थापना	0	0	0	11.73	1	1	317	167	5	328.73	168	6
क्यूयूपीडीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ओटीपीएस	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-स्वास्थ्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मा.सं.वि.-शिक्षा	0	0	0	63.54	589	595	55.34	471	471	118.88	1060	1066
मा.सं.वि.-प्रशिक्षण	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**0**	**0**	**0**	**622.95**	**11733**		**623.15**	**8661**		**1246.1**	**20394**	

बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों से जुड़ी कुछ तस्वीरें

गुवाहाटी

डिब्रूगढ़ आंचलिक कार्यालय में स्वच्छता ही सेवा अभियान

तेजपुर कार्यालय निदेशक द्वारा उपाध्यक्ष कार्यालय में अधिकर उपयोग संशोधन नीति 2017 की बैठक में उपस्थिति

सूयालकूची, कामरूप में असम साहित्य सभा में भागीदारी

कार्यकारी निदेशक उत्तर पूर्व आंचलिक कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा सभी हितधारकों की उपस्थिति में मोबाईल एप्प का कार्यन्वयन तथा लघु चाय उत्पादकों में मोबाईल एप्प के प्रचार के लिए टी शर्ट वितरण

कूनूर

लघु चाय उत्पादकों को वित्तीय सहायता: फिल्ड मशीनों को जारी किया जाना

येडापली सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में नो-प्लास्टिक जागरुकता अभियान

कोविड-19 महामारी के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारों एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का टी एस्टेटस में निर्धारित सुरक्षा उफाय जैसे सामाजिक, दूरी, सफाई का पालन

स्पेशालिटी टी आउटलेट का शुभारंभ

सिलीगुड़ी

कोविड 19 महामारी में सुरक्षा उपाय सहित काम करते हुए

सी आई आई इंटरएक्टीव सेशन

बंद चाय बागानों के पुनर्रोत्थान पर
हितधारकों की बैठक

बंद चाय बागानों के पुनर्रोत्थान पर
हितधारकों की बैठक

गुवाहाटी में आरपीएल प्रशिक्षण व कार्यशाला

इदुक्की, केरल में आरपीएल
प्रशिक्षण व कार्यशाला

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)
रेकगनीशन ऑफ प्रायर लर्निंग के तहत
नागडाला टी एस्टेट, अलिपुरद्वार,
उत्तर बंगाल में आयोजित प्रशीक्षण कार्यक्रम

उत्तर बंगाल में नागडाला में पीएमकेवीवाइ
आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सत्र

अध्याय - 5

अनुसंधान

चाय अधिनियम के अनुसार ,चाय उद्योग के एक नियामक निकाय के रूप में टी बोर्ड भारत , अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए फंड प्रदान कर रहा है एवं देश में चाय उत्पादन को बढ़ाने तथा निरंतर आधार पर गुणवत्ता में सुधार के लिए चाय अनुसंधान की सुविधा प्रदान कर रहा है।

टी बोर्ड का अनुसंधान निदेशालय , मुख्य रूप से तीन चाय अनुसंधान संस्थानों (पूर्वोत्तर भारत के लिए टीआरए, दक्षिण भारत के लिए उपासी और दार्जिलिंग चाय उद्योग के लिए डीटीआर एंड डीसी) के माध्यम से देश में चाय अनुसंधान का समन्वय करता है। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर चाय शोध संस्थानों (टीआरआई) सहित विभिन्न संस्थानों के लिए टी बोर्ड द्वारा वित्त पोषित कुछ शोध परियोजनाएं हैं।

वित्तीय वर्ष के दौरान चाय शोध संस्थान (टीआरआई) द्वारा वितरित और उपयोग किए गए अनुसंधान एवं विकास फंड इस प्रकार हैं :

टीआरए – 49% - रु. 144350000.00

31% - रु. 5550000.00

उपासी - 49% - रु. 14478530.00

डीटीआरडीसी – रु. 62,13,172.00

क्यूसीएल - रु. 74,37,945.00

अनुसंधान प्रगति और उपलब्धियां : रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान काफी प्रगति की गई है एवं प्रमुख उपलब्धियों को यहां प्रस्तुत किया गया है -

क. चाय शोध संघ (टीआरए) :

- नए क्लोन टीवी34 और टीवी35 (2019) उन्मुक्त करना ।
- स्पेशलिटि चाय का विकास : उच्च एन्थोकायनिन समृद्ध क्लोन (सेंट 817) एवं भरोसेमंद ग्रीन चाय की पहचान की गयी ।
- क्लोन (डीएच 5 और डीएच 6) की पहचान की गई (2019)।
- एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन अनुशंसित (2019) की गई ।
- यांत्रिक चाय प्लकिंग (2019) की संस्तुति ।
- पीली चाय / येलो टी (2019) के लिए प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विकसित की गई ।
- विविध उत्पादों का विकास : ब्लैक एवं ग्रीन चाय सांद्र (2019) एवं टी प्रीमिक्स (2019)।

- चाय के बीज के तेल की रासायनिक रूपरेखा ने 2019 में इसके विविधीकरण के गुंजाइश का संकेत दिया ।
- चाय के पूर्व एवं वर्तमान टीआरए (2019) कार्य पर यांत्रिक कटाई पर स्टेटस पेपर जारी किया ।
- चाय आस्वादन मैनुअल (2019) प्रकाशित किया ।
- चाय कारखानों (2019) में वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन के रूप में मेथनॉल का उपयोग।
- ट्रेगनेक्स्ट फाइन लीफ काउंटर (2019) की शुरुआत की गई ।
- 2019 में 39 शोध पत्र (24 विशेषज्ञ समीक्षित पत्रिकाओं में) प्रकाशित किया ।
- एक्सप्लान्ट से टीशु कल्चर तकनीक को मानकीकृत किया गया ।
- 35वें टॉकलाई सम्मेलन का आयोजन किया।
- चाय में वास्तविक एफएसएसएआई एमआरएल फिक्सिंग के लिए आंकड़े उत्पन्न किया गया।
- चाय के गुण में मान वृद्धि के लिए 2019 में चाय के पुष्प पर आधारित चाय के मिश्रण का विकास किया गया। 2019 में मुल्य वर्द्धन हेतु चाय के कुलों से मिश्रित चाय विकसित किए गए ।
- मिशन असम गुणवत्ता के तहत असम के 57 ब्लॉकों में 8601 लघु उत्पादकों के साथ 103 फील्ड कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

<u>उपासी :</u>

- दक्षिण भारत में यांत्रिक हार्वेस्टिंग के लिए 130 X 50 X 50 X 50 सेमी के अंतराल पर एक नई अल्ट्रा हाई डेंसिटी (यूएचडी) संशोधित रोपण शैली डिजाइन किया ।
- यांत्रिक हार्वेस्टिंग के लिए बिनोडल कटिंग का उपयोग करके उपयुक्त शाखाओं की अधिक संख्या के साथ नवीन चाय के पौधों को विकसित करने के लिए वानस्पतिक प्रसार तकनीक का संशोधन।
- नर्सरी पौधों को उगाने के लिए पॉलीथिन नर्सरी आस्तीन के बजाय स्वाभाविक रूप से सड़नशील कागज के गमले की पहचान की गई थी ।
- [redacted]

ाली चार एफ 1 संतति विकसित की ।
वाली दो एफ 1 संतति विकसित की ।
ाली आठ एफ 1 संतति विकसित की ।
कसित की , जो शुष्कता सहिष्णु था ।
हरी जड़ वाली खरपतवार प्रजाति , क्लिडमियाहिरटा के
णनाशक का परीक्षण किया गया था ।
के रूप में कैलिप्रिल की पहचान की ।
एसिड, समुद्री शैवाल के अर्क और ट्राईकॉन्टानोल का
ा और फसल में सुधार के लिए इसकी खुराक तय की

- उच्च (30% से अधिक) पालीफिनोल्स व
- उच्च (2.0% से अधिक) एमिनो एसिड
- उच्च (19% से अधिक) केटेचीन तत्व व
- पांच शुष्कता सहिष्णु एफ 1 संतति विक
- मेट्सल्फ़रॉन मिथाइल - समस्यात्मक ग नियंत्रण के लिए एक सल्फोनीलुरिया तृ
- डोलोमिटिक चूने के लिए वैकल्पिक स्रोत
- समर्था जो कि ह्यूमिक एसिड, अमीनो एक मिश्रण है , का मूल्यांकन किया गय गई ।

- पोटेशियम स्कोनाइट उर्वरक जिसमें पोटेशियम (23% K2O), मैग्नीशियम (11% MgO और सल्फर (15%) पानी में घुलनशील रूप में एमओपी के लिए एक वैकल्पिक पोटेशियम स्रोत के रूप में मूल्यांकित किया गया था।
- गाइनेक्सा , एक ऑर्थो सिलिकिक अम्लीय घोल , जिसमें अन्य पोषक तत्वों जैसे कि N, K, Zn, B एवं Mo की कम अनुपात सहित सिलिकॉन का 0.6 प्रतिशत मात्रा होता है, का अध्ययन यह मूल्यांकन करने के लिए कि क्या यह चाय के पौधों द्वारा अन्य सूक्ष्म और मैक्रोन्यूट्रिएंट्स के प्रतिस्थापन और आत्मसात में वृद्धि करता है ।
- कीटों के नियंत्रण के लिए कीटनाशक को व्यापक बनाने के लिए टी मोस्कुइटो बग के खिलाफ नए अणुओं जैसे कि सैंट्रानैनिलिप्रोल, क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल, फ्लोनिकामिड, एफिडोप्रोपेन, स्पिनोसैड, टोलफेनफ्रैड का मूल्यांकन किया ।
- रेड स्पाइडर माइट्स के खिलाफ जैव-प्रभावकारिता के लिए स्टेनोमाईट (माइक्रोबियल उत्पाद) और विमस्टार (जैव-उत्पाद) जैसे नए अणुओं का परीक्षण किया ।
- चाय कीट के खिलाफ इमामेक्टिन बेंजोएट 5% + लुफेनुरॉन 40% डब्ल्यूजी का मूल्यांकन किया ।
- कीट की निगरानी और बड़े पैमाने पर इसे पकड़ने के लिए एक आकर्षी , स्किरटोथ्रिप्सडोरसेलिस , की पहचान की गई और इसका सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। पीले चिपचिपा जाल के साथ आकर्षी के योग ने पकड़ने की क्षमता को काफी बढ़ा दिया। एस. डोर्सलिस के वयस्क पी-एनीसेल्डिहाइड के बाद एथिल निकोटिनेट के प्रति अत्यधिक संवेदनशील थे।
- यह पता लगाया गया कि झाड़ी शाखाओं और डाली के ऊपर बी. सबटिलिस का छिड़काव करने से शॉट छेद बोरर की आबादी 68% कम हो गई।
- टी मोस्कुइटो बग पर नियंत्रण के लिए प्रयोगशाला में साइकेनसक्लोरिस और राइनोकॉरिस्मैरगैनेटस, ग्रीन लेसविंग, क्रिसोपरलाकार्निया और एन्थोकॉरिड, ब्लाप्टोस्टैथेलेसलेंस जैसे रेड्यूविड्स की जन संस्कृति को मानकीकृत किया।
- ब्लिस्टर और ग्रे ब्लाइट रोगाणुओं के नियंत्रण के लिए कार्बनिक योगों , फंगिक्योर और लकड़ी सिरका का परीक्षण किया गया था ।
- चाय के बागानों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एग्रोकेमिकल्स (कीटनाशक, कवकनाशी और शाकनाशी) को नष्ट करने के लिए संभावित रोगाणुओं के रूप में पी. पुतिदा, पी.फ्लुओरसेन्स और बी. एमाइलोलिफ़ासिएन्स जैसे स्ट्रेन का पहचान किया।
- फेनवलरेट, डेल्टामेथ्रिन, बिफेंट्रिन, फेनप्रोपथ्रिन और बीटा साइफलफुट्रिन के लिए क्वेश्चर्स किट और जीसी इलेक्ट्रॉन कैप्चर डिटेक्टर का उपयोग करके एक सरल और कुशल बहु अवशेष विधि विकसित की गई थी।

(a) **<u>दार्जीलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआर एंड डीसी) एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्यूसीएल)</u>** :

<u>दार्जीलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआर एंड डीसी) :</u>

- दार्जीलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआर एंड डीसी) में दार्जिलिंग चाय के निर्माण में हेर-फेर की प्रयोग से , क्लोन टी135 में उच्चतम थियारुबिगिन्स % (11.14) और बाकी एवी2, टी78, पी312, टीएस38, टी135, बी668, एसपी / 4/5, एथ्रे , बी/6/61, टीटीवी1, टी253, बीएस1ए / 76,बीB777, के1 / 1, और एमबी6 में कम थियारुबिगिन्स % (6 से 7%) मिला है। उपर्युक्त क्लोनों में कुल धवलता भी कम है। क्लोन बीएस/1ए/76, बी777 और के 1/1 में कुल लिकर रंग भी कम है। बिना रोल किए हुए नमूनों में कुल पॉलीफेनोल भी 18% से 19% की सीमा में पाए गए हैं। टीपी मान (2 से 3%) रोल किए हुए नमूनों की तुलना में कम है। टी253 और टी135 (3.03 और 3.68) में अत्यधिक पोलीमराइज्ड पदार्थ पाए जाते हैं, बाकी नमूनों में बिना रोल किए हुए नमूनों में 1.70% से 2.68% मिला है। बिना रोल किए हुए टीटीवी1, बी668, टी253, बी777, और एमबी6 के नमूनों के बीच क्लोन टी253 का उत्कृष्ट और उन्नत स्वाद मिला है। इसी तरह रोल किए हुए नमूनों टी78 , टी383, टीएस378, टी135, एवी2 और रोल करके निर्मित चीनी जाट के बीच पी312 ने उत्कृष्ट और उन्नत स्वाद दिखाया , इसी प्रकार प्राकृतिक रूप से अपेक्षित 62 घंटे में निर्मित चीनी जाट ने उपर्युक्त क्लोनों के बीच उत्कृष्ट और प्रमुख स्वाद दिखाया।
- डीटीआरडीसी के चल रहे शोध कार्यों की समीक्षा के लिए डीटीआरडीसी की प्लांटर्स कमेटी की बैठक 4 जुलाई को , कार्सियोंग में आयोजित की गई थी। वर्तमान कार्य की प्रगति एवं दार्जिलिंग चाय उद्योग की आवश्यकता पर बागान मालिकों के सुझावों को नोट किया गया।
- ट्राइकोडर्माट्रोविराइड के साथ चाय रोगाणुओं (पैथोजेंस) की अन्तःक्रिया : फुसारियमसोलानी और ट्राइकोडर्माट्रोविराइड प्रयोग के बीच प्रतिरोध को रखा गया है और प्रतिरोध का परिणाम प्रगति पर है।
- ब्लिस्टर ब्लाइट रोगाणुओं (पैथोजेंस) का सूक्ष्म नियंत्रण: दस अलग-अलग फाईलोप्लेन फफूंद के क्रूड मेटाबोलाइट्स को बीजाणु विच्छेदन विधि द्वारा टेस्ट ट्यूब में ब्लिस्टर ब्लाइट रोगाणु के विरुद्ध परीक्षण किया गया था। कवक के आधार पर बीजाणु अंकुरण भिन्न-भिन्न रहा । आगे की कार्य प्रगति पर हैं।
- ग्रे ब्लाइट कवक , पेस्टालोसीओपसिसथिया की एक स्ट्रेन एवं कोलेटोट्राईकमकैमेलिया की एक स्ट्रेन को चाय से पृथक किया गया था और डीटीआरडीसी द्वारा संरक्षित किया गया था।
- चाय जीनोम अनुक्रमण (सिक्विनसिंग) परियोजना : डीयूएस लक्षण - वर्णन , पौधे की ऊंचाई की माप, पत्ती की संख्या, पत्ती क्षेत्र, ब्लिस्टर ब्लाइट मूल्यांकन, एफ 1 जनसंख्या (टीएस569) की किण्वनीयता (फेरमेंटबिलिटी) परीक्षण किया गया था। जहाँ मातृ जनक के रूप में एवी 2 वाले पौधो में पौधों की ऊंचाई में वृद्धि एवं अधिक पत्तियाँ पायी गयी थी । ब्लिस्टर ब्लाइट की संवेदनशीलता के मामले में मातृ जनक के रूप में एवी 2 वाले पौधो में भी मातृ जनक के रूप में T78 वाले पौधों की तुलना में रोग के प्रति अधिक संवेदनशील पाया गया। F1 जनसंख्या की वैक्स सामग्री जब मापा जाता है तो T78 वाले मातृ - पौधों की तुलना में वाले AV78मातृ-पौधे में अधिक मात्रा में पाया गया।

मृदा विभाग :

(i) परियोजना का नाम : दार्जिलिंग की चाय मृदा से पोटाश में घुलनशील सूक्ष्मजीवों का पृथक्करण एवं पोटाश जैवउर्वरक घोल के निर्माण हेतु उनकी पोटाश शोधन क्षमता का मूल्यांकन (दो साल की परियोजना 2019-20 और 2020-21)

पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता के बदलते परिदृश्य पोषक तत्वों के सिंथेटिक स्रोतों के बजाय संदीप्त होते [illegible] हैं और जैविक उत्पाद जैविक उत्पादन के लिए [illegible] विषय हैं। पोटेशियम (K) में घुलनशील [illegible]

जैवउर्वरक के विकास से चाय की जैविक खेती के तहत पोटेशियम पूरक की समस
है । हमने राइजोस्फेरिक मृदा का नमूना एकत्र करने के लिए दार्जिलिंग की लगभ
हैं। उन नमूनों से लगभग 51 रोगाणुओं को अलेक्जेंड्रो मीडिया पर पृथक किया ग
पृथक रोगाणुओं के आकृतिक और जैव रासायनिक गुणों का परीक्षण किया गया
किया गया और उनकी दक्षता के लिए परीक्षण किया गया, उनमें से केवल 30
के लिए प्रभाशाली पाया गया । आणविक पहचान के लिए केवल 5 नमूने एमट
पहचान किए गए चार स्ट्रेन अभी तक प्राप्त किया गया है, जिसका उपयोग पॉट
सोलूबिलाइजिंग कंसोर्टियम के आगे की विकास के लिए किया जाएगा।

(ii) परियोजना का नाम : दार्जिलिंग और असम चाय की वृद्धि एवं उत्पादकता
इनोकुलेंट्स का विकास ।

पौधे सूक्ष्म माइक्रो-बायोम को आश्रय प्रदान करते हैं , जो पोषक तत्वों की चक्रण
हैं, मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाते हैं, पौधे के स्वास्थ्य और उत्पादकता को उनके राइ
एंडोस्फीयर में बनाए रखते हैं। इस अध्ययन में हमने स्थायी तरीके से फसल
बागान के पौधों के माइक्रो-बायोम , उनके कार्यों और संभावित जैव-प्रौद्योगिकीय
किया। दार्जिलिंग, असम और छोटे चाय बागान क्षेत्र के विभिन्न टी एस्टेट से
नमूने एकत्रित किए गए। दार्जिलिंग की चाय से जुड़े सूक्ष्मजीवी कम्यूनिटी की पह
में राइजोस्फीयर-क्षेत्र की लगभग 66 रोगाणुओं को प्रमुख रोगाणुओं के रूप में पृ
पहचान के लिए सभी स्ट्रेन को एनसीसीएस, पुणे भेजा गया था। कुल कम्यूनि
राइजोस्फीयर मृदा और रूट - नमूनों से निष्कर्षित किया गया था। दार्जिलि
राइजोस्फीयर और गैर- राइजोस्फीयर मृदा की डीएनए सकेन्द्रन एनसीसीएस, पु
डीएनए निष्कर्षण के लिए, पूर्व-विसंक्रमित जड़ों के नमूने (20% सोडियम हाइपोक
रोगाणुरहित मूसल का उपयोग करके तरल नाइट्रोजन में मसला गया था। परि
नैनोड्रॉप -1000, (थर्मो साइंटिफिक, यूएसए) का उपयोग करके मापा गया था।
पौधों की आकृतिक विज्ञान-संरचना भी देखी गई। परियोजना के परिणाम और
दार्जिलिंग के पोखरीबोंग में लघु चाय उत्पादकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आ

या को दूर करने में प्रगति हुई
ग सभी घाटियों का दौरा किए
या था। लक्षण वर्णन के लिए
है। सक्षम रोगाणुओं को पृथक
ोगाणु पोटाशियम विलेयीकरण
ीसीसी, चंडीगढ़ भेजे गए और
प्रयोग के तहत के पोटासियम

में सुधार के लिए सूक्ष्मजीवी

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते
ज़ोस्फीयर , फेलोस्फीयर और
उत्पादन बढ़ाने के लिए चाय
अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित
राइजॉस्फेरिक मिट्टी, पत्ती के
चान करने के लिए क्यूसीएल
थक किया गया था। आणविक
निटी डीएनए को बल्क मृदा ,
गंग हिल्स से एकत्रित जड़ों,
ुणे में प्रगति पर है। जड़ों से
लोराइट का उपयोग करके) पर
णामी डीएनए की सांद्रता को
चाय के कमजोर और स्वस्थ
चाय उत्पादन के लाभ पर
योजित किया गया था।

(iii) मृदा विश्लेषणात्मक सेवाएं :

जैविक कार्बन , पीएच , उपलब्ध नाइट्रोजन, पोटाश एवं सल्फर तत्व के विश्लेषण के लिए चाय बागानों से प्राप्त मृदा के 836 नमूनें प्राप्त किये गये थे और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जहाँ-जहाँ आवश्यक हो , को अनुशंसाओं के साथ संबंधित बागानों में भेजा गया है ।

गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला :

• सिलिगुड़ी में टी बोर्ड की गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्यूसीएल) , जो एक एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है , को अगस्त, 2019 में मान्यता मिली है एवं भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) द्वारा एफएसएस अधिनियम, 2006 की धारा 43 (1) के तहत अधिसूचित (राजपत्र अधिसूचना एसओ संख्या 2842 (ई) दिनांक 6 अगस्त, 2019) किया गया है ।
• क्यूसीएल , सिलीगुड़ी को 30.11.2019 को आईएसओ / आईईसी 17025: 2005 के अनुसार अन्य 36 कीटनाशकों और भारी धातुओं के लिए बढ़ाए गए दायरे के अनुसार रासायनिक परीक्षण के क्षेत्र में एनएबीएल मान्यता की अनुमति मिली है।
• एफ़एसएसएआई के जैव रासायनिक मापदंडों के लिए परीक्षण किए गए वाणिज्यिक नमूनों की कुल संख्या 344 है।
• गुणवत्ता मानकों / गैर एफ़एसएसएआई मापदंडों के लिए परीक्षण किए गए नमूनों की कुल संख्या 191 है।
• कीटनाशक अवशेषों के लिए परीक्षण किए गए वाणिज्यिक नमूनों की कुल संख्या 341 है।
• भारी धातु के लिए परीक्षण किए गए वाणिज्यिक नमूनों की कुल संख्या 310 है।
• सूक्ष्मजैविकी मापदंडों के लिए परीक्षण किए गए वाणिज्यिक नमूनों की कुल संख्या 134 है।
• मृदा विश्लेषण के लिए परीक्षण किए गए वाणिज्यिक नमूनों की कुल संख्या 441 है
• कुल राजस्व आय रु. 24,52,919.84 / - है।
• नोडल प्रयोगशाला के रूप में चाय मैट्रिक्स में कीटनाशक अवशेषों, भारी धातु और एफएसएसएआई मापदंडों पर एक इंटर प्रयोगशाला कॉम्पेरिजन (आईएलसी) कार्यक्रम का संचालन किया ।
• रासायनिक मापदंडों के लिए आशवी प्रवीणता कार्यक्रम में भाग लिया , जैसे कि 103+2°C के दर पर द्रव्यमान में ह्रास , टोटल ऐश, पानी निष्कर्षण और तांबा ।
• चाय मैट्रिक्स में कीटनाशक अवशेषों - बायफेंथ्रिन , क्लोरपायरीफॉस , साइहेलोंथ्रिन - लमडा , साइपरमेथ्रिन , डीडीटी , डेल्टामेथ्रिन , डाइकोफॉल , इथिओन , एचसीएच-गामा व कुइनल्फोस इत्यादि के लिए यूकेएएस प्रवीणता कार्यक्रम में भाग लिया ।
• चाय मैट्रिक्स में भारी धातु जैसे कि टोटल आर्सेनिक, कैडमियम, पारा और लीड के लिए यूकेएएस प्रवीणता कार्यक्रम में भाग लिया।

चालू अनुसंधान परियोजनाएँ - प्रगति एवं उपलब्धियाँ

a. **टीआरए**

परियोजना का नाम : चाय की गुणवत्ता बढ़ाने और मौजूदा चाय प्रसंस्करण मशीनों की क्षमता पर दृष्टिकोण

मैदानी क्षेत्रों के लिए रोलिंग टेबिलों का संशोधन ; लक्ष्य सं. 2 के तहत "मैदानी इलाकों में ओर्थोडोक्स चाय के लिए आवश्यकताओं के अनुरूप टेबिल के डिजाइन पर अध्ययन", वर्तमान में विभिन्न बगानों में इस्तेमाल होने वाले रोलरों के प्रकारों और डिजाइनों पर एक अध्ययन किया गया था। इसमें सिंगल एक्शन और डबल एक्शन रोलिंग टेबिल , हूड और टेबल मूविंग रोलिंग टेबल, सिंगल एक्शन मॉडिफाइड रोलिंग टेबिल (SAMRT), विभिन्न डिजाइनों की तख्ते वाली रोलिंग टेबिल सहित चीनी और ताइवानी प्रकार के रोलिंग टेबिल का भी अध्ययन किया गया। उपरोक्त विभिन्न प्रकार के रोलरों में शामिल लीफ रोलिंग तकनीक का विश्लेषण करने के बाद एवं उत्तर पूर्व भारत के मैदानी इलाकों में पत्ती की संरचना , विदरिंग प्रतिशत एवं कुछ कुछ अन्य भौतिक मापदंडों को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक रोलिंग टेबिल में कुछ नया जोड़ने के लिए कई प्रकारों के उपकरणों को डिजाइन किया गया था। ।

चूंकि डिज़ाइन किए गए उपकरणों के प्रभावों से रोलर के प्रदर्शन में सुधार होने की उम्मीद थी, अतः इसे लघु रोलिंग टेबिल में लागू करने और समान पारंपरिक रोलिंग टेबिल के साथ तुलना करने का निर्णय लिया गया था।

तदनुसार, एक संशोधित लघु रोलिंग टेबिल (MMRT) को एक पारंपरिक रोलिंग टेबिल में पुनः संयोजन के लिए उपकरणों को शामिल करते हुए डिज़ाइन किया गया था , और निर्माण के लिए एक उपयुक्त विक्रेता को खरीद-आदेश दिया गया था। एमएमआरटी का निर्माण किया गया था एवं इसे उसी आकार और क्षमता के पारंपरिक रोलिंग टेबिल के साथ टोकलाई में स्थापित किया गया था। एमएमआरटी के साथ परीक्षण के दौरान कई शुरुआती समस्याओं का सामना करना पड़ा । प्रेशर कैप को एक सीध में रखने के लिए निर्माणकर्ता द्वारा बड़ा मरम्मत कार्य किया जाना था , जिस पर एक विशिष्ट एवं उल्टे शंकु, तीन क्रैंक छड़ और ग्रियर बॉक्स लगा था । वर्ष 2019 के अंत में मशीन को यांत्रिक रूप से ठीक किया गया था। इस अवधि के दौरान पत्ती की सख्त बनावट और बहुत मोटे होने के कारण, एमएमआरटी के साथ प्रारंभिक परीक्षणों ने वांछित परिणाम नहीं दिए। परिणामों की तुलना करने और उपकरणों के डिजाइन में और बदलाव करने या मशीन को पेटेंट कराने के लिए आगे की

ों की योजना बनाई गई है। कार्रवाई के लिए 2020 में परीक्षणं

आर्द्रता का प्रभाव

ावरण को प्रभावी ढंग से आर्द्र करने के लिए एमटीएफ़ में सीटीसी
ग तरह का आर्द्रीकरण प्रणाली स्थापित किया गया था। आर्द्रीकरण
आधार पर काम करता है। बारीक जल के बूंदों को सीटीसी और
35 नोजल लगाया गया था। नोजल एक उच्च दबाव वाले पंप के
रिवेश से गुप्त ऊष्मा को अवशोषित करती हैं और तुरंत वाष्पित हो
ान आर्द्रता स्तर बनाए रखने के साथ-साथ वेट बल्ब के तापमान के
ीकरण की दर को बढ़ाने के लिए, सात पंखों को फर्श से 15 फीट

सीटीसी और सीएफ़एम कक्ष में परिवेशी अ

सीटीसी और किण्वन प्रक्रिया के संपूर्ण वात
और सीएफ़एम कक्ष में एक माइक्रो-मिस्टिं
प्रणाली "फ्लैश वाष्पीकरण" तकनीक के
सीएफएम कमरे में पहुंचाने के लिए कुल
माध्यम से जुड़े थे। सूक्ष्म जल की बूंदें प
जाती हैं , जिसके परिणामस्वरूप एक सम
करीब तापमान में गिरावट आती है। वाष्प

(लगभग) की ऊंचाई पर कमरे में फिट किया गया था और नोजल को पंखों के आवरण पर इस प्रकार लगाया जाता है कि जैसे कि सूक्ष्म धुंध और हवा को सह-अक्षीय रूप से वितरित किया जाता है। ।

जब कमरे में परिवेशी आर्द्रता क्रमशः 74.40% और 71.9% था , तो कमरे के अंदर 95.9% और 91.8% की आर्द्रता प्राप्त करना संभव था। सीएफएम बेड पर चाय का रूप-रंग बेहद धवल था ।

जैव रासायनिक विश्लेषण के परिणामों ने पारंपरिक नमूनों के तुलना में प्रयोगात्मक नमूनों के %टीएफ़ और % धवलता के सुधार में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखायी । ऑर्गेनोलेप्टिक स्कोर में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं देखी गई थी, जहाँ तक चाय चखने वालों के द्वारा कड़क स्वाद वाली चाय की रिपोर्ट किए जाने की बात है ।

(ii) परियोजना का नाम : चाय की कटाई (हार्वेस्टिंग) के लिए मशीनों का विकास और चाय के कृषि कार्यों का यांत्रिकीकरण ।

1. चाय की पत्ती तुड़ाई (हार्वेस्टिंग) कार्य में यांत्रिकीकरण (प्लकिंग)

- 2019 सत्र के अंत में असम चाय की पैदावार संबंधी संचित आंकड़ों से पता चला है कि दो पुरुष संचालित हार्वेस्टर का उपयोग मैनुअल प्लकिंग के समान पाया गया है, जबकि अन्य दो प्लकिंग उपकरण यानी हाथ से पकड़े जाने वाली बड़ी कैंची और एक पुरुष संचालित मोटरयुक्त हारवेस्टर के प्रयोग से परंपरागत हैंड प्लकिंग की तुलना में पैदावार में काफी कमी हुई ।
- अक्टूबर-नवंबर में मोटरयुक्त हार्वेस्टर के उपयोग के परिणामस्वरूप परंपरागत हैंड प्लकिंग की तुलना में एकल पुरुष एवं दो पुरुष संचालित मोटरयुक्त हारवेस्टर के प्रयोग से क्रमशः 28 प्रतिशत और 24 प्रतिशत की कमी के साथ पैदावार में हानिकारक प्रभाव पाया गया । हालांकि, अक्टूबर में उपयोग किए गए प्लकिंग उपकर्णों में बड़ी कैंची द्वारा हार्वेस्टिंग से पैदावार में कोई नुकसान नहीं देखा गया था।

2. चाय में खरपतवार प्रबंधन का मशीनीकरण

- बोरबेटा प्रायोगिक चाय एस्टेट में क्षेत्र परीक्षण संचालित हुआ , टीआरए ने संकेत दिया कि ब्रश कटर (एसटीआईएचएल कंपनी, सिंगल सिलेंडर टू-स्ट्रोक इंजन, मॉडल: एफएस 250) , जो गुल्म काटने की उपकरण है , के प्रयोग के 14 दिनों बाद (डीएए) खरपतवारों पर लगभग 100% नियंत्रण पाया गया , चाहे खरपतवार किसी भी प्रजाति का हो । इसके बाद, खरपतवार की पुन: वृद्धि में क्रमिक वृद्धि देखी गई। हालांकि, ब्रश कटर ने पारंपरिक हँसुआ प्रयोग की तुलना में प्रयोग के 56 दिनों तक (डीएए) उच्च खरपतवार नियंत्रण में दक्षता (%) दर्ज की।
- घाँस खरपतवारों की तुलना में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों में खरपतवार नियंत्रण क्षमता (%) अधिक थी।
- घाँस खरपतवारों में , एलुसिनेइंडिका (एल) गर्टन (गूज घास) ब्रश कटर के उपयोग के बाद भी अप्रभावित रहा।

(iii) परियोजना का नाम : "उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से नए क्लोनों का विकास "। 2016- 2020 के दौरान चार वर्षों के लिए परियोजना को मंजूरी दी गई है। परियोजना के तहत कुछ शोध गतिविधियों को परियोजना उपलब्धि के रूप में नीचे विशिष्ट रूप से दर्शाया गया है।

- वर्तमान में एनबीआरआरडीसी , नागराकाटा के रिसर्च प्लॉट में आठ दीर्घकालिक परीक्षण और विभिन्न चाय इस्टेट में छह दीर्घकालिक परीक्षण जारी हैं। फसल रिकॉर्ड , ऑर्गेनोलेप्टिक परीक्षण, जैव रासायनिक और शारीरिक विश्लेषण जारी है।
- दो व्यावसायिक चाय इस्टेट में दो नए दीर्घकालिक परीक्षण विभिन्न चाय एस्टेट से एकत्रित बेहतर बीज एवं एनबीआरआरडीसी , नागराकाटा से प्राप्त बाइक्लोनल कॉम्बिनेशन से आरंभ किया गया हैं ।
- 2019 में, एनबीआरआरडीसी , नागराकाटा में मौजूद 17 बाइक्लोनल कॉम्बिनेशन ने बीजों का उत्पादन किया, जिनमें से दार्जिलिंग कॉम्बिनेशन को सीपीएस, दार्जिलिंग को नर्सरी परीक्षण और भविष्य के मूल्यांकन के लिए भेजा गया। पांच बाइक्लोनल कॉम्बिनेशन के बीज को अटियाबारी चाय एस्टेट और सात बाइक्लोनल कॉम्बिनेशन के बीजों को जीटी टी एस्टेट में नर्सरी परीक्षण और विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थिति में आगे की मूल्यांकन के लिए भेजा गया है।
- परियोजना अवधि में क्लोनल चयन योजना के लिए 4 नए चाय इस्टेटों से संपर्क किया गया था और 11 अलग-अलग चाय सम्पदाओं में उचित स्थान पर बीज उत्पादन जारी रखा गया था।
- परियोजना के दौरान 14 नागरकाटा चाय क्लोन का मूल्यांकन 20 ईएसटी-एसएसआर प्राइमरों के माध्यम से किया गया था। 20 प्राइमरों में से 9 में बहुरूपता दिखाई दी। छह क्लोनों में शुष्कता सहिष्णुता होने की संभावना दिखाई दी और छह क्लोनों में गुणवत्ता वाले गुण होने की संभावना दिखाई दी, जिसमें से पांच क्लोन को शुष्कता सहिष्णु गुच्छ के पास रखे गए थे।

(iv) बारहवीं योजना के तहत - टी बोर्ड ने "उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से नए क्लोनों के विकास" के नाम से एक चाय सुधार परियोजना को वित्त पोषित किया है। 2016- 2020 के दौरान चार साल के लिए परियोजना को मंजूरी दी गई है। परियोजना के तहत कुछ अनुसंधान गतिविधियों को परियोजना उपलब्धि के रूप में नीचे विशिष्ट रूप से दर्शाया **गया है।**

- 2019 में 34वें टॉकलाई सम्मेलन में टीवी 34 और टीवी 35 के रूप में नामकरण करते हुए दो क्लोनों का अनंतिम विमोचन किया गया । विभिन्न चाय इस्टेटों से विभिन्न मांगें प्राप्त हुई हैं। अब तक , असम की 16 चाय इस्टेट को इन दो नए क्लोनों की क्लोनल कलम प्राप्त हुई है। टी उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए TV34 क्लोन द्वारा लगभग 50 चाय झाड़ियों का कलम तैयार किया गया था।
- वर्तमान में, इस परियोजना के तहत 6 परीक्षणों को दीर्घकालिक परीक्षण के रूप में आरंभ की गई है, इस परियोजना में पैदावार डेटा, जैव रासायनिक विश्लेषण, संगठनात्मक परीक्षण जारी है।

आने वाले वर्ष में , 2018 और 2019 वर्ष के हस्त परागण संकरित उपकरण (हैंड पोल्लीनेटेड क्रॉस्ड मेटेरियल) की सहायता से कुछ नए परीक्षण आरंभ किए जाएंगे।

- बारहवीं योजना परियोजना के लक्ष्यों के तहत, 2015, 2016 और 2018 के वर्षों में कुल 26 कॉम्बिनेशन को लगातार संकरित किया गया , हस्त परागण के माध्यम से 1523 संकरित करने का प्रयास किया गया और 177 स्वस्थ पौधे प्राप्त हुए। 02 अच्छी रोपण सामग्री की पहचान की [illegible]

त किया गया है। आग
रोपण सामग्री का चयन
मग्री प्राप्त करना चाहते

में सुंदरपुर, डफ़्लटिंग,
सीड स्टॉक की सहायता
है।

बगानों के साथ संपर्क
क्त पाए गए हैं। ये कार्य

3 जर्मप्लाज्म को रोपण
। उन जर्मप्लाज्म (जैव-
ल) का मूल्यांकन प्रगति

के पारंपरिक और गैर-

अति संवेदनशील और
लिए, डी नोवोट्रांसक्रिप्टोम
संवेदनशील); एसए - 6,
ल), एवं एटीके - 1
पहचान के लिए किया

और गुणवत्ता विशेषताओं
1 ओर्गेनिज़्म के अनुरूप
ने एक्टिनिडायसिनेसिस

तरीके से जींस इनकोडिंग
विलिन प्रोटीन, सिस्टीन ,
बी-एआरसी डोमेन-युक्त

मूल्यांकन जारी है। सभी संकरित सामग्रियों में से लगभग 2-3 अच्छी
किया गया है। इसी तरह , माइक्रो सीड बेरी से हम 2-3 अच्छी रोपण सा
हैं।

- विभिन्न वाणिज्यिक चाय इस्टेटों में 02 दीर्घकालिक परीक्षण चल रहे हैं।
- मूल स्थान पर बीज उत्पादन: टोकलाई - बरबेटा चाय इस्टेट के क्षेत्रों
सिनमारा और बोरभेटा के उन्नत बीजों और एक अन्य तीन बाइक्लोनल
से एक नया परीक्षण आरंभ किया गया था। डेटा रख-रखाव का कार्य जारी
- वर्तमान वर्ष में क्लोनल चयन कार्यक्रम के लिए पूर्वोत्तर भारत के 02
किया गया था । बगानों के कुछ क्षेत्र क्लोनल चयन कार्य के लिए उपयु
प्रगति पर है।
- न्यू बॉटनिकल एरिया के टॉकलाई में जर्मप्लाज्म की संवीक्षा जारी है। 0
सामग्री के रूप में समलक्षणी एवं शारीरिक रूप से उपयुक्त पाया गया है
रासायनिक, इंद्रिय-ग्राही, फिजियोलॉजिकल, एनाटोमिकल और एंटोमोलॉजिक
पर हैं ।

उपासी

**(i) परियोजना का नाम : उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन
पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से नए चाय क्लोनों का विकास।**

- तीन अलग-अलग लक्षणों (शुष्कता, रोग प्रतिरोध और गुणवत्ता) के प्रति
प्रतिरोधी क्लोनों के बीच अंतर व्यक्त करने वाली जीन की पहचान करने के लि
विश्लेषण उपासी-2 (शुष्कता सहिष्णु), उपासी -3 (शुष्कता के प्रति अति स
एसएमपी - 1 (रोग प्रतिरोधी), टीईएस - 34 (रोग के प्रति अति संवेदनशी
(निम्न गुणवत्ता) , टीआरएफ़ - 4 तथा सीआर - 6017 (उच्च गुणवत्ता) की
गया है ।
- शुष्कता के दौरान प्रवित्त जीन्स की एक्स्प्रेशन लेवल में अंतर, रोग संक्रमण अं
को आमतौर पर एक्सप्रेस्ड जीन्स से अलग किया गया है, जहां विश्लेषण ~ 16
है और आनुवांशिकी जानकारी स्थानांतरण (ट्रांसक्रिप्ट) की अधिकतम संख्या
(कीवी फल) के साथ हिट किया है।
- फंक्शनल एनोटेशन में यह देखा गया है कि शुष्कता सहिष्णु क्लोन ने भिन्न त
एक्सप्रेस किया है ; फंक्शनल एनोटेशन अध्ययनों के दौरान पेरोक्सीडेज़, कीवे
रिच रिसेप्टर किनेज, कोपिया प्रोटीन, एल-टाइप लेक्टिन रिसेप्टर किनेज, एन

रोग प्रतिरोधक प्रोटीन और एक्स्ट्रासेलुलर लिगंड बाइंडिंग रिसेप्टर; क्वालिटी क्लोनों में: लेक्टिन रिसेप्टर किनेसेस (एलईसीआरके), टेरपेनसीक्लेज, प्रोटीन जैसे एक्सपेंसिन-ए8, अचिन्हित प्रोटीन में हाइड्रोलेस एक्टिविटी , पेरोक्सीडेज़ और 50एस राइबोसोमल प्रोटीन एल31, कलकोनिईसोमरेज़ और ट्रेहलोज़ 6 फॉस्फेट सिंथेज़ ; और रोग प्रतिरोधी क्लोनों द्वारा : लिउसाइन -रिच रिपिट कोंटेनिंग प्रोटीन, पेरोक्सीडेज, प्यूटेटिव मेथिओनिन - टीआरएनए लिगेज, रोग प्रतिरोध फैमिली प्रोटीन / एलआरआर फैमिली प्रोटीन प्यूटेटिव , मेजर फैसिलिटेटर सुपरफैमिली प्रोटीन आइसोफोर्म 1, टेरपीन सिंथेज़, सेरीन / थ्रेओनीन-प्रोटीन कीनेज, आरआरएनए एन-ग्लाइकोसिडेस, सल्फ़ोट्रांसफेरेस एवं मिथाइलट्रांसफेरेस की पहचान अंतर के रूप में एक्सप्रेस किया गया था ।

- **उपासी-**2, **उपासी -**3, **सीआर-**6017, **टीआरएफ़-**4, **एटीके-**1, **एसए-**6, **एसएमपी-**1 और **टीईएस-**34 के लिए प्रत्येक लक्षण से संबन्धित प्रमुख आनुवांशिकी जानकारी स्थानांतरण कारकों को समझने के लिए को आनुवांशिकी जानकारी स्थानांतरण (ट्रांसक्रिप्शन) कारक (ओर्गेनिज़्म एवं आनुवांशिकी जानकारी स्थानांतरण कारक डोमेन श्रेणी) का एनोटेशन व्यवस्थित किया गया था ।
- मृदा नमी तनाव के तहत पैतृक क्लोनों के लक्षण विशिष्ट एक्सप्रेशन का पता लगाने के लिए, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स विश्लेषणों से पता चला कि **उपासी-**2 और **उपासी -**3 के क्लोनों में 1,28,323 **एसएसआर** मार्कर अनुक्रम थे, जिनमें से 2,000 एसएसआर क्षेत्र शुष्कता तंत्र से जुड़े थे; 1,77,703 **एसएसआर** मार्कर अनुक्रमों के 2,300 क्षेत्र **एटीके -**1, सीआर 6017 और टीआरएफ़-4 क्लोन में मूल्यांकित संबन्धित गुणवत्ता लक्षण थे ; और समग्र रूप से 1,86,730 एसएसआर अनुक्रमों का एसएमपी -1, एसए -6 और टीईएस -34 क्लोन में मूल्यांकन 64,096 एसएसआर क्षेत्र , रोग प्रतिरोध मार्ग से संबंधित थे।
- जीनोंटोलॉजी के आधार पर , जीन के कार्यों को आणविक कार्य , कोशकीय घटक और जैविक कार्य में वर्गीकृत किया गया था ।
- शुष्कता , गुणवत्ता और रोग प्रतिरोध से संबंधित सात अलग-अलग एक्स्प्रेस्ड जीनों को क्यू-पीसीआर सत्यापन विश्लेषण के लिए उपासी-2, उपासी-3, एटीके -1, सीआर-6017, टीआरएफ -4, एसएमपी -1, एसए -6 और टीईएस -34 क्लोन में आमतौर पर एक्स्प्रेस्ड जीन , प्रोटीन वाईसीएफ़2, फेनिलएलनिन , अम्मोनिया लियेज़, टोल-बी प्रोटीन से संबंधित आइसोफॉर्म -1, एंथोसायनिन 5 एरोमैटिक एसाइलट्रांसफेरेज़, एक्वापोरिन प्रोटीन 23, पेक्टिन एस्टेरेज़, बीटा एमाइलेज सांख्यिकीय और जैविक कार्यों के आधार पर चुना गया था। । सभी जीनों ने एकल पिघलाव वक्र सहित इष्टतम सीटी मान एवं एगारोस जेल में अपेक्षित आकार प्रदर्शित किया ।
- एनजीएस डेटा और क्यू-पीसीआर डेटा के अप / डाउन विनियमन के फ़ोल्ड परिवर्तन एक्स्प्रेशन के बीच मिलान की उच्च अवस्था प्राप्त की गई थी। इसलिए ट्रांसक्रिप्टोमिक डेटा का सत्यापन किया गया था।

(ii) परियोजना का नाम : चाय की पत्ती तुड़ाई (हार्वेस्टिंग) के लिए मशीनों का विकास और कृषि पद्धतियों का मशीनीकरण।

- ब्लेडों की कटाई-क्रिया के कारण प्लकिंग के ऊपरी तल की अनुरक्षण पर्णसमूह भी कट जाती है , जिससे अनुरक्षण पर्णसमूह की गहराई में कमी आती है । ब्लेड की पुनरावृत्त क्रिया के कारण निरंतर कतरनी हार्वेस्टिंग और मशीन हार्वेस्टिंग कार्यक्रम में अनुरक्षण पर्णसमूह क्षतिग्रस्त होती है , जिससे गहराई में कमी आती है ।

- ❖ इस तरह की कार्यप्रणाली से यह सुनिश्चित होता है कि अनुरक्षण पर्णसमूह को नुकसान पहुँचाए बिना पंक्तियों का सही स्तर पर पत्तियों की तुड़ाई किया जाता है। तुड़ी हुई पत्तों को बागान से ट्रक तक इकट्ठा करने की सुविधा के लिए प्रत्येक पंक्ति को औसतन 60 मीटर की अंतराल पर बनाए रखा जाता है।
- ❖ चाय के पौधों को पाला से बचाने के लिए प्रत्येक 60 से 100 मीटर की अंतराल पर खंभों पर केवल पंखे लगाए जाते हैं। जबकि दक्षिण भारत में चाय के पौधों को फ़िल्टर्ड छाया प्रदान करने के लिए छायावृक्ष रोपण की सिफारिश की जाती है।
- ❖ दक्षिण भारतीय परिस्थितियों के तहत, औसतन एकल पुरुष संचालित हार्वेस्टर एक दिन में 450 - 500 किलोग्राम ग्रीन लीफ़ की प्रति मशीन तुड़ाई क्षमता के साथ एक दिन में लगभग 0.2 से 0.3 एकड़ की पत्ती तुड़ाई कर सकता है । वहीं दो पुरुष द्वारा संचालित हार्वेस्टर एक दिन में 1000-1200 किलोग्राम ग्रीन लीफ़ की प्रति मशीन तुड़ाई क्षमता के साथ एक दिन में लगभग 0.5 से 0.7 एकड़ की पत्ती तुड़ाई कर सकता है ।
- ❖ निरंतर यांत्रिक पत्ती तुड़ाई के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने करने लिए गिबरेलिक एसिड के साथ नाइट्रोजन , फास्फोरस , पोटाशियम और मैंगनीज, मैग्नीशियम, बोरोन, जिंक सल्फेट का पर्ण (फोलियर) अनुप्रयोग करते हैं। यांत्रिक पत्ती तुड़ाई के प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने के लिए पर्ण अनुप्रयोग कार्यक्रम के बाद मैक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग का अनुसरण किया जा सकता है।
- ❖ दक्षिण भारत में प्रायोगिक परिणामों से पता चला है कि कैमेलिया एसामिका आर8जीए1 से संबंधित क्लोन के लिए 70 सेमी से 80 सेमी की ऊंचाई तक आसानी से स्किफ कर सकते हैं और एक दिन में 3500 झाड़ियों को कवर कर सकते हैं।

5% सेमी ड़ाई साल कम

- ❖ समायोज्य चौड़ाई के कारण, राइडिओन मशीन को किसी भी मौजूदा दक्षिण भारतीय बागान में 1 की अधिकतम ढलान के साथ और 120 X 60 X 60 X 60 सेमी या 135 X 75 X 75 X 75 के अंतराल के साथ संचालित किया जा सकता है। चूंकि राइडिओन हार्वेस्टर 93 सेमी तक पत्ती तु कर सकते हैं, छंटाई की ऊँचाई को अधिकतम 55 से 60 सेमी तक कम करना पड़ता है और दो के अंत में जब झाड़ियों की ऊंचाई 93 सेमी से अधिक हो जाती है, तो छतरी (केनोपी) ऊंचाई को करने के लिए स्किफिंग की आवश्यकता होगी। ।

(ग) दार्जिलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआरडीसी)

लिए

(i) परियोजना का नाम : उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए नए क्लोन के विकास के प्रजनन के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तरीकों का एकीकरण।

बाद धार र के लोन का का 104 त्ता

- ➢ केस्टलटन, डीटीआरडीसी और रोहिणी टी एस्टेट में दीर्घकालिक परीक्षण प्लॉट स्थापित करने के एवं संरचनात्मक (मोर्फोलोजीकल) अवलोकन, ऑर्गेनोलेप्टिक और जैव-रासायनिक मूल्यांकन के आ पर कंट्रोलों के साथ तुलना करने पर परीक्षण के पश्चात प्रमुख 15 टेस्ट क्लोन पाए गए। पैदावार परिणाम से संकेत मिलता है कि क्लोन सी-114, सी- 104, सी-99 और सी-100 दोनों कंट्रोल क एवी-2 और पी-312 से अधिक उत्कृष्ट थे। शाखन प्रकृति , शाखा के लक्षण और पत्तों के लक्षण चाय के विवर्णक (डिस्क्रिप्टर) का अनुसरण करते हुए कंट्रोल सहित सभी अभिवृद्धियों(अक्सेशन) संरचनात्मक (मोर्फोलोजीकल) निगरानी किया गया था। उपरोक्त अभिवृद्धियों(अक्सेशन) में सी- और सी-114 के प्रमुख कली यानी सिरा और पत्ती की सतह पर घना रोम है, जो कि गुणव

विशेष रूप से ओर्थोडोक्स चाय के लिए एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक (मोर्फोलोजीकल) चिन्हक (मार्कर) है , जिसके लिए दार्जिलिंग अच्छी तरह से जाना जाता है।

- स्वाद , चाय की झाड़ की स्वाभाविक गुण होती हैं और इसे विशेषज्ञ निर्माता द्वारा चाय के लिकर में बनाए रखा जा सकता है। चाय की गुणवत्ता को रंग, गुण, तीव्रता और स्वाद की उपस्थिति से भी मापा जा सकता है। अधिक स्वाद एवं लिकर वाली चाय में उपयोगी लक्षण के साथ-साथ अच्छी सुगंध भी होती है । टीएफ, टीआर 0.11 और 10.68 जैसे कंट्रोल के साथ-साथ विभिन्न क्लोनों की तैयार चाय के जैव-रासायनिक विश्लेषण के परिणाम C114 में पाए जाते हैं और क्लोन C114 की पैदावार के आंकड़े कंट्रोल की तुलना में अधिक पाये गए हैं। यदि इसमें उच्च गुणवत्ता भी संयोजित हो जाए , तो यह एक योग्य क्लोन का एक सकारात्मक संकेत है। जैसे कि परियोजना का उद्देश्य उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए नए क्लोन विकसित करना है, इसलिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि अध्ययन के तहत प्रमुख अभिवृद्धि तनाव सहिष्णु हैं या नहीं (कंट्रोलों की तुलना में)। दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्रों में सबसे महत्वपूर्ण तनाव मापदंडों में शुष्कता तनाव भी एक मापदंड है। इसलिए अध्ययन के दौरान प्रमुख अभिवृधियों की शुष्कता प्रतिरोधी क्षमता का पता लगाने के लिए पत्ती के मोम तत्व और प्रोलिन तत्व का मूल्यांकन करने की योजना बनाई गई है। पत्ती के मोम तत्व के अध्ययन में एवी2 एवं पी312 की तुलना में छह सबसे प्रमुख अभिवृधियों में उच्च मोम तत्व को दर्शाते हैं। चार अंक मापनी जैसे कि 1. - चमकीले लाल भूरे (तेज किण्वक) के रूप में इस्तेमाल किया गया; 2. - धुंधला भूरा (मध्यम किण्वक); 3. - हरा-भरा रंग (खराब किण्वक); 4. - हरा (गैर-किण्वक) , का प्रयोग करते हुए क्लोरोफॉर्म में डुबोने के चार घंटे के बाद पत्ती के रंग में परिवर्तन के आधार पर किण्वन क्षमता दर्ज किया गया। अध्ययन में छह प्रमुख अभिवृधियों (99 / 14,114 / 14, 104/14, 84/15, 94/15, 98/14) ने द्रुत किण्वन दिखाया गया है , जो वांछनीय है।
- रोहिणी चाय इस्टेट के दीर्घ अवधि परीक्षण (एलटीटी) में बैंगनी चाय के डीयूएस (विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता) लक्षण – वर्णन , परिधि , ऊंचाई, शाखाओं की संख्या, कीट और रोग संक्रमण, शुष्कता सहिष्णुता, पैदावार , ओरगेनोलेप्टिक और जैव रासायनिक लक्षणों का परीक्षण किया गया था। बैंगनी चाय से बने चाय के जैव-रासायनिक विश्लेषण के परिणामों का मूल्यांकन किया गया, जहां बैंगनी चाय में टीएफ, टीआर 0.11 और 12.98 पाया गया। आगे की मूल्यांकन को जारी रखा जा रहा है और यह फिजियोलॉजिकल मानकों जैसे कि वाष्पोत्सर्जन, शुद्ध प्रकाश संश्लेषण, रंध्री चालकता, जल उपयोग क्षमता जैसे कि वीएफसी, कैफीन, क्लोरोफिल, एंथोसायनिन तत्व , प्रोलाइन, ग्लाइसिन बिटेन का शुष्कता मूल्यांकन जैसे अन्य महत्वपूर्ण जैव-रासायनिक मापदंडों को दर्ज करना प्रस्तावित है।
- विभिन्न संकरण संयोजन (B157XAV2, B668XN DEVI, B157XB668, T78XP312, P312XT135, T135XB157, B157XP312, T78XGOLKUNDA, T135XAV2) का पुष्प (फ्लोरल) अध्ययन किया गया। प्रयोग के दौरान यह देखा गया कि पुष्पों का आकार एन देवी में सबसे अधिक है और सबसे छोटा टी78 है। सभी में 5 गहरे हरे रंग के पंखुड़ी हैं। सबसे अधिक पंखुड़ी की गिनती यानी 8 पंखुड़ियों को बी-668 में देखा गया है , जबकि अन्य में पंखुड़ियों की संख्या 06 है। बी-668 और टी 135 में परागकोष का रंग हल्का पीला होता है , लेकिन अन्य में पीले रंग का परागकोष होता है। यह देखा गया कि सभी क्लोनों के पुष्पों में समान प्रकार के गर्भ केशर का सिरा (स्टिग्मा) होते हैं। एक और गिनती AV2 & B157 में सबसे अधिक और T135 में सबसे कम है। सभी संयोजनों में पुष्पण का काल लगभग समान होता है, लेकिन गोलकुंडा X T78 के संयोजन में, गोलकुंडा का पुष्पण T78 से थोड़ा पहले होता है। इसके अलावा, विभिन्न प्रयोग की रिकॉर्डिंग जारी रखी जा रही है।
- डीटीआरडीसी , केसल्टन चाय इस्टेट एवं रोहिणी चाय इस्टेट के विभिन्न दीर्घ अवधि परीक्षण (एलटीटी) प्लॉट से ग्रीन लीफ के नमूने एकत्रित किए गए और डीएनए पृथक्करण एवं आनुवंशिक

विविधता को जानने तथा प्रमुख प्रायोगिक चाय क्लोनों (टेस्ट टी क्लोन) में महत्वपूर्ण लक्षणों के लिए जिम्मेदार जीन की पहचान करने के लिए आईसीएआर – एनआरसीपीबी , नई दिल्ली में भेजे गए ।

- विभिन्न परीक्षण प्लॉटों से डीयूएस लक्षण, मोरफोलॉजिकल , ऑर्गेनोलेप्टिक , जैव-रासायनिक एवं अन्य मापदंड दर्ज किए गए थे ।
- वर्तमान में पुरानी जाटों के गुणवत्ता वाले अनुभाग से बीज का उत्पादन करने के लिए दार्जिलिंग के विभिन्न चाय इस्टेट में इसके आस-पास (इन सीटू) 4 संरक्षण प्लॉट (सीड बारी) स्थापित की गई है। नतीजतन, डीटीआरडीसी , टुमसुंग चाय एस्टेट के सीटू संरक्षण भूखंडों से उत्पन्न पौधों का क्षेत्र मूल्यांकन आगे की मूल्यांकन के लिए जारी है। सीटू संरक्षण भूखंडों में नव स्थापित प्लॉट के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन जारी है।

<u>(d). आईएचबीटी , पालमपुर</u>

(i). परियोजना का नाम : चाय की पत्ती तुड़ाई (हार्वेस्टिंग) के लिए मशीनों का विकास और कृषि पद्धतियों का मशीनीकरण।

- परिणामों से पता चला है कि विभिन्न उर्वरकों के प्रयोग में हाथ से प्लकिंग की तुलना में प्लकिंग के यांत्रिक तरीकों से थोड़ी अधिक पैदावार थी । प्लकिंग के विभिन्न तरीकों के मामलों में , उर्वरक स्तर 120: 90: 120 (F2) ने अन्य संयोजनों की तुलना में अधिक उपज दर्ज की ।
- लीफ ग्रेड या पत्ती की महीनता सभी यांत्रिक विधियों से काफी कम हो गई थी। हालांकि, हाथ की कैंची से यह कमी अपेक्षाकृत कम थी। यह भी देखा गया कि उर्वरक का परिमाण बढ़ने से पत्ती की महीनता धीरे-धीरे कम होती गई। उर्वरक स्तर 90:90:90 ने अन्य संयोजनों की तुलना में पत्ती ग्रेड का उच्चतर मान दिखाया।
- इस साल चेन्नई स्थित कंपनी, मैसर्स इग्निशन प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विपणन किए गए “माइक्रोलाइट हार्वेस्टर” (वजन ~ 2.4 किग्रा, एकल पुरुष संचालित , जब चार्ज पूरा हो तो 4 घंटे तक बैटरी संचालित) एक बैटरी चालित मशीन का भी प्रयोग किया गया ।

य फार्म मशीनीकरण के विभिन्न पहलुओं पर कुल 20
किसानों के चाय बागानों के साथ-साथ संस्थान के
स्किफिंग, रिजूविनेशन प्रूनिंग सहित प्रूनिंग, बरमा (एक
ई वॉल्यूम और इलेक्ट्रिक स्प्रेयर, घांस - निराई आदि के

त्र के न्यूनतम आकार के साथ चाय बागान निदर्शनी
कता, गुणवत्ता और जैविक तथा अजैविक तनाव के प्रति
रोपण गया था ।

नाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन के पारंपरिक और गैर-
कास ।

- प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और परीक्षण के लिए, चाय
प्रदर्शनी आयोजित किए गए, जिसके तहत
प्रयोगात्मक बागानों में यांत्रिक चाय प्लकिंग,
छेदन यंत्र) की सहायता से चाय पौध रोपण, हा
निदर्शन आयोजित किये गए थे।
- राज्य के 5 स्थानों पर नए 600 वर्ग मीटर क्ष
प्लाट की स्थापना की गई, जिनमें उच्च उत्पादक
प्रतिरोध वाली बेहतर किस्मों के 600 पौधों का

(ii). परियोजना का नाम : उत्पादकता**,** गुणवत्ता और त
पारंपरिक तरीकों का एकीकरण द्वारा नए क्लोन का विक

- उपज, गुणवत्ता और ब्लिस्टर ब्लाइट प्रतिरोध को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चीनी संकर चाय के जीन परूप की बेहतरी के लिए चालू अंतर – वैविध्य संकरण कार्यक्रम के तहत छः संकरण संयोजन को लेकर सात पैतृक प्ररूप के बीच संकर किया गया था ।
- पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के विभिन्न चाय बागानों में मौजूदा आबादी के बीच विभिन्न प्रकार की उत्पत्ति और आनुवंशिक विविधता को दर्शाते हुए आणविक लक्षण-वर्णन डेटा से उच्च स्तर की आनुवंशिक वैविध्य प्राप्त की गई थी। अपने बागान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए बागान में अनुवर्ती रोपण के लिए दुस्साध्य पौधों आका देख-रेख किया जा रहा है।
- पांच जीन प्ररूप (पीटी -5, पीटी-7, पीटी-9, पीटी -12 और पीटी -17) के 14 पौधे उगाए गए। चयनित बैंगनी चाय के जीन प्ररूप में, पीटी -7 ने अप्रैल के दौरान 1.98% और मई महीने के दौरान 2.00% और पीटी-8 ने क्रमशः अप्रैल और मई महीने के दौरान 2.38% और 2.36% की एंथोसायन तत्व दिखाई। जबकि, पीटी-8 ने अप्रैल महीने (17.55) के दौरान टीपीसी की उच्च तत्व भी दिखाई। इसलिए, अन्य बैंगनी चाय क्लोन की तुलना में उच्च कुल फेनोलिक तत्व और उच्च एंथोसायनिन तत्व के साथ पीटी -8 का उपयोग संभावित नए बैंगनी चाय क्लोन के रूप में किया जा सकता है।
- बागानी परिस्थितियों (रोपण के तीसरे वर्ष) के तहत रोपे गए विभिन्न एफ 1 संततियों की वर्तमान में आकारिकीय(मोरफोलॉजिकल) आधार पर उनके प्रारंभिक विकास और मजबूती के लिए पौधे की ऊंचाई (एम), शाखाओं की संख्या , शाखाओं की लंबाई (मिमी) , पत्ती की लंबाई (सेमी) , पत्ती की चौड़ाई (सेमी) , दो गाँठ के बीच स्थित तना अर्थात पोर (इंटरलोड) की लंबाई (सेमी) , पौधे के फैलाव (मीटर में व्यास की लंबाई) के संबंध में लक्षणों का वर्णन किया जा रहा हैं। कुल पॉलीफेनोल तत्व के प्रारंभिक रुझानों के आधार पर , क्लोन 14-3-5, 14-7-15, 3-8-3, 9-9-4, 1-8-1, 03-6, 03-55, 03-70, 03-104 ने अध्ययन किए गए अन्य क्लोनों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर, रोग प्रतिरोध, मोरफोलॉजिकल लक्षणों और गुणवत्ता विशेषताओं के आधार पर, क्लोन 03-6, 03-55, 03-70 एवं 03-104 बेहतर पाए गए और ये व्यावसायिक उपयोग की क्षमता रखते हैं।

<u>नियामक मुद्दा :</u>

विनियामक शोध के क्षेत्र में टी बोर्ड व्यापार के तकनीकी बाधाओं (टीबीटी) के मुद्दों एवं कारणों, सेनेटरी तथा फाइटोल सैनिटरी (एसपीएस) के मुद्दों तथा खाद्य सुरक्षा व गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों को देखता है , ताकि भारतीय चाय के घरेलू खपत और निर्यात दोनों को बढ़ाया जा सके ।

- 1/4/2019 से 31/03/2020 की अवधि के दौरान, एपीजे एसएलजी द्वारा विभिन्न प्रान्तों से प्राप्त कीटनाशकों के अवशेषों से संबंधित भेजे गए 41 एसपीएस टीबीटी की अधिसूचनाओं का विश्लेषण किया गया था एवं एपीजे एसएलजी कार्यालय को आवश्यक उत्तर भेजे गए थे।
- चाय में कुछ कीटनाशकों के संशोधन और उनके उचित न्यनतम अवशिष्ट सीमा (एमआरएल) के निर्धारण के लिए एफ़एसएसएआई के साथ आवश्यक पत्राचार किए गए थे।

<u>बैठकें और कार्यशालाएं :</u>

पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) पर गठित तकनीकी समूह की 12वीं बैठक 5 जुलाई , 2019 को गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला(क्यूसीएल) , सिलीगुड़ी में आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि एवं

कृषक कल्याण मंत्रालय के तकनीकी विशेषज्ञों , विभिन्न चाय संघ के प्रतिनिधियों और टी बोर्ड के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एफएसएसएआई द्वारा चाय में क्विनालफोस सहित कई पीपीएफ के उचित एमआरएल के निर्धारण संबन्धित विभिन्न मुद्दों, पीपीसी में मौजूदा पीपीएफ की समीक्षा और भारतीय चाय के लिए सुक्ष्मजीवी मानकों आदि पर चर्चा की गई। सीआईबीआरसी द्वारा अनुमोदित एक नए कीटनाशक को पीपीसी के 11वें संस्करण में शामिल किया गया और उद्योग के लिए जारी किया गया।

23 अप्रैल, 2019 को पोखरियाबॉन्ग, दार्जिलिंग में लघु चाय उत्पादकों के लिए डीटीआरडीसी द्वारा प्रारम्भिक मौसम में कृषि पद्धति (अर्ली वेदर प्रैक्टिस) एवं कीट प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डीटीआरडीसी के टी बोर्ड के अधिकारियों ने भाग लिया। बागान निदर्शन के बाद पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) सहित चाय की पत्तियों और कीट प्रबंधन के संबंध में दो तकनीकी चर्चाएँ की गईं ।

"दार्जिलिंग और असम चाय की वृद्धि और उत्पादकता में सुधार के लिए सूक्ष्मजीवी इनोक्युलंट्स के विकास" पर जैव उत्पाद परियोजना के तहत एक कार्यशाला आयोजित की गयी । यह एक संगठित कार्यशाला था , जिसे लघु चाय उत्पादकों के लिए जैविक चाय की खेती के लिए जैव उत्पादों के उपयोग पर आयोजित की गयी थी ।

रिपोर्टाधीन अनुसंधान और विकास गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से मार्च, 2020 में टीआरएलसी की बैठक आयोजित की गई थी।

पीपीसी बैठक से सम्बंधित कुछ फोटोग्राफ

पीपीसी बैठक से सम्बंधित कुछ फोटोग्राफ

अध्याय - 6

चाय संवर्धन

परिचय :

टी बोर्ड के प्रमुख कार्यों में से एक संवर्धनात्मक क्रियाकलापें संचालित करना भी है , जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत को गुणवत्ता चाय का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाना है । भारतीय चायों के अनेक क़िस्मों एवं श्रेणियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु चाय संवर्धनात्मक क्रियाकलापों में इस लक्ष्य के साथ तेजी लायी गयी है कि लक्षित बाज़ारों में भारतीय चायों की हिस्सेदारी बढ़े एवं साथ ही साथ घरेलू खपत में भी वृद्धि हो । चयनित देशों में केन्द्रित ध्यान दिया गया था , जहाँ पर निर्यात को बढ़ावा देने हेतु ज्यादा संभावनाएँ हैं । निर्यात तथा विदेश में भारतीय ब्राण्डों के विपणन को बढ़ावा देने हेतु भारतीय निर्यातकों को भी सभी संभव सुविधा मुहैया कराई गयी थी ।

2019-20 के दौरान भारत से चाय निर्यात की समीक्षा

वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान निर्यात की गई चाय की कुल मात्रा 241.34 मिलियन किलोग्राम था , जिसका मूल्य रु. 5457.10 करोड़ था । यह 13.16 मिलियन किलोग्राम (-5.17%) की मात्रा में कमी को दर्शाता है। 2019-20 में इकाई मूल्य प्राप्ति में 9.73 रुपये / किलोग्राम की वृद्धि हुई थी।

संक्षिप्त में तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गयी है :

वर्ष	मि में .किग्रा . परिमाण	करोड़ रुपए में मूल्य	मि. यूएसडी में मूल्य	रु../किग्रा. में इकाई मूल्य	$./किग्रा. में इकाई मूल्य
2019-20	241.34	5457.10	768.93	226.11	3.19
2018-19	254.50	5506.84	787.50	216.38	3.09
2017-18	257.57	5064.88	785.92	197.41	3.06

निम्नलिखित देशों में निर्यात में वृद्धि देखी गयी थी :

- ईरान में 5.84 मिलियन किग्रा. (14%)
- चीन में 2.14 मिलियन किग्रा. (20.32%)
- सऊदी अरब में 1.82 किग्रा. (42.52 %)
- अफगानिस्तान में 1.61 किग्रा. (287.50 %)
- जापान में 1.46 किग्रा. (39.14%)
- संयुक्त राज्य अमेरिका में 1.21 किग्रा. (10.72 %)

2019-20 के दौरान संवर्धनात्मक कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण

2019-20 के दौरान, टी बोर्ड ने विभिन्न प्रकार संवर्धनात्मक कार्यकलापों को संचालित किया है , जैसे कि महत्वपूर्ण व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में बोर्ड की भागीदारी को व्यवस्थित करना, चाय व्यापार के साथ संपर्क कार्य को बनाए रखना, ईरान, जापान , संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा नियमों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को देखना , रूस , कजाखस्तान , ईरान , मिस्त्र , संयुक्त राज्य अमेरिका , जर्मनी , जापान , संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के प्रमुख बाज़ारों में भारतीय चाय के मांग एवं बाजार भागेदारी में वृद्धि के उद्देश्य से चाय निर्यात के साथ-साथ विस्तृत बाजार एवं व्यापार संबन्धित सूचनाओं में हुए प्रगति को टी बोर्ड द्वारा विदेश में अवस्थित अपनी मास्को कार्यालय तथा मुख्यालय के माध्यम से चाय उद्योग को अवगत कराते रहना है । अन्य कार्यकलापों में बाजार विश्लेषण शामिल है, जो भारतीय चाय की छवि को बनाए रखने के लिए और टी बोर्ड भारत के प्रति सकारात्मक तरीके से जनता के रवैये को प्रभावित करने के लिए विभिन्न प्रचार कार्यक्रम संचालित करना है। ट्विटर, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर अभियान भारतीय चाय और इसकी विविधताओं के बारे में युवाओं सहित उपभोक्ताओं को जागरूक करने में भी बहुत प्रभावी सिद्ध हुआ है।

भारतीय चाय के विशेषता एवं विलक्षणता को निरंतर आने वाले आगुन्तकों के बीच प्रचार - प्रसार करने के उद्देश्य से खरीदारों और विक्रेताओं के बीच दोतरफा आदान-प्रदान को सम्पन्न करने हेतु 2019-20 के दौरान टी बोर्ड ने तीन (3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लिया । इसके अलावा , 2019-20 के दौरान टी बोर्ड भारत ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित अठारह (18) देशी व्यापार मेलों में भाग लिया।

2018-19 के दौरान प्रमुख मदों पर किए गए व्ययों का संक्षिप्त ब्यौरा विस्तृत विवरण सहित नीचे दिया गया है :

2019-20 के दौरान किए गए व्यय

(करोड़ रुपए में)

प्रमुख मद	2019-20	2018-19
देशी संवर्धन	2.03	1.02
विदेशी संवर्धन	1.90	3.97
वाणिज्य संबन्धित कार्यकलाप	0.19	1.31
निर्यातकों/संघों को प्रोत्साहन	3.07	4.23
संवर्धन	0.81	0.8
ई-प्रशासन	0.25	0.68
विविध	0.24	1.66
कुल	8.49	13.67

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान टी बोर्ड द्वारा संचालित संवर्धनात्मक कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण :

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	प्रोडेक्स्पो , मास्को 2020	10 से 14 फरवरी 2020
2.	गल्फफूड दुबई	16 से 20 फरवरी 2020
3.	थाईलैंड कॉफी , टी एंड ड्रिंक्स	27 फरवरी से 1 मार्च 2020

देशी कार्यक्रम

क्र . .सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	युवा चाय उद्यमी सम्मेलन , कोलकाता	25 अप्रैल , 2019
2.	भारतीय चाय का संवर्धनात्मक कार्यक्रम , सिलीगुड़ी	15 से 16 जून , 2020
3.	उज्जवल , हिमाचल प्रदेश	12 से 14 जुलाई , 2019
4.	खाद्य एवं तकनीकी एक्स्पो , नई दिल्ली	1 से 3 अगस्त, 2019
5.	16वें कृषि +खाद्य एवं पेय प्रसंस्करण एक्स्पो, गोवा	1 से 3 अगस्त , 2019
6.	अन्नपूर्णा - अनुफूड इंडिया 2019 , मुंबई	29 से 31 अगस्त 2019
7	मुंबई टी सेंटर का नवीकरण एवं पुनः शुभारंभ	14 सितंबर , 2019
8	गूडरिक टीपॉट , कोलकाता का उद्घाटन	8 सितंबर , 2019
9	कूनूर में आयोजित उपासी औद्योगिक प्रदर्शनी	13 से 14 सितंबर , 2019
10	अखिल भारतीय रूसी प्रवासी सम्मेलन में भारतीय चाय का संवर्धन	अक्टूबर , 2019 का पहला सप्ताह
11	विरासत महोत्सव , देहरादून	11 से 25 अक्टूबर , 2019
12	असम चाय जागरूकता अभियान	21 अक्टूबर , 2019
13	बैंगलोर में भारतीय चाय आस्वादन एवं प्रशंसा सत्र	24 अक्टूबर , 2019

019		
2019		
2019		

14	बायोफ़ाक इंडिया , 2019, नोएडा	7 से 9 नवंबर , 20
15	उत्तर पूर्व महोत्सव , नई दिल्ली	8 से 10 नवंबर , 2
16	कोलकाता में रूसी प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय चाय आस्वादन और चाय प्रशंसा सत्र	12 नवंबर , 2019
17	7वें वर्ल्ड टी कॉफी एक्स्पो 2019, गोरेगांव , मुंबई	21 से 23 नवंबर ,

18	फूड फूड अवार्ड्स	26 नवंबर , 2019
19	उत्तर पूर्व खाद्य प्रदर्शनी, शिलोंग, मेघालय	4 से 6 नवंबर , 2019
20	नीलगिरी जिला में चाय संवर्धन अभियान	9 दिसंबर , 2019
21	इंडियन टी एप्रिसिएशन फ़ेस्ट , कोलकाता	25 दिसंबर , 2019
22	इंडसफूड 2020 का 3री संस्करण , ग्रेटर नोएडा	8 से 9 जनवरी , 2020
23	जलिंगा टी रन , सिल्चर , असम	14 से 15 जनवरी , 2020
24	75वीं द्विवार्षिक असम साहित्य सभा, असम के स्यालकुची में	31 जनवरी 2020 से 4 फरवरी , 2020
25	कोलकाता में बसे जापानी प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय चाय आस्वादन और प्रशंसा सत्र का आयोजन किया गया	31 जनवरी , 2020
26	"फूडका" के माध्यम से चाय संवर्धन	
27	जापान भारत सहयोग एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी , हिमाचल प्रदेश	10 फरवरी , 2020
28	' रन फॉर इंडिया टी' अगरतला	19 फरवरी , 2020
29	ऊटी बॉटनिकल गार्डन के पास स्पेशलिटी टी बुटीक का उद्घाटन	20 फरवरी , 2020
30	टी कैफे ऑन व्हील्स, आसनसोल, पश्चिम बंगाल	26 फरवरी , 2020
31	मंडी अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि मेला	22 फरवरी , 2020
32	असम चाय संवर्धन अभियान, ओडिशा	29 फरवरी से 6 मार्च,2020

अप्रैल 2019

कोलकाता में 25 अप्रैल , 2019 को आयोजित युवा चाय उद्यमी सम्मेलन (यंग टी आंट्रप्रेनर्स मीट)

टी बोर्ड भारत ने निर्यात और घरेलू उपभोग बढ़ाने और भारतीय चाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए योजना पर चर्चा करने के लिए 25 अप्रैल , 2019 को कोलकाता में एक युवा चाय उद्यमी सम्मेलन का आयोजन किया।

चाय उद्योग के सफल युवा उद्यमियों ने प्रासंगिक विषयों पर विचार-विमर्श करने और भारतीय चाय उद्योग के हालिया पहलुओं में अंतर्दृष्टि देने के लिए सम्मेलन में भाग लिया। यह बैठक मुख्य रूप से इन उद्यमियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चाय के कारोबार और गुणवत्ता के मान में वृद्धि के लिए थी।

बैठक में श्री अमुलेक सिंह बिजराल , चाई पॉइंट के संस्थापक और सीईओ, श्री कौशल दुगर, टीबॉक्स के संस्थापक और सीईओ, श्री उदित गुप्ता, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के प्रमुख, श्री उदित गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित और सफल चाय उद्यमियों ने बैठक में अपनी बात रखी।

'चाय व्यापार में महिला उद्यमिता' के लिए समर्पित एक विशेष सत्र भी बैठक का मुख्य आकर्षण था , जहां असम चाय बागान मालिक संघ के अध्यक्ष डॉ. नाज़राना अहमद, ग्लेनबर्न चाय के सह-मालिक श्रीमती हुस्ना तारा प्रकाश , श्रीमती राखी दत्ता सैकिया, आरिन चाय प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जैसे वक्ताओं ने प्रासंगिक मुद्दों पर बात की।

बैठक में बोलते हुए, चाई पॉइंट के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री अमुलेक सिंह बिजराल ने कहा कि मुख्य व्यवसाय को बनाए रखने के लिए बागानों से अच्छी गुणवत्ता वाली चाय प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। ग्राहक तेजी से चाय, इसकी उत्पत्ति और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूक हो रहे हैं। इसलिए, ट्रैसेबिलिटी और न्यूनतम अवशिष्ट सीमा (एमआरएल) का अनुपालन बहुत महत्वपूर्ण है। चाय के व्यवसाय को तेजी से बदलती जीवनशैली से जोड़ना होगा। ग्राहक अब बहुत कम समय में चाय चाहते हैं।

टीबॉक्स के संस्थापक और सीईओ, श्री कौशल दुगर ने कहा कि भारतीय चाय की छवि को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में सुदृढ़ किया जाना है। उन्होंने कहा कि भारतीय चाय की वास्तविक क्षमताओं का अभी भी पूरी तरह इस्तेमाल नहीं किया गया है। इस संभावनाओं का पूरी तरह से पता लगाने के लिए केंद्रित विपणन प्रयास किए जाने चाहिए। श्री दुगर के अनुसार, स्टोर स्थापित करना एक महंगा विकल्प है , परंतु इंटरनेट के माध्यम से मार्केटिंग बहुत सस्ती है। उनकी कंपनी की व्यावसायिक रणनीति के तहत उपभोक्ता को ऑफ़लाइन लक्षित करना है , फिर उसे दूसरे और बाद के ऑफ़र के लिए ऑनलाइन आने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने आगे कहा कि यदि आपूर्ति श्रृंखला महीनों से दिनों तक में कम की जा सकती है , तो भारतीय चाय के ब्रांड का विश्व स्तर पर प्रशंसा की जाएगी।

डॉ. नजराना अहमद ने कहा कि चाय बागानों में कार्यरत कर्मचारियों में 60% से अधिक महिलाएं कर्मचारी शामिल हैं , और इसलिए महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित मुद्दों पर जोर देने की अधिक आवश्यकता है। ग्लेनबर्न टी एस्टेट के सह-मालिक श्रीमती हुस्ना तारा प्रकाश ने अपनी व्यावसायिक यात्रा को दोहरायी कि उन्होंने किस प्रकार ग्लेनबर्न टी एस्टेट में आगंतुकों को रहने के लिए अत्यधिक व्यक्तिगत अनुभव को पेशकश करते हुए एक सफल व्यवसाय मॉडल की स्थापना की । श्रीमती राखी दत्ता सैकिया, निदेशक , एरिन टी प्राइवेट लिमिटेड , ने जैविक हस्तनिर्मित चाय के उत्पादन किए जाने की आवश्यकता पर जोर दी और और कही कि चाय उद्योग का भविष्य जैविक उत्पादन करने में ही निहित है।

जून 2019

सिलिगुड़ी, पश्चिम बंगाल के एक प्रमुख मॉल में भारतीय चाय के प्रीमियम ग्रेड पर बी(क्रेता) 2 सी(उपभोक्ता) प्रचार कार्यक्रम

टी बोर्ड इंडिया ने सिलिगुड़ी, पश्चिम बंगाल के सिटी सेंटर मॉल में 15 और 16 जून , 2019 को दो स्थानीय सिलिगुड़ी स्थित चाय विक्रेताओं , "चाय चुन" और "नववायद चाय" के सहयोग से भारतीय चाय के प्रीमियम ग्रेड पर बी (क्रेता) 2 सी(उपभोक्ता) प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया । भारतीय चाय की प्रीमियम किस्में जैसे दार्जिलिंग की पहली फ्लश, असम ऑर्थोडॉक्स की दूसरी फ्लश, व्हाइट टी, ऊलोंग टी, ग्रीन चाय के साथ-साथ चाय की नई और अभिनव स्वाद वाली किस्में जैसे कि दार्जिलिंग रोज टी, कैमोमाइल मिंट दालचीनी ग्रीन टी, असम लैवेंडर ब्लैक टी इत्यादि को कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया और नमूना प्रदर्शन किया गया। जैसा कि यह सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया गया था , दोनों स्टॉल पर आगुन्तकों की बड़ी भीड़ उपस्थित हुई थी एवं चाय के शौकीनों की एक सतत प्रवाह ने दोनों स्टालों को लगातार रोमांचित किया। लोगों को चाय की इन विलाशी किस्मों से परिचित कराया गया और उन्हें कम कीमत पर अभिनव स्वादों वाली चाय की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम से आम जनता में बहुत रुचि पैदा हुई , क्योंकि उन्हें भारतीय चाय के इन रोमांचक मिश्रणों के बारे में पता चला और उन सभी को नए स्वादों के आकर्षक क़िस्मों से सुखद आश्चर्य हुआ , जिसे उनके बहुत ही परिचित भारतीय चाय से बनाए गए थे।

जुलाई , 2019

उज्जवल हिमाचल प्रदेश में टी बोर्ड की भागीदारी

हिमाचल प्रदेश में टी बोर्ड भारत ने 12 वर्गमीटर
ाय पर विभिन्न प्रचार साहित्य, पर्चे और विवरण-
के लिए कांगड़ा चाय पर एक प्रश्नोत्तरी सत्र भी
म के दौरान टी बोर्ड भारत के स्टाल पर अपनी

चंबा में 12-14 जुलाई , 2019 के दौरान आयोजित उज्जवल
का स्टाल लगा कर भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान कांगड़ा च
पुस्तिका वितरित किए गए। आयोजन के दौरान स्कूली छात्रों
आयोजित किया गया था। कुछ स्वयं सेवी संगठनों ने कार्यक्र
हस्तनिर्मित चाय प्रदर्शित की।

9 के दौरान आयोजित खाद्य व तकनीक एक्स्पो

एक्सपो में 9 मीटर एक स्टाल लगा कर भाग
य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार ,
व्यक्ति थे :

मंत्री , भारत सरकार ।
भारत सरकार ।
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ।

अगस्त , 2019

**प्रगति मैदान , नई दिल्ली में 1 अगस्त से 3 अगस्त , 201
में टी बोर्ड की भागीदारी ।**

टी बोर्ड ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में खाद्य व तकनीक
लिया । एक्सपो का उद्घाटन श्री रामेश्वर तेली, माननीय खाद
द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में आने वाले अन्य गणमान्य व

श्री रामदास अठावले , माननीय कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार ।
श्री कैलाश चौधरी , माननीय कृषि और कृषक कल्याण राज्य म
श्री सोम प्रकाश , माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री, भ
श्री मनीष सिसोदिया, माननीय उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार ,

श्री अतुल बोरा , माननीय कृषि राज्य मंत्री, असम सरकार ।
डॉ. के. बिछुआ , माननीय कृषि राज्य मंत्री, मिज़ोरम सरकार ।
श्री संदीप गिल , आईपीएस, डीजी, दिल्ली जेल ।
श्री विजय भास्कर ,अपर निजी सहायक (एपीएस) , माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, भारत सरकार ।

केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ राज्य मंत्रियों ने टी बोर्ड के स्टाल का दौरा किया और भारतीय चाय की उत्तम गुणवत्ता और विविधता की सराहना की। हर तरह के दर्शकों ने भी स्टाल का दौरा किया और भारतीय चाय विशेष रूप से दार्जिलिंग और असम चाय में अपनी गहरी रुचि दिखाई, जो पूरे भारत और विदेशों में भी अपने स्वाद के लिए जाने जाते हैं।

विभिन्न राज्यों के लोगों और उद्यमियों ने भारतीय चाय और भारत में उत्पादित चाय की अन्य किस्मों के बारे में पूछताछ की । आगंतुकों द्वारा व्यापार से संबंधित जानकारी भी मांगी गई थी। उन्हें घरेलू बाजार के साथ - साथ विदेशी बाजार में सभी व्यापारिक संभावनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

चाय के प्रचार गतिविधियों के तहत प्रतिष्ठित आगंतुकों और सरकार के गणमान्य व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की चाय परोसी गई एवं चाय की एक अच्छी कप बनाने की विधि भी दिखाई गयी । भारतीय चाय पर ऑडियो-विजुअल प्रचार के अलावा बोर्ड के मुद्रित पर्चे और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से टी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा भारतीय चाय पर जानकारी उपलब्ध कराई गई थी।

<u>टी बोर्ड की 16वीं कृषि व खाद्य तथा पेय प्रसंस्करण एक्सपो , 2019 में भागीदारी</u>

टी बोर्ड ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम, गोवा में 1 से 3 अगस्त 2019 के दौरान आयोजित 16वें कृषि व खाद्य तथा पेय प्रसंस्करण एक्सपो , 2019 में 9 वर्ग मीटर का एक स्टाल लगाकर भाग लिया।
श्री रामेश्वर तेली, माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार , ने और महामहिम रोज़ेट मोसी न्यामले, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के भारत में पदस्थ राजदूत, श्री मनोज काकुलो, अध्यक्ष , गोवा चेंबर ऑफ कॉमर्स , उद्योग व कृषि के साथ उद्घाटन किया।

कई निर्यातक, वितरक, चाय के निर्माता और चाय क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों ने बोर्ड के स्टाल का दौरा किया था। आगंतुकों को टी बोर्ड की भूमिका समझाई गई है। टी बोर्ड के लोगो , चाय के पोस्टर और दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, असम सीटीसी, नीलगिरि ऑर्थोडॉक्स, मसाला चाय जैसे विभिन्न किस्मों के चाय प्रदर्शित किए गए। आगंतुकों को चाय-पुस्तिका और चाय-चित्र पोस्टकार्ड बांटे गए। गणमान्य लोगों को चाय की केडी भेंट की गई ।

<u>बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, गोरेगांव, मुंबई में 29 अगस्त से 31 अगस्त 2019 के दौरान आयोजित 'अन्नपूर्णा - अनुफूड इंडिया 2019 प्रदर्शनी में टी बोर्ड की भागीदारी</u>

टी बोर्ड इंडिया ने बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, गोरेगांव, मुंबई में 29 अगस्त से 31 अगस्त 2019 के दौरान आयोजित 'अन्नपूर्णा - अनुफूड इंडिया 2019 प्रदर्शनी में भाग लिया ।

श्री रामेश्वर तेली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, श्रीमती रीमा प्रकाश, संयुक्त सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, और डॉ. संगीता रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, अपोलो हॉस्पिटल्स ने एक्सपो का उद्घाटन किया।

भारतीय चाय के विभिन्न क़िस्मों के टी बोर्ड के लोगो एवं पोस्टर प्रदर्शित किए गए । एक्सपो के दौरान भारतीय चाय (टी मूड्स ऑफ इंडिया और दार्जिलिंग चाय) पर प्रचार फिल्में लगातार चलाई गईं। आगंतुकों को चाय-पुस्तिका और चाय-चित्र पोस्ट कार्ड बांटे गए। गणमान्य लोगों को चाय की केडी भेंट की गई ।

सितंबर 2019

मुंबई टी सेंटर का नवीकरण एवं पुनः शुभारंभ

प्रतिष्ठित टी सेंटर, जो 1960 के दशक के बाद से मुंबईवासियों के लिए एक पसंदीदा समूहिक स्थल है, को 14 सितंबर 2019 को इसके जीर्णोद्धार के बाद फिर से खोल दिया गया है। टी बोर्ड इंडिया इस टी सेंटर को 1955 से रेशम भवन, 78 वीर नरीमन रोड, चर्चगेट में चला रही थी और अब इस हेरिटेज लोकेशन पर भारतीय चाय को बढ़ावा देने के लिए एक खुली निविदा प्रक्रिया के माध्यम से "संचालन प्रबंधन सलाहकार" (ऑपरेशनल मैनेजमेंट कंसल्टेंट) 'के रूप में गुडरिक ग्रुप लिमिटेड का चयन किया है।

आधुनिक टी लाउंज, जिसे मुंबई के बुद्धिजीवी और सेलिब्रिटी समाज द्वारा व्यापक रूप से संरक्षण दिया गया था, और इसने दुनिया के महत्वपूर्ण नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया था, जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति श्री गमाल अब्देल नासिर भी शामिल थे, शानदार वापसी की है ।

प्रसिद्ध टी रूम, जो शहर के बुद्धिजीवी एवं कला व संस्कृति के संरक्षकों के लिए सर्वत्र आश्रयस्थल के रूप में स्वीकार किया जाता है, देश की तेज गति से उभरते हुए वाणिज्यिक राजधानी में एक सुखद जगह प्रदान करता है।

कोलकाता में प्रतिष्ठित 'गुडरिक टीपॉट - द टी रूम' का उद्घाटन

8 सितंबर 2019 को कोलकाता में टी बोर्ड इंडिया के साथ साझेदारी में गुडरिक ग्रुप लिमिटेड द्वारा प्रतिष्ठित प्रीमियम लाउंज - द टी रूम - को आरंभ किया गया।

आकर्षक निबल्स, बिस्कुटी, कुकीज़ से लेकर अन्य सभी चाय-संलग्न वस्तुओं के लिए यह टी रूम हर किसी के लिए एक स्थल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शुभारंभ में टी बोर्ड इंडिया, गुडरीक ग्रुप लिमिटेड के शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी के साथ-साथ प्रसिद्ध बंगाली अभिनेत्री परनो मित्रा की उपस्थिति देखी गई। भूरे रंग की लकड़ी की मेज, उत्कृष्ट आसन के साथ-साथ, विशेष रूप से क्यूरेटेड मेनू जो विभिन्न स्वाद वाले चाय तथा चाय-संलग्न वस्तुओं से भरपूर है - यह स्थल एक पुराने विश्व आकर्षण से परिपूर्ण है और निःसन्देह चाय के शौकीनों को अपने पुराने समय में वापस ले जाएगा ।

उपासी औद्योगिक प्रदर्शनी में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड ने कुन्नूर में 13 से 14 सितंबर , 2019 तक आयोजित उपासी की औद्योगिक प्रदर्शनी में एक स्टाल लगाकर भाग लिया। दो दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान आगंतुकों और आम जनता के बीच तरल चाय का नमूना

पना उत्पाद और गतिविधियां को प्रदर्शित

ा प्रवासी सम्मेलन के दौरान भारतीय चाय
ासी संघ के अध्यक्ष ने इस कार्यक्रम के
जित किया।

विरासत महोत्सव, देहरादून में एक स्टाल
लिया। भारतीय चाय पर प्रचार विवरण-
ा गया था। महोत्सव में भाग लेने वाले
न किया गया था, एवं भारतीय चाय पर

कता अभियान आरंभ किया गया। श्री केके
भियान का शुभारंभ किया ।

भारतीय चाय आस्वादन एवं प्रशंसा सत्र

ायोफाक इंडिया , 2019 प्रदर्शनी में भाग
नर्पित एक प्रदर्शनी है। टी बोर्ड के साथ

परोसा गया। प्रतियोगियों को निःशुल्क चाय भी प्रदान की गई। अ
करने के लिए अन्य कमोडिटी बोर्ड ने भी इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

अक्टूबर 2019

अखिल भारतीय रूसी प्रवासी सम्मेलन में भारतीय चाय का संवर्धन

अक्टूबर के पहले सप्ताह में चेन्नई में आयोजित अखिल भारतीय रूसी
के लिए संवर्धन कार्यकलापों का आयोजन किया गया था। रूसी प्रव
दौरान भारतीय चाय का एक आस्वादन और नमूना प्रदर्शन सत्र आयोि

विरासत महोत्सव, देहरादून में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 11 से 25 अक्टूबर, 2019 के दौरान आयोजित
लगाकर एवं भारतीय चाय की किस्मों को प्रदर्शित करते हुए भाग
पुस्तिकाओं के वितरण के माध्यम से सूचना का प्रसारण भी किय
विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोज
क्विज प्रश्न थे, जिससे छात्रों में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली।

असम चाय जागरूकता अभियान

21 अक्टूबर 2019 को गुवाहाटी में टी बोर्ड द्वारा असम चाय जागरूक
द्विवेदी, आयुक्त, उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार, ने अ

बैंगलोर में भारतीय चाय आस्वादन एवं प्रशंसा सत्र

बीबीसी फूडफूड अवार्ड्स के संयोजन में 24 अक्टूबर , 2019 को एक
आयोजन किया गया।

नवम्बर 2019

बायोफाक इंडिया , 2019 प्रदर्शनी में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने नोएडा में 7 से 9 नवंबर , 2019 तक आयोजित ब
लिया। बायोफाक इंडिया केवल 100% जैविक उत्पादों के लिए सम
निम्नलिखित तीन कंपनियों ने भाग लिया:

(1) जलिंगा टी कंपनी प्रा. लिमिटेड

(२) अपूर्वा ऑर्गेनिक्स लि.

(3) अमलगमेटेड प्लांटेशंस प्रा. लिमिटेड

उत्तर पूर्व महोत्सव में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 8 से 10 नवंबर 2019 दौरान आयोजित उत्तर पूर्व महोत्सव में भाग लिया, जिसमें स्टाल लगाकर भारतीय चाय की किस्मों को प्रदर्शित किया गया। भारतीय चाय पर प्रचार विवरण-पुस्तिका के वितरण के माध्यम से सूचना का प्रसारण भी किया गया था। उत्सव में दो लाख से अधिक लोग शामिल हुए, उत्तर पूर्व भारत के सभी 8 राज्यों का प्रतिनिधित्व किया गया। उत्तर पूर्व के राज्य सरकारों ने अपनी पर्यटन संभावनाओं और कृषि-बागवानी की एक बड़ी प्रदर्शनी प्रदर्शित किया , इस शिल्प ने उत्तर पूर्व के 100 से अधिक उद्यमियों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए देखा।

कोलकाता में रूसी प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय चाय आस्वादन और चाय प्रशंसा सत्र

कोलकाता के टी बोर्ड मुख्यालय में कोलकाता के रूसी प्रवासियों के लिए 12 नवंबर , 2019 को एक भारतीय चाय आस्वादन और चाय प्रशंसा सत्र आयोजित किया गया था। श्री अलेक्सी एम. इदामकिन, कोलकाता में रूसी संघ के महावाणिज्यदूत , ने अन्य रूसी गणमान्य व्यक्तियों के साथ आस्वादन और चाय प्रशंसा सत्र में भाग लिया।

7वें विश्व चाय कॉफी एक्सपो 2019 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र , गोरेगांव, मुंबई में 21 - 23 नवंबर , 2019 तक आयोजित 7 वें विश्व चाय कॉफ़ी एक्सपो 2019 में निम्नलिखित 5 चाय कंपनियों के साथ भाग लिया :

1) डालमिया टी

(2) जालानगर विकास प्रा. लिमिटेड

(3) अहिंसा केमिकल्स

(4) जलिंगा टी कंपनी (भारत) प्रा. लिमिटेड

(5) रॉ जूट ट्रेडिंग एंड इंडस्ट्रीज लि।

2019 संस्करण ने इंडोनेशिया, जापान, चीन और भारत के चाय व कॉफी ब्रांड / उत्पाद , मशीन, इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज, फ्लेवर, वेंडिंग सॉल्यूशंस, पैकेजिंग आदि प्रदर्शित करते हुए गर्म पेय क्षेत्र के सभी पहलुओं को कवर किया गया।

मुंबई में आयोजित फूडफूड अवार्ड्स में भारतीय चाय का संवर्धन

टी बोर्ड इंडिया ने फूडफूड अवार्ड्स 2019 के ग्रैंड फिनाले में भारतीय चाय का प्रदर्शन किया , जो 26 नवंबर , 2019 को मुंबई में आयोजित किया गया था। मुंबई में टी बोर्ड का टी सेंटर (जिसका क्वीन्स डेक के नाम से नामकरण किया गया है और गुडरिक ग्रुप लिमिटेड द्वारा प्रबंधित किया गया है) को सर्वश्रेष्ठ न्यू अपस्केल टी हाउस एंड कैफे पुरस्कार मिला।

दिसंबर 2019

उत्तर पूर्व खाद्य प्रदर्शनी में भागीदारी

मेघालय के शिलांग में 4 से 6 नवंबर, 2019 तक आयोजित उत्तर पूर्व खाद्य प्रदर्शनी के पहले संस्करण में टी बोर्ड भारत ने भाग लिया। टी बोर्ड के उत्तर पूर्व आंचलिक कार्यालय , गुवाहाटी , ने इस मेले / प्रदर्शनी में भाग लिया। यह कार्यक्रम मेघालय सरकार और एसआईएएल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। श्री कोनराड संगमा, मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री और अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में टी बोर्ड के स्टाल का दौरा किया।

नीलगिरी जिले में चाय संवर्धन अभियान

टी बोर्ड के कुन्नूर आंचलिक कार्यालय द्वारा नीलगिरी जिले के ऊटी, कुन्नूर और कोटागिरी में सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बीच जिला प्रशासन और तमिलनाडु राज्य ग्रामीण आजीविका प्रबंधन (TNSRLM) के सहयोग से 9 दिसंबर 2019 को एक चाय संवर्धन अभियान का आयोजित किया गया। । "चाय व प्रकृति" और 'चाय के स्वास्थ्य लाभ' के विषयों पर भाषण , नृत्य और नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में नौ स्कूलों के लगभग 110 छात्रों ने भाग लिया।

कोलकाता में भारतीय चाय प्रशंसा उत्सव

25 दिसंबर 2019 को कोलकाता में एक भारतीय चाय प्रशंसा उत्सव आयोजित किया गया। इस आयोजन में कुल मिलाकर 10 चाय कंपनियों ने टी बोर्ड के साथ भाग लिया। स्पेशलिटि चाय सहित विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय को चाय उद्योग द्वारा अपने कियोस्क / स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। नमूना प्रदर्शन भी किया गया। इस आयोजन में आम जनता की काफी भागीदारी हुई थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से , टी बोर्ड भारतीय चाय की कई किस्मों की बारीकियों को काफी दर्शकों तक पहुंचाने में सक्षम था।

जनवरी 2020

टी बोर्ड की इंडस फूड 2020 में भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने इंडस फूड 2020 के तीसरे संस्करण में भाग लिया , खाद्य एवं पेय प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग प्रौद्योगिकी और मशीनरी के लिए भारत का सबसे बड़ा व्यापार-से-व्यापार (B2B) साधन व्यापार मेला , इंडिया एक्सपो मार्ट , ग्रेटर नोएडा, भारत में 8 से 9 जनवरी 2020 तक आयोजित किया गया। पांच निर्यातक - बालाजी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, गोल्डन टिप्स टी कंपनी प्रा. लिमिटेड, जलिंगा टी कंपनी प्रा. लिमिटेड, गोल्डन ड्यू टी फैक्ट्री और सनशाइन टी ने टी बोर्ड इंडिया पवेलियन के माध्यम से प्रदर्शनी में भाग लिया। व्यापारिक पूछताछ की संख्या बहुत उत्साहजनक थी। ईरान, इराक, कतर, मिस्र, सउदी अरब और रूस के प्रतिनिधि टी बोर्ड के स्टॉल पर गए और भारतीय चाय आयात पर बहुत सकारात्मक चर्चा हुई थी।

जलिंगा टी रन , सिलचर , असम में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने असम के सिलचर में 14-15 जनवरी, 2020 को आयोजित जलिंगा चाय रन में भाग लिया। जलिंगा टी रन (जेटीआर) मणिभाई पटेल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित की गई एक पहल है, जो चाय ईस्टेट श्रमिकों के उन्नयन एवं विकास के लिए आयोजित किया गया था ।

संवर्धन

ोजित 75वें द्विवार्षिक असम
के से भाग लिया। इस सत्र ने
भा पेश किया, जहाँ प्रतिदिन
यों, विविध प्रकार की चायों ,

ास्वादन और प्रशंसा सत्र का

टी बोर्ड भारत , कोलकाता में
र का एक चाय कार्यक्रम एवं
णिज्य दूत श्री मासायुकी तगा
व्यक्ति में मिक्की मिकिको
श्री उमेदा , महा प्रबन्धक ,
शाखा , मित्सुई एंड कंपनी
ा प्राइवेट लिमिटेड।

की अगुवाई सेलिब्रिटी रेडियो
बोर्ड भारत ने 5 एपिसोड के
ोहकता के के लिए समर्पित
ार राय , उपाध्यक्ष , टी बोर्ड
2020 को पूरे बंगाल में चाय
ुभारंभ की घोषणा की।

ौर सबसे महत्वपूर्ण खाद्य व
15 निर्यातकों के साथ इंडिया
बई में भागीदारी की।

20 में 6 प्रमुख निर्यातकों के
ों का प्रदर्शन किया। अच्छी

75वें द्विवार्षिक असम साहित्य सभा सत्र , सियालकुची , असम में "इंडिया टी" का

टी बोर्ड ने सियालकुची , असम में 31 जनवरी से 4 फरवरी , 2020 के दौरान आय
साहित्य सभा सत्र में अपनी व्यापक उपस्थिति के साथ बड़े शौक एवं शानदार तरी
असम में साहित्यिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदानों के इर्द-गिर्द सबसे बड़ी स
औसतन कम से कम 30000 आगंतुकों ने विभिन्न प्रजाति के उत्पादों , कलाकृति
स्थानीय व्यंजनों और संस्कृतियों को समझने का अवसर मिला ।

**31 जनवरी 2020 को कोलकाता में बसे प्रवासी जापानी के लिए भारतीय चाय आ
आयोजन किया गया**

टी बोर्ड ने 31 जनवरी, 2020 को भारत-जापानी मित्रता के उपलक्ष्य में टी रूम,
दोनों देशों द्वारा साझा किए गए चाय के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए दोपह
भारतीय चाय आस्वादन सत्र आयोजित किया । कोलकाता में जापान के महावाणि
इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में भाग लेने वाले अन्य गणमान्य
बोथरा ओसाका, आर्थिक सलाहकार, कोलकाता में जापान के महावाणिज्य दूत, श्
मारुबेनी इंडिया प्रा. लिमिटेड, श्री होंडा त्सुओशी, मुख्य क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकात
इंडिया प्रा. लिमिटेड और श्री साकाई शिनिचिरो , प्रबंध निदेशक, स्टील प्लांटेक इंडिय

"फ़ूडका" - टी बोर्ड इंडिया का एक संवर्धनात्मक अभियान

टी बोर्ड इंडिया से जुड़ा "फूडका" - एक लोकप्रिय बंगाली यूट्यूब चैनल है , जिस
जॉकि , मीर एवं प्रसिद्ध फूड ब्लॉगर इंद्रजीत लाहिड़ी ने किया । फूडका एवं टी
साथ एक श्रृंखला निकाली है , जो न केवल दार्जिलिंग चाय के आकर्षण एवं मनम
है, बल्कि उस क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र पर भी ध्यान दिया गया है । श्री अरुण कुम
भारत ने सेलिब्रिटी , आरजे मीर और फ़ूडका की पूरी टीम के साथ 27 जनवरी,
और पर्यटन पर 5 एपिसोड शामिल करते हुए फ़ूड सीजन के 5वें सीजन के भव्य श

फरवरी 2020

गल्फफूड 2020 , दुबई में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

गल्फूड 1987 के बाद से आयोजित किया जाता है , और इस क्षेत्र की सबसे बड़ी अ
पेय, और खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में से एक है। टी बोर्ड भारत ने
टी पवेलियन के माध्यम से 16 फरवरी से 20 फरवरी, 2020 तक गल्फूड 2020, दु

प्रॉडेक्सपो 2020 में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 10 नवंबर से 14 फरवरी , 2020 तक आयोजित प्रोडेक्सपो 20
साथ भाग लिया । निर्यातकों ने प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय

गुणवत्ता वाली असम के ओर्थोडोक्स चाय , जिसकी रूस में हमेशा भारी मांग होती है , के अलावा निर्यातकों ने उच्च गुणवत्ता वाली दार्जिलिंग चाय, ग्रीन चाय, मसाला चाय, मूल्य वर्धित चाय, फ्लेवर चाय , सीटीसी चाय आदि जैसी अन्य चायों का प्रदर्शन किया, जिनके संबंध में क्रेताओं द्वारा काफी पूछताछ हुईं।

जापान भारत सहयोग एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी

10 फरवरी 2020 को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में कृषि विभाग , हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित जापान भारत सहयोग एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में टी बोर्ड भारत ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कांगड़ा चाय, हिमाचल प्रदेश की देसी चाय और कई अन्य प्रकार की भारतीय चायों का प्रदर्शन किया गया।

अगरतला, त्रिपुरा में 'रन फॉर इंडिया टी

भारतीय चाय के लिए एक प्रचार अभियान के हिस्से के रूप में, 19 फरवरी , 2020 को श्री रतन लाल नाथ, माननीय शिक्षा मंत्री , त्रिपुरा सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्तयों की उपस्थिति में प्रसिद्ध भारतीय जिमनास्ट, सुश्री दीपा कर्मकार , द्वारा त्रिपुरा के अगरतला में 'रन फॉर इंडिया टी ' का शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम में अगरतला के छात्रों, चाय श्रमिकों, चाय प्रबंधन , वरिष्ठ नागरिकों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाली भारी भीड़ देखी गई।

ऊटी बॉटनिकल गार्डन के पास टी बोर्ड भारत की स्पेशलिटी टी बुटीक का उद्घाटन किया गया

स्पेशलिटी नीलगिरी चाय को बढ़ावा देने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए, टी बोर्ड भारत की स्पेशलिटी टी बुटीक का उद्घाटन 20 फरवरी , 2020 को पर्यटक हॉटस्पॉट , ऊटी बॉटनिकल गार्डन के पास किया गया। यह चाय बुटीक छोटे चाय उत्पादकों की स्पेशलिटी चाय प्रदर्शित करने एवं विक्री करने के लिए एक एकमात्र शोरूम है। एक टी आउटलेट का उद्घाटन श्री म.बालाजी, आईएएस, कार्यपालक निदेशक, टी बोर्ड (दक्षिण) द्वारा किया गया था। उद्घाटन के दौरान, श्रीमती जे. ईन्नोसेंट दिव्या, आईएएस, जिला कलेक्टर, नीलगिरी एवं इनके साथ ही श्रीमती के. सरायु , आईएएस, परियोजना निदेशक , पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम , भी उपस्थित थे।

भारत का पहला "टी कैफे ऑन व्हील्स"

भारत के पहले "टी कैफे ऑन व्हील्स" का उद्घाटन 26 फरवरी , 2020 को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में माननीय केंद्रीय मंत्री , पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री , श्री बाबुल सुप्रियो द्वारा किया गया था। टी बोर्ड भारत ने विभिन्न प्रकार के स्पेशलिटि चायों को प्रदर्शित और संवर्धन किया। भारतीय चाय और चाय के नमूनों पर प्रचार विवरण-पुस्तिका एवं चाय संबन्धित साहित्य भी लोगों के बीच वितरित किए गए। टी बोर्ड के स्टाल पर भारी भीड़ जमा हुई और चाय के विभिन्न क़िस्मों के बारे में पूछताछ की गयी । इस कार्यक्रम से लोगों में भारत में पैदा होने वाली चाय की व्यापक विविधता को लेकर काफी उत्सुकता पैदा हुई।

<u>मंडी अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि मेले में भागीदारी</u>

टी बोर्ड भारत ने 22 फरवरी , 2020 को हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटित मंडी अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि मेले में भाग लिया। इस कार्यक्रम में कांगड़ा चाय, हिमाचल प्रदेश की स्वदेशी चायें और कई अन्य प्रकार की भारतीय चायों का प्रदर्शन किया गया।

<u>मार्च 2020</u>

<u>असम चाय संवर्धन अभियान</u>

असम चाय संवर्धन अभियान 29 फरवरी से 6 मार्च , 2020 तक ओडिशा के तीन शहरों - भुवनेश्वर, कटक और पुरी में आयोजित किया गया था। इन तीन शहरों के विभिन्न स्थानों पर जमीनी स्तर पर प्रचार गतिविधियां शुरू की गईं, जहां चाय किओस्क , स्टॉल, कैनोपी , सैंपलिंग बूथ, टी बोर्ड बोर्ड भारत द्वारा स्थापित किए गए थे एवं इसमें चाय का नमूना प्रदर्शन भी किया गया था । स्पेशलिटि चाय लोगो (संगठनात्मक, भारतीय चाय और एकल क्षेत्र चाय लोगो) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार गतिविधियां, सार्वजनिक वितरण के लिए मुफ्त चाय के नमूने बांटे गए , बैनर, स्टैंड्स सहित प्रचार सामग्री आदि कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शित किए गए।

<u>टी बोर्ड की थाईलैंड कॉफी , टी एंड ड्रिंक्स में भागीदारी</u>

कॉफी, टी एंड ड्रिंक्स का 14वां संस्करण, जो थाईलैंड में उभरते हुए कॉफी, चाय, बेकरी और आइसक्रीम व्यवसायों पर आयोजित होने वाली कार्यक्रमों में आसियान में सबसे बड़ा केन्द्रित कार्यक्रम है , को 27 फरवरी से 1 मार्च, 2020 तक बैंकॉक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व प्रदर्शनी केंद्र, बैंकाक, थाईलैंड , में आयोजित किया गया था, । इंडिया टी पैवेलियन का उद्घाटन भारत के राजदूत महमान्या, सुश्री सुचित्रा दुरई ने किया था। टी बोर्ड ने इस

ौर सिक्किम का कायेक्रम मे भाग लिया था एव भारतीयं मूल के चायो विशेषकर दार्जिलिग, असम, नीलगिरि अ

लिंग, असम और संवर्धन किया ।चाय का नमूना प्रदर्शन भी किया गया था , जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। दार्जि

सिक्किम चाय में गहरी रुचि देखी गई थी ।

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' का उद्घाटन

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' पैनल की महिला सदस्यगण केक काटते हुए।

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' में श्री अरुण कुमार राय, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, स्वागत वक्तव्य रखते हुए।

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' में श्री अमूलीक सिंह बीजराल, संस्थापक व सीईओ, चाय पॉइंट, अपना वक्तव्य रखते हुए।

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' में श्री कौशल दूगर, संस्थापक व सीईओ, चाय प्वाइंट, अपना वक्तव्य रखते हुए।

कोलकाता में 25 अप्रैल, 2019 को आयोजित ''युवा चाय उद्यमी सम्मेलन'' में श्रीमति नजराना अहमद, असम चाय बागान मालिक संघ की अध्यक्षा, अपना वक्तव्य रखती हुई।

15 और 16 जून 2019 को सिटी सेंटर, सिलीगुड़ी में टी बोर्ड भारत द्वारा बी(क्रेता) 2 सी (उपभोक्ता) संवर्धनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

1 से 3 अगस्त, 2019 तक आयोजित खाद्य और प्रौद्योगिकी एक्स्पो, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में श्री सोम प्रकाश, माननीय वाणिज्य और उद्दयोग राज्य मंत्री, भारत सरकार ने टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा किया।

1 से 3 अगस्त, 2019 तक आयोजित कृषि + खाद्य व पेय प्रसंस्करण, गोवा, में टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर श्री रामेश्वर तेली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार।

बॉम्बे एक्जिबिशन सेंटर, गोरेगांव, मुम्बई में 29 से 31 अगस्त, 2019 के दौरान आयोजित 'अन्नपूर्णा-अनुफूड इंडिया 2019' प्रदर्शनी में टी बोर्ड भारत का स्टॉल।

14 सितंबर 2019 को मुंबई में प्रतिष्ठित टी सेंटर का उद्घाटन, जिसका नामकरण ''क्वीन्स डेक'' के रूप में किया गया।

14 सितंबर 2019 को मुंबई में क्वीन्स डेक के रूप में प्रतिष्ठित मुंबई टी सेंटर के उद्खाटन के दौरान केक काटने की रस्म।

8 सितंबर 2019 को कोलकाता में टी बोर्ड मुख्यालय में टी रूम का उद्घाटन।

8 सितंबर 2019 को कोलकाता में टी बोर्ड मुख्यालय में टी रूम के उद्घाटन के दौरान केक काटने की रस्म।

अक्टूबर 2019 के पहले सप्ताह में चेन्नई में आयोजित अखिल भारतीय रूसी प्रवासी सम्मेलन के दौरान भारतीय चाय का संवर्धन।

21 अक्टूबर 2019 को गुवाहाटी में श्री के. के. द्विवेदी, आयुक्त, उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार, ने असम चाय जागरूकता अभियान गाड़ी को हरी झंडी दिखाई।

11 से 25 अक्टूबर, 2019 के दौरान देहरादून में आयोजित विरासत महोत्सव में टी बोर्ड की भागीदारी।

ग्रेटर नोएडा में 7 से 9 नवंबर, 2019 तक आयोजित बायोफाक इंडिया 2019 प्रदर्शनी में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

Darjeeling
Assam

GOLDEN TIPS
SIKKIM
Assam

Darjeeling

6 दिसंबर 2019 को नीलगिरि जिले, तामिलनाडु के स्कूली बच्चों के लिए टी बोर्ड इंडिया द्वारा चाय संवर्धन अभियान संचालित किया

25 दिसंबर 2019 को कोलकाता में आयोजित भारतीय चाय प्रशंसा उत्सव का श्री अरुण कुमार राय, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड द्वारा उद्घाटन।

25 दिसंबर 2019 को कोलकाता में आयोजित भारतीय चाय प्रशंसा उत्सव में दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया

14 जनवरी, 2020 को आयोजित जालिंगा टी रन, जलिंग टी एस्टेट, सिलचर, असम, में टी बोर्ड भारत का स्टॉल

29 जनवरी, 2020 को 44 वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में टी बोर्ड भारत एवं ए. तोष एंड सन्स द्वारा चाय का नमूना प्रदर्शन एवं चाय संवर्धन।

08 से 09 जनवरी, 2020 के दौरान आयोजित इंडस फूड, ग्रेटर नोएडा में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

31 जनवरी 2020 गुवाहाटी, असम साहित्य सभा में टी बोर्ड द्वारा इंडिया टी का भव्य प्रचार

31 जनवरी, 2020 को असम साहित्य सभा, गुवाहाटी में टी बोर्ड भारत द्वारा भारतीय चाय का भव्य प्रचार।

08 से 09 जनवरी, 2020 के दौरान आयोजित इंडस फूड, ग्रेटर नोएडा में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

श्री अरुण कुमार राय, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, ने सेलिब्रिटी, आरजे मीर और फूडका की पूरी टीम के साथ 27 जनवरी, 2020 को पूरे बंगाल में चाय और पर्यटन पर 5 एपिसोड शामिल करते हुए फुडका के 5वें सीजन की भव्य शुभारंभ की घोषणा की।

19 फरवरी, 2020 को आयोजित त्रिपुरा चाय मैराथन, अगरतला के शुभारंभ के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम।

सुश्री दीपा कर्मकार, प्रसिध्य जिमनास्ट द्वारा अगरतला में 19 फरवरी, 2020 को त्रिपुरा चाय मैराथन का शुभारंभ।

ओडिशा के केंद्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के माननीय सांसद, श्री अनुभव मोहंती, श्री भवानी शंकर चयानी, कटक के जिला मजिस्ट्रेट सह कलेक्टर और श्री अरुण कुमार राय, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, कटक, ओडिशा में 29 फरवरी, 2020 को असम चाय संवर्थन अभियान का शुभारंभ करते हुए।

नीलगिरी चाय को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए 20 फरवरी, 2020 को ऊटी बोटानिकल गार्डन, जो एक पर्यटक आकर्षण का केंद्र है, के पास टी बोर्ड भारत की स्पेशलिटि चाय बुटीक का उद्घाटन।

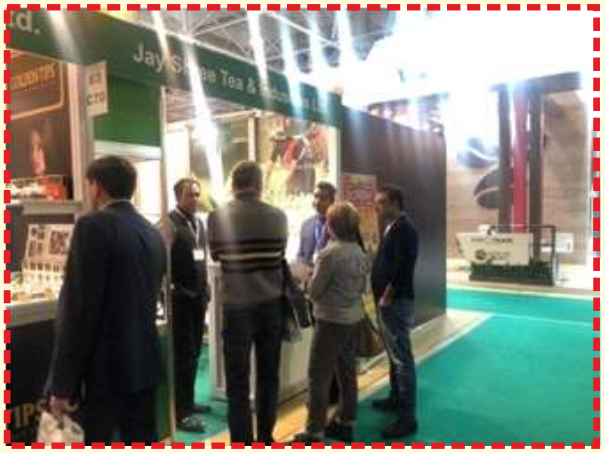

10-14 फरवरी, 2020 के दौरान प्रोडेक्सपो, मॉस्को में इंडिया टी पवेलियन।

भारत के पहले ''टी कैंफे ऑन व्हील्स'' का उद्घाटन टी बोर्ड के उपाध्यक्ष, श्री अरुण कुमार राय एवं डीआरएम, पूर्वी रेलवे की उपस्थिति में श्री बाबुल सुप्रियो, माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री, द्वारा आसनसोल, पश्चिम बंगाल में 26 फरवरी 2020 को किया गया।

श्री अरुण कमार राय, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड इंडिया 26 फरवरी, 2020 को आसनसोल, पश्चिम बंगाल में भारत की पहली चाय कैफे ऑन व्हील्स के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बात करते हुए

थाईलैंड कॉफी, टी एंड ड्रिंक्स, बैंकॉक में 1 मार्च, 2020 को सुश्री सुचित्रा दुरई, थाईलैंड में भारत के राजदूत, द्वारा टी बोर्ड के स्टॉल का उद्घाटन।

पूरी में सप्ताह भर आयोजित असम चाय संवर्धन अभियान का 6 मार्च, 2020 को समापन समारोह

पूरी में सप्ताह भर आयोजित असम चाय संवर्धन अभियान का 6 मार्च, 2020 को समापन समारोह

अध्याय - 7

अनुज्ञापन

1. परिचय:

भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले विविध सांविधिक एवं विनियमन आदेशों के क्रियान्वयन हेति अनुज्ञापन शाखा बोर्ड का एक महत्वपूर्ण विभाग है। अनुज्ञापन शाखा विविध अनुज्ञापन संबंधी कार्यकलाप संचालित करता है जिसमें हितधारकों को चाय व्यापार करने हेतु विविध अनुज्ञापन जारी करने के साथ-साथ अन्य कार्यकलापों जैसे विनियमन नीतियों का निर्माण, विद्दमान नियंत्रण आदेश में संशोधन, अनुज्ञापन जारी करने हितु दिशा-निर्देशों की तैयारी, हितधारकों के विभिन्न कार्यकलापों की निहरानी तथा विनियमन हेतु केन्द्र सरकार तथा टी बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले विभिन्न निर्देशों के अचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करकना शामिल है। यह विभाग नीलामी प्रक्रिया, आयात व निर्यात इत्यादि की निगरानी हेतु भी उत्तदायी है जो चाय व्यापर में महत्वपूर्ण होता है।

2. विनियामक प्रावधान

चाय अधिनियम के धारा 30 के उपधारा (3) एवं (5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित सांविधिक प्रावधानें केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित की गयी थी, जो सम्पूर्ण अनुज्ञापन एवं विनियामक गतिविधियों को संचालित करती है :-

1. **चाय आदेश नियंत्रण (विपणन), 2003**
2. **चाय आदेश नियंत्रण (निर्यात एवं वितरण),2005**
3. **चाय अपशिष्ट आदेश (नियंत्रण),1959**
4. **चाय भंडार (लाइसेंस), आदेश 1989**

बोर्ड जोरहाट जिले के लिए एक ऑनलाइन नीलामी मंच के स्थापन की प्रक्रिया में है साथ ही कुछ मूल्य वर्द्धक सेवा जैसे आस्वादन, लॉजिस्टीक्स आदि रहेंगी जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं है।

2.1 ऑनलाइन अनुज्ञापन प्रणाली की शुरूआत

बोर्ड ने अप्रैल, 2018 से ऑनलाईन अनुज्ञापन प्रणाली की शुरुआत की है जिससे विभिन्न नियंत्रण आदेशों ते तहत सभी प्रकार के अनुज्ञापन अनुप्रयोगों को जारी तथा नवीकरण किया जा सके। इस ऑनलाईन इनुज्ञापन प्रणाली ने वर्तमान अनुज्ञापन आवेदन जमा की मैनुअल प्रक्रिया को प्रतिस्थापित किया है जिससे पारदर्शी ऑनलाईन प्रक्रिया, समय पर आवेदन का निपटान, ऑनलाईन स्टेटस ट्रैकिंग आदि संभव हो सका है।

2.2 जारी अनुज्ञापनों का विवरण

वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु देश में जारी अनुज्ञापनों की संख्या साथ ही संग्रहीत राजस्व की मात्रा तालिकाबद्ध रूप में निम्नवत है :

क्र .सं	नियंत्रण आदेश	अनुज्ञापन पंजीकरण की प्रकृति	अनुज्ञापन की संख्या जारी/पंजीकरण/	कुल राजस्व संग्रहीतमें .रु))
1	चाय (विपणन) आदेश नियंत्रण, 2003	विनिर्माण इकाईयों को अनापत्ति प्रमाणपत्र	40	--
		विनिर्माण इकाईयों का पंजीकरण	37	रु..54,82,600/-
		क्रेता का पंजीकरण	218	रु.24,27,120/-
		ब्रोकर लाइसेन्स	19	रु.54,18,560/-

क्र .सं	नियंत्रण आदेश	अनुज्ञापन पंजीकरण की प्रकृति	अनुज्ञापन की संख्या जारी/पंजीकरण/ प्रमाणपत्र	कुल राजस्व संग्रहीतमें .रु))
	चाय (विपणन) आदेश नियंत्रण, 2003	नीलामी आयोजक अनुज्ञापन	7	रु..41,30,000/-
		लघु चाय कारखानों को प्रमाणपत्र	38	रु..48,940/-
2	चाय वितरण ,आदेश (नियंत्रण) 2005	निर्यातक अनुज्ञापन	468 (408 ताज़े, 58 नवीकरण एवं स्थायी 2)	रु..6,38,890/- (484520/- ताज़े 148920/- नवीकरण एवं स्थायी 5450/-)
		वितरक अनुज्ञापन	26	रु.82,850/-
3	चाय अपशिष्ट आदेश (नियंत्रण), 1959	चाय अपशिष्ट अनुज्ञापन	464 (321 ताज़े एवं 143 नवीकरण)	रु. 25,23,314/- (6,38,500/- ताज़े एवं 18,84,814/- नवीकरण)
4	चाय भंडार अनुज्ञापन आदेश, 1989	चाय भंडार अनुज्ञापन	147(69 ताज़े एवं 78 नवीकरण)	रु.69,87,120/- (14,07,280/- ताज़े हेतु एवं 5,79,840/- नवीकरण हेतु)
5	चाय अधिनियम , 1953	रोपण परमिट, विस्तार थापनप्रतिस्/ परमिट रोपण	15	---

6	जीएसआर 694 (ई) दिनांक 11.10.99 स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत	फ्लेवर चाय विनिर्माता का पंजीकरण	49	रु.17,40,740/-
7	विदेश व्यापार नीति, भारत सरकार	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	55(43 ताज़े एवं 12 नवीकरण)	रु.5,11,056/- (307664/- ताज़े हेतु एवं 203392/- नवीकरण हेतु)
8	चाय अधिनियम	पंजीकृत संपदाओं के स्वामित्व परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	21	रु.14,55,650/-
		पंजीकृत कारखानों के स्वामित्व परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	37	रु.51,69,400/-
		बागान पंजीकरण	4	---
		कुल	**1645**	**रु. 3,66,16,240/-**

3. विनियामक प्रावधानों का संशोधन

विद्यमान मानकों के सरलीकरण, राजस्व अर्जन इत्यादि को सुनिश्चित करने हेतु 2019-20 में निम्नलिखित महत्वपूर्ण संशोधन किए गए :

- चाय भंडार (अनुज्ञापन) आदेश, 1989 के तहत चाय भंडार अनुज्ञापन की नवीनीकरण अवधि में 1 से 3 वर्ष की वृद्धि।
- विनिर्माताओं को जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र तथा पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को बंद किया गया एवं इस प्रक्रिया को एक कर दिया गया,केवल पंजीकरण प्रमाणपत्र ही विनिर्माताओं को उत्पादन के साथ ही इकाईयों की व्यवहार्यता के बाद व्यवसायिक विनिर्माण हेतु जारी किया जाएगा ।

4. ई - नीलामी स्थिति:-

I. **अखिल भारतीय मॉड्यूल के तहत ई नीलामी-**:

चाय नीलामी प्रतियोगितात्मक रूप से वृहत स्तर के क्रेताओं तक अपने उत्पाद के विपणन का एक जरिया है, ताकि सही मूल्य प्राप्त किया जा सके। सार्वजनिक चाय नीलामी ने कोलकाता में 1861 में प्रथम चाय नीलामी केंद्र के रूप में स्थापित होने के पश्चात् एक दशक से चाय के प्राथमिक विपणन हेतु मुख्य वाहक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है । सार्वजनिक चाय नीलामी केवल बल्क पैकेज में लूज़ चाय की नीलामी की जाती है । चाय नीलामी से जुड़े हितधारकों में नीलामी आयोजक 'निर्मित चाय' के उत्पादक (विक्रेता) नीलामीकर्ता / [illegible] ब्रोकर, क्रेता एवं गोदाम हैं। ये सभी टी बोर्ड के पंजीकृत हितधारक होते हैं ।

देश में कुल 6 पंजीकृत नीलामी केंद्र हैं,जैसे - कोलकाता, सिलिगुड़ी,गुवाहाटी,कुनूर,कोचीन एवं कोयम्बटूर, जहाँ नीलामी प्रक्रिया अखिल भारतीय ई-नीलामी तंत्र के तहत टी बोर्ड द्वारा मुहैया कराए गए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म द्वारा संचालित किया जाता है ।

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान अखिल भारतीय मॉड्यूल के तहत ई-नीलामी के माध्यम से क्रय एवं विक्रय किए गए चाय की मात्रा निम्नलिखित हैः

नीलामी केंद्र	**अप्रैल 2018 से मार्च 2019**		**अप्रैल 2019 से मार्च 2020**	
	परिमाण(मिलियन कि.ग्रा.)	**कीमत (रु/कि.ग्रा.)**	**परिमाण(मिलियन कि.ग्रा.)**	**कीमत (रु/कि.ग्रा.)**
कोलकाता लीफ	124.17	167.68	131.42	171.67
कोलकाता डस्ट	42.52	160.94	34.27	162.13
कुल कोलकाता	**166.69**	**165.97**	**165.68**	**169.70**
गुवाहाटी लीफ	113.56	144.73	119.54	137.26
गुवाहाटी डस्ट	50.82	156.62	51.03	145.76
कुल गुवाहाटी	**164.39**	**148.41**	**170.57**	**139.80**
सिलिगुड़ी लीफ	119.04	138.91	123.13	135.22
सिलिगुड़ी डस्ट	14.97	136.98	16.23	130.46
कुल सिलिगुड़ी	**134.00**	**138.69**	**139.36**	**134.67**
कोचीन लीफ़	8.31	137.43	6.09	138.82
कोचीन डस्ट	41.35	122.18	36.58	115.84
कुल कोचीन	**49.67**	**124.73**	**42.66**	**119.11**
कुन्नूर लीफ़	42.32	89.69	38.99	83.99
कुन्नूर डस्ट	22.38	96.09	18.69	88.03
कुल कुन्नूर	**64.70**	**91.91**	**57.68**	**85.30**
कोयंबटूर लीफ़	3.98	96.87	4.25	93.35
कोयंबटूर डस्ट	9.90	105.13	8.96	97.41
कुल कोयंबटूर	**13.88**	**102.76**	**13.21**	**96.11**
समग्र कुल	**593.33**	**141.94**	**589.17**	**139.18**

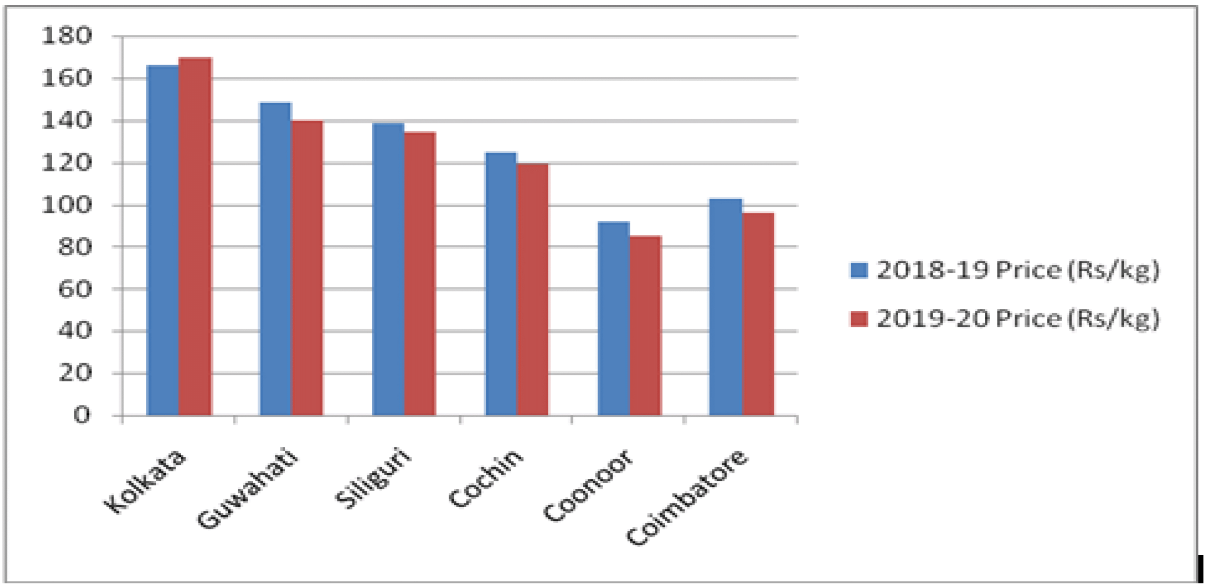

नीलामी के बाद के निपटान की प्रक्रिया के कार्यान्वयन के साथ, चाय बोर्ड द्वारा लेनदेन शुल्क का संग्रह 2% दर प्रति किलोग्राम प्रति हितधारक अर्थात विक्रेताओं, खरीदारों और दलालों के लिए 2018 के बाद से और गोदाम मालिकों के लिए वेयरहाउस बिलों से कुल चालान मूल्य का 0.50% दर दिसंबर, 2019 से रखा गया ताकि नीलामी प्रणाली को आत्म-टिकाऊ बनाया जा सके।

31 मार्च, 2020 तक (वित्त वर्ष 2019-20), चाय बोर्ड द्वारा बिक्री के बाद के लेनदेन से 4.38 करोड़ रुपये एकत्र किए गए हैं।

5. नवीन पहल

<u>नीलामी में सुधार:-</u> वर्ष 2018 में बोर्ड ने मौजूदा नीलामी मॉडल पर बाजारों के वैश्वीकरण और नवीनतम प्रौद्योगिकी के विकास के मद्देनजर एक रणनीतिक विश्लेषण करने की आवश्यकता महसूस की और चाय की नीलामी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से मूल्य खोज में सुधार किया। तदनुसार, आईआईएम, बेंगलुरु को उचित मूल्य खोज प्रक्रिया में संभावित चुनौतियों को समझने सहित, यदि कोई हो, तो ई-नीलामी नियमों का अध्ययन सौंपा गया था।

चाय व्यापार और मूल्य की खोज के लिए मौजूदा ई-नीलामी मंच को मजबूत करने के क्रम में, बोर्ड ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), बैंगलोर को चाय की ई-नीलामी पर एक अध्ययन करने के लिए लगाया था।

नीलामी प्रणाली को मजबूत बनाने के सिफारिशों में से एक था जापानी नीलामी मॉडल की शुरुआत करना है । आईआईएम, बैंगलोर द्वारा किए गए अन्य प्रमुख निष्कर्ष नीचे दिए गए हैः

- प्रत्येक बिक्रय-दिन के अंत में एक मूल्य-पुनर्वितरण नीलामी सत्र आयोजित करें, खरीदारों को एक प्रीमियम पर पेश किया जाए ।
- लॉट के आकार और पैकेजिंग को मानकीकृत करें, विभाज्यता को समाप्त करें।

- विशेष रूप से छोटे खरीदारों के लिए लक्षित करते हुए, एक मानक पैकेजिंग यूनिट (एसपीयू) के गुणकों में पेश की गई चाय के साथ एक चाय पोर्टल नीलामी डिज़ाइन करें, ।
- टी बोर्ड की निगरानी व परिक्षण में एक तटस्थ तिसरी पार्टी के माध्यम से चाय की गुणवत्ता प्रमाणन करना।

आईआईएम की सिफारिशों के अनुसार प्रणाली का विकास मार्च 2020 में पूरा हो चुका है और बोर्ड चरणबद्ध तरीके से शीघ्र ही देश भर के सभी पंजीकृत नीलामी केंद्रों में जापानी नीलामी मॉडल को लागू करने की प्रक्रिया में है।

<u>जोरहाट नीलामी मंच का कार्यान्वयन</u>:- असम चाय
नीलामी मॉडल लागू करने के उद्देश्य से, टी बोर्ड ने
"जोरहाट मंच" के नाम से एक ई-नीलामी मंच क
शब्दावली, केंद्रीय भंडारण और खरीदार को रसद अ
प्रदान करके उद्योग की सेवा नए तरीके से करेगा।
प्लेटफॉर्म से पूरी प्रक्रिया के टर्नअराउंड समय और
प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक खरीदारों के बीच
की खोज में सहायता करेगा।

क्लस्टर के लिए मूल्य वर्धित सेवाओं के साथ एक अभिनव
मेसर्स एमजंक्शन सर्विसेज लि के साथ साझेदारी करते हुए
का डिजाइन और विकास शुरू किया। यह मंच गुणवत्ता की
आदि जैसी संबंधित सेवाओं के साथ अद्यतन नीलामी पद्धति
लागत प्रभावशीलता को कम करने की भी उम्मीद है और
पारदर्शिता के आधार पर उचित और बाजार संचालित मूल्य

<u>क्लाउड एन्वायरनमेंट की ओर पहल :-</u> नीलामी प्रणाल
में संपूर्ण सेवाओं की मेजबानी करने की नवीनतम
द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एमईआईटीव
इसने बोर्ड को नीलामी के बुनियादी ढांचे पर लागत

ी के बुनियादी ढांचे के सामने, बोर्ड ने क्लाउड एन्वायरनमेंट
तकनीक की ओर बढ़ने की पहल की है जिसके लिए बोर्ड
ाई एम्पैनल्ड क्लाउड सेवा प्रदाता का चयन किया गया है।
को कम करने में भी सक्षम बनाया है।

<u>सिस्टम इंटीग्रेटर का चयन</u>:- बोर्ड ने एक खुली
नीलामी सॉफ्टवेयर के संचालन, रखरखाव और संश
एक सिस्टम इंटीग्रेटर (एसआई) का चयन किया है।

निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चाय के मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक
ोधन के लिए आगे और तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए
इससे ई-नीलामी सॉफ्टवेयर की लागत में भी कमी आई है।

अध्याय - 8

सांख्यिकी

<u>प्रस्तावना:</u>

चाय बोर्ड की सांख्यिकी शाखा के प्राथमिक कार्यों में चाय उद्योग के सभी पहलुओं एवं कृषि, उत्पादन,उत्पादकता, देश में उत्पादित विभिन्न प्रकार की चाय, प्राथमिक बाजार मूल्य,निर्यात,चाय निर्यात गंतव्य स्थान एवं चाय रोपण आदि में संलग्न कामगारों के अंतर्गत व्यापारिक क्षेत्रों से संबन्धित सांख्यिकीक आकड़ों को एकत्रित करना ,उनका मिलान करना तथा प्रसार करना शामिल है। ऐसी सूचनाएं बोर्ड, भारत सरकार एवं उद्योग के नीति निर्णय प्रक्रिया में आवश्यक इनपुट उपलब्ध करवाती हैं।

सांख्यिकीय सूचना का प्रसार

साप्ताहिक नीलामी मूल्य, मासिक उत्पादन एवं निर्यात संबंधी सूचनाओं को बोर्ड के वेबसाइट www.teaboard.gov.in. पर व्यवसाय, उद्योग, अनुसंधान विज्ञान आदि के लिए अपलोड किया जाता है ।

चाय मूल्यों का अनुवीक्षण:

सांख्यिकीय शाखा क्रमश: रोपण फसलों के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) से संबंधित वाणिज्य मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को नीलामी मूल्य की अपेक्षित सूचनाओं का अनुवीक्षण उपलब्ध कराता है । विभिन्न शहरों/नगरों में चाय के खुदरा मूल्य का अनुवीक्षण भी सांख्यिकी शाखा द्वारा किया जाता है ।

कर एवं शुल्क

उत्पाद शुल्क : इंस्टैंट चाय पर **10** प्रतिशत यथा मूल्य जो शीर्ष 2101.20 के तहत आता है ।

निर्यात शुल्क : शून्य

आयात शुल्क : निर्यातोन्मुख इकाई (इओयू) एवं विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (सेज़) इकाईयों द्वारा पुन: निर्यात के प्रयोजन हेतु आयातित चायों पर आयात शूल्क शून्य है । यद्यपि, घरेलू बाजार हेतु आयातित चायों पर प्राथमिक आयात शुल्क का 100 प्रतिशत और 10 प्रतिशत अधिभार तथा प्राथमिक शुल्क एवं अधिभार पर 4 प्रतिशत का विशेष अतिरिक्त शुल्क को आकर्षित करेगा (1 मार्च 2002 से) । प्रति कैलेण्डर वर्ष में श्रीलंका से 15 मि.कि.ग्रा. तक आयातित चाय पर प्राथमिक शुल्क का 7.5 प्रतिशत की रियायत के अलावा अन्य सामान्य अधिकार लागू रहेगा ।

<u>उत्पाद एवं सेवा कर</u> :

चाय पर वर्तमान जीएसटी दर 5% है अर्थात् 2.5% सीजीएसटी+2.5%एसजीएसटी । अन्तर्प्रदेशीय पूर्ति के क्षेत्र में, चाय पर आईजीएसटी की दर 5% है ।

वर्ष 2019-20 के दौरान चाय उद्योग व व्यापार की स्थिति

उत्पादनः

उत्तर एवं दक्षिण भारत के मुख्य चाय उत्पादक क्षेत्रों में बेहतरीन जलवायु परिस्थिति के कारण भारत ने वर्ष 2019-20 में अब तक का सर्वोच्च चाय उत्पादन 1360.81 मि.कि.ग्रा. प्राप्त किया जो 2018-19 की तुलना में 10.77 मि.कि.ग्रा. अधिक है ।

मुख्य चाय उत्पदाक राज्य असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं केरल ने कुल चाय उत्पादन में 97.48% का योगदान दिया जबकि शेष अंश का योगदान अन्य राज्यों ने किया । कुल चाय उत्पादन में से सीटीसी का योगदान 89% रहता है जबकि आर्थोडॉक्स व ग्रीन टी का 11% अंश रहता है ।

संगठित क्षेत्रः

1569 चाय संपदाएं है । इन क्षेत्रों में 923 विपणन इकाई स्थापित है । 2019-20 के दौरान उत्पादन के संगठित क्षेत्र का अंश 50.76% देखा गया ।

लघु चाय उत्पादकः

लघु चाय उत्पादकों का कुल चाय उत्पादन वर्ष दर वर्ष बढ़ता जा रहा है । वर्ष 2019-20 के दौरान लघु उत्पादकों के उत्पादन का अंश 49.24% देखा गया ।

निर्यातः

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भारत ने चाय निर्यात की धारा बरकरार रखी । चाय निर्यात 5457.10 करोड़ की मूल्य वसूली सहित मात्रा में 241.34 मि.कि.ग्रा. थी। 9.73 रु. प्रति कि.ग्रा. द्वारा बेहतर इकाई मूल्य वसूली के कारण मात्रा में 13.16 मि.कि.ग्रा. तथा मूल्य में 49.74 करोड़ रु. कम थी।

भारत से चाय का निर्यात

वर्ष	मात्रा (मि.कि.ग्रा.).	मूल्य (रु. करोड़ में)	इकाई मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	थोक चाय		मूल्यवर्धक चाय	
				मात्रा (मि.कि.ग्रा.).	मूल्य (रु. करोड़ में)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.).	मूल्य (रु. करोड़ में)
2018-19	254.50	5506.84	216.38	225.29	4321.61	29.21	1185.23
2019-20	241.34	5457.10	226.11	212.30	4226.97	29.04	1230.13

यह ध्यान दिया गया कि 2019-20 के दौरान कुल उत्पादन का करीब 12.03% मूल्यवर्द्धन रुप में निर्यात किया गया (पैकेट चाय, टी बैग एवं इंस्टैंट टी) जबकि बाकी थोक रुप में ही निर्यात किया गया ।

<u>भारत में चाय का आयात</u>

वर्ष 2019-20 के दौरान, सीआईएफ मूल्य 231.761 करोड़ रु. सहित 15.54 मि.कि.ग्रा. जबकि 2018-19 में सीआईएफ मूल्य 341.61 करोड़ सहित 24.22 मि.कि.ग्रा. रहा ।

नीलामी में चाय मूल्य

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान देश में कुल चाय उत्पादन का 44.35% जन नीलामी द्वारा तथा बाकी अंश अन्य माध्यम द्वारा बेचा गया ।

विगत वर्ष की तुलना में उत्तर भारत में औसत मूल्य 3.32 रु. प्रति कि.ग्रा. (2.18%) की कमी रही जबकि दक्षिण भारत में 6.63 रु. प्रति कि.ग्रा. (6.43%) की कमी हुई । 2018-19 की तुलना में समग्र मूल्य में 2.61 रु. प्रति कि.ग्रा. (1.86%) की कमी हुई ।

वर्ष	उत्तर भारत		दक्षिण भारत		अखिल भारत	
	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)
140.26	2018-19	454.16	151.87	141.99	103.15	596.15
137.65	2019-20	477.10	148.55	126.44	96.52	603.54

घरेलू प्रतिधारणः

ोब 1120 मि.कि.ग्रा.

चाय की अनुमानित घरेलू प्रतिधारण 2019-20 में 1135 मि.कि.ग्रा. की तुलना में 2018-19 में कर
रही ।

अध्याय - 9

श्रमिक कल्याण

I. परिचय :

चाय अधिनियम 1953 में यथा अनिवार्य चाय बोर्ड के उद्देश्यों एवं कार्यों में से एक कार्य बेहतर काम करने की अवस्था हासिल करने के लिए सहायक कल्याणकारी उपाय तथा कामगारों एवं उनके आश्रितों के लिए सुविधाओं एवं प्रोत्साहनों में सुधार करना है। चूंकि, बागान कामगारों का विनियामक एवं कल्याण, बागान श्रमिक अधिनियम के दायरे में आता है तथा संबन्धित राज्य सरकारों द्वारा उसका क्रियान्वयन होता है, बोर्ड द्वारा अपनाए गए कल्याणकारी क्रियाकलाप वस्तुत: अनुपूरक हैं एवं उसमें सामान्य कल्याणकारी उपाए भी शामिल हैं । मध्यवर्ती अवधि रूपरेखा (एमटीएफ़) (2017-18 से 2019-2020) के दौरान बोर्ड के समग्र चाय विकास एवं संवर्धन योजना के मानव संसाधन विकास घटक के अंतर्गत श्रमिक कल्याण उपाय किए गए थे । चाय बोर्ड की कल्याणकारी योजनाएँ बिना किसी लिंग भेद की है ।

II. श्रमिक कल्याणकारी समिति:

बोर्ड की श्रमिक कल्याणकारी समिति बोर्ड की एक सलाहकारी निकाय के रूप में मार्गदर्शन करती है । बोर्ड को विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी क्रियाकलापों के कार्यान्वयन की दिशा में सहायता करने वाली इस समिति में रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित सदस्य थे :

1. उपाध्यक्ष, चाय बोर्ड, समिति का पदेन अध्यक्ष
2. श्री रूपेश गोवाला
3. श्री पी. मोहनन
4. श्री सुनील किरवई

III. बोर्ड/कल्याणकारी समिति की बैठकें :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड/कल्याणकारी समिति की बैठकें निम्नलिखित तारीखों को हुईं:

बैठक संख्या	बैठक की तारीख	स्थान
238वीं बोर्ड की बैठक	3 अप्रैल, 2019	कोलकाता
239वीं बोर्ड की बैठक	27 जून, 2019	कोलकाता
240वीं बोर्ड की बैठक	24 सितंबर, 2019	कोलकाता
241वीं बोर्ड की बैठक	30 नवम्बर, 2019	कोलकाता

IV. मानव संसाधन विकास घटक :

चाय बागान श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के जीवन एवं रहन-सहन में सुधार करने के लिए मानव संसाधन विकास के घटक निम्नलिखित तीन वृहद क्षेत्रों पर लक्ष्यित है :

(क) स्वास्थ्य :

i) **चाय बागान क्षेत्रों के निकट उपचार सुविधाएं बढ़ाने तथा गैर पारंपरिक क्षेत्रों में चिकित्सा उपकरण, उपसाधनों एवं एम्ब्युलेन्स तथा कुछ अस्पतालों में कामगारों एवं उनके आश्रितों के लिए बेड आरक्षित करने के लिए अस्पताल (चाय बागान का अस्पताल नहीं)/ मेडिकल क्लीनिक्स के लिए पूंजीगत अनुदान :**

क्षय रोग, कैंसर,कुष्ठ रोग, नेत्ररोग, हृदय,किडनी रोग इत्यादि के उपचार के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना जोकि चाय बागान श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को चाय बागान अस्पताल में सुलभ नहीं थे; विशेष गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में एक्स – रे मशीन, सर्जिकल औज़ार एवं एम्ब्युलेन्स के लिए अनुदान भी मंजूर किया गया था । अस्पतालों में चाय बागान श्रमिकों के लिए बेड के रख – रखाव की दिशा में विशेष आवश्यक आवर्ती अनुदान की मंजूरी का भी प्रावधान था ।

अनुदान की मात्रा : उपकरण के पूंजीगत लागत का 30% भार आवेदक द्वारा वहन किया जाना था तथा बोर्ड का अनुदान 70% तक सीमित किया गया जिसकी अधिकतम सीमा 8.0 लाख या दोनों में से जो भी कम है ।

ii) **विशेषीकृत अस्पतालों में चाय रोपण कामगारों और उनके आश्रितों पीड़ित से रोग हृदय और कैंसर / व्यक्तियों विक्लांग-सहायता वित्तीय लिए के रोगियों**

कामगारों पर आश्रित विक्लांग व्यक्तियों को बैशाखी, कैलीपर के जूते, कृत्रिम पैर, कान की मशीन, व्हील चेयर और हाथ से चलाने वाली पैडेलिंग ट्राइ साइकिल इत्यादि खरीदने के लिए वित्तीय सहायता की अनुमति दी गई थी । विशेषीकृत अस्पतालों में चाय रोपण कामगारों और उनके आश्रितों को – कैंसर और हृदय रोग से पीड़ित रोगियों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान था ।

अनुदान की मात्राः (क) विकलांग व्यक्तियों के लिए वास्तविक खर्च जिसकी अधिकतम सीमा 50000/- रु० तक जो भी न्यून हो । (ख) चाय रोपण कर्मियों के आश्रितों में कैंसर व हृदय रोग से पीड़ितों को स्पेशलिटी अस्पतालों में वास्तविक आधार पर वित्तिय सहायता प्रदान करना ।

(ख) शिक्षा :

i) कामगारों के बच्चों के लिए शैक्षणिक वृत्ति :

चाय बागान के कामगारों के बच्चों को भत्ते के रूप में प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई ।

अनुदान की मात्रा: 20,000 रुपए तक अधिकतम सीमा पर वास्तविक आधार पर ट्यूशन फ़ीस एवं वास्तविक आधार पर 20,000 रुपये तक हॉस्टल चार्ज 2/3 होगा ।

ii) कामगारों के बच्चों के लिए "नेहरु पुरस्कार" की विशेष योजना:

चाय बोर्ड ने कामगारों के होनहार बच्चों के लिए " नेहरू पुरस्कार" नाम से एक विशेष योजना का क्रियान्वयन किया ।

अनुदान की मात्रा : इस योजना के तहत बागान के कामगारों के बच्चों के लिए 10वीं के लिए रु० 8000/- तथा 12वीं के लिए रु०10000/- का अनुदान प्रदान किया गया ।

iii) **चाय बागान के जरूरतमन्द और योग्य बच्चों को अथवा प्रकृतिक आपदाओं से प्रभावित बच्चों को पुस्तक और स्कूल यूनीफॉर्म अनुदान योजना :**

बंद चाय बागानों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए पुस्तक और यूनीफॉर्म खरीदने के लिए सहायता प्रदान की गई ।

अनुदान की मात्रा: प्रति विद्यार्थी प्रति वर्ष रु० 4000/- ।

iv) भारत स्काउट्स और गाइड्स हेतु वित्तीय सहायता : भारत स्काउट्स और गाइड्स के लिए वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत बोर्ड की तरफ से दी जाने वाली अनुदान राशि जिला स्काउट्सगाइडस संस्थापकों के पदों के रख-रखाव के लिए वेतन और भत्तों के भुगतान, प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रभारों की प्रतिपूर्ति, रैलियां कराने के भुगतान, जम्बूरिस आदि, तथा चाय बागान स्काउट्स गाईड्स आदि के लिए वर्दी क्रय हेतु भुगतान के लिए की जाती है ।

अनुदान की मात्रा : (अ) पूर्ण कालिक जिला स्काउट्स/गाइड्स संस्थापकों के लिए मासिक वेतन 10,000/- थी तथा 5,000/- रु. प्रति माह की दर से यात्रा भत्ता तय किया गया था ।

प्रशिक्षण शिविर : अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति रु. 500/- प्रति दिन तथा प्रति प्रशिक्षार्थी को प्रति प्रशिक्षण के लिए यात्रा भत्ता के रुप में रु. 200/- ।

वार्षिक जिला रैली :अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति रु० 500/- तथा आकस्मिक प्रभार के रूप में रु० 200/- तथा यात्रा भत्ता रु. 200/- तक ।

00 प्रति दिन; तथा यात्रा भत्ता 200 रुपये तक । राज्य रैली/ कैंपोरल्स: अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति रु० 5

0 रु० प्रति दिन ; आकस्मिक प्रभार 200-/रु० प्रति

नेशनल जंबूरीस: अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति 500 उम्मीदवार प्रति प्रशिक्षण तथा यात्रा भत्ता 200 रुपये तक ।

वर्दी अनुदान : प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष रु० 2500/- ।

(ग) प्रशिक्षण :

चाय रोपण कामगारों के बच्चों व उनके आश्रितों को अल्पकालिक व्यवसायिक प्रशिक्षण/स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पाठ्यक्रम के लिए चाय बोर्ड की वित्तीय सहायता योजनाः

चाय रोपण क्षेत्र में लोगों के लिए रोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिए, बोर्ड ने व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों/संगठनों को वित्तिय सहायता प्रदान किया । चाय रोपण कर्मचारियों के आश्रितों को छह महीनो से एक वर्ष की अवधि हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसे राजमिस्त्री का काम, बिजली/टीवी मरम्मत करने, बढ़ईगीरी के लिए कौशल विकास, सैनिटरी इकाई आदि के लिए अनुदान संस्वीकृत किया गया है।

अनुदान की मात्रा: तीन से एक वर्ष की अवधि वाले एक कोर्स के लिए अधिकतम 2.00 लाख रुपये ।

(घ) चाय रोपण पर अध्ययन : चाय उद्योग पर आवश्यकतानुसार अध्ययन/ पायलट योजना शुरू करना ।

वर्ष 2019-20 के दौरान व्यय राशि का विवरण नीचे सारणी -1 में दिया गया है :

सारणी : 1												
घटक – मानव संसाधन विकास												
2019-20 के दौरान राज्य-वार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धि												
		स्वास्थ्य			शिक्षा				प्रशिक्षण			
राज्य	क्रियाकलाप	चिकित्सा उपकरण का क्रय	दिव्याङ्ग जनों को सहायक उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता(लोगों की संख्या)	कैंसर / हृदय रोगियों (संख्या) को वित्तीय सहायता	वृत्ति (संख्या)	नेहरू पुरस्कार (संख्या)	प्राकृतिक आपदा /बंद बागानों से प्रभावित बागानों को पुस्तक एवं वर्दी अनुदान	भारत स्काउट्स एंड गाइड्- प्रशिक्षण शिविर / रैलियाँ, जंबूरीस / मुक़ाबला (शिविर की संख्या और विद्यार्थी हितधारकों की संख्या)	व्यावसायिक प्रशिक्षण (पाठ्यक्रमों संख्या तथा विद्यार्थी हितधारकों की संख्या)	XI योजना पूंजी अनुदान - स्कूल / कॉलेज की संख्या	अन्य (बैंक प्रभार सहित)	कुल

असम	राशि (लाख में)				35.39	0.97			1.35		20.79		**58.5**
	भौतिक				433	12			2 40				
त्रिपुरा	राशि (लाख में)				0.91	0.38							**1.29**
	भौतिक				16	4							
पश्चिम बंगाल	राशि (लाख में)	8.00			130.81	10.45	18.72	3.1			0.08		**171.16**
	भौतिक	1			1,375	115	468	1 3			1		
तमिलनाडु	राशि (लाख में)				91.58	3.98		2.55					**98.11**
	भौतिक				393	44		2 2					
केरल	राशि (लाख में)				89.49	3.54	3.08	3.20					**99.31**
	भौतिक				360	40	77	80					

कर्नाटक	राशि (लाख में)				0.33								**0.33**
	भौतिक				2								
हिमाचल प्रदेश	राशि (लाख में)				1.92	0							**1.92**
	भौतिक				21	0							
उत्तराखंड	राशि (लाख में)				0	0							**0**
	भौतिक				0	0							
अखिल भारत	राशि (लाख में)	**8**	**0**	**0**	**350.43**	**19.32**	**21.8**	**8.85**		**1.35**		**0**	**20.87**	**430.62**
	भौतिक	**1**	**0**	**0**	**2,600**	**215**	**545**	**3**	**85**	**2**	**40**	**0**	**1**	**0**

सारणी : 2

विगत 3 वर्षों में एमटीएफ़(2017-2020) के तहत मानव विकास संसाधन में संवितरित सब्सिडी जिसमें एससीएसपी व टीएएसपी शामिल

उप – घटक	क्रियाकलाप	2017-18 अखिल भारत कुल			2018-19 अखिल भारत कुल			2019-20 अखिल भारत कुल			एमटीएफ़ कुल		
		राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रम / घटना की संख्या / इकाई	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रम / घटना की संख्या / इकाई	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रम / घटना की संख्या / इकाई	राशि लाख में	लाभार्थियों की संख्या	कार्यक्रम / घटना की संख्या / इकाई
स्वास्थ्य	दिव्याङ्ग जनों को सहायक उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता	0.57	4.00	4	0.00	0	0	0.00	0	0	0.57	4	4
	चिकित्सा उपकरण का क्रय	21.51	34.00	34	0.00	0	0	8.00	1	25	29.51	35	59
	कैंसर/हृदय/किडनी रोगियों (संख्या) को वित्तीय सहायता	0.64	1.00	1	3.63	4	1	0.00	0	0	4.27	5	2

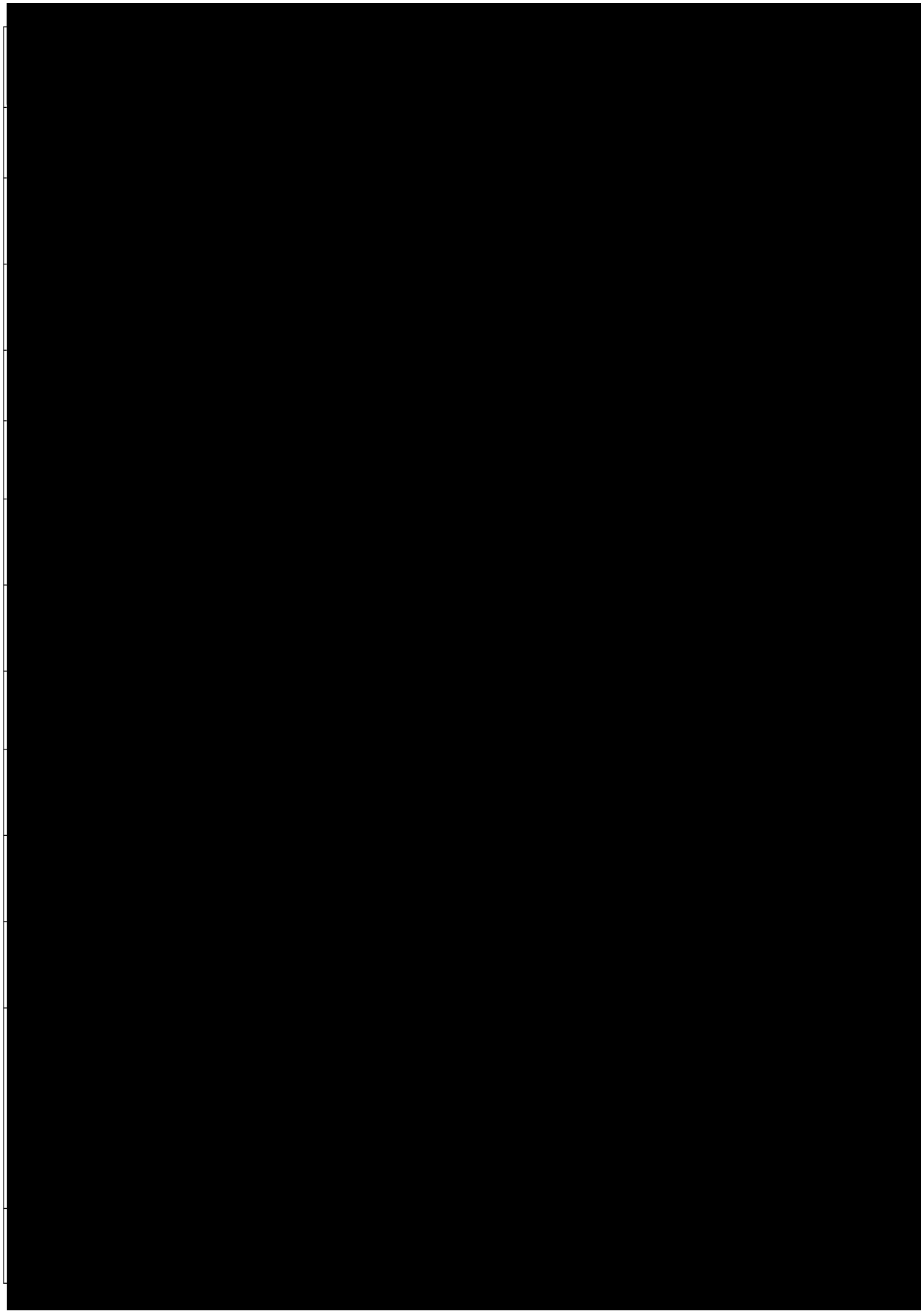

अन्य	अन्य (बैंक प्रभार सहित) एवं XI वीं योजना अनुदान-स्कूल/कॉलेज (संख्या)	11.66	1460	0	17.64	0	1	45.51	0	0	74.81	1460	10
	उप – कुल मानव संसाधन विकास	**654.12**	**16734**	**5307**	**359.29**	**5361**	**3389**	**602.35**	**4511**	**4495**	**1615.76**	**26606**	**13200**

तालिका – 3

एमचीएफ 2017-20 के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियां (बीजी + एसजी)														
एमटीएफ-टीडीपीएस	**उत्तर पूर्व**			**पश्चिम बंगाल**			**दक्षिण भारत**			**हिमाचल एवं उत्तराखंड**			**कुल एमटीएफ 2017-20**		
घटक	**राशि लाख में**	**लाभार्थियों की संख्या**	**भौतिक**	**राशि लाख में**	**लाभार्थियों की संख्या**	**भौतिक**	**राशि लाख में**	**लाभार्थियों की संख्या**	**भौतिक**	**राशि लाख में**	**लाभार्थियों की संख्या**	**भौतिक**	**राशि लाख में**	**लाभार्थियों की संख्या**	**भौतिक**
मा.सं.वि-स्वास्थ्य	0.64	1	1	32.64	38	59	1.07	5	5	0	0	0	34.35	44	65
मा.सं.वि-शिक्षा	220.71	3297	3269	531.61	8709	6033	760.88	12701	3753	5.94	69	69	1519.14	24776	13124
मा.सं.वि-प्रशिक्षण	53.34	1786	10	2.28	0	0	6.65	0	1	0	0	0	62.27	1786	11
कुल	**274.69**	**5084**		**566.53**	**8747**		**768.6**	**12706**		**5.94**	**69**		**1615.76**	**26606**	

तालिका : 4

घटक-मानव संसाधन विकास-एससीएसपी व टीएएसपी शामिल													
एमटीएफ (2017-20) के दौरान राज्यवार वित्तिय संवितरण और भौतिक उपलब्धि													
		स्वास्थ्य			शिक्षा					प्रशिक्षण			
राज्य	क्रियाकलाप	चिकित्सा उपकरण का क्रय	दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण खरीदने के लिए वित्तिय सहायता (लोगों की संख्या)	कैंसर/ हृदय रोगियों को वित्तिय सहायता (संख्या)	वृत्ति (संख्या)	नेहरु पुरुस्कार (संख्या)	प्राकृतिक आपदा/बंद बागानों से प्रभावित बागानों को पुस्तक एवं वर्दी अनुदान	भारत स्काउट्स एवं गाइड्स- प्रशिक्षण शिविर/रेलियां, जंबूरिस/कंपेयर्स (शिविर की संख्या और विद्यार्थी लाभार्थियों की संख्या)		व्यावसायिक प्रशिक्षण (पाठ्यक्रमों की संख्या एवं विद्यार्थी लाभार्थियों की संख्या)		XIवीं योजना पूंजीगत अनुदान-स्कूल/कॉलेज (संख्या)	अन्य व्यय (बैंक प्रभार सहित)	कुल
असम	राशि लाख	0	0	0.64	197.9	12.06	0	1.56		20.9		11.65	25.79	**270.5**
	भौतिक	0	0	1	2953	260	0	1	1	10	326	5(1460)	0	
त्रिपूरा	राशि लाख	0	0	0	2.94	0.85	0	0.4		0		0	0	**4.19**
	भौतिक	0	0	0	40	15	0	1	28	0	0	0	0	
पश्चिम बंगाल	राशि लाख	29.51	0	3.13	439.69	17.19	37.45	9.85		0		0	29.71	**566.53**
	भौतिक	35	0	3	4531	215	1052	230	2911	0	0	0	0	
तमिलनाडु	राशि लाख	0	0.04	0.5	362.1	9.71	0	7.65		0		0	0.5	**380.5**
	भौतिक	0	1	1	1625	155	0	32	8959	0	0	0	0	

केरल	राशि लाख	0	0.53	0	356.28	6.88	11.8	3.2		0		0	7.15	**385.84**
	भौतिक	0	3	0	1460	115	295	0	80	0	0	0	0	
कर्नाटक	राशि लाख	0	0	0	2.26	0	0	0		0		0	0	**2.26**
	भौतिक	0	0	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	
हिमाचल प्रदेश	राशि लाख	0	0	0	4.36	0.26	0	0		0		0	0.01	**4.63**
	भौतिक	0	0	0	41	6	0	0	0	0	0	0	0	
उत्तराखंड	राशि लाख	0	0	0	0.52	0.79	0	0		0		0	0	**1.31**
	भौतिक	0	0	0	4	18	0	0	0	0	0	0	0	
अखिल भारत	राशि लाख	29.51	0.57	4.27	1366.05	47.74	49.25	22.66		20.9		11.65	63.16	**1615.76**
	भौतिक	35	4	5	10666	784	1347	264	11979	10	326	1460	0	26,606

अध्याय - 10

हिन्दी कक्ष

प्रस्तावना

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होते ही अनुच्छेद 343(1) के अनुसार हिन्दी संघ की राजभाषा बनी । भारत सरकार को यह दायित्व दिया गया कि वह राजभाषा हिन्दी का प्रचार एवं विकास इस प्रकार करें कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। हिंदी भाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु निरंतर प्रयास स्वभाविक था । अपनी स्थापना के समय से ही हिन्दी कक्ष राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा नियम 1976 के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन के कार्य का दायित्व निभा रहा है । राजभाषा नीति एवं बोर्ड के महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुवाद से संबंधित कार्यों का निष्पादन बोर्ड के उपनिदेशक(रा.भा.) के पर्यवेक्षणाधीन की जाती है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन

समीक्षाधीन वर्ष 2019-20 के दौरान भारत सरकार की मुख्य नियामक अधिनियम राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), में विहित सभी प्रलेखों को पूर्णरूपेण द्विभाषी रूप में अर्थात् हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक साथ जारी किए गए है।

हिन्दी में पत्राचार

हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अनिवार्यत: हिन्दी में ही दि ये गए। वार्षिक कार्यक्रम 2019-20 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किये गए । ।

हिन्दी में रिपोर्ट

र्षिक संसद में रखे जानेवाले सभी प्रतिवेदन जैसे वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, वा प्रयोग से लेखापरीक्षा प्रतिवेदन आदि हिन्दी में भी तैयार किए गए । इसके अलावा हिन्दी के प्रगामी एवं उद्योग संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट भी हिन्दी में तैयार किए गए । वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को इनका नियमित रूप से प्रेषण किया गया ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समय-समय पर तीन राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित हुई, जिसमें सहायक/वरिष्ठ सहायक/सह प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को भी हिन्दी कार्य करने की शैली में प्रशिक्षित किया गया । विभिन्न सरकारी कार्यालयों से आगत प्रवक्ताओं ने सत्र संचालित किए। इसके फलस्वरूप कार्मिकों में व्यवहारिक/प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रति अभिरूचि पैदा हुई ।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

राजभाषा के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा कामकाज में इसे बढ़ावा देने हेतु हिन्दी सप्ताह का आयोजन 9-14 सितंबर को किया गया था । इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । क्षेत्रीय कार्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हुए ।

हिन्दी वेबसाईट

ई-गवर्नेंस के इस युग में नीति कार्यान्वय की दिशा में इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम बन गया है। टी बोर्ड की भी हिंदी में अपनी वेबसाइट www.teaboard.gov.in है, क्योंकि आज भी हिन्दी अधिकांश भारतीय जनता की भाषा है । टी बोर्ड के हिंदी वेबसाईट को अंग्रेजी संस्करण से मेल रखते हेतु तथा हिंदी संस्करण को समय-समय पर अद्यतन किये जाने के संबंध गहन प्रयास किए गए, जो एक सतत प्रक्रिया है ।

टॉलिक की गतिविधियों में सहभागिता

राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता (नराकास) की गतिविधियों में बोर्ड सक्रिय रूप से भाग लिया ।

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें :

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति(ऑलिक) की वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में बैठके आयोजित हुई तथा बहुत ही उपयोगी निर्णय लिए गए ।

कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी प्रयोग हेतु प्रोत्साहन योजना

बोर्ड ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रोत्साहन योजना को प्रचारित किया जिसका उद्देश्य हिन्दी की कामकाज में गति लाना था । अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इसका लाभ लिया । कुछेक कर्मचारियों ने इस योजना में हिस्सा लिया एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया ।

संघ की राजभाषा में कार्य करने हेतु वार्षिक कार्यक्रम

वर्ष 1967 में संसद द्वारा पारित राजभाषा संकल्प में यह निर्देश दिया गया था कि भारत सरकार एवं अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार कर कार्यान्वित करेगी जिससे हिन्दी के प्रसार एवं विकास को गति मिले । वर्ष 2019-20 का कार्यक्रम इसी क्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है । इस वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से हम संघ के राजकीय कार्यों के लिए अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की गति तेज की गयी । निर्धारित लक्ष्यों की कुछ हद तक प्राप्ति भी हुई है । फिर भी टी बोर्ड में बहुत हद तक कार्य अंग्रेजी में ही होता रहा ।

अध्याय - 11

सतर्कता प्रकोष्ठ

में टी बोर्ड के सचिव बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रुप कार्य करते हैं। सतर्कता प्रकोष्ठ के समग्र कार्यकलापों को मुख्य सतर्कता अधिकारी के पर्यवेक्षणाधीन किया जाता है । सचिव के अतिरिक्त सतर्कता प्रकोष्ठ के कुल दो कार्याधिकारी हैं ।

सतर्कता प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य है सरकार/केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित करना, जिसे नियमित रूप से अनुपालित किया जाता है । सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने के साथ-साथ सरकार को मासिक व तिमाही रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाती है । बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के सलाह पर निविदा और निवारक सतर्कता इत्यादि संबंधी सभी पहलुओं का अनुसरण बोर्ड द्वारा किया जाता है । बोर्ड के विधि अधिकारी भी सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करते हैं । सतर्कता प्रकोष्ठ का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार बोर्ड में प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करना, जिसमें चाय बोर्ड के सभी कार्याधिकारियों को चाय बोर्ड की बुनियादी सतर्कता लक्ष्य की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए दक्षता एवं पारदर्शिता के शपथ-संदेश के माध्यम से उन्हें शपथ दिलायी जाती है । वर्ष के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ को एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है एवं आज की तिथि तक एक भी सतर्कता मामले लंबित नहीं हैं ।

अध्याय -12

विधि, आईपीआर व आरटीआई प्रकोष्ठ पर रिपोर्ट

विधि प्रकोष्ठ: चाय बोर्ड का विधि प्रकोष्ठ, विधि अधिकारी के अधीन कार्य करता है । चाय बोर्ड का विधि प्रकोष्ठ बोर्ड के मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों द्वारा अग्रेषित सभी विधिक मामलों का पर्यवेक्षण करता है । प्रकोष्ठ बोर्ड के नामिकागत सॉलिसिटर/विधि फॉर्म, विधिक सलाहकारों एवं केंद्रीय सरकार परिषदों के साथ बोर्ड की ओर से सम्पर्क स्थापित करता है । दिनांक 31.03.2019 तक 92 मामले लंबित थे । समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 09 नए मामले आए एवं 20 मामले वापस कर लिए गए । दिनांक 31.03.2020 तक कुल मामलों की संख्या 81 थी ।

आईपीआर प्रकोष्ठ: आईपीआर प्रकोष्ठ बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी सभी मामलों की भी देखभाल करता है, कानूनों के अधीन इसमें बोर्ड द्वारा पंजीकृत भारत एवं विदेश में विभिन्न लोगो चिह्न/शब्द चिह्न शामिल है । रिपोर्टाधीन वर्ष में इस प्रकोष्ठ ने नियीत से पूर्व दार्जिलिंग चाय क ...का शुद्धता का प्रमाणीकृत करते हुए 1744 सं. उत्पत्ति प्रमाणपत्र (सीओओ) जारी किए हैं । इसके अति... रिक्त, प्रकोष्ठ ने दार्जिलिंग के चिह्न, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरि ऑर्थोडॉक्स, असम लोगो, नीलगिरि ... लोगो, इंडिया टी बोर्ड लोगो एवं डुआर्स-तराई लोगो के प्रयोग के लिए 107 अनुमतियों का नवीकरण कि... या है एवं 67 जारी किए है तथा इस तरह आईईबीआर के अंश के रुप में 18,05,971.20/- रु. एकत्रित कि... ए हैं।

टी बोर्ड ने अपने उद्देश्यों को जारी रखा है और इसके द्वारा प्रशासित विभिन्न चाय नामों अ... ौर लोगो को, भारत के बहुमूल्य भौगोलिक संकेत और भारत की सांस्कृतिक व सामूहिक विरासत के प्रती... क के रुप में संरक्षित किया है।

1. 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान पंजीकरण का नवीकरणः

इस अवधि के दौरान टी बोर्ड द्वारा कोई नवीकरण दायर नहीं किया गया है।

2. **भारत में टी बोर्ड द्वारा 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौर... ान दर्ज किए गए कुल विरोध** :

इस अवधि के दौरान टी बोर्ड द्वारा सत्तर (70) विरोध दर्ज किए गए थे, जिसमें दार्जिलि... ंग, असम, निलगिरी, डुअर्स-तराई चाय के नाम और लोगो के साथ-साथ इंडिया टी लोगो के दुरुपयोग क... ो रोका गया था।

3. 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान भारत के बाहर टी बोर्ड द्वारा दर्ज किए गए कुल विरोध :

इस अवधि के दौरान टी बोर्ड द्वारा छह (6) विरोध (1 पेरू में, 1 यूरोपीय संघ में, 1 सिंगापुर में, 1 रूस में, 1 नेपाल में और 1 फ्रांस में) दायर किए गए थे। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

- **पेरु**: पेरू में विपक्षी मामला ला आर्टेसाना एस.आर.एल (जिसमें असम नाम शामिल है) के नाम पर कक्षा 30 में 'असम गोरमेट' के पंजीकरण के प्रयास से संबंधित है।
- **यूरोपीय संघ** : यूरोपीय संघों में विपक्षी मामला आर.एसईईएलआईजी एचआईएलएलई ओएचजी (जिसमें असम नाम शामिल है) के नाम से 30 और 32 वीं कक्षा में "8.20 ट्रेन टू असम" चिह्न के पंजीकरण का प्रयास करने के लिए है।
- **सिंगापुर:** सिंगापुर में विपक्षी मामला "हाफलोंग टी टेल्स आफ असम" के नाम से कक्षा 30 में "हाफलोंग टी पीटीई लि" निशान के पंजीकरण के प्रयास से संबंधित है (जिसमें असम नाम शामिल है)।
- **रूस:** रूस में उक्त विपक्षी मामला टी हाउस के नाम से कक्षा 30 और 35 में "त्सज असम - पॉप्रोबुजसम" के चिन्हित पंजीकरण के प्रयास से (जिसमें असम का नाम है) संबंधित है।
- **नेपाल:** नेपाल में उक्त विपक्षी मामला मॉर्डन टी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से "रॅयाल असम" वर्ग 30 के चिन्हित पंजीकरण के प्रयास से संबंधित है (जो कि असम के समान है)।
- **फ्रांस:** फ्रांस में उक्त विपक्षी मामला 'डार्लिंग दार्जिलिंग' के वर्ग 16, 30 और 41 में मैडम मिशेल जीन बैपटिस्ट के नाम से पंजीकरण के प्रयास के संबंध में है (जिसमें नाम दार्जिलिंग शामिल है)।

4. 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान भारत में टी बोर्ड द्वारा दर्ज किए गए कुल लम्बित विरोध :

वर्तमान में, भारत में लगभग दो सौ तिहत्तर (273) विरोध लंबित हैं। बोर्ड द्वारा प्रशासित मूल चाय के नाम में अधिकारों की मान्यता, और मामले को निपटाने के लिए, छह (06) दलों ने इन नामों के संदर्भ को हटाकर अपने अंकों में संशोधन किया है, जो चाय बोर्ड के लिए रुचि रखते हैं और 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री द्वारा टी बोर्ड के पक्ष में इकहत्तर (71) विरोध का निर्णय लिया गया।

5. **01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान भारत में टी बोर्ड द्वारा दर्ज किए गए कुल लम्बित विरोध :** वर्तमान में, भारत के बाहर बहत्तर (72) विपक्षी मामले हैं और एक (1) अमान्य हैं। टी बोर्ड विवरण के पक्ष में उक्त अवधि के दौरान एक (1) मामले का निस्तारण किया गया है:

पेरु

10 जुलाई, 2012 को बीए झोउ शि शेंग फांग के नाम पर कक्षा 30 में निशान के खिलाफ विरोध दर्ज किया गया था। उक्त अस्वीकृति आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई थी। अपील का फैसला टी बोर्ड के पक्ष में किया गया था और उक्त निशान को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि आवेदक कंपनी अब अस्तित्व में नहीं है।

फ्रांस

मैडम मिशेल जीन बैपटिस्ट के नाम पर कक्षा 16, 30 और 41 में डार्लके 'डार्लिंग दार्जिलिंग' निशान के खिलाफ टिप्पणियां दर्ज की गईं। टिप्पणियों पर विचार करने के बाद, फ्रांसीसी ट्रेड मार्क्स कार्यालय ने कक्षा 30 के सामानों के विनिर्देश को संशोधित करके "कॉफी, चाय सहित दार्जिलिंग संरक्षित भौगोलिक संकेत; चीनी; पेस्ट्री; कन्फेक्शनरी; शहद; मसाले; बिस्कुट; केक; मीठा; कॉफी आधारित पेय "।

6. **दार्जिलिंग, असम, असम रूढ़िवादी, नीलगिरि रूढ़िवादी, भारत में चाय के लोगो और भारत के बाहर निशान के पंजीकरण के लिए नए आवेदन :**

हमने इसके तहत विनिर्देश में हरे और सफेद चाय वेरिएंट को शामिल करने के लिए दार्जिलिंग के लिए जीआई पंजीकरण संख्या 1 में संशोधन के लिए अनुरोध किया था। जीआई रजिस्ट्री ने नियम 73 के तहत भौगोलिक नियम माल के नियम 2002 के जीआई जर्नल नंबर 124 में संशोधन अनुरोध को स्वीकार करते हुए और दार्जिलिंग जीआई के संशोधन को रिकॉर्ड करते हुए 14 अक्टूबर, 2019 को एक अधिसूचना प्रकाशित की ।

7. समिक्षाधीन निविदा अवधि के दौरान लॉ फर्मों के नामिकायन किया गया था और नियत प्रक्रिया के बाद, दो लॉ फर्म यानी मेसर्स के एंड एस पार्टनर्स, गुरुग्राम और मेसर्स एल.एस.डावर, कोलकाता को अगले तीन वर्षों के लिए चुना गया है।

आरटीआई प्रकोष्ठ: आरटीआई प्रकोष्ठ, नियत समय के भीतर सूचना का अधिकार 2005 के तहत आवेदनों के निपटान व अपील करने के लिए उत्तरदायी है साथ ही मंत्रालय को मासिक एवं वार्षिक विवरण भेजने के लिए भी उत्तरदायी है। तीन मनोनीत जन सूचना अधिकारियों में से एक, विधि

रिपोर्टाधीन वर्ष में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत 51 आवेदन ... अधिकारी केन्द्रक अधिकारी है ।
हैं । प्राप्त हुए हैं एवं निपटा दिए गए

टी बोर्ड भारत

TEA BOARD INDIA

66वीं वार्षिक रिपोर्ट

66th Annual Report

2019-20

INDIA TEA

World's Gold Standard

INDEX

66TH ANNUAL REPORT OF THE BOARD: 2019-20

Chapter No.	Subject	Page No.
Chapter-1	Organizational Set-up & Functions	1-13
Chapter-2	India Tea in the International Perspective	14-16
Chapter-3	Finance	17-20
Chapter-4	Tea Development	21-48
Chapter-5	Tea Research	49-62
Chapter-6	Tea Promotion	63-84
Chapter-7	Licensing	85-89
Chapter-8	Statistics	90-92
Chapter-9	Human Resource Development	93-102
Chapter-10	Hindi Cell	103-104
Chapter-11	Vigilance Cell	105
Chapter-12	Legal Cell & RTI	106-108

CHAPTER- 1

ESTABLISHMENT

Organizational set-up and functions for the year 2019-20

Constitution of the Board

Tea Board India was established on 1st April 1954 as per the provisions of Section 4 of the Tea Act, 1953. The Board is assigned with the overall development of the tea industry in India and functioning under the administrative control of the Central Government under Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry.

Organization of the Board:

The Board comprises of a Chairman and 31 members appointed by Government of India representing different sections of the Tea Industry. The Board is reconstituted in every three years. The existing Board was reconstituted vide Gazette notifications dated 11th February 2019 and 9th March 2019 for a period of three years.

Functions of Tea Board:

The functions of the Tea Board span across a wide spectrum as defined under Section 10 of the Tea Act, which briefly include:

1. Increasing production and productivity of tea plantations;
2. Improving quality of tea;
3. Promoting co-operative efforts among small tea growers;
4. Supporting Tea Research and Development;
5. Undertaking promotion campaigns for increasing exports and domestic consumption;
6. Regulatory functions - Registration of tea gardens, factories, primary buyers and issue of licenses for tea brokers, auction organizers, exporters and tea waste dealers;
7. Welfare measures for plantations workers/their wards in the area of health, hygiene, training and education;
8. Collection and dissemination of tea statistics; and
9. Such other activities as are assigned from time to time by the Central Government.

Source of Funds:

Funds for the aforesaid functions are provided to the Board by the Government of India under capital and revenue heads.

The revenue funds are being used exclusively for the administrative and establishment charges for which cess levied on tea is the major source. Capital Funds are used for implementation of various developmental, promotional and welfare schemes of the Board. Under Section 25(1) of the Tea Act, 1953, tea cess used to be levied on all teas produced in India at the rate of 50 paisa per kg., except Darjeeling teas for which only 20 paisa per kg is levied. However, after implementation of the GST, the said cess on made tea has been subsumed with the GST and consequently clause (c) of section 3, section 25 and 26 and clause (a) of sub-section (1) of section 27 have been repealed vide Taxation Laws

(Amendment) Act, 2017 (No 18 of 2017) published in Part II Section I of official Gazette of India.

Administrative Set-up:

As per Rule 3 of the Tea Rules, 1954, the Head Office of the Board is located in Kolkata, West Bengal. The Chairman is the Non-Executive head and the Deputy Chairman is the Chief Executive Officer. Two Executive Directors are stationed at Guwahati (Assam) and Coonoor (Tamil Nadu). As of now, the Board has thirty eight (38) offices including Head office/ Zonal/Regional/Sub-Regional Offices within India and one (1) abroad i.e. Moscow

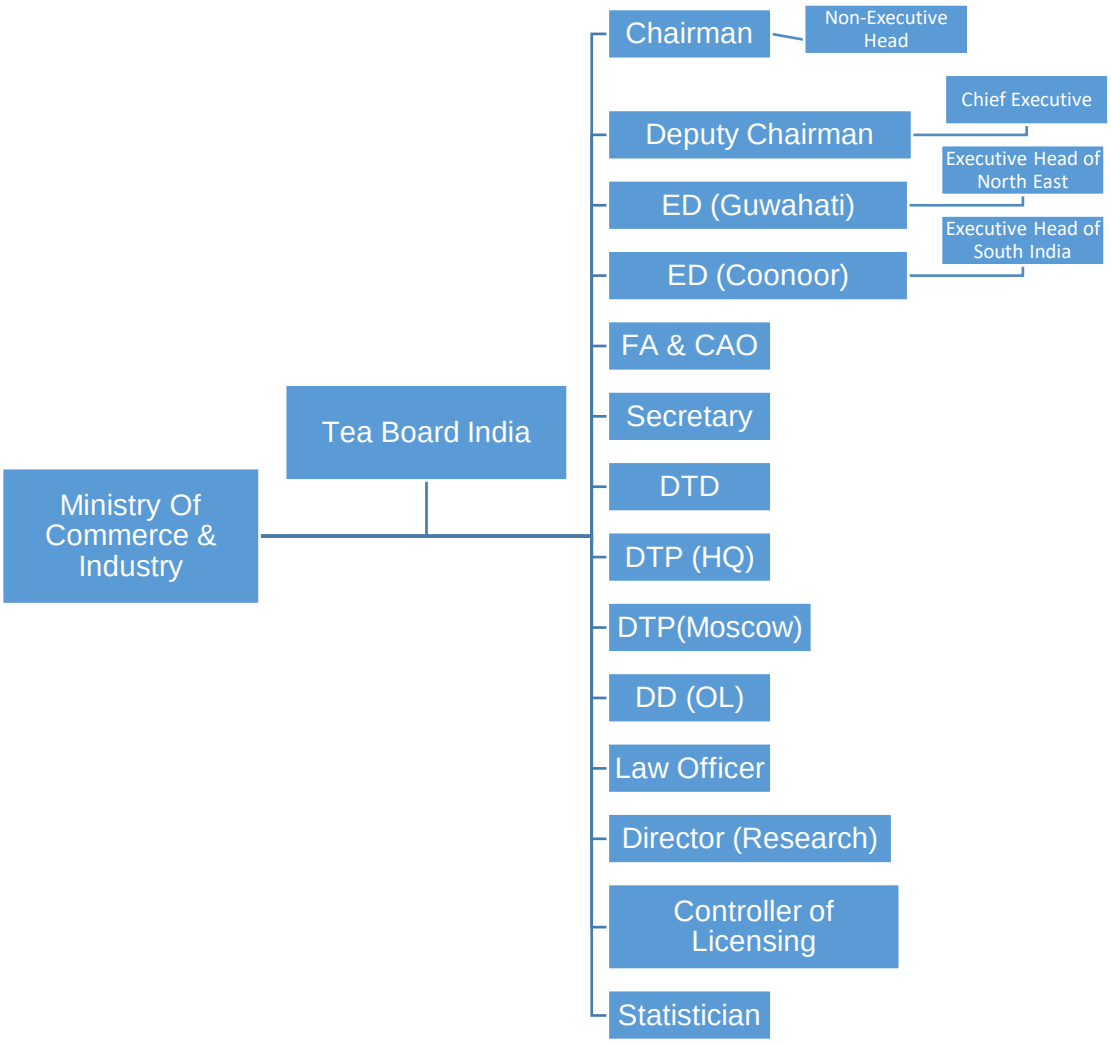

ADMINISTRATIVE SETUP OF TEA BOARD

The role of the Establishment Department is to act as the formulator of policy and ensuring compliance to the provisions of Tea Rules and By-Laws as well as rules, orders, circulars, memorandums issued by the Department of Commerce and Department of Personnel and Training, Government of India. The Department is headed by the Secretary and assisted by the Assistant Secretary. It deals with all the matters related to Board's staff & officials, service matters, establishment of offices, manpower positions etc. The Secretariat Section and the Stores maintains all the matters related to the Secretariat viz., deals will all VIP references, conducting Board meetings etc., while the Store Section keeps the records of inventories of the Board.

Meeting of the Board

For the period (April 2019 to March 2020) under report 04 (Four) Board Meetings were held and the details are as under-

Board Meeting Number	Venue	Date
238th Meeting of the Board	Kolkata	3rd April 2019
239th Meeting of the Board	Kolkata	27th June 2019
240th Meeting of the Board	Kolkata	24th September 2019
241st Meeting of the Board	Kolkata	30th November 2019

Man-Power of Tea Board

The total man-power of the Board as on 31.03.2020 was 42**5** (including officers on deputation). The break-up of existing strength of the officers and staff members under different categories in offices of the Board in India is shown in the Table-1.

TABLE -1

Group-wise Man power of the Board in India as on (31.03.2020)

Regions	Group A	Group B	Group C	Total
Head Office	14	24	71	109
Regional/Sub Regional Offices	48	96	168	312
Officers on deputation to Tea Board	4	0	0	4
Total	66	120	239	425

Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Class (31.03.2020)

	SC	ST	OBC	Total
Group A	8	4	17	29
Group B	20	5	31	56
Group C	40	14	22	76
TOTAL	68	23	70	161

Age wise profile of the Board's Employee (Excluding officer on deputation) (31.03.2020)

Age Groups	Gr. A	Gr. B	Gr. C	Total
18-30	3	8	5	16
31-40	21	52	59	132
41-50	17	22	65	104
51-60	21	38	110	169
Total	62	120	239	421

- 4 Number of officers are on Deputation (Dy. Chairman, FA&CAO, ED-GHY, ED- CNR)

Retirement Chart of Tea Board (Next five Years)

Year	Gr. A	Gr. B	Gr. C	Total
2020	1	6	14	21
2021	0	6	7	13
2022	3	6	11	20
2023	2	5	12	19
2024	4	8	19	31
Total from 2020 to 2024	10	31	63	104

Changes in Man power of the Board during the year under review:

Promotions:

- As part of the austerity measures for reduction in administrative expenditure, the Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, the controlling ministry of the Tea Board vide letter dated 22.02.2017, had advised Tea Board not to undertake any fresh recruitment and promotion without prior approval of the Department.

Additional responsibilities:

- Dr. Rishikesh Rai, Dy. Director (Hindi) took additional responsibility of Secretary, Tea Board w.e.f. 22.12.2018 and has continued to hold the charge during 2019-2020.
- Shri A. Rajan, Statistician, took the additional responsibility of Director Tea Promotion (HQ) from 14-08-2019

Resignation and relinquishments:

- Shri Rakesh Taluru, FAO resigned from Board's service w.e.f.14.04.2019
- Shri Prakash Roy, FAO resigned from Board's service w.e.f 21.06.2019
- Two other officials resigned from Board's service during the year 2019-20
- One other official conferred C.R.S from Board's service during the year 2019-20

Appointments:

- Shri M. Balaji, IAS (TN: 2005) took the charge of Executive Director, Tea Board, Coonoor w.e.f. 16.09.2019.

Superannuation:

- Shri T.K. De, Sr. Accounts Officer superannuated from service of Board on 30.06.2019
- Shri A. Rajan, Statistician superannuated from service of Board on 31.03.2020
- Twelve (12) other officials superannuated from the service during the year under reporting

Deceased

- One (01) officials died during the year under report.

Voluntary Retirement

- One (01) official in different cadres took voluntarily retirement from the services of Tea Board during the year under report

MACP benefits

During the year under report, the benefit under MACP Scheme has been extended in favour of total 59 (fifty nine) officials in different cadres as under:

Group-A	02
Group-B	11
Group-C	46
Total	59

Swatch Bharat Abhiyan

- As per the directives passed by Government of India from time to time, Tea Board has carried out different programme under Swatch Bharat Abhiyan during the year under report.

Training

- Power Infinity has provided training to the Tea Board officials on enhancement of working efficiency and achieving of Tea Board's goal and objectives during the month of April and May 2019.
- IIFT (Indian Institute of Foreign Trade, Kolkata Campus) has provided 2-Days Management Enhancement Programme on "Enhancing Export of Indian Tea: Markets and Barriers" on 28th-29th September 2019 to all officers of Tea Board.

Public Grievances, Parliamentary Question, Ministry Correspondence and other VIP Reference

- Board have attended and replied to 115 numbers of Parliamentary Question, 16 numbers of Public Grievance, 132 numbers of Ministry correspondence and 34 other VIP references during the year under report. 12 Assam Assembly questions have also been replied**.**

Cell for prevention of sexual harassment in workplace

- The cell constituted for prevention of sexual harassment in Tea Board has received no complaint during the year under report.

Medical Policy

- Tea Board India has entrusted M/s United India Insurance Company Limited, for extending Group Health Mediclaim Insurance to Board's employees and their dependents for one year w.e.f. midnight of 28th March 2019, for in-patient treatment only.

Annexure - I

Addresses of Tea Board Offices in India and Abroad

West Bengal & Bihar

Tea Board 14, BTM Sarani, Kolkata - 700 001. Tel. :033-22351331/Fax: 033-2221-5715 E-mail : secyteaboard@gmail.com Website : www.teaboard.gov.in	Tea Board India, Regional Office, Birpara, 1st Floor, Usha Complex, (Beside United Bank of India), M. G. Road, P.O. Birpara, Dist. Alipurduar, West Bengal. Pin: 735204 Mob: - 8609952917. Email: teaboardbirpara@gmail.com
Darjeeling Tea Research and Development Centre (DTR & DC) Acharya Bhanu Path, Kurseong – 734 203, Darjeeling Telefax: 0354-2330218 Tel: 0354-2330287 Email: dtrdcteaboard@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, Islampur, Power House Para, Opposite to Main Bus Terminus, PO: Islampur, Dist. Uttar Dinajpur, W.B. 733202 Email: teaboardislampur@gmail.com
Tea Board India, Regional Office, Rahut Bari, Babupara, Ward No. 7, P.O. & Dist. : Jalpaiguri-735 101, West Bengal. Telephone: 03561-225146 Email: teaboardjalpaiguri@gmail.com	Tea Board India, Zonal Office, "Quality Control Laboratory Building(3rd Floor)",Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station),P.O. Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email id: siliguriteaboard@gmail.com
Tea Board India, Sub Regional Office, The Premises of Shri Kundan Kumar Gupta, Near Club Field, Thakurganj, Dist. Kishanganj, Bihar, Pin – 855116, Mobile no.- 9470803717 Email: teaboardsrothakurganj@gmail.com	Tea Board India, Research Directorate and Quality Control Laboratory Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station),P.O. Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email Id: resdirteaboardqcl@gmail.com, qcl.tbi@gmail.com
Tea Board India, Regional Office, Kurseong, Darjeeling Tea Research and Development Centre Campus, Acharya Bhanu Path, PO: Kurseong, PIN: 734 203, Dist.: Darjeeling, West Bengal. Email: phuriagri@gmail.com	

Tamil Nadu

The Executive Director Tea Board Zonal Office, "SHELWOOD", Library Road, Post Box No. 6. Coonoor – 643 101, The Nilgiris, Tamil Nadu Tel: 0423-2231638/2230316*[D] Fax: 0423-2232332, 2231484-Res E-mail: teaboardcoonoor@rediffmail.com	Tea Board, Regional Office, In front of Co-operative Bank, Mysore Road, Gudalur-643 212, The Nilgiris, Tamil Nadu Tel: 04262-262316 Email: teaboardgudalur@gmail.com
Tea Board Regional Office, 139, Eldams Road, Teynampet (2nd floor),Chennai – 600 002, Tamil Nadu.	Tea Room, Tea Board Chennai Secretariat, Shop No. 3, 4th St. George, Chennai-600 009, TEL: 044-24342754/Fax: 044-24341650, E-mail: teaboardchennai@sancharnet.in

Kerala

Tea Board Indira Gandhi Road, Willingdon Island, Cochin – 682 003, Kerala Tel: 0484-2666523/2340481 Fax: 0484-2666648 E-mail: teaboardkochi@sancharnet.in	Tea Board, Regional Office, 511/1, Kallolickal Building, Peermade Post, Idukki District, Kerala-685 509 Tel: 04869-222628 Email: teaboard.kumily@gmail.com

Andhra Pradesh

Tea Nook, Near C.R.O.(G) Office, (opposite to Railway Reservation Counter), Tirumala– 517 504, Andhra Pradesh

Assam, Tripura, Arunachal Pradesh, Mizoram and Meghalaya

The Executive Director Tea Board,North Eastern Zonal Office, Housefed Complex, 5th& 6th floor, Central Block, Beltola-Basistha Road, Dispur, Guwahati – 781006. Ph: 0361-2228944/2228945 Fax: 0361-2234251 Email:teaboardguwahati@hotmail.com	Tea Board, Regional Office, ITI Road, PO:Indranagar, via-Kunjaban, Agartala, Tripura-799006 Tel: 0381-2354639/Fax: 0381-2354182 Email: teaboard.agartala@gmail.com
Small Growers Development Directorate, Zig-Zag Road, Chowkidinghee, Opp. to Shantiniketan Apartment, P.O. : Dibrugarh-786 001 Tel: 0373-2324982 E-mail: teaboardsgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Club Road, Silchar – 788 001, Dist: Cachar, Assam. Tel: 03842-232518 E-mail: silchar_tboard@rediffmail.com
Tea Board, Regional Office, Private Residence, 2nd Floor, Near Kingcup School, V.I.P Road, P.O: Itanagar, Arunachal Pradesh-791 111 E.mail: teaboarditanagar@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Tea Research Association Complex, Cinnamara, Jorhat – 785 001, Assam E-mail: teaboardjorhat@gmail.com

Tea Board, Regional Office, Opposite Election Office, Dist. : Sonitpur, Ganesh Ghat, Tezpur-784 001, Assam.Tel: 03712-233664 E-mail: tezpurteaboard@gmail.com	Tea Board, Sub-Regional Office, L.K. Baruah Road, Amolapatty, Dist: Sivsagar, Assam, PIN: 785640 E-mail: teaboard.sivsagar@gmail.com
Tea Board, Regional Office, "Punyalaya", Marwari Patty, Ward No-1, P.O. &Dist: Golaghat (Assam), PIN: 785621, Assam E-mail: teaboardgolaghat@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Khargeswar Road, Near BSNL Office, Dist: Tinsukia, Assam, PIN: 786 125 E-mail: tinsukiateaboard2019@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, C/O MrinalMoni Bhattacharyya, Opposite Farm Machinery Training and Testing Institute, P.O. & Dist: Biswanath Chariali Assam, E-mail: nandyanupam3@gmail.com	Tea Board Sub Regional Office, C/O Shri Prabhat Das, P.O. &Dist: Udalguri, PIN: 784509, Assam, PIN: 784509, E-mail: nabajyotibaro73@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, Lumnongrim, Umsning, Dist: Ri-bhoi, Meghalaya, PIN: 793105 E-mail: teaboardumsning@gmail.com	Tea Board Sub Regional Office, C/O Gunin Gogoi, P.O. : Gogamukh, PIN: 787034 Dist: Dhemaji, Assam. E-mail: riturvd@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, C/O Shri HemkantaKhanikar, 14 No Line Road, Opposite Allahabad Bank, Rajgarh, Dibrugarh, Assam, PIN: 786611 E-mail: pbaidya23@yahoo.com	Tea Board Sub Regional Office, Zemabawk, High School Road, House No RK- 62, Aizwal, Mizoram, PIN: 796017
Tea Board Sub Regional Office, P.O. : Dharmanagar, Dist: North Tripura, Tripura, PIN: 799250 E-mail: mnskrmllk@gmail.com	Tea Board Sub Regional office, Rajadhap, Near Veterinary Hospital, P.O.: Sonari, Dist: Charaideo, PIN: 785690, Assam E-mail: teaboard.sonari@gamil.com

Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand & Maharashtra

Special Officer for NWI Tea Board 13/2 Jam Nagar House,Shahjahan Road, New Delhi – 110 011 Telefax: 011-23074179 Mob: 09818007168 E-mail:nasstats@gmail.com, daktboard@gmail.com	Tea Board Regional Office, Kalu Di Hatti, Palampur, Kangra, HP Tel-01894-238171/Fax-01894238178 E-mail: teaboardpalampur@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, Link Road, Thapalia, Almora, Dist: Almora, Uttarakhand, PIN: 263601 E-mail: teaboardalmora@gmail.com	Tea Board Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road,Mumbai – 400 002. Tel: 022-22041699/Fax: 022-22041699 G.H. (Tel): 2367 5401 E-mail: mumteaboard@gmail.com

Russia

Tea Board of India, 4, VorontsovoPoyle Indian Embassy , Moscow Russian Federation Tel/Fax +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 Ext 293 + 7(495)917 1657 Res +7(495)952 0524, Mob +0079653862273 E mail: teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

Annexure-II

List of Board Members

Sl. No.	Name of the Board Members for the year 11th February, 2019 to 10th February, 2022		
1.	Shri Prabhat Kamal Bezboruah Flat 41, 17 Lower Range, Kolkata - 700 017, West Bengal	Chairman	Appointed under sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1172(E) dated 08/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
2.	Secretary, Department of Industry, Commerce and Enterprises, Government of West Bengal, Kolkata	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
3.	Principal Secretary, Department of Industries & Commerce, Government of Tripura, Agartala	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
4.	Secretary to Government, Micro, Small and Medium Enterprises Department, Government of Tamil Nadu, Chennai	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
5.	Agricultural Production Commissioner and Principal Secretary, Agriculture Department, Government of Kerala, Thiruvananthapuram	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
6.	Commissioner and Secretary to the Government, Industries and Commerce Department, Government of Assam, Guwahati	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

7.	Principal Secretary to Additional Chief Secretary (Agriculture) to the Government of Himachal Pradesh, Shimla	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
8.	Shri Ramen Deka Member of Parliament, Lok Sabha **(up to 17thSeptember 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
8A	Shri Horen Sing Bey Member of Parliament, Lok Sabha (**From 18th September 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.3359(E) dated **18/09/2019** from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
9.	Shri P. Nagarajan, Member of Parliament, Lok Sabha **(Upto 17th September 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
9A	Shri Raju Bista, Member of Parliament, Lok Sabha **(From 18th September 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.3359(E) dated **18/09/2019** from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
10.	Shrimati Shanta Chhetri Member of Parliament, Rajya Sabha	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
11.	Shri B. Kumaran, 6/415, Honnathali, Billicombi (Post), Nilgiris-643 214 Tamil Nadu.	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
12.	Shri Bipan Syngal, Secretary, Laghu Udyog Bharati – Unit North Bengal Mag Tee Private Limited, Premium Apartment, 2nd Floor, Shiv Mandir Road, Punjahipara, Siliguri-734 001, West Bengal	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 om F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

13.	Mrs. Diki Tashi Wangchuk Tashi Utpal, Below Tatong Government School, Tatong, P.O. Dara Gaun, Gangtok-737102, Sikkim	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
14.	Shri Kishorilal Agarwal IA, 137, Sector 3, Salt Lake Kolkata-700096, West Bengal.	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
15.	Chairman, Indian Tea Association, Royal Exchange, 6, Netaji Subhas Road, Kolkata - 700 001	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
16.	President, The United Planters' Association of Southern India, Post Box No. 11, Glenview, Coonoor - 643 101	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
17.	Vacant	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4.
18.	Vacant	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4.
19.	General Secretary, Assam Chah Mazdoor Sangh, Jiban Phukan Nagar, Dibrugarh - 786 003, Assam	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
20.	Ms. Veena Srivastava W/o Shri Mahinder Nath, Village- Dugni, P.O. Mahahoo The-Palampur, District-Kangra, Himachal Pradesh	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

21	President Tea Association of India, India Exchange, 4, Maharana Pratap Sarani,	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
22.	Shri J. Raman Thummanatty Village & Post, Ooty, The Nilgiris - 643 002 Tamil Nadu	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
23.	Vacant	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4.
24.	Shri Nidhesh Hasmukhlal Shah Tea Traders & Exporters Forum, “Madhuvan”, Opp. Ghar Ho to Eaisa, Kamal Mandir Road, Near Sanshkar Society, Surendranagar - 363 002,Gujarat	Member	Representing dealers including both exporters and internal traders of tea under clause (e) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
25.	Vacant	Member	Representing dealers including both exporters and internal traders of tea under clause (e) of sub-rule (1) of rule 4.
26.	Shri Bhavesh Rameshbhai Patel Joint Managing Director, Vikram Tea Processor Pvt. Ltd., Ajantha Nagar, Develgaon Raja Road, Jalna - 431 203, Maharashtra	Member	Representing manufacturer of tea under clause (f) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
27.	Shri P. Mohanan Tachupurambil, Londry P.O., Londry Estate Idukki-685 505, Kerala	Member	Representing manufacturer of tea under clause (f) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
28.	Shri Ratan Nandlal Bidada Managing Director, Bidada Industries Pvt. Ltd., Ganga Mansion, Sinhagad Society, Kanheri Road, Moti Nagar, Latur - 413 512, Maharashtra	Member	Representing consumers of tea under clause (g) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
29.	Sant Shri Nanakdas Maharaj Satguru Kabir Ashram Sewa Sansthan (NGO), Chhapri Dungri, P.O. Badi Khatu,	Member	Representing consumers of tea under clause (g) of sub-rule (1) of rule 4.

	Teh: Jayal, Distt: Nagor, Rajasthan - 341 301		[Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
30.	Dr. Ashok Kumar Saxena 33, Parn Villa, Scwak Ashram Road, Dehradun, Uttarakhand - 248 001	Member	Representing other interests under clause (h) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
31.	Shri Sunil Kirwai Bharatiya Mazdoor Sangh Karyalaya, House No. 136/B, Water Works Colony, Near Fire Service Station, Pandu, P.O. - Rest Camp Dist. Kamrup - 781 012 Assam	Member	Representing other interests under clause (h) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
32.	Deputy Chairman, Tea Board	Ex-Officio Member	Appointed under clause (aa) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

CHAPTER - 2

BROAD OVER VIEW OF THE GLOBAL AND INDIAN TEA SCENARIOS

Global Tea Scenario

More than 36 countries spread over all the continents except North America having a varied range of agro-climatic conditions between Georgia and Argentina grow tea. The global tea production and consumption during 2019 was 6150 million kg and around 5859 million kg respectively. Total exports from the producing countries during 2019 added upto 1904 million kg. Major tea producing and exporting countries are China, India, Kenya, and Sri Lanka and they account for 80% and 74% of world production and exports respectively. (Table-1)

Table-1.

Production and Export share of major producing and exporting countries during 2019

Country	Production		Export	
	Million Kg	Global share	Million Kg	Global share
China	2799	45	367	20
India	1390	23	252	13
Kenya	459	7	497	26
Sri Lanka	300	5	290	15
Others	1202	20	499	26
World Total	**6150**	100	**1904**	**100**

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2020 except India

World auction prices during 2019 by the major producing countries shows a decline in all producing countries due to excess supply over the demand.

TABLE-2: WORLD AUCTION PRICE OF TEA (IN US$/KG)

COUNTRY	2019	2018	>/< OVER 2018
India	2.00	2.03	-0.03
Bangladesh	2.31	3.11	-0.80
Sri Lanka	3.05	3.58	-0.53
Kenya	2.04	2.43	-0.39
Limbe	1.46	1.84	-0.38

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2020 except India

The average per head consumption of tea varies widely from country to country. The consumption is highest in Turkey (3.04 kg), Libya (3.02 kgs), Morocco (2.07 Kgs), Ireland (2 Kgs), United Kingdom (1.59 Kgs) and HongKong (1.59 Kgs). The consumption in India is around 840 grams.

Even though per capita consumption of tea is lower in India as compared to other countries, due to its population the tea consumption in India accounts for 19% of the global consumption. Almost 81% of the total production is consumed within the country. This distinct position is in sharp contrast with other producing countries, particularly Kenya and Sri Lanka which hardly have any strong domestic demand and hence they are able to export most of their production.

The Global Tea situation in 2019

Production:

Total tea production during 2019 increased by 183.87 M.Kgs as compared to the year 2018. It may be seen from Table-3 that black tea production decreased in all countries except in India. However, China, a leading green tea producer, has increased its production by 188.99 M.Kgs.

Table-3: Tea production in major tea producing countries (MKgs)

Country	2019	2018	>/< over 2018
India	1390.08	1338.63	51.45
Sri Lanka	300.13	304.01	-3.88
Kenya	458.85	493.00	-34.15
China	2799.38	2610.39	188.99
Others	1201.64	1220.18	-18.54
Total world Production	6150.08	5966.21	183.87

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2020 except India

Exports:

Total global exports in 2019 marginally increased by 40.54 million Kgs over 2018 (Table-4). While India exports declined marginally, Kenya, Sri Lanka improved their position.

Table-4: Exports of major producing countries (Million Kgs.)

Country	2019	2018	>/< over 2018
Kenya *	496.76	474.86	21.90
China	366.55	364.71	1.84
Sri Lanka	289.59	271.78	17.81
India	252.15	256.06	-3.91
Others	498.62	495.72	2.90
Total world Exports	**1903.67**	**1863.13**	**40.54**

Source; ITC Annual Bulletin of Statistics 2020 (except India)

* Kenya's export include the neighboring African countries produce

Indian Tea Scenario

In India tea is cultivated in 15 states of which Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala are the major tea growing states. They account for 98% of the total production. Other traditional states where tea is grown are Tripura, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Bihar and Karnataka. The non-traditional states that have entered the tea map of India include Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, and Sikkim.

World's finest teas like Darjeeling, Assam, Sikkim, Nilgiris and Kangra which are famous for their delicate flavor, strength and brightnessare produced inIndia. With diverse agro climatic conditions, India produces medley of teas suited to different tastes and preferences of consumers. The characteristics of each region are distinct, which sets them apart from one another in many different ways.

Production:

Year 2019-20, is **a record year of tea production** with 1360.81 M.Kgs an increase of 10.77 m.kg over 2018-19 due to better climatic conditions that prevailed in major tea growing areas in North India.

Exports:

India maintained the trend of Tea exports during the year under review. Tea Exports were 241.34 M.Kgs in quantity with value realization of Rs. 5457.10 Crs. It was lower by 13.16 m kg in quantity and Rs. 49.74 Crs in value due to improved unit price realization by Rs.9.73 per Kg..

Primary Marketing:

During the year under report about 44.35% of total tea produced in the country was sold through public auctions and the remaining through other modes.

Domestic Retention :

The apparent domestic retention of tea for the year 2019-20 was around 1154 M.Kgs as against 1120 M.Kgs. in 2018-19.

CHAPTER – 3

FINANCE

INTRODUCTION

Tea Board is funded through Grant-in-Aid by Govt. of India. Tea Board generates a meager amount from Internal Extra Budgetary Resource (IEBR) through fees on licenses, interest on loan & advances and miscellaneous receipts such as sale of liquid tea, sale of green leaves, sale of application forms and other publications etc.

All funds available to the Tea Board are routed through the Annual Union Budget. Such funds are utilised by Tea Board as enshrined in Section 10 of the Tea Act subject to the delegation of financial powers of the Government.

CESS PROCEEDS

During the year 2019-20 an amount of Rs.7355.00 lakhs (excluding opening balance) was released by the Government towards proceeds of cess under section 26 of Tea Act, 1953 as Non-Plan contribution to the Tea Board. There was an opening balance & closing balance of Rs. 1.82 lakh & Rs.4.50 lakh.

RESEARCH & DEVELOPMENT GRANTS

During the year 2019-20, a sum of Rs.1901.00 lakh was received from Government towards Research and Development Grants. There was an opening balance & closing balance of Rs. 38.82 lakh & Rs.17.20 lakh and other receipts of Rs.23.92 lakh.

RESEARCH (ASIDE)

During the year no amount was received from Govt. under this head. However, there was an opening balance & closing balance of Rs. 33.23 lakh & Rs.131.92 lakh and other receipts of Rs.1.96 lakh.

SUBSIDY

A sum of Rs. 8342.13 lakh was received from Govt. towards subsidy during the year. There was an opening balance & closing balance of Rs.20.69 lakh & Rs.29.89lakh and other receipts of Rs.372.80 lakh.

SPECIAL PURPOSE TEA FUND - CAPITAL

During the year, no amount was received from Govt. towards SPTF Capital Contribution.

NON-PLAN RECEIPTS & PAYMENTS

A. Receipts

Receipts during the year 2019-20 under different heads of Non –Plan are as under:

(Rs. in lakh)

Money received under Section 26 of Tea Act	7355.00
Fees realized on account of licenses/ TMCO 2003	292.51
Fees realized on account of HACCP	0.00

Miscellaneous Receipts including sale of liquid tea, sale of green leaves, sale of publications, interest on fixed deposit etc.	392.36
Interest on Advance	8.08
Registration fees realized on account of DCTM, Assam, Dooars & Nilgiri Trade Mark & Logo Administration	16.05
Other Receipts	178.00
TOTAL	**8242.00**

B. PAYMENTS

Non-Plan Payments during the year 2019-20 was as under:

(Rs. in lakh)

Administration including Library	2950.32
Tea Promotion in India	463.80
Tea Promotion outside India	0.00
Pension including Gratuity & Leave Encashment	2580.50
Other Establishment Expenses	200.39
Employer's contribution to New Pension Scheme	116.92
Other Administration Expenses	687.46
Fixed Assets Purchased	153.30
Other Payments	1086.63
TOTAL	**8239.32**

PLAN SCHEME RECEIPTS & PAYMENTS

C. Receipts

Receipts during the year 2019-20 under different Plan Schemes are as under:

(Rs. in lakh)

Tea Plantation Development Subsidy Scheme	3531.12
Schedule Caste Sub Plan	542.00
Quality Upgradation & Product Diversification Scheme	109.03

Human Resource Development Scheme	339.64
Orthodox Tea Production Subsidy Scheme	2184.13
Market Promotion Scheme	812.71
National Programme for Tea Regulation	200.00
Research & Development Scheme	1901.00
Tribal Area Sub Plan	623.50
Total	**10243.13**

D. Payments - Research & Development Grants.

(Rs. in Lakh)

Grant in aid to TRA /UPASI	952.94
Financial Support other than TRA/UPASI	0.00
Project Expenses (Kurseong-Integrated Tea Improvement Project)	8.88
Upgradation of DTR & DC	41.39
Workshop / Seminar etc.	0.40
Salary to Contractual Staff (H.O.)	0.00
QCL Siliguri Expenses	67.55
Assets Purchase	1.10
Evaluation & Monitoring	0.00
Other payments	796.02
Total	**1868.28**

E. PAYMENTS - SUBSIDY

(Rs. in lakh)

Plantation Subsidy Scheme	3736.20
Quality Up-gradation & product Diversification Scheme	108.97
Human Resource Development Scheme	339.46
Orthodox Tea Production Subsidy Scheme	2263.82
Market Promotion Scheme	816.04
Scheduled Caste Sub Plan	545.67
National Programme for Tea Regulation	254.22
Tribal Area Sub Plan	621.34
TOTAL	**8685.72**

F. PAYMENTS – RESEARCH SCHEME (ASIDE)

(Rs. in Lakh)

Expenditure	1.54
TOTAL	1.54

G. PAYMENTS – L O A N SCHEME & TEA CENTRE

(Rs. in lakh)

Revolving Corpus Fund For Loan Scheme	1486.22
SPTF	2956.54
TEA CENTRE	4.06
TOTAL	4446.82

TOTAL PAYMENTS ON PLAN DURING THE YEAR 2019-20

= (D +E + F) = **Rs. 10555.54 lakh**

CHAPTER - 4

TEA DEVELOPMENT

Introduction:

One of the important functions of the Tea Board under the Tea Act is formulation and implementation of development schemes aimed at increasing tea production and productivity of plantations, modernization of tea processing, packaging and value addition facilities and encouraging co-operative efforts amongst small tea growers and also welfare measures for tea garden workers that are supplementary to the provisions of the Plantation Labour Act.

Financial assistance for the above activities is extended through approved schemes

Development Committee:

The Development Committee comprises of the following members during the year under report:

1. Dy. Chairman, Tea Board, Ex-officio Chairman of the Committee
2. Shri Vivek Goenka, ITA
3. Shri Mudit Kumar, TAI
4. Shri Nidesh Hashmukhlal Shah
5. Dr. Ashok Kr. Saxena
6. Shri A.E. Joseph

Meetings of the Board/Development Committee:

During the year under report the Board/Development Committee met on the following dates:

Meeting Number	Date of the meeting	Place
238th Meeting of the Board	3rd April, 2019	Kolkata
239th Meeting of the Board	27th June, 2019	Kolkata
240th Meeting of the Board	24th September, 2019	Kolkata
241st Meeting of the Board	30th November, 2019	Kolkata

1. Medium Term Framework (2017-18 to 2019-20) :

Approval of the Government of the proposal of Tea Board as recommended by the EFC for continuation of the Tea Development & Promotion Scheme of the 12th Plan during the Medium term Framework (2017-18 to 2019-20) was conveyed vide letter F. No. T-17014/2/2016-Plant (A) dated 29.12.2017.

The Tea Development & Promotion Scheme for the Medium term Framework (2017-18 to 2019-20) was approved by the Government with an outlay Rs.394.85 crores for activities other than establishment expenses including the components of Plantation Development, Quality Up gradation & Product Diversification, Market Promotion, Human Resource Development, Research & Development and National Program for Tea Regulation.

FY 2019-20 was the terminal year of the MTF Period. Fund Received and Expenditure in the year 2019-20under various developmental schemes is as under:

Table : 1

Fund Received and Disbursed under the PDS,QUPDS, HRD, SCSP & TASP components of the Tea Development and Promotion Scheme during 2019-20			
(Rs. in Crs.)			
Sl. no	**Schemes/Component**	**Receipt**	**Expenditure**
	Plantation Development (PDS)- PDS - BG	26.26	27.12
	PDS - SGD	9.05	9.05
1	**Sub-Total**	**35.31**	**36.17**
	a)Quality up-gradation and Product Diversification	1.09	1.11
	b) Orthodox Tea Production	21.84	22.61
2	**Sub-Total**	**22.93**	**23.72**
3	Human Resource Development	3.40	4.31
4	Scheduled Caste Sub Plan	5.42	5.42
5	Tribal Area Sub Plan	6.24	6.23
	Total	**73.30**	**75.85**

Funds Received and Expenditure in the last 3 years under various developmental schemes during the MTF is as under: (Rs.in Crores)

Table : 2

MTF(2017-18 to 2019-20) Rs in Crores								
	2017-18		2018-19		2019-20		**MTF total**	
Scheme	**Receipt**	**Expenditure**	**Receipt**	**Expenditure**	**Receipt**	**Expenditure**	**Receipt**	**Expenditure**
PDS-BG	32.57	32.57	24.65	24.61	26.26	27.12	83.40	84.30
PDS-SGD	12.40	12.43	5.03	5.03	9.05	9.05	26.58	26.51
PDS Sub-total	**44.97**	**45.00**	**29.68**	**29.64**	**35.31**	**36.17**	**109.98**	**110.81**
QUPDS	6.91	6.86	3.34	3.33	1.09	1.10	11.33	11.29
OTPS	17.57	17.62	14.68	14.66	21.84	22.61	54.06	54.89
QUPD Sub-total	**24.48**	**24.48**	**18.02**	**17.99**	**22.93**	**23.72**	**65.39**	**66.19**
HRD	4.91	5.22	2.47	2.45	3.40	4.31	10.77	11.98
SCSP	2.68	2.64	9.19	9.19	5.42	5.42	17.35	17.25
TASP	0.00	0.00	6.24	6.23	6.24	6.23	12.48	12.46
Total	**77.04**	**77.34**	**65.60**	**65.50**	**73.30**	**75.85**	**215.94**	**218.69**

2. Small Grower Development Directorate:

The small tea growers have emerged as an important sector contributing significantly to the country's production of made tea. Considering growing contribution of the small grower sector and for increased attention for overall development of small growers, a separate Directorate, named Small Grower Development Directorate was set up by Tea Board during April 2013 and became functional with the Headquarter at Dibrugarh, Assam. During the year under report, there were 11 Sub-regional offices (SRO) in all the major areas where small growers are concentrated.

Enumeration of Small Growers and issue of identity card with QR code:

Tea Board had started the process of Identification of Small Tea Growers by issuing them an ID card with QR code. In order to bring in transparency to the entire supply chain of green leaf from small growers filed to the factories Tea Board has developed mobile App for the stakeholders such as Small Tea Growers, Factories (EF+BLF), Green Leaf Agents, Board's Field Officers and Self-Help Groups. The mobile App on integration with the web portal for issuance of QR code ID card to the stakeholders shall provide real time data to Tea Board on quantity and quality of green leaf, price fetched for each kg of green leaf, distance travelled by green leaf, time taken, traceability of green leaf after production, training needs, weather details, advisory etc.

The details of State wise enumeration of Small growers and QR card printed and issued are as under:

Table : 3

Total Nos of small tea Growers			
State	**Numbers**	**Area (ha)**	**No of QR Cards Printed and issued**
Kerala	8497	5567.74	3597
Tamilnadu	45765	33284.57	22943
Karnataka	0	0	-
Assam	101085	105291	75785
Nagaland	3354	22772.27	1721
Meghalaya	644	910.35	240
Tripura	2766	1407.28	831
Mizoram	364	182.8	-
Manipur	489	1382.61	-
Arunachal Pradesh	1690	4630.5	-
West Bengal	37365	33711.27	22605
Bihar	3500	3900	
Sikkim	30	8.75	-
Himachal Pradesh	1526	710.22	272
Uttarakhand	3150	2127.08	210
Total	**210225**	**215886.44**	**128204**

Monitoring of Green leaf price through District Green Leaf Price Monitoring Committees:

District Level Price Monitoring Committee meetings were held at different tea growing districts for monitoring of green leaf price.

3. Major Events

Establishing Online System for Developmental Schemes: Tea Board has taken up necessary initiatives to establish online system for all Developmental Schemes in order to provide online services to its various stakeholders under Board's ongoing MTF scheme to bring transparency and speedy disposal of the work. The Board's QUPDS (OTPS) and HRD applications are already in online platform while the other schemes are in beta version trial. The disbursement of financial assistance to the beneficiaries is made through DBT mode.

Artificial Intelligence for Fine Leaf Count: This technology has been developed through a collaboration between TRA and Agnext, a start-up which was incubated by IIT Kharagpur aimed at improving quality of tea. The machine developed through this technology would help in determining 'fine leaf' count. The objective is to improve accuracy, transparency, reduction in time and improvement in the quality of raw materials. One each machine has been installed at Darjeeling, Jalpaiguri and in Assam (in progress).

Chai Sahyog App: For the benefit of small tea growers, a Mobile App "Chai Sahyog" has been developed by Tea Board for use of Small Tea Growers, Bought Leaf Tea Factories, Estate Factories, Green Leaf Carriers and for Board's officers for ensuring better communication, discovery of price, traceability, training requirement, weather forecast and information dissemination etc. Use of this App by the stakeholders will ensure transparency in entire supply chain thereby ensuring remunerative prices for the Green Leaf supplied by the Small Tea Growers. A total of 1004 factories, 7894 small growers, and 2745 leaf aggregators including SHG / FPO have downloaded the app.

Climate Resilient Tea : To overcome the effects of climate change being faced by the small tea growers across the country, Tea Board in collaboration with the GGGI initiated a vulnerability assessment project for climate change adaptation for five states viz., Assam, West Bengal, Tamil Nadu, Kerala and Himachal Pradesh. The GGGI is supporting Tea Board in assessing the vulnerability of small tea growers which will help to bring climate resilience to the tea sector by accessing the NAFCC of Govt of India. The total cost of the project is Rs.148 Crores for a period of four years from the year 2020 to 2024. The project is under active consideration by the concerned Department.

Virtual Conference: With the development of advance technology, Tea Board started the virtual conferencing in offices and all the issues related to the stakeholders were undertaken through video conferencing (virtual conferencing). Technological support and tools were provided to all officers so that the functioning of the offices will not be disrupted under COVID-19 pandemic in spite of the lock down.

Weather based crop insurance Scheme: It was decided by Tea Board to engage one insurance company for operationalizing the Scheme for the benefit of the small tea growers in the three districts at Golaghat (Assam), Jalpaiguri (West Bengal) and Nilgiris (Tamil Nadu). For this purpose, EOI was floated for implementation of the project

Factory Closure: The manufacturing unit were closed during the period of winter dormancy in North India (December, 2019 to February, 2020) in order to curb the production of sub-standard teas and to improve the quality.

Sector Specific Schemes based for the North East under NITI Forum for the North east: Tea Board has submitted its final action plan under the Sector Specific Schemes for the NE Region under the NITI Forum for an amount of Rs.994.00Crores before the Government for consideration. The activity will include the (i) Formation of Organic Value Chain (ii) Tea Tourism (iii) Quality enhancement (iv) Brand Building of tea and warehousing support.

Agriculture Export Policy: Based on the recommendation of 2nd Inter Ministerial Committee on Implementation of Agriculture Export Policy, Tea Board has submitted the action plan for the creation infrastructure for export by cluster formation in the Districts of Tinsukia, Dibrugarh and Sivasagar of Assam in order to increase the share of export of tea from the NE region with the total proposal of Rs.52.92 Crores. The proposal includes the activity (i) Post - Harvest Infrastructure in Clusters (ii) Capacity Building (iii) New Technology/New Machinery Introduction (iv) GAP Implementation (v) Assistance for Product Development (vi) Assistance for Marketing (vii) Assistance for Research & Development.

PMKVY-RPL Program: Tea Board has taken initiative to provide training and skill recognition of about 14,700 tea garden workers through National Skill Development Council (NSDC) under the PMKVY. The progress made in this regard is as under:

Table : 4

S.No	State/Union Territory	Targets Approved	Candidates Enrolled	Candidates Trained
1.	Assam	6780	2162	
2.	Kerala	979	477	
3.	Tamil Nadu	2675	570	
4.	Tripura	363	380	
5.	West Bengal	3903	2972	
	Total	14700	6561	4971

However, due to COVID-19, lockdown was imposed from 24.03,2020 across the country and hence Training/workshops etc. could not be undertaken after 24.03.2020.

COVID -19 measures: Due to COVID-19 Pandemic and lockdown announced from 24th March, 2020 across the country, Tea Board has prepared and issued SOP guidelines considering MHA guidelines to the tea industry for compliance.

4. Swatchhta Action Plan (SAP):

As per direction of the Government, Tea Board took initiative for implementation of the Swatchhta Action Planin different offices of the Board and tea gardens. An amount of Rs.54.00 lakhs was spent towards cleaning of Board's office premises and beautification of surroundings and other activities.

5. Closed Tea Estates:

The key reasons for sickness / closure can be attributed to Poor garden management practice, Falling quality and price realizations, Uneasy (though usually not volatile) industrial relations scenario, Overall lack of development perspective, Highly debt oriented funding strategy, Ownership disputes, Labour unrest etc., During the year under report, following tea gardens are reported closed :-

Table : 5

Updated status of closed tea gardens in the country in the FY 2019-20							
Sl. No.	Name of the T.E.	Area under Tea (Ha)	State	Date of Closure	No. of Workers		Current Status
					Permanent	Temporary	
1	Panighata T.E.	460.15		10.10.2015	787	0	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc.
2	Dheklapara T.E	197.00		11.03.2006	604	200 (Approx.)	The estate was officially liquidated by the Hon'ble Calcutta High Court. The garden was put up for e-auction by the Hon'ble Calcutta High Court (Official Liquidator) on 11th May,2012, but no prospect buyer was available
3	Bundapani T.E	530.00		13.07.2013	1215	68	The State Govt. has taken possession of the land of the closed Bundapani T.E on 15th Oct,2014, on expiry of lease of land.
4	Dharanipur T.E	265.00		21.10.2013	357	450 (Approx.)	The State Govt. has taken possession of the land of

							the closed Dharanipur T.E on 18th Nov,2014
5	Redbank T.E	369.00	West Bengal	19.10.2013	888	700 (Approx.)	The State Govt. has taken possession of the land of the closed Redbank T.E on 21st Nov,2014, on expiry of lease of land.
6	Surendranagar T.E	172.00		19.10.2013	301	150 (Approx.)	The State Government has cancelled the Land Lease of Surendra Nagar T.E by an order dated 14/11/2014 and the Land has been taken over by the state Government on 13.01.2015
7	Madhu T.E	323.00		23.09.2014	947	0	As per un official information , the process of sale of the property is under process
8	Manabarie T.E	281.08		08.10.2016	452	101	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc.
9	Lankapara T.E	758.45		16E Notified on 28.01.2016	1705	816	The garden was notified under section 16 (E) of Tea Act presently closed.

10	Dooteriah T E	444.92		09-06-19	1248	4	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
11	Kalej Valley T E	235.56		09-06-19	559	143	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
12	Peshok T E	314.70		09-06-19	517	110	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
13	Peermade& Lonetree T.E.	679.79	Kerala	01.04.2016	220	0	Labour unrest due to non settlement of labour dues etc. The Govt. of Kerala is in the process of reopening of the estate.
14	Kottamala& Bonami T.E	677.51		23.12.2013 / 11.10.2014	375	0	The company has got a stay order from the Kerala High Court prohibiting action against the company presently under Tea Act.
15	Bonnacord	378.00		05.03.2015	220	0	Estate Management has abandoned the estate due to financial crisis.
	Total	**6086.16**			**10395**	**2742**	

Details of physical and financial achievement under ongoing scheme

COMPONENT - PLANTATION DEVELOPMENT ACTIVITY (Big Growers Sector) :

Table : 6

COMPONENT - PLANTATION DEVELOPMENT ACTIVITY									
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20 (Rs. In Lakhs)									
State	**Activity**	**Replantation (ha)**	**Replacement plantin g(ha)**	**Rejuvenation prunin g (ha)**	**New plantin g (ha)**	**Irrigation (ha)**	**Field Mechanisation (no. of equipment)**	**HO/Other Administrative Expenses**	**Total**
Assam	Financial (Rs.Lakh)	1601.30	176.52	68.73	125.53	55.56	11.17	2.02	**2040.83**
	no. of beneficiary	216	20	25	21	14	6		
	Physical (Ha.)	209.8	112.93	22.17	38.75	1287.97	117		
Tripura	Financial (Lakh Rs.)	4.30	0.88	0.51	0.89				**6.58**
	no. of beneficiary								
	Physical (Ha.)								
Manipur	Financial (Lakh Rs.)	10.37							**10.37**
	no. of beneficiary	1							
	Physical (Ha.)	4.06							
West Bengal	Financial (Lakh Rs.)	468.66	57.58	5.93	0				**532.17**
	no. of beneficiary	23	2	3					
	Physical (Ha.)	320.82	31.91	19.12	0				
Tamil Nadu	Financial (Lakh Rs.)	42.10		9.24			0.62		**51.96**
	no. of beneficiary	6.00		1			9		
	Physical (Ha.)	33.70		3.00			1		
Kerala	Financial (Lakh Rs.)	41.99					27.86		**69.85**
	no. of beneficiary	6					6		
	Physical (Ha.)	45.18					201		

Karnataka	Financial (Lakh Rs.)								0
	no. of beneficiary								
	Physical (Ha.)								
Himachal Pradesh	Financial (Lakh Rs.)						0.70	0.01	0.71
	no. of beneficiary						2		
	Physical (Ha.)						2		
All India	Financial (Lakh Rs.)	2168.72	234.98	84.41	126.42	55.56	40.35	2.028	2712.47
	no. of beneficiary	252	22	29	21	14	23	0	361
	Physical (Ha.)	613.56	144.84	44.29	38.75	1287.97	321	0.00	

COMPONENT ±QUALITY UPGRADATION AND PRODUCT DIVERSIFICATION :

Table : 7

COMPONENT ±QUALITY UPGRADATION AND PRODUCT DIVERSIFICATION								
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019 -20 (Rs. In Lakh)								
State	Activity -->	Factory Modernization (no.)	Value addition (no.)	Setting up of new factories (no.)	Certification (no.)	Incentive for Orthodox & Green tea (million kg)	HO/Other Administrative Expenses	TOTAL
Assam	Financial (Lakh Rs.)		100			1028.15	9.93	1138.08
	Physical		7			34.26		
Tripura	Financial (Lakh Rs.)					6.49		6.49
	Physical					0.22		
Arunachal Pradesh	Financial (Lakh Rs.)					1.35		1.35
	Physical					0.04		
West Bengal	Financial (Lakh Rs.)					490.44		490.44
	Physical					16.33		
Tamil Nadu	Financial (Lakh Rs.)					525.68		525.68
	Physical					17.52		

Kerala	Financial							
	(Lakh Rs.)					199.16		**199.16**
	Physical					6.63		
Himachal Pradesh	Financial							
	(Lakh Rs.)				0.43	9.93		**10.36**
	Physical					0.33		
All India	**Financial**							
	(Lakh Rs.)	**0**	**100**	**0**	**0.43**	**2261.20**	**9.93**	**2371.56**
	Physical	**0**	**7**	**0**	**0**	**75.33**		

COMPONENT – SMALL GROWERS' DEVELOPMENT ACTIVITY AND SPECIAL PACKAGES

Table : 8

COMPONENT –SMALL GROWERS' DEVELOPMENT ACTIVITY AND SPECIAL PACKAGES-PART - 1

State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20

	State----------	Assam		Tripura		Arunachal Pradesh		Meghalaya		Nagaland		Mizoram		West Bengal		Bihar	
Component	Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
	Strengthening of field office	50.89	20	1.52	2	0.15	1	0.44	1			0.72	1	16.91	75	0.58	1
SGD	Workshop & Training Programmes -	4.47	8 385											5.01	48 570	0.10	1 30
	New planting(ha)	269.33	107.2 327	0.91	0 7			0.29	0.30 1.00	43.07	27.15 16						
	Replanting (ha)																
	Rejuvenation pruning (ha)																
	Irrigation(ha)																
	Field Mechanization (no. of equipments)																
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs)	12.15	2 83														
	Organic Conversion (no. of cases and Area)	0.50	1 1														
	Organic Certification (no. of cases and Area)	0.08	1 1	1.33	3.50 2												
SPNE	Nursery (no. of beneficiaries)																
SPI	Uprooting & Replanting (no. and ha.)																
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of beneficiary)																

SKRP	Nursery (no. of beneficiaries)																
	Field Mechanization (no. of beneficiaries)																
	Assistance to SHGs -																
	Setting up new Mini Tea Factory by FPO / FPC																
	Others(Traceability / News letter)	39.96															
	TOTAL	377.38	797	3.76	9	0.15	0	0.73	1	43.07	16	0.72	0	21.92	570	0.68	30

Table : 9

COMPONENT- SMALL GROWERS' DEVELOPMENT SCHEME AND SPECIAL PACKAGES PART-2

Statewise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20

	State----------	Tamil Nadu		Kerala		Karnataka		Himachal Pradesh		Uttarakhand		All India Total	
Component	Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
	Strengthening of field office	3.78						0.19	1	1.79	12	76.97	NA
SGD	Workshop & Training Programmes - no. of workshops/ participants								1		20		78.00
								0.05	30	0.40	240	10.03	1255
	New planting(ha)		9.12		33.30								177.10
		5.80	22	30.1	54							349.50	427
	Replanting (ha)		15.86		1.37								17.23
		16.08	32	2.18	3							18.26	35
	Rejuvenation pruning (ha)		811.01		283.65								1094.66
		236.46	1398	80.93	395							317.39	1793
	Irrigation(ha)		17.90		3.56								21.46
		9.71	16	6.86	7							16.57	23
	Field Mechanization (no. of equipments)												0.00
												0.00	0
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs)												2.00
												12.15	83

	Organic Conversion (no. of cases and Area)												1.00
												0.50	1
	Organic Certification (no. of cases and Area)												4.50
												1.41	3
SPNE	Nursery (no. of beneficiaries)											0.00	0.00
SPI	Uprooting & Replanting (no. and ha.)			6.7	2								2
					7							6.7	7
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of beneficiaries)												0
												0	0
SKRP	Nursery (no. of beneficiaries)											0.00	0.00
	Field Mechanization (no. of beneficiaries)							2.6	7			2.60	7
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of beneficiaries)							35.61	20				20
									358			35.61	358
	Setting up new Mini Tea Factory by FPO / FPC							17.04	3				3
									34			17.04	34
	Others(Traceability / News letter)											39.96	NA
	TOTAL	271.83	1468	126.77	466	0	0	55.49	429	2.19	240	904.69	4026.00

Table : 10

COMPONENT- SCHEDULE CASTE SUB PLAN

Statewise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20

Activity	Assam		Tripura		Tamil Nadu		Kerala		Himachal Pradesh		Uttarakhand		West Bengal		Bihar		Total	
	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
Replanting (ha)							3.23										3.23	
							2										0	2
Rejuvenation pruning (ha.)					7.8	6.93	2.18	1.01									9.98	7.94
						56		14.00										70
Irrigation(ha)					0.36	1.30											0.36	1.3
						2.00												2
Field Mechanizatio																		0
	28.32	108	0.94	2													29.26	110

n (no.)																		
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)	5.31	5 5			3.28	3 52			37.91	4 131	45.30	11 172	32.58	6 756			124.38	29 1116
Assistance to FPOs - (no. of FPOs, no. of Small Growers of FPO)									33	1 45			5.94	2 94			38.94	3 139
Setting up new Big Tea Factory by FPO / FPC (No.)													168.2	2 406			168.23 0	2 406
Workshop/ Training Programme (no. of programmes and no. of participants)	36.86	88 3797	0.54	5 210	13.09	 106			1.6	1 8			23.58	81 2542	0.05	1 30	75.72	176 6693
Study Tours (no. of Tours and no. of participants)																	0	0 0
Assistance to individual STSTGs for Inputs, LCV etc.(No.)																	0	0 0
Education Stipend(no)					48.79	292	21.07	81					19.81	144			89.67	517

Nehru Award (no)					1.5	17	0.44	5					0.10	1			2.04	23
Book & uniform grant (No.)							0.56	14									0.56	14
Other Administrative Expenses/ Miscellaneous Expenditure									0.01								0.01	0
TOTAL	70.49	3910	1.48	212	74.82	525	27.48	114	72.52	184	45.30	172	250.24	3943	.05	30	542.38	9092

Table : 11

COMPONENT – Tribal Area Sub Plan Part -1												
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20 (NER)												
	Assam		Tripura		Arunachal Pradesh		Nagaland		Meghalaya		Mizoram	
Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
Rejuvenation(Ha.)												
Field Mechanization (no.)	32.79	65	4.24	11	0.4	1	1.5	5				
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)-	44.13	5	9.40	1			18.88	4 60				
Assistance toFPOs - (no. of FPOs, no. of Small Growers of SHGs)-	7.26	1 25					18.88	3 75				
Setting up new Mini tea Factory by FPO/FPC	132.15	4 146										
Setting up new Big tea Factory by FPO/FPC							184.85	1 21				
Workshop/ Training Programme (no. of programmes and no. of participants)	48.97	155 6140	0.45	9 270	0.10	2 60	0.87	8 290	0.4	8 230	0.25	5 150
Organic Conversion (no. of cases and Area)			0.50	1 1			5.00	2 10				
Organic Certification (no. of cases and Area)							0.15	2 10				
Study Tours (no. of Tours and no. of participants)	1.00	2 16										

Assistance to individualfor Inputs, LCV etc.												
Education Stipend(no)												
Nehru Award (no)												
Other Administrative Expenses												
TOTAL	**266.30**	**6397**	**14.59**	**283**	**0.50**	**61**	**230.13**	**471**	**0.40**	**230**	**0.25**	**150**

Table : 12

COMPONENT – Tribal Area Sub Plan - Part 2

State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2019-20 (ONER)

	Tamil Nadu		Kerala		Himachal Pradesh		Uttarakhand		West Bengal		Total	
Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	**Financial (Rs. Lakh)**	**Physical**
		12.3		1.2								**13.5**
Rejuvenation(Ha.)	3.88	19	0.44	1							**4.32**	**20**
						1						**1**
Field Mechanization (no.)					0.6	1					**39.53**	**83**
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)-		14				2						**20**
	21.10	288			5.79	27					**99.30**	**381**
Assistance toFPOs - (no. of FPOs, no. of Small Growers of SHGs)-												**4**
											26.14	**100**
Setting up new Mini tea Factory by FPO/FPC												**4**
											132.15	**146**
Setting up new Big tea Factory by FPO/FPC												**1**
											184.85	**21**
Workshop/ Training Programme (no. of programmes and no. of participants)		1				8				2		**183**
	4.41	30			1.6	32			17.82	200	**74.87**	**7402**
Organic Conversion (no. of cases and Area)												**3**
											5.50	**11**
Organic Certification (no. of cases and Area)												**2**
											0.15	**10**
Study Tours (no. of Tours and no. of participants)												**2**
											1.00	**16**
Assistance to individualSTSTGs											**0.00**	**0**
Education Stipend(no)									54.82	471	**54.82**	**471**
Nehru Award (no)											**0.00**	**0**
Other Administrative Expenses									0.52		**0.52**	**0**
TOTAL	29.39	337	0.44	1	7.99	60	0.00	0	73.16	671	**623.15**	**8661**

Table : 13

Details of SHGs and FPOs formed during the year under report :

New SHGs and FPOs formed during 2019-20					
Sl. No.	Zonal Office	SHGs		FPOs	
		No. of SHGs formed	no. of beneficiaries	No. of FPOs formed	no. of beneficiaries
1	North East	17	329	8	267
2	West Bengal	1	146	2	94
3	South India	0	0	1	56
	Total	18	475	11	417

Table : 14

Physical Target Vs Achievement for the F.Y. 2019-20				
Component	**Activities**	**Target 2019-20**	**Achievement 2019-20**	**Percentage**
PDS- Big Growers	Replanting and Replacement Planting (ha)	2600	758.4	29.17
	Rejuvenation pruning (ha.)	250	44.29	17.72
	Irrigation (ha.)	9000	1287.97	14.31
	Field Mechanization (No.)	50	321	642.00
PDS- Small Growers	Replanting/replacement planting(ha)	15	19.23	128.20
	Rejuvenation pruning (ha)	150	1116.10	744.07
	Creation of irrigation facilities(ha)	150	22.76	15.17
	Field Mechanization (no)	25	197	788.00
	Training/workshop/seminar (nos. of benef.)	300	1255	418.33
QUPD	Value Addition (units)	5	7	140.00
	Specialty Tea Units (units)	2	0	0
	Quality certification (units)	100	0	0
	Orthodox Production Subsidy (M Kg)	90	75.33	83.70
HRD	Assistance to disabled persons dependent on tea garden workers/ Special cases of heart and cancer patients (No)	60	1	1.67
	Educational stipend, Uniform/ Book grant etc /Nehru Award (No.)	12400	3360	27.10
	Assistance for organizing Bharat Scouts Guides activities (No. of beneficiaries)	400	85	21.25
	Vocational Training for workers in acquiring new skills (No. of Batches)	4	2	50.00

Summary of achievements during the MTF Period under major activity Big Growers & Small Grower Sector including SCSP & TASP

Table -15

MTF-TDPS	2017-18			2018-19			2019-20			Total MTF 2017-20		
Components	Amount in Lakhs	No.of Beneficiaries	Physical	Amount in Lakhs	No.of Beneficiaries	Physical	Amount in Lakhs	No.of Beneficiaries	Physical	Amount in Lakhs	No.of Beneficiaries	Physical
PDS-Replantation/Replacement	2970.74	388	1986.27	2439.59	329	1483.39	2913.81	778	997.48	8324.14	1495	4467.14
PDS-Rejuvenation	343.33	946	816.79	117.86	402	265.915	416.1	1912	1160.39	877.29	3260	2243.095
PDS-Irrigation	396.71	51	4313.85	178.98	27	2364.34	72.49	39	1310.73	648.18	117	7988.92
PDS- Mechanization	130.25	626	525	555.67	3390	1108	111.74	223	518	797.66	4239	2151
PDS-SHGs/FPOs	591.895	45299	1323.2	731.418	32200	957.67	618.66	17556	625.5	1941.973	95055	2906.37
PDS- Setting up of factories	175	1	1	368.61	173	4	502.27	607	10	1045.88	781	15
QUPDS	725.79	41	35	333.56	28	22	110.36	7	7	1169.71	76	64
OTPS	1722.21	450	57.4	1465.308	247	50.49	2261.2	475	75.33	5448.718	1172	183.22
HRD-Health	22.72	39	39	3.63	4	1	8	1	25	34.35	44	65
HRD-Education	640.16	16449	5261	351.46	5317	3396	568.89	4470	4468	1560.51	26236	13125
HRD-Training	15.35	246	7	4.2	40	1	1.35	40	2	20.9	326	10
Total	**7734.155**	**64536**		**6550.286**	**42157**		**7584.87**	**26108**		**21869.31**	**132801**	

Summary of achievements during the MTF Period under major activity for &Small Grower Sector (including SCSP & TASP)

Table -16

Tea Development & Promotion Scheme - Small Tea Grower Sector including SCSP & TASP												
MTF-TDPS	**2017-18**			**2018-19**			**2019-20**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
PDS-Replantation/Replacement	341.7	207	229.52	269.36	227	185.46	383.69	483	200.33	994.75	917	615.31
PDS-Rejuvenation	171.13	902	479.58	39.04	392	98.055	331.69	1883	1116.1	541.86	3177	1693.735
PDS-Irrigation	0.14	1	0.73	1.15	5	3.45	16.93	25	22.76	18.22	31	26.94
PDS-Mechanization	80.26	569	181	521.44	3374	925	71.39	200	197	673.09	4143	1303
PDS-SHGs/FPOs	582.715	45299	1323.2	731.418	32200	957.67	616.63	17556	625.5	1930.763	95055	2906.37
PDS- Setting up of Mini tea factories	175	1	1	11.73	1	1	149.19	180	7	335.92	182	9
PDS- Setting up of Big tea factories	0	0	0	356.88	172	3	353.08	427	3	709.96	599	6
QUPDS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
OTPS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**1350.945**	**46979**		**1931.018**	**36371**		**1922.6**	**20754**		**5204.563**	**104104**	

Region wise Summary of achievements during the MTF Period: Big & Small Growers' sector including (SCSP & TASP)

Table -17

Region wise Achievements during MTF 2017-20 (BG + SG)															
MTF-TDPS	**North East**			**West Bengal**			**South India**			**Himachal & UKD**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
PDS-Replantation/Replacement	6008.05	1067	2701.24	1871.25	100	1487.33	431.43	325	267.57	13.41	3	11	8324.14	1495	4467.14
PDS-Rejuvenation	203.56	46	251.06	101.5	31	289.05	572.23	3183	1702.985	0	0	0	877.29	3260	2243.095
PDS-Irrigation	543.95	72	6687.02	80.77	14	1213.77	23.46	31	88.13	0	0	0	648.18	117	7988.92
PDS-Mechanization	583.78	889	1233	31.49	14	157	56	26	317	126.39	3310	444	797.66	4239	2151
PDS-SHGs/FPOs	888.38	63985	1864.37	335.08	16047	438	167.88	9480	282	550.633	5543	322	1941.973	95055	2906.37
PDS- Setting up of factories	375.61	338	7	478.23	408	4	175	1	1	17.04	34	3	1045.88	781	15
QUPDS	726.92	28	28	271.77	18	18	146	22	13	25.02	8	5	1169.71	76	64
OTPS	3048.698	524	101.58	934.92	437	31.13	1412.35	152	48.75	52.75	59	1.76	5448.718	1172	183.22
HRD-Health	0.64	1	1	32.64	38	59	1.07	5	5	0	0	0	34.35	44	65
HRD-Education	220.71	3297	3269	531.61	8709	6033	760.88	12701	3753	5.94	69	69	1519.14	24776	13124
HRD-Training	53.34	1786	10	2.28	0	0	6.65	0	1	0	0	0	62.27	1786	11
Total	**12653.638**	**72033**		**4671.54**	**25816**		**3752.95**	**25926**		**791.183**	**9026**		**21869.31**	**132801**	

Region wise Summary of achievements during the MTF Period: Small Growers' Sector including (SCSP & TASP)

Table -18

Region wise Achievements during MTF 2017-20 (Small Tea Growers Sector)															
MTF-TDPS	**North East**			**West Bengal**			**South India**			**Himachal & UKD**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
PDS-Replantation/Reeplacement	722.9	616	470.96	0	0	0	271.52	300	143.35	0.33	1	1	994.75	917	615.31
PDS-Rejuvenation	0	0	0	0	0	0	541.86	3177	1693.735	0	0	0	541.86	3177	1693.735
PDS-Irrigation	0.22	2	1.46	0	0	0	18	29	25.48	0	0	0	18.22	31	26.94
PDS-Mechanization	538.52	860	860	9.31	4	4	0.27	1	1	124.99	3278	438	673.09	4143	1303
PDS-SHGs/FPOs	886.36	63985	1864.37	325.9	16047	438	167.88	9480	282	550.623	5543	322	1930.763	95055	2906.37
PDS- Setting up of factories	375.61	338	7	478.23	408	4	175	1	1	17.04	34	3	1045.88	781	15
QUPDS	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"
OTPS	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"	"NA"
Total	**2523.61**	**65801**	**3203.79**	**813.44**	**16459**	**446**	**1174.53**	**12988**	**2146.565**	**692.983**	**8856**	**764**	**5204.563**	**104104**	**6560.355**

Summary of achievements during the MTF Period: Under Schedule Caste Sub Plan

Table - 19

MTF - Schedule Caste Sub Plan (2017-20)												
MTF-TDPS	**2017-18**			**2018-19**			**2019-20**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
PDS-Replantation/Replacement	0	0	0	3.52	3	0.4	3.23	2	0	6.75	5	0.4
PDS-Rejuvenation	0	0	0	9.29	95	18.815	9.98	70	7.94	19.27	165	26.755
PDS-Irrigation	0	0	0	0.92	3	1.22	0.36	2	1.3	1.28	5	2.52
PDS- Mechanization	23.09	16	4	216.89	355	322	29.26	110	110	269.24	481	436
PDS-SHGs/FPOs	84.85	5799	244.2	280.83	9881	232.67	239.04	7948	208	604.72	23628	684.87
PDS- Setting up of factories	0	0	0	356.88	172	3	168.23	406	2	525.11	578	5
QUPDS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
OTPS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
HRD-Health	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
HRD-Education	156.07	582	582	50.66	312	315	92.28	554	554	299.01	1448	1451
HRD-Training	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**264.01**	**6397**		**918.99**	**10821**		**542.38**	**9092**		**1725.38**	**26310**	

Summary of achievements during the MTF Period : Under Schedule Tribe Sub Plan

Table - 20

MTF - Schedule Tribe Sub Plan (2017-20)												
MTF-TDPS	**2017-18**			**2018-19**			**2019-20**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
PDS-Replantation/Replacement	0	0	0	0	0	0	5.5	11	3	5.5	11	3
PDS-Rejuvenation	0	0	0	1.73	15	1.2	4.32	20	13.5	6.05	35	14.7
PDS-Irrigation	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
PDS- Mechanization	0	0	0	283.24	437	447	39.53	83	83	322.77	520	530
PDS-SHGs/FPOs	0	0	0	262.71	10691	353	201.46	7909	224	464.17	18600	577
PDS- Setting up of factories	0	0	0	11.73	1	1	317	167	5	328.73	168	6
QUPDS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
OTPS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
HRD-Health	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
HRD-Education	0	0	0	63.54	589	595	55.34	471	471	118.88	1060	1066
HRD-Training	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**0**	**0**	**0**	**622.95**	**11733**		**623.15**	**8661**		**1246.1**	**20394**	

Some Photographs in connection with various de elopm activities in different offices of the Bo d

GUWAHATI

Campaigning of Swachhata Hi Sewa
at RO, Dibrugarh

Cess utilizat ment
Me C Of
atten pur C

Participation at Assam Sahitya Sabha
at Sualkuchi, Kamrup, Assam

Implem
Executive

COONOOR

Financial assistance to the small tea growers : Issuance of field machineries

No-Plastic awareness campaign conducted at Yedapali Govt higher Secondary School

Due to the COVID 19 outbreak, the prescribed preventive measures like Social distancing, sanitisation followed in the Tea Estates by adhering to the guidelines issued by the Govt. of India, respective state Governments and district administrations.

Speciality tea outlet inauguration

SILIGURI

Working with safety measures from COVID 19 Pandemic

CII interactive session

Stakeholders meet on revival of closed tea gardens

Stakeholders meet on revival of closed tea gardens

RPL training and Workshop at
GUWAHATI

RPL training and Workshop at
IDDUKI, KERALA

Conducted training programme under Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) - Recognition of Prior Learning (RPL) at Nangdala Tea Estate, Alipurduar, North Bengal

Inauguraton session of the PMKVY-RPL training program at Nagdala in North Bengal

CHAPTER - 5

RESEARCH

According to Tea Act, Tea Board India as a regulatory body for tea industry has been providing fund for R & D activities and facilitate tea research in the country in order to increase tea production and improve quality on a continuous basis.

The Research Directorate of Tea Board co-ordinates tea research in the country mainly through three tea research institutes (TRA for North-East India, UPASI for South India and DTR&DC for Darjeeling Tea Industry). In addition to this, there are some research projects funded by Tea Board for various institutes including Tea Research Institutes (TRIs) from time to time.

The R&D fund disbursed and utilised by Tea Research Institutes (TRIs) during the financial year are as follows:

TRA	**–**	**49%**	**-**	**Rs.**	**144350000.00**
		31%	**-**	**Rs.**	**5550000.00**
UPASI	**-**	**49%**	**-**	**Rs.**	**14478530.00**
DTR&DC	**–**			**Rs.**	**62,13,172.00**
QCL	**-**			**Rs.**	**74,37,945.00**

Research Progress and Achievements: During the year under report considerable progress has been made and salient achievements are summarised as hereunder-

a. TRA :

- Release of new clones TV34 & TV35 (2019)
- Development of Speciality Tea : High Anthocyanin rich clone (St. 817) and promising green tea clones (DH5 & DH6) identified. (2019).
- Integrated Nutrient Management recommended (2019).
- Recommendation on Mechanized tea plucking (2019).
- Tea Processing technology developed for yellow tea (2019)
- Development of diversified products: Black and Green Tea Concentrates (2019), and Tea Premix (2019).
- Chemical profiling of Tea seed oil indicated its scope of diversification in 2019.
- Published Status Paper on Mechanized Harvesting of Tea-Past and Present work of TRA (2019).
- Published Tea Tasting Manual (2019).
- Use of methanol as alternative clean fuel in tea factories (2019).
- Introduced TRAg Next Fine Leaf counter (2019).
- Published 39 research papers (24 in peer reviewed journals) in 2019.
- Tissue culture technique from explants standardized.
- Organized 35th Tocklai Conference.
- Data generated for fixing realistic FSSAI MRLs in tea.

- Tea flower based tea blends developed for value addition in 2019.
- Under Mission Assam Quality, 103 field workshops in 57 blocks of Assam were held with 8601 small growers.

(a) <u>UPASI :</u>

- Designed a new ultra high density (UHD) modified planting style following a spacing of 130 X 50 X 50 X 50 cm to suit for mechanical harvesting in south India
- Modification of vegetative propagation technique using binodal cuttings to develop young tea plants with more number of branches suitable for mechanical harvesting
- Biodegradable paper pots were identified for raising nursery plants instead of polythene nursery sleeves
- Identified a selection rich in anthocyanin content
- Developed four F1 progenies high in polyphenols (more than 30 %)
- Developed two F1 progenies high in amino acids (more than 2.0%)
- Developed eight F1 progenies high in Catechin content (more than 19 %).
- Developed five droughts tolerant F1 progenies that were drought tolerant
- Metsulfuron methyl - a sulfonylurea herbicide was tested for the control of the problematic deep rooted weed species *Clidemia hirta*
- Identified Calciprill as an alternative source to dolomitic lime
- Samartha a mixture of humic acid, amino acid, seaweed extracts and triacontanol was evaluated and dose was fixed for crop improvement
- Potassium Schoenite fertilizer which contains potassium (23% K2O), magnesium (11% MgO and Sulphur (15%) in a water soluble form was evaluated as an alternative potassium source to MOP
- Evaluated Gainexa an ortho silicic acid formulation containing 0.6 per cent of silicon along with other nutrients like N, K, Zn, B and Mo in small proportions to study whether it increases the translocation and assimilation of other micro and macronutrients by the tea plants
- New molecules such as cyantraniliprole, chlorantraniliprole, flonicamid, afidopyropen, spinosad, tolfenpyrad were evaluated against tea mosquito bug in order to widen the insecticides for pest control
- Tested new molecules such as Stenomyte (microbial product) and Vimstar (Bio-product) for their bio- efficacy against red spider mites
- Evaluated Emamectin benzoate 5% + Lufenuron 40% WG against tea thrips
- New attractants for monitoring and mass trapping of the thrips, Scirtothrips dorsalis have been identified and successfully field tested. Addition of attractants to yellow sticky traps significantly increased the trap catches. Adults of S. dorsalis were highly responsive towards ethyl nicotinate followed by p-anisaldehyde
- Identified that spraying of B. subtilis over the bush branches and trunk reduced the Shoot hole borer population by 68%.

- Standardized the mass culture of Reduviids such as Sycanus collaris and Rhynocoris marginatus, Green lacewing, Crysoperla carnea and Anthocorid, Blaptostethus pallescens in the laboratory for tea mosquito bug control
- Organic formulations Fungicure and Wood Vinegar were tested for the control of blister and grey blight pathogens
- Identified strains like P. putida, P. fluorescens and B. amylolique faciens as potential microbes for degrading the commonly used agrochemicals (pesticides, fungicides and herbicides) in tea plantations
- A simple and efficient multi residue method was developed using QuEChERS kit and GC Electron Capture Detector for Fenvalerate, Deltamethrin, Bifenthrin, Fenpropathrin and Beta cyfluthrin

(b) DTR&DC and QCL :

DTR&DC :

- In the experiment on manipulation of manufacturing of Darjeeling tea at DTRDC, the clone T135 has got the highest thearubigins % (11.14) and the rest like Av2, T78, P312, TS378, T135, B668, SP/4/5, Athrey, B/6/61, TtV1, T253, BS1A/76, B777, K1/1, & MB6 has got low % thearubigins (6 to 7%). The total brightness is also less in the above mentioned clones. Total liquor colour is also less in clones BS/1A/76, B777 and K1/1. Total polyphenols in the without rolled samples are also found in the range of 18 to 19%. TP value (2 to 3 %) is less than the rolled samples. The highly polymerized substances are found in T253, and T135 (3.03 & 3.68), the rest of the samples has got 1.70% to 2.68% in the without rolled samples. The clone T253 has got the excellent and prominent flavour in without rolled samples among TtV1, B668, T253, B777, and MB6. Likewise rolled samples P312 showed excellent and prominent flavour among T78. T383, TS378, T135, AV2 and China jat manufactured by rolling, similarly China jat showed the excellent and prominent flavour among the clones mentioned above manufactured by 62 hrs natural withering.
- Planters' Committee meeting of DTRDC was organized on 4th July, at Kurseong for review of ongoing research work of DTRDC. Progress of present work and suggestions of planters on the need of Darjeeling tea industry were noted.
- Interaction of Tea pathogens with *Trichoderma atroviride*: Antagonism between *Fusarium solani* and *Trichoderma atroviride* experiment has been placed and the result of antagonism is in progress.
- Microbial control of Blister blight pathogens: Crude metabolites of ten different phylloplane fungi were tested against blister blight pathogen in vitro by spore fall method. Spore germination varied depending on the fungus. Further works are in progress.
- A strain of Grey blight fungus *Pestalotiopsis theae* and a strain of *Colletotrichum cameliae* was isolated from tea and preserved by DTRDC.
- Tea Genome sequencing project: DUS characterization, measurement of plant height, number of leaf, leaf area, blister blight assessment, Fermentability test of F1 population (TS569) was done. Where increased plant height and more leaf area were found in plants having AV2 as female parent. In case of blister blight susceptibility also plants having AV2 as female parent was found more susceptible towards the disease compare to plants having T78 as female parent. Wax content of F1 population when measured found in higher amount in plant having T78 as mother plant in comparison with plants having AV2 as mother plant.

SOIL DEPARTMENT:

(i). Project Title: Isolation of potash solubilizing microorganisms from tea soil of Darjeeling and evaluation of their potash solubilization efficiency towards development of potash biofertilizer formulation (Two-year project 2019-20 and 2020-21)

The changing scenario of environmental and health consciousness, instead of synthetic sources of nutrients keeps on the edge and biological products are being major concern for organic production. The development of potassium (K) solubilizing biofertilizer is a step forward to overcome the problem of potassium supplement under organic cultivation of tea. We have visited almost valley of Darjeeling to collect the rhizospheric soil samples. From those samples about 51 microbes were isolated on Aleksandrow media. Morphological and biochemical properties of isolated microbes have been tested for characterization. The efficient microbes were isolated and tested for their efficiency, out of them only 30 microbes were observed more efficient for K solubilization. For molecular identification only 5 samples were sent to MTCC, Chandigarh and four identified strains have received yet, which will be used for further development of K solubilizing consortium under pot experiment.

(ii). Project title: Development of Microbial Inoculants to Improve Growth and Productivity of Darjeeling and Assam Tea.

Plant harbours potential micro-biomes which play a vital role in nutrient cycling, enhancing soil fertility, maintaining plant health and productivity in their rhizosphere, phyllosphere and endosphere. In this study we focused on the plant micro-biomes of tea plantation, their functions, and possible biotechnological applications for increasing crop production in a sustainable manner. Samples of rhizospheric soil, leaf samples were collected from different Tea Estate of Darjeeling, Assam and small tea plantation area. About 66 microbes were isolated at QCL as dominant microbes in rhizospheric zone to identify the microbial communities associated with tea of Darjeeling. All the strains were sent to NCCS Pune for molecular identification. Total community DNA was extracted from bulk soil, rhizosphere soil and root samples. DNA concentration in roots, rhizospheric and non-rhizospheric soil collected from Darjeeling Hills is in progress at NCCS, Pune. For DNA extraction from roots, pre-sterilised root samples (using 20% sodium hypochlorite) were crushed in liquid nitrogen using sterile pestle. The concentration of resulting DNA was measured using Nanodrop-1000, (Thermo Scientific, USA). Morphological structure of tea plants were also observed of feeble and healthy plants. One training programme of small tea growers was organised at Pokharibong, Darjeeling on outcome of the project and benefit to tea production.

(iii). Soil Analytical Services:

836 soil samples reciept from Tea Gardens were analyzed for Organic Carbon, pH, available Nitrogen, Potash and sulphur content and analytical reports have been sent to the concerned gardens with the recommendations whereever required.

Quality Control Laboratory:

- Quality Control Laboratory (QCL) of Tea Board at Siliguri which is a NABL Accredited Laboratory has been recognized /enlisted in August, 2019 and notified (Gazette Notification SO No. 2842 (E) dated 6th August, 2019) by Food Safety and Standard Authority of India (FSSAI) under Section 43 (1) of FSS Act, 2006.

- QCL, Siliguri has got grant of NABL accreditation on 30.11.2019 in accordance with ISO/IEC 17025:2005 in the discipline of Chemical testing as per the enhanced scope for another 36 pesticides and heavy metals.

- Total number of commercial samples tested for FSSAI biochemical parameters are 344.
- Total number of samples tested for quality parameters/non FSSAI parameters are 191.
- Total number of commercial samples tested for pesticide residue are 341.
- Total number of commercial samples tested for heavy metal are 310.
- Total number of commercial samples tested for microbiological parameters are 134.
- Total number of commercial samples tested for soil analysis are 441
- Total amount of revenue generated is Rs 24,52,919.84/-
- Conduct one Inter Laboratory comparison (ILC) programme on pesticide residue, heavy metal and FSSAI parameters in tea matrix as a nodal laboratory.
- Participated in Aashvi Proficiency program for chemical parameters viz. loss of mass @103±2°C, Total Ash, Water Extract and Copper.
- Participated in UKAS Proficiency program for pesticide residue in tea matrix viz. Bifenthrin,Chlorpyrifos, Cyhalothrin- lamda, Cypermethrin, DDT, Deltamethrin, Dicofol, Ethion, HCH-gamma & Quinalphos.
- Participated in UKAS Proficiency program for heavy metal in tea matrix viz. Total Arsenic, Cadmium, Mercury & Lead

Ongoing Research Projects – Progress and Achievements

a. TRA

(i). Project Title: Approaches on enhancing quality of tea and capacity of existing tea processing machines

Modification of Rolling Tables for Plains; Under the objective no. 2, “Study on table design to suit requirements for orthodox teas in plains”, a study was conducted on the types and designs of rollers presently being used in various gardens. This included Single Action and Double Action Rolling Tables, Hood and Table moving Rolling tables, Single Action Modified Rolling Tables (SAMRT), Rolling Tables with various designs of battens etc. Chinese and Taiwanese types Rolling Tables were also studied. After analyzing the leaf rolling techniques involved in the above variety of rollers and taking into consideration the texture of leaf in the plains of North East India, withering percentage and a few others physical parameters, a series of implements were designed for retro-fitting into a conventional Rolling Table.

Since the effects of the designed implements were expected to improve the performance of the roller it was decided to incorporate the implements in a miniature Rolling Table and compare with a similar conventional Rolling Table.

Accordingly, a Modified Miniature Rolling Table (MMRT) was designed incorporating the implements for retro-fitting into a conventional Rolling Table, and order placed with a suitable vendor for fabrication. The MMRT was fabricated and installed at Tocklai along with a conventional Rolling Table of same size & capacity. Several teething problems were faced during trials with the MMRT. Major rework had to be carried out by the fabricator to align the pressure cap, which had a unique inverted cone fitted on it, the three crank shafts and the grear box. The machine was mechanically corrected towards the end of the year 2019. During the period the leaf being of harder texture and very coarse, the preliminary trials with the MMRT did not

produce desired results. Trials have been planned in 2020 to compare the results and make further changes in the design of the implements or proceed with patenting the machine.

Effect of Ambient Humidification in CTC and CFM Room

A micro-misting type humidification system was installed in the CTC and CFM room at the MTF to effectively humidify the complete environment of CTC and fermentation process. The Humidification system works on the basis of "Flash Evaporation" technique. Total 35 nozzles were fitted to deliver miniscule water droplets into the CTC & CFM room. The nozzles were connected through a high pressure pump. The micro water droplets absorbs the latent heat from the ambient and evaporates instantly which results into a temperature drop closer to Wet Bulb temperature along with maintaining a uniform humidity level. To enhance the rate of evaporation, seven fans were fitted in the room at a height of 15 feet (approximately) above the floor level and the nozzles are mounted on the casing of the fans such that the micro mist and air is delivered co-axially.

It was possible to achieve a humidity of 95.9% & 91.8% inside the room when ambient humidity was 74.40% & 71.9%, respectively. The appearance of the Tea on CFM bed was extremely bright.

Results of Biochemical analyses showed no significant difference in improvement of %TF and %Brightness of experimental samples over conventional. No significant variation was also observed in organoleptic scores except, that a stronger cup from the treated samples were reported by the Taster.

(ii). **Title of the project: Development of machines for tea harvesting and mechanisation of cultural operations in tea.**

1. Mechanisation in tea harvesting operation (Plucking)

- Cumulative data on yield of Assam type tea at the end of the season 2019, revealed that use of two men operated harvester found at par with manual plucking, while other two plucking aids i.e., hand held Shear and one man operated motorised harvester recorded a significant reduction in yield compared to traditional hand plucking.
- Use of motorized harvester in October-November found detrimental on yield with noted reduction of 28 per cent and 24 per cent in one man and two men operated harvesters over traditional hand plucking, respectively. However, among the plucking aids used in October, no loss in yield was observed under shear harvesting.

2. Mechanisation in weed management in Tea

- Field trial conducted in Borbhetta experimental tea estate, TRA indicated that brush cutter (STIHL make, Single cylinder two-stroke engine, Model: FS 250) brought about 100 % control of weeds at 14 Days after application (DAA) irrespective of weed species. Thereafter, gradual increase in re-growth of weed

was observed. However, brush cutter recorded higher weed control efficiency (%) even up to 56 DAA than traditional sickling operation.

- ❖ Weed control efficiency (%) was noted more in broad leaf weeds compared to grassy weeds.
- ❖ Among the grassy weeds, *Eleusine indica* (L) Gaertn. (Goose grass) remained unaffected after use of brush cutter.

(iii). Project Title: "Development of new clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance". Project is granted for four years during 2016- 2020. Some research activities under the project have been highlighted below as project achievement.

- ➢ Presently Eight long term trials in Research plot of NBRRDC, Nagrakata and Six long term trials are under continuation in different tea estates. Crop record, organoleptic testing, biochemical and physiological analysis are under continuation.
- ➢ Two new long term trials are established at two commercial tea estates with improved seeds collected from different tea estates and biclonal combinations of NBRRDC, Nagrakata.
- ➢ In 2019, 17 biclonal combinations present in NBRRDC, Nagrakata produced seeds out of which Darjeeling combinations sent to CPS, Darjeeling for nursery trial and future evaluation. Seeds of five Biclonal combinations sent to Atiabari Tea Estate and seven Biclonal combination seeds sent to Jiti Tea Estate for nursery trial and further evaluation in different agro-climatic condition.
- ➢ In project duration 4 new tea estates was approached for clonal selection scheme and *In situ* Seed Production continued in 11 different tea estates.
- ➢ During project 14 Nagrakata tea clones were assessed through 20 EST-SSR primers. Out of 20 primers 9 showed polymorphism. Six clones showed probability of having drought tolerance and six clones showed probability of having quality attributes, out of which five clones placed near to the drought tolerant clusture.

(iv). Under the XIIth Plan - Tea Board have funded tea improvement project as titled "Development of new clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance". Project is granted for four year during 2016- 2020. Some research activities under the project have been highlighted below as project achievement.

- ➢ In the 34th Tocklai Conference, 2019, Provisional release of two clones naming as TV34 and TV 35. Large demands have been received from the various tea estates. Till date, 16 tea estate of Assam have received the clonal cuttings of these two new clones. About 50 bushes had grafted by TV34 clones for fulfil the demand of tea industry.
- ➢ Presently, 6 trials have been established under this project in the form of Long term trial, yield data, biochemical analysis, organoleptic test are continuing in the project. In coming year, few new trial will be established with the hand pollinated crossed material of the year of 2018 and 2019.

- Under XIIth Plan project objectives, total 26 combinations were crossed in the years of 2015, 2016 and 2018 consecutively, attempted 1523 crosses through hand pollination and received 177 healthy plants. 02 good planting materials have been identified and marked it at first FFP stage. Further evaluation is in progress. About 2-3 good planting material have selected from all the crossed materials. Similarly, from micro seed barie, we wish to get 2-3 good planting materials.
- 02 Long Term Trials are going on different Commercial Tea estates.
- *In situ* Seed Production: A new trial was established in Tocklai-Barbhetta t. e. area with the improved seeds of Sundarpur, Dufflating, Cinnamara & Borbhetta seeds and another three biclonal seed stocks. Data recording is in progress.
- Approached 02 gardens of the N.E India for clonal selection program in the current year. Some sections of the garden are found suitable for clonal selection work. Work is in progress.
- Screenings of germplasm is continued at Tocklai, New Botanical Area. 03 germplasm have been found phenotypically and physiologically suitable as promising planting materials. Evaluations of those germplasm (Bio-chemical, organoleptic, Physiological, Anatomical and Entomological) are under progress.

(b). UPASI

(i). Title of the Project: Development of new tea clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance**.**

- To identify the differential expressed genes between the susceptible and resistant clones of three different traits (drought, disease resistance and quality) d*e novo*transcriptome analysis has been done forUPASI-2 (drought tolerant), UPASI-3 (drought susceptible); SA-6, SMP-1 (disease resistant), TES-34 (disease susceptible), and ATK-1 (low quality), TRF-4 and CR-6017 (high quality).
- The difference in expression levels of genes induced during drought, disease infestation and quality attributes have been separated from the commonly expressed genes, where the analysis matching with ~161organisms and the maximum number of transcripts showed hit with *Actinidia chinensis* (Kiwi fruit).
- Functional annotation has shown that drought tolerance clones differentially expressed genes encoding; peroxidase, kiwellin protein, cysteine rich receptor kinase, copia protein, L-type lectin receptor kinase,NB-ARC domain-containing disease resistance protein and extracellular ligand binding receptor; in quality clones: lectin receptor kinases (LecRK), Terpene cyclase, Expansin-A8-like protein, uncharacterised protein possesshydrolase activity, peroxidase and 50S ribosomal protein L31, chalcone isomerase and trehalose 6 phosphate synthase; and by disease resistance clones: Glutathione S-transferase, NB-ARC domain-containing disease resistance protein, Leucine-rich repeat containing protein, peroxidase, Putative methionine--tRNA ligase, Disease resistance family protein / LRR family protein putative, Major facilitator superfamily protein isoform 1, Terpene synthase, Serine/threonine-protein kinase, rRNA N-glycosidase, Sulfotransferaseand O-methyltransferase were identified as differentially expressed during through functional annotation studies
- Annotation of transcription factor arranged (based on the organism and transcription factor domain family) for the UPASI-2, UPASI-3, CR-6017, TRF-4, ATK-1, SA-6, SMP-1 & TES-34 in order to understand the dominating transcription factors related to the respective trait.

- Based on the geneontology, the gene functions were classified into amolecular function, cellular component and biological function.
- To ascertain trait specific expression parental clones under soil moisture stress, the transcriptomics analyses revealed that there were 1,28,323 SSR marker sequences in the UPASI-2 & UPASI-3 clones, among them 2,000 SSR regions were associated with drought mechanism; out of 2,300 regions in 1,77,703 SSR marker sequences were related quality trait assessed in ATK-1, CR 6017 & TRF-4 clones; and totally 1,86,730 SSR sequences assessed in SMP-1, SA-6 and TES-34 clones, 64,096 SSR regions were related to disease resistance pathway.
- Seven differently expressed genes related to drought, quality and disease resistance were selected based on statistical and biological functions for q-PCR validation analysis. q-PCR validation of commonly expressed genes, protein ycf2, phenylalanine ammonia lyase, Tol-B protein related isoform-1, Anthocyanin 5 aromatic acyltransferase, aquaporin protein 23, pectin esterase, Beta amylase in UPASI-2, UPASI-3, ATK-1, CR-6017,TRF-4, SMP-1, SA-6 and TES-34 clones. All the genes showed optimal Ct values with single melt curve and desire product size on Agarose gel.
- High degree of matching was obtained between the of fold change expression of up/down regulation of NGS data and q-PCR data. Hence the validation of transcriptomic data was performed.

(ii). Title of the Project: Development of machines for tea harvesting and mechanization of cultural operations.

- Due to the cutting action of the blades, the maintenance foliage on the plucking surface is also cut leading to reduction in the depth of maintenance foliage. In continuous shear harvesting and machine harvesting schedule due to repeated action of the blades maintenance foliage is damaged leading to reduction in the depth.
- Such a practice ensures that the rows are harvested to the correct level without damaging the maintenance foliage. For the convenience of collecting the harvested leaf from the field to the truck, each row is maintained at 60 m length on an average.
- Only fans are installed for every 60 to 100 m on posts in order to protect the tea plants from frost. Whereas in south India, shade trees are recommended to provide filtered shade to the tea plants.
- Under south Indian condition, on an average the single man operated harvester can cover about 0.2 to 0.3 ha in a day with a harvesting potential of 450 to 500 kg of green leaf/machine in a day. The two men operated harvester can cover about 0.5 to 0.7 ha in a day with a harvesting potential of 1000 to 1200 kg of green leaf/machine in a day.
- foliar application of N,P,K and Manganese, Magnesium, Boron, Zinc sulphate along with Giberrelic acid minimize the adverse impacts of continuous mechanical harvesting. The schedule on foliar application of macro and micro nutrients application can be followed to overcome the adverse impacts of mechanical harvesting.
- In south India experimental results revealed that for the clones belonging to *Camellia assamica* R8GA1 can skiff easily up to a height of 70 cm to 80 cm and can cover 3500 bushes in a day.

- ❖ Due to the adjustable width, Rideon machine can be operated in any existing south Indian plantation with a maximum slope of 15% and with a spacing of 120 X 60 X 60 X 60 cm or 135 X 75 X 75 X 75 cm. Since the Rideon harvesters can harvest up to 93 cm, pruning height has to be reduced to a maximum of 55 to 60 cm and at the end of two years when the bushes exceed 93 cm in height, skiffing will be required to reduce the canopy height.

(C). Darjeeling Tea Research & Development Centre (DTRDC)

(i). Project Title: Integration of conventional and non-conventional methods of breeding for development of new clones for productivity, quality and stress tolerance.

- ➢ After establishment of long term trial plot at Castleton, DTR&DC and Rohini Tea Estate and based on morphological observation, organoleptic and bio-chemical evaluation 15 numbers of test clones observed prominent when compared with controls. Results on yield indicate that clone C-114, C- 104, C-99 and C-100 were more superior than both control namely AV-2 and P-312. Morphological observations such as the branching habit, characters of shoots and leaf characters were carried out in the all accessions including controls following the descriptors of tea. Among the above accessions C-104 and C-114 have dense pubescence on the leading bud i.e. tip and under surface of the leaf, which is an important morphological marker for quality especially in orthodox tea for which Darjeeling is well- known.
- ➢ The flavour is the inherent properties of tea bushes and can be retained in infusion by the expert manufacturer. The quality of tea can also be measured by the presence of colour, strength, briskness and flavour. The teas with higher points on flavor and infusion have useful character as well as a good nose. The results of bio-chemical analysis of made tea of different clones along with control like TF, TR 0.11 and 10.68 is found in C114 and the yield figures of clone C114 showed higher as compared to control. It is a positive indication of a deserving clone if coupled with the high quality as well. As aim of the project is to develop new clones for productivity, quality and stress tolerance, so it is important to know that the prominent accessions under study are stress tolerant or not (as compared to the controls). In Darjeeling hill areas one of the most important stress parameter is the drought stress. So during study the leaf wax content and proline content is planned to evaluate to know the drought resistant capability of prominent accessions. In study of leaf wax content six most prominent accessions shows high wax content as compared to AV2 and P312. Ferment ability was scored based on the change in colour of leaf after four hours of dipping into chloroform using a 4-point scale as 1 - bright red brown (fast fermenter); 2- dull brown (moderate fermenter); 3- greenish tinge (poor fermenter); 4- green (non-fermenter). In study the six prominent accessions (99/14,114/14, 104/14, 84/15, 94/15, 98/14) shows fast fermentation which is desirable.
- ➢ The DUS characterization, Girth, Height, No. of Branches, Pest & Disease Infestation, Drought Tolerance, yield, organoleptic and bio-chemical observations of Purple Tea at LTT of Rohini TE were done. The results of bio-chemical analysis of made tea of purple tea evaluated, where TF, TR is 0.11 and 12.98 found in purple tea. Further evaluation is being continued and it is also proposed to evaluate the physiological parameters such as transpiration, net photosynthesis, stomatal

conductance, water use efficiency and record other remaining important bio-chemical parameters like VFC, caffeine, chlorophyll, anthocyanin's content, drought evaluation of proline, glycine betaine.

- Floral study of different hybridization combination (B157XAV2, B668XN DEVI, B157XB668, T78XP312, P312XT135, T135XB157, B157XP312, T78XGOLKUNDA, T135XAV2) was done. During experimentation it was observed that flower size is highest in N Devi and smallest is T78. All have 5 dark green sepals. Highest petal count i.e. 8 petals is observed in B668 while other has 06 numbers of petals. The colour of anther is light yellow in B668 and T135 but others have yellow coloured anther. It was observed that flowers of all clones consists similar type of stigma. Another count is highest in AV2 & B157 and lowest in T135. Flowering time is almost same in all combinations, but in the combination of Golkunda X T78, the flowering of Golkunda is little bit earlier then T78. Further, recording of different observations is being continued.
- Green leaf samples collected from different LTT (long term trial) plot of DTRDC, Castleton Tea Estate and Rohini Tea Estate and sent to ICAR-NRCPB, New Delhi for DNA isolation and to know the genetic diversity and identify responsible genes for important traits in prominent test tea clones.
- Recorded DUS characters, morphological, organoleptic, bio-chemical and other parameters from different trails plots were done.
- At present 04 numbers of in- situ conservation plot (Seed Bari) has been established at different tea different tea estates of Darjeeling to produce seeds from quality section of old jats. Consequently, field evaluation of the plants produced from in situ conservation plots of DTRDC, Tumsung TE is continued for further evaluation. Evaluation is being continued for assessment of newly established in situ conservation plots.

(d). IHBT , Palampur

(i). Project Title: Development of machines for tea harvesting and mechanization of tea cultural operations**.**

- The results showed that across the different fertilizers, the mechanical methods of plucking had slightly higher yield than hand plucking. Across different methods of plucking, the fertilizer level 120:90:120 (F2) showed higher yield than other combinations.
- Leaf grade or fineness of leaf was noticeably reduced with all mechanical methods. However, the reduction was relatively less with hand shears. It was also observed that by increasing the fertilizer level fineness of leaf decreased gradually. Fertilizer level 90:90:90 showed higher value of leaf grade than other combinations.
- A battery operated plucking machine "Microlite Harvester" (weight ~2.4 kg, single man operated, battery operable for 4 hours when full charged), marketed by a Chennai based company, M/s Ignition Products India Pvt Ltd, was also experimented during this year.
- For technology demonstration and testing, a total of 20 demonstrations were held on various aspects of tea farm mechanization, viz., mechanized tea plucking, skiffing,

pruning, including rejuvenation pruning, tea planting using augers, high volume and electric sprayers, weeding etc were organized in the farmers' field as well as in the institute's tea experimental farm.

- ❖ New tea plantation demonstration plots were established at 5 locations in the state with minimum size of 600 sq m area accommodating 600 plants of the improved varieties with higher productivity, quality and resistance to biotic and abiotic stresses.

(ii). Project Title: Development of new clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance

- ➢ Crosses were made among seven parental types comprising six cross combinations, under the ongoing inter-varietal hybridization programme for improvement of china hybrid tea genotypes, with objectives to improve yield, quality and blister blight resistance.
- ➢ High level of genetic diversity was obtained from the molecular characterization data implying diverse origin and genetic heterogeneity among the existing populations in different tea gardens of Western Himalaya region. The hardened plants are being maintained for further plantation in field to evaluate their field performance.
- ➢ The 14 plants of five genotypes (PT-5, PT-7, PT-9, PT-12 and PT-17) were raised. Among the selected purple tea genotypes, PT-7 showed higher anthocyanin content of 1.98% during April and 2.00 % during May month and PT-8 showed anthocyanin content of 2.38% and 2.36% during April and May month respectively. Whereas, PT-8 also showed higher content of TPC during April month (17.55). Therefore, PT-8 with higher total phenolic content and higher anthocyanin content compared to other purple tea clone can be used as a potential new purple tea clone.
- ➢ Different F1 progenies planted under field conditions (third year of plantation) are presently being characterized on morphological basis with respect to plant height (m), no. of shoots, shoot length (mm), leaf length (cm), leaf width (cm), internode length (cm) and plant spread (diameter in m), for their initial growth and vigour. Based on initial trends of total polyphenol content, clones 14-3-5, 14-7-15, 3-8-3, 9-9-4, 1-8-1, 03-6, 03-55, 03-70, 03-104 performed better compared to other clones studied. Overall, on the basis of disease resistance, morphological traits and quality attributes, clones 03-6, 03-55, 03-70 and 03-104 were found superior and have potential for commercial utilization

Regulatory issue:

In the area of regulatory research, Tea Board addresses the issues and concerns of technical barrier to trait (TBT), sanitary and phyto sanitary (SPS) issues and the matters related to food safety and quality in order to enhance both domestic consumption and export of Indian tea.

- ➢ During the period from 1/4/2019 to 31/03/2020, 41 SPS TBT notifications forwarded by APJ SLG from various counties related to pesticide residues were analysed and necessary replies were sent to APJ SLG office.
- ➢ Necessary correspondences were made to FSSAI for revision of some pesticides in tea and fixation of their realistic MRL.

Meetings and Workshops:

12th meeting of Technical Group on PPC held on 5th July 2019 at QCL, Siliguri. The meeting was attended by the technical experts from Ministry of Health and Family Welfare, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, different tea association representatives and Tea Board officials. Various issues on fixation of realistic MRLs of various PPFs including Quinalphos in tea by FSSAI, review of existing PPFs in PPC and microbial standards for Indian tea etc. were discussed in the meeting. One new pesticides approved by CIBRC was included in the 11th version of the PPC and released for the industry.

A workshop on "Early Weather Practices and Pest Management" was organized by DTRDC, Tea Board for Small tea growers at Pokhriaboong, Darjeeling on 23rd April 2019. Tea Board officials from DTRDC attended the workshop. Two technical discussions were held with respect to Plucking of Tea leaves and Pest management including Plant Protection Code (PPC) followed by field demonstration.

A workshop on Bio product under the project "Development of Microbial Inoculants to Improve Growth and Productivity of Darjeeling and Assam Tea". organised workshop QCL and DTRDC for the Small tea growers at Pokhriaboong town, Darjeeling on 11.07.2019 on use of bio- products for organic tea cultivations.

Some Photographs Related to PPC meeting

CHAPTER - 6

TEA PROMOTION

Introduction:

One of the primary functions of the Tea Board is to undertake promotional activities with an objective of making India the leading supplier of quality tea globally and to increase the consumption of tea in the domestic market. Promotional efforts are geared towards increasing awareness of the many varieties and types of Indian teas with an aim at increasing market share of Indian teas in the global markets and also increasing domestic consumption. Focused attention was given to selected countries, where there is higher potential for increasing export. Indian exporters were also provided with all possible support to encourage exports and marketing of Indian varieties in the overseas countries.

Overview of Tea exports from India during 2019-20

The total quantity of tea exported during the financial year 2019-20 was 241.34 million kgs valued at Rs. 5457.10 Crore. This shows a decrease in quantity by 13.16 million kgs (-5.17%). However, unit price realization was up by Rs 9.73/kg in 2019-20.

In brief the comparative position is as given below :

Year	Quantity in million kg	Value in Rs. crs.	Value in million USD	Unit Price in Rs/Kg.	Unit Price in $/Kg.
2019-20	241.34	5457.10	768.93	226.11	3.19
2018-19	254.50	5506.84	787.50	216.38	3.09
2017-18	256.57	5064.88	785.92	197.41	3.06

Increase in exports was noticed to the following countries:

- Iran by 5.84 million kgs (14.24%)
- China by 2.14 million kgs (20.23%)
- Afghanistan by 1.61 million kgs (287.50%)
- Japan by 1.46 million kgs (39.14%)
- Saudi Arabia by 1.31 million kgs (30.61%)
- USA by 1.21 million kgs (10.72 %)

Overview of Promotional activities during 2019-20

During 2019-20, Tea Board carried out various promotional activities such as organising the Board's participation in important Trade Fairs & Exhibitions, maintaining liaison work with the tea trade, addressing various issues related to quality & safety regulations for key markets, keeping the tea trade informed of developments related to exports as well as dissemination of market and trade information through its overseas office located in Moscow and the Head Office to enhance demand for Indian tea and increase market shares in the key markets of Russia, Kazakhstan, Iran, Egypt, USA, UK, Germany, UAE etc. Other activities included market analysis, undertaking various promotional programmes for maintaining the image of India Tea and for influencing public attitude in a positive manner

toward India Tea. Sustained campaign through Social Media such as Twitter, Facebook has also proved to be very effective in making the consumers, including youth, aware about Indian tea and its diversities.

During 2019-20, Tea Board India participated in three (3) International Trade fairs for effecting two-way exchanges in between buyers & sellers with a view to propagating the virtues and uniqueness of India tea amongst the streaming visitors. Moreover, Tea Board India participated in thirty-two (32) domestic promotional programmes at various locations during 2019-20.

A statement on major head wise expenditure incurred during 2019-20 along with the details are summarised below.

Expenditures incurred during 2019-20

(Rs. crores)

Major head	2019-20	2018-19
Domestic Promotion	2.03	1.02
Overseas Promotion	1.90	3.97
Trade Related Activities	0.19	1.31
Incentive to Exporters/Associations	3.07	4.23
Publicity	0.81	0.8
E Governance	0.25	0.68
Miscellaneous	0.24	1.66
Total	8.49	13.67

An overview of the promotional activities carried out by Tea Board India during the year 2019-20 :

International Events

Sl. No.	Name of the Event	Period
1.	Prodexpo, Moscow 2020	10th to14th February 2020
2.	Gulf Food Dubai	16th -20th February 2020
3.	Thailand Coffee, Tea & Drinks	27th February -1st March 2020

Domestic Events

Sl. No.	Name of the Event	Period
1.	Young Tea Entrepreneur's Meet, Kolkata	25th April 2019
2.	B2C promotional event on Indian Tea, Siliguri	15th to 16th June 2020
3.	Ujjwal Himachal Pradesh	12th to 14th July 2019
4.	Food & Technology Expo New Delhi	1st -3rd August, 2019
5.	16th Agro +Food & Beverage Processing Expo, Goa	1st -3rd August, 2019
6.	Annapurna-Anu food India 2019, Mumbai	29th – 31st August 2019
7	Renovation and re-launch of Mumbai Tea Centre	14th September 2019

8	Inauguration of Goodricke Tea Pot- Kolkata	8th September 2019
9	UPASI Industrial Exhibition held in Coonoor	13th -14th September 2019
10	Indian Tea Promotion at the All Indian Russian Compatriots Conference	1st week of October 2019
11	Virasat Festival, Dehradun	11th -25th October 2019
12	Assam Tea Awareness Campaign	21st October 2019
13	Indian Tea Tasting and Appreciation Session at Bengaluru	24th October 2019
14	Biofach India 2019, Noida	7th -9th November 2019
15	North East Festival, New Delhi	8th -10th November 2019
16	Indian Tea Tasting and Tea Appreciation Session for Russian diaspora in Kolkata	12th November 2019
17	7th World Tea Coffee Expo 2019, Goregaon, Mumbai	21st -23rd November 2019
18	FoodFood Awards, Mumbai	26th November 2019
19	North East Food Show, Shillong, Meghalaya	4th -6th November 2019
20	Tea Promotion Campaign in the Nilgiris District	9th December 2019
21	Indian Tea Appreciation Fest, Kolkata	25th December 2019
22	3rd edition of INDUSFOOD 2020, Greater Noida	8th -9th January 2020
23	Jalinga Tea Run, Silchar, Assam	14th -15th January 2020
24	75th Biennial Assam Sahitya Sabha Session at Sualkuchi, Assam	31st January 2020 – 4th February 2020
25	Indian Tea Tasting and Appreciation Session organized for Japanese diaspora settled in Kolkata	31st January 2020
26	Tea Promotion through “Foodka”	January 2020
27	Japan India Cooperation Agency International Exhibition, Himachal Pradesh	10th February,2020
28	‘Run for India Tea’ Agartala	19th February 2020
29	Specialty Tea Boutique inaugurated near Ooty Botanical Garden	20th February 2020
30	Tea Café on Wheels, Asansol, West Bengal	26th February 2020
31	Mandi International Shivratri Fair	22nd February 2020
32	Assam Tea Promotion Campaign, Odisha	29th February -6th March 2020

April 2019

Young Tea Entrepreneurs Meet held on 25th April 2019 at Kolkata

Tea Board India organized a 'Young Tea Entrepreneurs Meet' at Kolkata on 25th April 2019 to discuss the roadmap for increasing exports and domestic consumption, and improving Indian tea quality.

Young successful entrepreneurs of the Industry attended the conference to deliberate on pertinent topics and give insights into the recent facets of the Indian Tea Industry. The meet was mainly to focus on these entrepreneurs to add value to the tea business and quality.

Distinguished and successful tea entrepreneurs such as Shri Amuleek Singh Bijral, Founder & CEO of Chai Point, Shri Kausshal Dugarr, Founder & CEO of Teabox, Shri Udit Gupta, Head of Supply Chain Management, Chaayos etc. spoke at the meeting.

A special segment dedicated to 'Women Entrepreneurship in the Tea Business' was also the highlight of the meeting, where speakers such as Dr. Nazrana Ahmed, Chairperson of the Assam Tea Planters Association, Mrs. Husna Tara Prakash, co-owner of Glenburn Tea Estate, Mrs. Rakhi Dutta Saikia, Director of Arin Tea Pvt. Ltd. & Pabhojan Tea Estate etc. spoke on pertinent issues.

Speaking at the meeting, Shri Amuleek Singh Bijral, Founder & CEO of Chai Point, stated that getting good quality teas from the gardens is very important for sustaining the end business. Customers are increasingly becoming conscious about the teas, its origins and its health benefits. Therefore, traceability and MRL compliance are very important. The business of tea has to be aligned to the fast changing lifestyle. Customers now want teas within a very short span of time.

Shri Kausshal Dugarr, Founder & CEO of Teabox, stated that the image of Indian tea has to be reinforced as a global brand. He opined that the true potential of Indian teas is still lying untapped. Concerted marketing efforts have to be made to explore this potential fully. According to Shri Dugarr, setting up stores is an expensive proposition but marketing through internet is very much affordable. The business strategy of his company is to target the consumer offline, then incentivize him to come online for the second and subsequent offers. He further stated that if the supply chain can be reduced from months to days, the brand of Indian tea will be admired globally.

Dr. Nazrana Ahmed highlighted that more than 60% of the workforce employed in tea gardens consist of women, and therefore there is a greater need to emphasize on issues related to women's health and welfare. Mrs. Husna Tara Prakash, co-owner of Glenburn Tea Estate, recounted her journey of setting up a successful business model of offering visitors a highly personalized experience of stay at the Glenburn Tea Estate. Mrs. Rakhi Dutta Saikia, Director of Arin Tea Pvt. Ltd. & Pabhojan Tea Estate, emphasized on the need to go for production of organic handmade teas and stated that the future of the tea industry lies in going for organic production.

June 2019

B2C Promotional Event on premium grades of Indian teas at a prominent mall in Siliguri, West Bengal

Tea Board India organized a B2C Promotional Event on premium grades of Indian teas at City Centre mall in Siliguri, West Bengal, on 15th and 16th June 2019 in association with Chai Chun and Navvayd Tea, two local Siliguri-based tea retailers. Premium varieties of Indian teas such as Darjeeling first flush, Assam Orthodox second flush, white teas, oolong teas, green teas as well as new and innovative flavoured varieties of teas such as Darjeeling Rose black tea, chamomile mint cinnamon green tea, Assam lavender black tea etc. were displayed and sampled at the event. As it was organized during the weekend, there was huge footfall and a steady stream of tea enthusiasts thronged both the stalls constantly. The people were introduced to these exotic varieties of teas and were encouraged to experiment with the wide range of innovative flavours on offer. The event generated a lot of interest among the general public as they got to know about these exciting blends of Indian teas and all of them were pleasantly surprised at the fascinating array of new flavours that were created from their very own familiar Indian teas.

July 2019

Tea Board's participation in Ujjwal Himachal Pradesh

Tea Board India participated in Ujjwal Himachal Pradesh held in Chamba from 12-14 July 2019 by putting up a stall of 12 sq.m. Various publicity literatures, pamphlets and brochures on Kangra Tea were distributed during the event. A quiz session on Kangra Tea was also organized for school students during the event. A few SHGs displayed their handmade teas at Tea Board India's stall during the event.

August 2019

Tea Board's Participation in Food & Technology Expo at Pragati Maidan, New Delhi from 1st - 3rd August, 2019

Tea Board participated in the Food & Technology Expo at Pragati Maidan, New Delhi by taking up a 9 sq. metre stall. The expo was inaugurated by Shri Rameswar Teli**,** Hon'ble Minister of State for Food Processing Industries, Govt. of India. Other dignitaries who visited the show were :

Shri Ramdas Athawale, Hon'ble Minister of State for Social Justice & Empowerment, GoI
Shri Kailash Chaudhary, Hon'ble Minister of State for Agriculture & Farmers Welfare, GoI
Shri Som Prakash, Hon'ble Minister of State for Commerce & Industry, Govt of India
Shri Manish Sisodia, Hon'ble Dy Chief Minister, Govt of National Capital Territory of Delhi
Shri Atul Borah, Hon'ble Minister of State for Agriculture, Govt of Assam
Dr K. Beichhua, Hon'ble Minister of State for Agriculture, Govt of Mizoram
Shri Sandeep Gill, IPS, DG, Delhi Prisons
Shri Vijay Bhaskar, APS to Hon'ble Minister of Commerce & Industry, GoI

Union as well as State Ministers visited Tea Board's Stall and appreciated the fine quality and variety of Indian Teas. Visitors from all walks of life also visited the stall and showed their keen interest in Indian Teas specially Darjeeling and Assam Teas which are known for their flavour and taste all over India and abroad as well.

People and entrepreneurs from different states enquired about Indian Teas and other varieties of teas produced in India. Trade related information was also sought by the visitors. They were made aware of the trade potential in Domestic as well as Overseas Market.

Different types of teas were served to the distinguished visitors and Govt. dignitaries and method to make a good cup of tea was also demonstrated. Information on Indian Teas was made available to the visitors by the Tea Board officials through Board's printed pamphlets and other publicity materials, besides Audio-visual publicity on Indian Tea.

Tea Board's participation in the 16th Agro+Food & Beverage Processing Expo 2019

Tea Board participated in the 16th Agro + Food & Beverage Processing Expo 2019 held at Dr. Shyama Prasad Mukherjee Indoor Stadium, Goa, during 1st to 3rd August 2019, by taking up a stall of 9 sq.m.

Shri Rameswar Teli, Hon'ble Minister of State for Food Processing Industries, Government of India and Her Excellency Rosette Mosi Nyamale, Ambassador of the Democratic Republic of Congo to India with Shri Manoj Caculo, President, Goa Chamber of Commerce, Industries & Agriculture inaugurated the Expo.

Many exporters, distributors, manufacturers of tea and people interested to commence business in the tea sector had visited the Board's stall. Tea Board's logos, posters on tea and different varieties of teas like Darjeeling, Assam Orthodox, Assam CTC, Nilgiri Orthodox, Masala Chai were displayed. Leaflets and picture postcards were given to the visitors. Tea Caddies were presented to the dignitaries.

Tea Board's participation in the 'Annapoorna - Anufood India 2019' Exhibition held at Bombay Exhibition Centre, Goregaon, Mumbai during 29th to 31st August 2019

Tea Board India participated in the 'Annapoorna - Anufood India 2019' Exhibition held at Bombay Exhibition Centre, Goregaon, Mumbai from 29th to 31st August 2019.

Shri Rameshwar Teli, Hon'ble Minister of State for Food Processing Industry, Smt. Reema Prakash, Joint Secretary, Ministry of Food Processing Industries, and Dr. Sangita Reddy, Joint Managing Director, Apollo Hospitals inaugurated the Expo.

Tea Board's logos, posters on tea, different varieties of Indian teas were displayed. Promotional films on Indian tea (Tea Moods of India and Darjeeling tea) were shown continuously during the Expo. Leaflets and picture post cards were given to the visitors. Tea caddies were presented to the dignitaries.

September 2019

Renovation and re-launch of Mumbai Tea Centre

The iconic Tea Centre, a favourite hangout for Mumbaikars, has been reopened on 14th September 2019 post its renovation. Tea Board India had been running the Tea Centre at Resham Bhavan, 78 Veer Nariman Road, Churchgate since 1955, and has now selected Goodricke Group Ltd. through an open tendering process as 'Operational Management Consultant' for promoting Indian teas at this heritage location.

The modern tea lounge which was widely patronized by intellectual and celebrity circles of Mumbai, and had also welcomed important world leaders and dignitaries including Dr. Sarvapalli Radhakrishnan, former President of India, and Mr. Gamal Abdel Nasser, former President of Egypt, has now made a glorious comeback.

Universally acknowledged as a refuge for the intellectual as well as arts and culture patrons of the city, the legendary tea room provides a cozy corner in the fast-paced commercial capital of the country.

Inauguration of the iconic 'Goodricke Teapot – The Tea Room' in Kolkata

The iconic premium lounge – The Tea Room – was launched by Goodricke Group Limited in partnership with Tea Board India at Kolkata on 8th September 2019.

From exotic nibbles, biscotti, cookies and other tea accompaniments, The Tea Room is designed to be a place for everyone. The launch witnessed participation of top dignitaries from Tea Board India, Goodricke Group Limited as well as the presence of renowned Bengali actress Parno Mittra. With brown wood tables, classic seating, specially curated menu that is rich in choicest tea flavors and complimenting preparations -- the place is immersed in an old world charm and is sure to give a unique tea drinking experience to the visitors.

Tea Board's participation in UPASI Industrial Exhibition

Tea Board participated in the UPASI Industrial Exhibition held in Coonoor on 13th -14th September 2019 by taking up a stall. Sampling of liquid teas among the visitors and general public was done during the two-day exhibition. Free made tea was also provided to the participants. Other Commodity Boards also participated in this exhibition to showcase their products and activities.

October 2019

Indian Tea Promotion at the All Indian Russian Compatriots Conference

Promotional activities for Indian Teas were organized during the All Indian Russian Compatriots Conference held in Chennai during the first week of October. The Chairperson of the Association of Russian Compatriots organized an Indian tea tasting and tea sampling session during the event.

Tea Board's participation in Virasat Festival, Dehradun

Tea Board India participated in the Virasat Festival, Dehradun, held from 11-25 October 2019 by putting up a stall and displaying varieties of Indian teas. Information dissemination was also done through distribution of promotional brochures on Indian tea. A quiz contest was organized at the festival for students from various schools attending the festival, and there were quiz questions on Indian Tea, which helped to increase the awareness among the students.

Assam Tea Awareness Campaign

An Assam Tea awareness campaign was launched by Tea Board at Guwahati on 21st October 2019. Shri KK Dwivedi, Commissioner, Department of Industry & Commerce, Govt. of Assam, flagged off the campaign.

Indian Tea Tasting and Appreciation Session at Bengaluru

An Indian Tea Tasting and Appreciation Session was organized at Bengaluru on 24th October 2019 in conjunction with the BBC FoodFood Awards.

November 2019

Tea Board's participation in the Biofach India 2019 exhibition

Tea Board India participated in the Biofach India 2019 exhibition held at Noida from 7th -9th November 2019. Biofach India is an exhibition dedicated solely to 100% organic products. The following three companies participated along with Tea Board:

(1) Jalinga Tea Co. Pvt. Ltd.
(2) Apurva Organics Ltd.
(3) Amalgamated Plantations Pvt. Ltd.

Tea Board's participation in the North East Festival

Tea Board India participated in the North East Festival held from 8th -10th November 2019 at Pragati Maidan, New Delhi, by putting up a stall and displaying varieties of Indian teas. Information dissemination was also done through distribution of promotional brochures on Indian tea. More than two lakh people attended the festival. All the States of North East India were represented. State Govts of the North East showcased their tourism potentials and a large exhibition of agri-horti crafts saw more than 100 entrepreneurs of North East showcasing their products.

Indian Tea Tasting and Tea Appreciation Session for Russian diaspora in Kolkata

An Indian Tea Tasting and Tea Appreciation Session was held at the Tea Board Head Office, Kolkata, on 12th November 2019 for the Russian diaspora in Kolkata. Mr. Alexey M. Idamkin, Consul General of the Russian Federation in Kolkata, along with other Russian dignitaries attended the Tea Tasting and Tea Appreciation Session.

Tea Board India's participation in the 7th World Tea Coffee Expo 2019

Tea Board India participated in the 7th World Tea Coffee Expo 2019 organised at Bombay Exhibition Centre, Goregaon, Mumbai from 21st - 23rd November 2019 along with the following 5 participating tea companies:

(1) Dalmia Tea
(2) Jalannagar Development Pvt. Ltd.
(3) Ahinsha Chemicals
(4) Jalinga Tea Co. (India) Pvt. Ltd.
(5) Raw Jute Trading & Industries Ltd.

The 2019 edition covered the entire gamut of the hot beverage sector displaying Tea & Coffee Brands / Products, Machineries, Innovative Technologies, Flavours, Vending Solutions, Packaging, etc. from Indonesia, Japan, China, and India.

Indian Tea Promotion at the FoodFood Awards held in Mumbai

Tea Board India displayed Indian teas at the FoodFood Awards 2019 Grand Finale which was held on 26th November 2019 at Mumbai. Tea Board's Tea Centre in Mumbai (which has been rechristened Queen's Deck and is managed by Goodricke Group Ltd.) received the Best New Upscale Teahouse & Café Award.

December 2019

Participation in North East Food Show

Tea Board India participated in the first edition of the North East Food Show held at Shillong, Meghalaya from 4th - 6th November 2019. The North East Zonal Office of Tea Board organized participation in this fair/exhibition. This event was organized jointly by Government of Meghalaya and SIAL. Shri Conrad Sangma, Hon'ble Chief Minister of Meghalaya and other important dignitaries visited Tea Board's stall at this event.

Tea Promotion Campaign in the Nilgiris District

A Tea Promotion Campaign was organised amongst all the Govt and Govt aided schools in Ooty, Coonoor and Kotagiri Taluks of the Nilgiris District by the Coonoor Zonal Office of Tea Board in collaboration with the District Administration and the Tamil Nadu State Rural Livelihood Management (TNSRLM) on 9th December 2019. Elocution, dance and drama competitions were held with the themes 'Tea and nature' and 'Health benefits of tea'. Around nine schools comprising of 110 students participated in the competitions.

Indian Tea Appreciation Fest in Kolkata

An Indian Tea Appreciation Fest was held in Kolkata on 25th December 2019, at City Centre I, one of the prominent shopping malls in the city. Altogether 10 tea companies participated along with Tea Board in the event. Various types of Indian teas including specialty teas were showcased and displayed by the tea industry through their kiosks/stalls. Sampling of

teas was also undertaken. There was overwhelming participation from the general public in this event. Interesting programmes such as cake cutting, tea selfie point, tea tasting session, quiz contest, tea ramp walk were held. Through this event, Tea Board was able to bring focus to the nuances of so many varieties of Indian teas to a larger audience.

January 2020

Tea Board's participation in Indus Food 2020

Tea Board India participated in the third edition of INDUSFOOD 2020, India's largest B2B Sourcing Trade Fair for F&B Processing and Packaging Technology & Machinery held at India Expo Mart Greater Noida, India from 8th -9th January 2020. Five exporters namely Balaji Agro Pvt. Ltd., Golden Tips Tea Co. Pvt. Ltd., Jalinga Tea Co. Pvt. Ltd., Golden Dew Tea Factory and Sunshine Tea participated in the exhibition through Tea Board India pavilion. The number of trade enquires was very encouraging. Delegates from Iran, Iraq, Qatar, Egypt, Saudi Arab, and Russia visited the Tea Board stall and had very positive discussion on Indian Tea.

Tea Board's participation in Jalinga Tea Run, Silchar, Assam

Tea Board India participated in the Jalinga Tea Run held at Silchar, Assam, on 14th -15th January 2020. Jalinga Tea Run (JTR) is an initiative taken by ManiBhai Patel Charitable Trust, for the basic cause of Uplifting and Development of Tea Estate Workers.

"India Tea" promotion at the 75th Biennial Assam Sahitya Sabha Session at Sualkuchi, Assam

Tea Board participated at the 75th Biennial Assam Sahitya Sabha Session at Sualkuchi, Assam during 31st January-4th February, 2020 with an overwhelming presence. The session presented one of the biggest congregations in Assam revolving around the literary and cultural exchanges, where a daily average of at least 30000 visitors thronged to have a direct access to different ethnic wares, artefacts, diverse ranges of teas, local cuisines and cultures.

Indian Tea Tasting and Appreciation Session organized for Japanese diaspora settled in Kolkata, 31st January 2020

Tea Board organized an Afternoon Tea Programme and Indian Tea Tasting Session at the Tea Room, Tea Board India, Kolkata on 31st January 2020, in celebration of the Indo-Japanese friendship, and raising a toast to the love for tea shared by both the countries. Mr. Masayuki Taga, Consul General of Japan in Kolkata, was the Chief Guest at the event. Other dignitaries who attended the event were Mrs. Mikiko Bothra Osaka, Economic Advisor, Consulate General of Japan in Kolkata, Mr. Umeda Yuji Umeda, General Manager, Marubeni India Pvt. Ltd, Mr. Honda Tsuyoshi, Chief Regional Office, Kolkata Branch, Mitsui & Co. India Pvt. Ltd and Mr. Sakai Shinichiro, Managing Director, Steel Plantech India Private Limited.

"Foodka" – A Tea Board India promotional drive

Tea Board India associated with Foodka – a popular Bengali YouTube channel spearheaded by celebrity RJ Mir and renowned Food blogger Mr. Indrajit Lahiri. Foodka and Tea Board India have brought out a series of 5 episodes dedicated not only to the magic and mind-boggling array of Darjeeling Tea, but also the tourism circuit of the region. Shri A.K. Ray, Deputy Chairman, Tea Board India along with celebrity RJ Mir and the entire team of Foodka announced the grand launch of the 5th Season of Foodka, comprising of 5 episodes on Tea and Tourism across North Bengal, on 27th January 2020.

February 2020

Tea Board's participation at Gulfood 2020, Dubai

Gulfood is organized since 1987, and is one of the region's largest and most important food & beverages, and food processing technology exhibition. Tea Board India organized participation in Gulfood 2020, Dubai from 16th - 20th February 2020 through an India Tea Pavilion along with 15 exporters.

Tea Board's participation in Prodexpo 2020

Tea Board India organized participation in Prodexpo 2020, held from 10th -14th February 2020, along with 6 nos. of prominent exporters. The exporters showcased various types of Indian teas in the exhibition. Apart from good quality Assam Orthodox teas which are always in high demand in Russia, the exporters also exhibited other teas like high quality Darjeeling teas, Green tea, Masala Chai, value added teas, flavour teas, CTC teas, etc. which fetched numerous enquiries from the buyers.

Participation in Japan India Cooperation Agency International Exhibition

Tea Board India participated in Japan India Cooperation Agency International Exhibition organized by Department of Agriculture, Government of Himachal Pradesh at Dharamsala, Himachal Pradesh on 10th February 2020. Kangra tea, the indigenous tea of Himachal Pradesh and various other types of Indian teas were showcased at the event.

'Run for India Tea' at Agartala, Tripura

As part of a promotional drive for Indian Tea, the 'Run for India Tea' was flagged off at Agartala, Tripura, by renowned Indian gymnast Ms. Dipa Karmakar on 19th February 2020, in presence of Shri Ratan Lal Nath, Hon'ble Minister of Education, Government of Tripura and other dignitaries. The event witnessed a huge crowd representing students, tea workers, tea management, senior citizens etc. of Agartala.

Tea Board India's Specialty Tea Boutique inaugurated near Ooty Botanical Garden

In order to promote and popularize specialty Nilgiri teas, Tea Board India's Specialty Tea Boutique was inaugurated near Ooty Botanical Garden, a tourist hotspot on 20th February

2020. This Tea Boutique is an exclusive showroom to showcase and sell specialty teas of small tea growers. The Tea Outlet was inaugurated by Shri. M. Balaji, IAS, Executive Director, Tea Board (South). During the inauguration, Smt. Innocent Divya, IAS, District Collector, The Nilgiris and Smt. K.M. Sarayu, IAS, Project Director, Hill Area Development Programme were also present.

India's first Tea Café on Wheels

India's first Tea Café on Wheels was inaugurated by Shri Babul Supriyo, Hon'ble Union Minister of State for Environment, Forest and Climate Change at Asansol, West Bengal on 26th February 2020. Tea Board India displayed and promoted various types of specialty teas during the event. Publicity brochures and literatures on Indian tea and tea samples were also distributed amongst the people. Huge crowds thronged the stall of Tea Board and enquired about the different types of teas. The event roused great curiosity among the people about the wide variety of teas that India produces.

Participation in Mandi International Shivratri Fair

Tea Board India participated in Mandi International Shivratri Fair, formally inaugurated by Shri Jai Ram Thakur, Hon'ble Chief Minister of Himachal Pradesh, on 22nd February 2020. Kangra tea, the tea of Himachal Pradesh and various other types of Indian teas were showcased at the event.

March 2020

Assam Tea Promotion Campaign

Assam Tea Promotion Campaign was conducted in three cities of Odisha – Bhubaneswar, Cuttack and Puri from 29th February to 6th March 2020. On-ground promotional activities at different venues in these three cities were undertaken where tea kiosks, stalls, canopy, sampling booths, teas for sampling etc. were set up by Tea Board India. Promotional activities for increasing awareness about the specialty tea logos, free tea samples for public distribution, publicity material including banners, standees etc. were displayed during the events.

Tea Board's participation in Thailand Coffee, Tea & Drinks

The 14th edition, Thailand Coffee, Tea & Drinks, the biggest focus event in ASEAN on the flourishing coffee, tea, bakery and ice cream businesses in Thailand and ASEAN was held from 27th February to 1st March 2020 at Bangkok International Trade & Exhibition Centre, Bangkok, Thailand. The India Tea Pavilion was inaugurated by Ambassador of India, H. E. Ms. Suchitra Durai. Tea Board participated in the event and promoted Indian origin teas namely Darjeeling, Assam, Nilgiri and Sikkim Tea. Tea sampling was done which was well appreciated by the visitors. Keen interest was shown in Darjeeling, Assam and Sikkim teas.

Inauguration of the
'Young Tea Entrepreneurs Meet'
at Kolkata on 25th April 2019

The women panelists cutting the cake at the
'Young Tea Entrepreneurs Meet'
at Kolkata on 25th April 2019

Shri Arun Kumar Ray, Deputy Chairman,
Tea Board, giving the welcome address at the
'Young Tea Entrepreneurs Meet'
at Kolkata on 25th April 2019

Shri Amuleek Singh Bijral, Founder & CEO of
Chai Poi

B2C Promotional Event organized by Tea Board at City Centre, Siliguri, on 15th and 16th June 2019

Shri Som Prakash, Hon'ble Minister of State for Commerce & Industry, Govt. of India at Tea Board's Stall at Food & Technology Expo, Pragati Maidan, New Delhi, 1st to 3rd August, 2019

Shri Rameswar Teli, Hon'ble Minister of State for Food Processing Industries at Tea Board India's stall at the Agro+Food & Beverage Processing Expo, Goa, 1st-3rd. August, 2019

Tea Board India's stall at the 'Annapoorna-Anufood India 2019' Exhibition held at Bombay Exhibition Centre Goregaon, Mumbai during 29th to 31st August 2019

Inauguration of the Iconic Mumbai Tea Centre, renamed as Queen's Deck at Mumbai on 14th September 2019

Cake-cutting ceremony during the Inauguration of the Iconic Mumbai Tea Centre, renamed as Queen's Deck at Mumbai on 14th September 2019

Inauguration of the Tea Room at the Tea Board Head Office in Kolkata on 8th September 2019

The Cake cutting ceremony during inauguration of the Tea Room at the Tea Board Head Office in Kolkata On 8th September 2019

Indian tea Promotion at the All Indian Russian Compatriots Conference held in Chennai during the first week of October 2019

Shri K K Dwivedi, Commissioner, Department of Industry and Commerce, Govt. of Assam, flagging off Assam Tea awareness campaign van on 21st October 2019

Tea Board's participation at Virasat Festival, Dehradun, 11-25 October, 2019

Tea Board India's participation in Biofach India 2019 held at Greater Noida from 7-9 November 2019

Tea Board India participates in an International Buyer Seller Meet cum Conference organized at Itanagar, Arunachal Pradesh, 14th Novemebr 2019

Tea sampling of Indian teas at the Tea Board India stall at North East Festival New Delhi, 8-10 November 2019

Shri Rage Taki, Hon'ble Minister of Agri-Horticulture, Govt. of Arunachal Pradesh, visits the Tea Board stall during the International Buyer Seller Meet cum Conference organized at Itanagar, Arunachal Pradesh, 14th November 2019

Tea Board exhibits Indian teas at the Business Conference cum International Buyer Seller Meet, Gangtok, 21st November 2019. International delegates from various countries such as Italy and Vietnam visited the BSM

Tea Board India at the World Tea & Coffee Expo, Mumbai, 21st to 23rd November, 2019

Tea Promotion Campaign conducted by Tea Board India for school children of Nilgiri district, Tamil Nadu on 6th December 2019

Inauguration of the Indian Tea Appreciation Fest held in Kolkata on 25th December 2019 by Shri A. K. Ray, Deputy Chairman, Tea Board India

Overwhelming response from the audience at the Indian Tea Appreciation Fest held in Kolkata on 25th December 2019

Tea Board India's stall at Jalinga Tea Run, Jalinga Tea Estate, Silchar, Assam, 14th January 2020

Indian tea sampling and promotion by Tea Board India and A. Tosh & Sons at the 44th International Kolkata Book Fair, 29th January 2020

Tea Board India's participation in Indus Food, Greater Noida, 08th-09th January 2020

Grand promotion of Indian tea by Tea Board India at Assam Sahitya Sabha, Guwahati, 31st January 2020

Grand promotion of Indian tea by Tea Board India at Assam Sahitya Sabha, Guwahati, 31st January 2020

Tea Board India's participation in Indus Food, Greater Noida, 08th-09th January 2020

Shri A. K. Ray, Deputy Chairman, Tea Board India along with celebrity RJ Mir and the entire team of Foodka announced the grand launch of the 5th Season of Foodka, comprising of 5 episodes on Tea and Tourism across North Bengal, on 27th January 2020

Cultural Programme organised during the Launch of Tripura Tea Marathon, Agartala, 19th February 2020

Launch of Tripura Tea Marathon by Ms. Dipa Karmakar, celebrated gymnast Agartala, 19th February 2020

Flagging off the Assam Tea Promotion Campaign by Shri Anubhav Mohanty, Hon'ble Member of Parliament from Kendrapara constituency of Odisha, Shri Bhabani Shankar Chayani, District Magistrate cum Collector of Cuttack and Shri Arun Kumar Ray, Deputy Chairman, Tea Board India at Cuttack, Odisha, 29th February 2020

Inauguration of Tea Board India's Speciality Tea Boutique near Ooty Botanical Garden, a tourist hotspot, to promote and popularize specialty Nilgiri teas, 20th February 2020

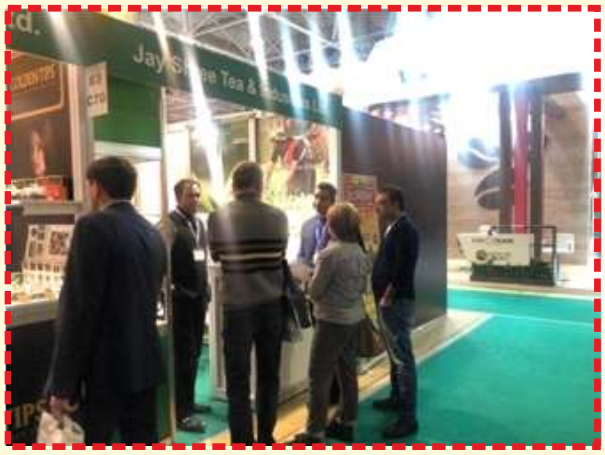

The India tea Pavilion at Prodexpo, Moscow, 10th-14th February, 2020

India's first Tea Cafe on Wheels inaugurated by Shri Babu Supriyo, Hon'ble Minister of State for Environment, Forest and Climate Change, at Asansol, West Bengal on 26th February 2020 in the presence of Shri Arun Kumar Ray, Deputy Chairman, Tea Board India and DRM, Eastern Railways

Shri Arun Kumar Ray, Deputy Chairman, Tea Board India speaking to the media during the inauguration of India's first Tea Café on Wheels at Asansol, West Bengal on 26th February 2020

Inauguration of Tea Board stall by H.E. Ms Suchitra Durai, Ambassador of India to Thailand at Thailand Coffee, Tea & Drinks, Bangkok, 1st March 2020

Concluding ceremony of the week-long Assam Tea Promotion Campaign held at Puri on 6th March 2020

Concluding Ceremony of the week-long Assam Tea Promotion Campaign held at Puri on 6th March 2020

CHAPTER- 7

LICENSING

1. Introduction:

Licensing Branch is a vital wing of the Board for implementation of various statutory and regulatory orders issued by the Government of India from time to time. Licensing Branch is responsible for carrying out various licensing activities which includes issuance of various licenses to stakeholders for carrying out tea business along with other activities like formulating regulatory policies, amendment of existing Control Orders, preparation of guidelines for issuance of licenses, monitoring and regulation of the activities of stakeholders to ensure proper implementation of different directives of Central Government and Tea Board issued from time to time. The department is also responsible for monitoring of the auction system, monitoring quality of exports and imports, etc. which are significant to the tea trade.

2. Regulatory Provisions

In exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) and (5) of Section 30 of the Tea Act, the following statutory provisions notified by Central Government are in existence which governs the entire licensing and regulatory activities:-

1. **The Tea (Marketing) Control Order, 2003**
2. **The Tea (Distribution & Export) Control Order, 2005**
3. **The Tea Waste (Control) Order, 1959**
4. **The Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989**

Board is also in the process of establishing an online auction platform for Jorhat district with certain value added services like tasting, logistics, etc. which are not available in the existing platform.

2.1 Introduction of online licensing system

Board has introduced online licensing system from April, 2018 onwards for issuance and renewal of all kind of licensing applications under various Control Orders. This online licensing system has replaced the existing manual process of submitting hard copy of licensing applications with improved and transparent online process, timely disposal of applications, online status tracking etc.

2.2 Details of licenses issued

The number of licenses issued across the country for the financial period 2019-20 along with the quantum of revenue generated is tabulated below:

Sl No	Control Orders	Nature of License/ Registration	No. of licenses/ registration/certificates issued	Total Revenue Collected (in Rs.)
1	The Tea Marketing (Control) Order, 2003	NOC to manufacturing units	40	--
		Registration to manufacturing units	37	Rs.54,82,600/-
		Buyer Registration	218	Rs.24,27,120/-
		Broker License	19	Rs.54,18,560/-

Sl No	Control Orders	Nature of License/ Registration	No. of licenses/ registration/ certificates issued	Total Revenue Collected (in Rs.)
	The Tea Marketing (Control) Order, 2003	Auction Organizer License	7	Rs.41,30,000/-
		Certificate to Mini Tea Factory	38	Rs.48,940/-
2	Tea Distribution (Control) Order, 2005	Exporter License	468 (408 fresh, 58 Renewal and Permanent 2)	Rs.6,38,890/- (484520/- fresh 148920/- Renewal and Permanent 5450/-)
		Distributor License	26	Rs.82,850/-
3	Tea Waste (Control) Order, 1959	Tea Waste License	464 (321 fresh and 143 renewal)	Rs. 25,23,314/- (6,38,500/- fresh and 18,84,814/- renewal)
4	Tea Warehousing Control Order, 1989	Tea Warehouse License	147 (69 fresh and 78 renewal)	Rs.69,87,120/- (14,07,280/- for fresh and 55,79,840/- for renewal)
5	Tea Act, 1953	Planting permit, Extension/ replacement planting permit	15	---
6	GSR 694 (E) dated 11.10.99 issued by Ministry of Health and Family Welfare, Government of India	Registration of flavour tea manufacturer	49	Rs.17,40,740/-
7	Foreign Trade policy, Government of India	Registration cum Membership Certificate (RCMC)	55 (43 fresh and 12 renewal)	Rs.5,11,056/- (307664/- for fresh and 203392/- for renewal)
8	Tea Act	Recording of change of ownership of registered estates	21	Rs.14,55,650/-
		Recording of change of ownership of registered factories	37	Rs.51,69,400/-
		Garden Registration	4	---
		Total	**1645**	**Rs. 3,66,16,240/-**

3. Amendment of Regulatory Provisions

The following significant amendments have been taken up in 2019-2020 to ensure simplification of existing regulatory norms, revenue generation, etc.:

- Enhancement of the renewal period of tea warehouse licenses from 1 to 3 years under the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989.
- Tea Board has forwarded a proposal for issuance of perpetual licenses for different category of licenses under various Control Orders of Tea Board which is under consideration at Ministry.

4. Status of e-Auction:-

I. E-Auction under Pan India Module:

Tea Auction is a means of disposing the teas produced to a wide range of buyers in a competitive manner for fair discovery of price. Public tea auctions has always played a key role as the main vehicle for primary marketing of tea in India for more than a century ever since the first tea auction centre set up in Calcutta in 1861. Public tea auctions handle only loose tea in bulk packages. The stakeholders involved are Auction organizers, Producers of 'made tea' (sellers), Auctioneers/Brokers, Buyers and warehouses, all of them being registered stakeholders of Tea Board.

There are six (06) registered auction centres in the country viz., Kolkata, Siliguri, Guwahati, Coonoor, Cochin & Coimbatore where auctions are presently being conducted through electronic platform provided by Tea Board under Pan India e-action mechanisms.

The quantum of tea sold and purchased through e-auction under Pan India Module during the financial year 2019-2020 are as follows:

Auction Centre	April 2018 to March 2019		April 2019 to March 2020	
	Qty(MKgs)	Price (Rs/kg)	Qty(MKgs)	Price (Rs/kg)
Kolkata Leaf	124.17	167.68	131.42	171.67
Kolkata Dust	42.52	160.94	34.27	162.13
Total Kolkata	**166.69**	**165.97**	**165.68**	**169.70**
Guwahati Leaf	113.56	144.73	119.54	137.26
Guwahati Dust	50.82	156.62	51.03	145.76
Total Guwahati	**164.39**	**148.41**	**170.57**	**139.80**
Siliguri Leaf	119.04	138.91	123.13	135.22
Siliguri Dust	14.97	136.98	16.23	130.46
Total Siliguri	**134.00**	**138.69**	**139.36**	**134.67**
Cochin Leaf	8.31	137.43	6.09	138.82
Cochin Dust	41.35	122.18	36.58	115.84
Total Cochin	**49.67**	**124.73**	**42.66**	**119.11**

Coonoor Leaf	42.32	89.69	38.99	83.99
Coonoor Dust	22.38	96.09	18.69	88.03
Total Coonoor	**64.70**	**91.91**	**57.68**	**85.30**
Coimbatore Leaf	3.98	96.87	4.25	93.35
Coimbatore Dust	9.90	105.13	8.96	97.41
Total Coimbatore	**13.88**	**102.76**	**13.21**	**96.11**
Grand Total	**593.33**	**141.94**	**589.17**	**139.18**

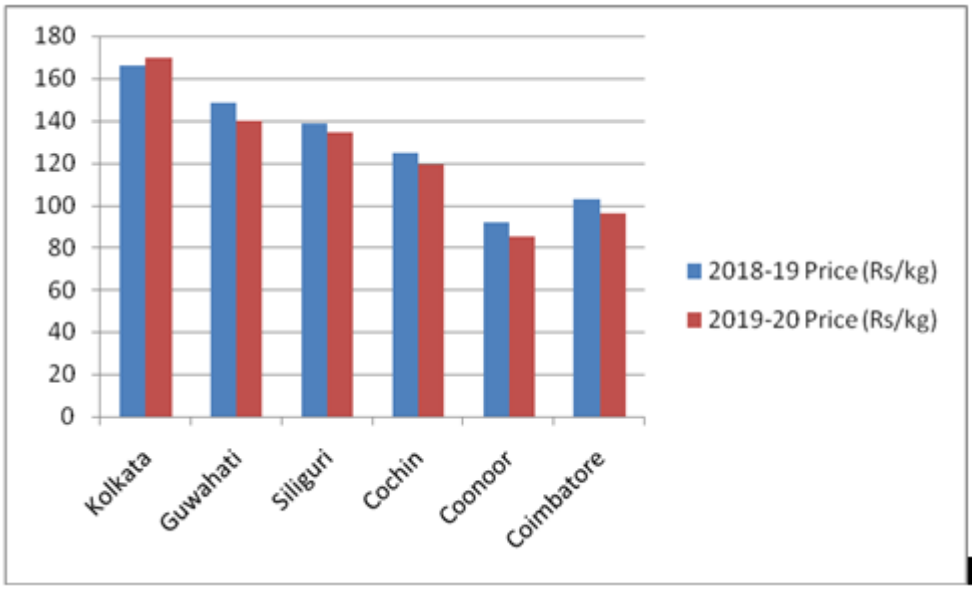

With the implementation of post auction settlement process, collection of transaction charges by Tea Board @ 2 paise per kg for each stakeholders i.e. sellers, buyers and brokers since 2018 & to the warehouse owners @ 0.50 % of the total invoice value from the warehouse bills since December, 2019 has also been put into place to make the auction system self-sustainable. As on 31st March, 2020 (FY 2019-20), an amount of Rs. 4.38 crores have been collected by Tea Board from the post sale transactions.

5. Recent initiatives

Auction revamp:- Board in the year 2018 felt the necessity of conducting a strategic analysis on the existing auction model in the light of globalisation of markets and developments of latest technology and corresponding improvement in the price discovery with an objective to make the tea auction process more robust in nature. Accordingly, IIM, Bengaluru was entrusted with the study of e-auction rules including understanding the probable challenges in fair price discovery process, if any.

In order to strengthen the existing e-auction platform for tea trade and price discovery, the Board had engaged Indian Institute of Management (IIM), Bangalore to conduct a study on e-Auction of tea.

One of the key recommendations was to introduction of Japanese Auction Model to make the auction system robust. The other major findings made by IIM, Bangalore are mentioned below.

- Organize a price-rediscovery auction session at the end of each sale-day, offered at a premium to the buyers.
- Standardize lot size and packaging, eliminate divisibility.
- Design a tea portal auction with tea offered in multiples of a Standard Packaging Unit (SPU), specifically targeted towards small buyers.
- Quality certification of teas through a neutral 3rd party, commissioned and monitored by Tea Board.

The system development as per the recommendations of IIM has been completed in March 2020 and Board is in the process of implementing Japanese Auction Model in all registered auction centres across the country shortly in phase wise manner.

Implementation of Jorhat Auction Platform:- With the objective of implementing an innovative auction model with value added services for Assam tea cluster, Tea Board initiated designing and development of an e-auction platform in the name of "Jorhat platform" partnering with M/s. *mjunction* services ltd. This platform will serve the industry with a difference by providing updated auction methodology along with associated services like quality vocabulary, central warehousing and logistics to the buyer, etc. The platform is also expected to reduce turnaround time and cost effectiveness of the entire process and will aid in fair and market-driven price discovery by virtue of transparency between primary, secondary and tertiary buyers.

Moving towards cloud environment:- On the infrastructure front of the auction system, Board has taken initiative to move towards latest technology of hosting the entire services in cloud environment for which MeiTY empanelled cloud service provider has been selected by the Board through tendering process. This has also enabled Board to reduce the cost on the auction infrastructure front.

Selection of System Integrator:- The Board has selected a System Integrator (SI) for a further period of three (03) years for operation, maintenance and modification of the existing electronic auction software of tea through an open tendering process. This has also resulted in reduction of cost for e-auction software.

CHAPTER – 8

STATISTICS

Introduction:

Primary functions of Statistics Branch of Tea Board is to collect, collate and dissemination of statistical information relating to all aspects of tea industry and trade covering area under cultivation, production, productivity, types of tea produced in the country, primary market prices, export and destination of exports on tea and workers employed in tea plantations etc. Such information forms a crucial input for the policy matters of the Board, the Government and the Industry.

Dissemination of Statistical Information:

Information on weekly auction prices, monthly production and export data are disseminated in the website of the Board - www.teaboard.gov.in in the public domain for the trade, industry, research scholars etc.,

Monitoring of Tea Prices:

The Statistics Branch has been monitoring and providing required information on auction prices to Ministry of Commerce, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution in connection with the construction of Wholesale Price Indices (WPI) of Plantation Crops and Index of Industrial Production (IIP) respectively. The retail price of tea at different cities/towns is also being compiled by the Statistics Branch.

Taxes & Duties :

Excise Duty : **12.5%** ad-valorem on Instant Tea falling under heading 2101.20

Export Duty : Nil

Import Duty : Nil on teas imported by Export Oriented Units (EOU) and Special Economic Zone (SEZ) units for the purpose of re-export. However, teas imported for domestic markets would attract basic import duty of 100% plus 10% surcharge plus special additional duty of 4% on basic duty and surcharge (w. e. f. 1st March, 2002).Concessionary rate of 7.5% basic duty plus other normal surcharges apply to imports from Sri Lanka up to a volume of 15 M Kgs per calendar year.

Goods and Service Tax :

The present rate of GST on Tea is 5% i.e. 2.5% CGST + 2.5% SGST. In case of inter-state supply, the rate of IGST on Tea is 5%.

STATUS OF TEA INDUSTRY AND TRADE DURING THE YEAR 2019-20

PRODUCTION:

India tea achieved its highest ever tea production during 2019-20 at 1360.81 M.Kgs with an increase of 10.77 m.kg over 2018-19 due to better climatic conditions that prevailed in major tea growing areas in North India.

The major tea growing States Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala contribute 97.48% of the total tea production while the remaining in other States. Out of the total tea production, CTC contributes 89% while the Orthodox and Green Tea at 11%.

ORGANISED SECTOR:

There were 1569 tea estates. This sector has an established 923 manufacturing Units. During 2019-20, the Organized Sector share of production is seen at 50.76%.

SMALL TEA GROWERS:

Small Growers contribution to total tea production is increasing year to year. During the year 2019-20 small growers' share of production is seen at 49.24%.

EXPORTS:

India maintained the trend of Tea exports during the year under review. Tea Exports were 241.34 M.Kgs in quantity with value realization of Rs. 5457.10 Crs. It was lower by 13.16 m kg in quantity and Rs. 49.74 Crs in value due to improved unit price realization by Rs.9.73 per Kg.

Exports of Tea from India

Year	Quantity (M Kgs)	Value (Rs Crs)	Unit Price (Rs/kg)	Bulk Tea		Value added tea	
				Qty (M.Kgs)	Value (Cr.Rs.)	Qty (M.Kgs)	Value (Cr.Rs.)
2018-19	254.50	5506.84	216.38	225.29	4321.61	29.21	1185.23
2019-20	241.34	5457.10	226.11	212.30	4226.97	29.04	1230.13

It is observed that about 12.03% of total exports are in the value added form (packet tea, tea bags and instant tea) while rest is in the bulk form during 2019-20.

IMPORT OF TEA INTO INDIA

During the year 2019-20, tea imports stands at 15.54 M Kgs with CIF value of Rs. 231.76 Crs as against 24.22 M Kgs with CIF value of Rs. 341.61 Crs in 2018-19.

TEA PRICE AT AUCTION

During the year under report about 44.35% of total tea produced in the country was sold through public auctions remaining through other modes.

On price, North India the average price decreased by Rs.3.32 per kg (2.18%) while the prices at South India decreased by Rs.6.63 per kg (6.43%) as compared to last year. Overall the prices was decreased by Rs.2.61 per kg (1.86%) as compared to 2018-19.

Year	North India		South India		All India	
	Qty. (M.Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (M.Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (M.Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)
2018-19	454.16	151.87	141.99	103.15	596.15	140.26
2019-20	477.10	148.55	126.44	96.52	603.54	137.65

Domestic Retention :

The apparent domestic retention of tea for the year 2019-20 was around 1154 M.Kgs. as against 1120 M.Kgs in 2018-19.

CHAPTER - 9

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

I. Introduction:

Supporting welfare measures for securing better working conditions and improvement of amenities and incentives for workers and their dependents is one of the objectives and functions of the Tea Board, as mandated in the Tea Act 1953. Since the regulatory and welfare of plantation workers fall under the ambit of Plantation Labour Act and the same being implemented by the concerned State Governments, the welfare activities undertaken by the Board are supplemental in nature and cover general welfare measures. The labour welfare measures were undertaken under the Human Resource Development component (HRD) of overall Tea Development & Promotion Scheme of the Board during the MTF Period (2017-18 to 2019-20). The welfare schemes of Tea Board are gender neutral.

II. Labour Welfare Committee:

The Labour Welfare Committee of the Board guides in its capacity as an Advisory Body of the Board. The Board is assisted towards implementation of the various labour welfare activities by the Labour Welfare Committee of the Board which comprised of the following members during the year under report :

1. Dy. Chairman, Tea Board, Ex-officio Chairman of the Committee
2. Shri Rupesh Gowala
3. Shri P. Mohanan
4. Shri Sunil Kirwai

III. Meetings of the Board/ Welfare Committee:

During the year under report the Board/ Welfare Committee met on the following dates:

Meeting Number	Date of the meeting	Place
238th Meeting of the Board	3rd April, 2019	Kolkata
239th Meeting of the Board	27th June, 2019	Kolkata
240th Meeting of the Board	24th September, 2019	Kolkata
241st Meeting of the Board	30th November, 2019	Kolkata

IV. HRD Components:

The components were aimed towards achieving improvements in the life and living conditions of the Tea Plantation workers and their dependents on the following three broad areas:

(A) HEALTH:

i) **Capital grants for hospital (Not Tea Garden Hospital)/medical clinics adjacent to tea garden areas towards extension of treatment facilities and also purchase of medical equipment, accessories and ambulance in non-traditional areas and reservation of beds in some hospitals for workers and their dependents**:

Assistance was allowed for specialized medical facilities for the treatment of T.B., Cancer, Leprosy, Eye, Heart, Kidney disease etc., which were not available for tea garden workers and their dependents in the Tea Garden Hospitals; Grants were also allowed for purchase of equipment like X-Ray plant, surgical instruments, ambulance in non-traditional areas etc. required for specialized treatment; Provision was also there for sanction of special cases necessary recurring grants towards maintenance of beds in hospitals for tea garden patients.

Quantum of grant : 30% of the capital cost of the equipment was to be borne by the applicant and Board's grant was limited to the extent of 70% of the capital cost of the equipment with a ceiling limit of Rs. 8.0 lakhs which ever was lower.

ii) **Financial assistance for disabled persons/cancer and heart patients/Kidney transplantations in specialty hospitals dependent on tea plantation workers**:

Assistance was allowed to the disabled persons dependent on workers for purchasing wooden crutches calipers shoes, artificial limb, hearing aids, wheel chairs and tri-cycle with and pedaling system etc.; Special provision was there to provide financial assistance to dependents of Tea Plantation workers for cancer and heart ailments in specialty hospitals.

Quantum of grant: a) **For** disabled persons- Actual expenditure maximum ceiling limit upto Rs.50000/- whichever was lower. b) Financial assistance towards cancer and heart patient in specialty hospital dependent on tea plantation workers was provided on actual basis.

(B) EDUCATION:

i) **Educational stipend for the wards of tea plantation workers**:

Incentive was extended to the wards of workers in the form of stipend.

Quantum of grant : For tuition fees on actual basis subject to ceiling limit uptoRs.20000.00 and for hostel charges on actual basis of 2/3rd of hostel charges subject to ceiling limit upto Rs.20000.00.

ii) Special scheme of Nehru Award for the wards of tea plantation worker

Tea Board implemented a special scheme known as "Nehru Award" for the meritorious students of tea plantation workers.

Quantum of grant : The scheme provided lumpsum grant @ Rs. 8000/- for class X / Secondary level and Rs.10000/- for class XII / H.S. level for the wards of tea plantation worker.

iii) Scheme for book and school uniform grant to the needy and deserving wards of tea garden or those affected by severe natural calamities :

Assistance was given mainly to the needy students of closed tea gardens to buy books or uniform for continuing their study.

Quantum of grant : Rs. 4000/- per ward per annum.

iv) Financial Assistance for Bharat Scouts & Guides :

The Board's grant under the financial Assistance Scheme towards Bharat Scouts & Guides covered for payment towards salary and allowances for maintenance of posts of Districts Scouts / Guide Organizers; re-imbursement of training camp charges; payment for holding rallies, rally-cum-camps, jamborees etc. and matching grant for purchase of uniform to teagarden scouts/guides etc.

Quantum of grant : (a) Monthly salary for full time district Scouts / Guide Organizer was Rs. 10,000/- and the rate of conveyance allowance was fixed at a flat rate of Rs. 5000/- per month.

Training camps : Meal and Tiffin charges Rs. 500/- per head per day; Incidental charges @ Rs. 200/- per candidates per training & Conveyance allowance upto Rs. 200/-.

Annual District Rally : Meal and Tiffin charges not more than Rs. 500/- per head per day; Incidental charges Rs. 200/- & Conveyance allowance upto Rs. 200/-.

State Rally / Camporees : Meal and Tiffin charges Rs. 500/- per head per day; Conveyance allowance upto Rs. 200/-.

National Jamboree : Meal and Tiffin charges not exceeding Rs. 500/- per head per day; Incidental charges @ Rs. 200/-per candidates per training & Conveyance allowance upto Rs. 200/-

Uniform Grant : Rs. 2500/- per head per annum.

(C) TRAINING:

Scheme of Tea Board for financial assistance towards short term vocational training/health & hygiene course for the wards of tea plantation workers & their dependents:

For creation of more and more employment opportunities to the people in tea plantation area, the Board extended financial assistance to the authorities of the institutions/organizations involved in the activities of conducting vocational training course. The grant was sanctioned for the purpose of conducting vocational Training courses viz. acquiring skills like plumbing, masonry, electrical /TV repair, carpentry, construction sanitary units etc. amongst the wards of tea plantation workers and their dependents only for duration of six months to one year for each course of vocational training.

Quantum of grant: Maximum ofRs.2.00 lakhs for a course with a minimum duration of three months to one year.

(D) STUDIES ON TEA PLANTATION:

To undertake need based study/pilot scheme on tea industry.

Expenditure made during the year 2019-20 is furnished at Table -1 below :

Table : 1

COMPONENT –HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

STATE-WISE FINANCIAL DISBURSEMENT AND PHYSICAL ACHIEVEMENT DURING 2019-20

		Health			**Education**					**Training**				
State	**Activity**	Purchase of medical equipment	Financial Assistance for disabled persons for aid equipment (No. of person)	Financial assistance for cancer/heart patients(no)	Stipend(no)	Nehru Award (no)	Book & School uniform grant for Gardens affected by natural calamity / closed gardens	Bharat Scouts & Guides - Training Camps/ Rallys, Jamborees/Compares (No. of camps and no. of student beneficiaries)		Vocational training (no. of courses and no. of student beneficiaries)		XI Plan Capital Grant - school/college (no)	Others (Including bank chrgs)	**TOTAL**
Assam	Amt in(lakh)				35.39	0.97					1.35		20.79	**58.5**
	Physical (Nos)				433	12				2	40			
Tripura	Amt in(lakh)				0.91	0.38								**1.29**
	Physical (Nos)				16	4								
West Bengal	Amt in(lakh)	8.00			130.81	10.45	18.72	3.1					0.08	**171.16**
	Physical (Nos)	1			1,375	115	468	1	3					

Tamil Nadu	Amt in(lakh)				91.58	3.98		2.55					**98.11**
	Physical (Nos)				393	44		2	2				
Kerala	Amt in(lakh)				89.49	3.54	3.08	3.20					**99.31**
	Physical (Nos)				360	40	77		80				
Karnataka	Amt in(lakh)				0.33								**0.33**
	Physical (Nos)				2								
Himachal Pradesh	Amt in(lakh)				1.92	0							**1.92**
	Physical (Nos)				21	0							
Uttarakhand	Amt in(lakh)				0	0							**0**
	Physical (Nos)				0	0							
All India	Amt in(lakh)	**8**	**0**	**0**	**350.43**	**19.32**	**21.8**	**8.85**		**1.35**		**0**	**20.87**	**430.62**
	Physical (Nos)	**1**	**0**	**0**	**2,600**	**215**	**545**	**3**	**85**	**2**	**40**	**0**	**0**	**3,486**

Table : 2

Subsidy disbursement for last 3 years under MTF Period (2017-2020) in HRD including SCSP & TASP

Sub-component	Activity	2017-18 All India Total			2018-19 All India Total			2019-20 All India Total			MTF Total		
		Amount in Lakhs	No. of beneficiaries	No. of programs/event/ Unit	Amount in Lakhs	No. of beneficiaries	No. of programs/event/ Unit	Amount in Lakhs	No. of beneficiaries	No. of programs/event/ Unit	Amount in Lakhs	No. of beneficiaries	No. of programs/event/Unit
Health	Financial assistance for disabled persons for aid equipment	0.57	4.00	4	0.00	0	0	0.00	0	0	0.57	4	4
	Purchase of medical equipment	21.51	34.00	34	0.00	0	0	8.00	1	25	29.51	35	59
	Financial assistance for cancer/heart/ kidney patients(no)	0.64	1.00	1	3.63	4	1	0.00	0	0	4.27	5	2
Education	Stipend(no)	574.94	4296	4296	296.19	2782	2782	494.92	3588	3588	1366.05	10666	10666
	Nehru Award(no)	14.06	316	316	12.32	230	230	21.36	238	238	47.74	784	784
	Book & school uniform grant for gardens affected by natural calamity / closed gardens	12.57	419	419	14.32	369	369	22.36	559	559	49.25	1347	1347
	Bharat Scouts & Guides Expense on Camps and Salary of Guides	1.50	25.00	2	10.99	166	2	2.55	2	2	15.04	193	6
	Bharat Scouts & Guides - Training Camps/ Rallys, Jamborees/Camporees	1.32	9933.00	228	0.00	1770	3	6.30	83	81	7.62	11786	312

Training	Vocational training(no. of institutes and no. of student beneficiaries)	15.35	246.00	7	4.20	40	1	1.35	40	2	20.90	326	10
Other	Others (Including bank charges) & XI Plan Capital Grant - school/college(no)	11.66	1460	0	17.64	0	1	45.51	0	0	74.81	1460	10
	Sub Total HRD	**654.12**	**16734**	**5307**	**359.29**	**5361**	**3389**	**602.35**	**4511**	**4495**	**1615.76**	**26606**	**13200**

Table : 3

Region wise Achievements during MTF 2017-20 (BG + SG)															
MTF-TDPS	**North East**			**West Bengal**			**South India**			**Himachal & UKD**			**Total MTF 2017-20**		
Components	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**	**Amount in Lakhs**	**No.of Beneficiaries**	**Physical**
HRD-Health	0.64	1	1	32.64	38	59	1.07	5	5	0	0	0	34.35	44	65
HRD-Education	220.71	3297	3269	531.61	8709	6033	760.88	12701	3753	5.94	69	69	1519.14	24776	13124
HRD-Training	53.34	1786	10	2.28	0	0	6.65	0	1	0	0	0	62.27	1786	11
Total	**274.69**	**5084**		**566.53**	**8747**		**768.6**	**12706**		**5.94**	**69**		**1615.76**	**26606**	

Table : 4

COMPONENT –HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT - including SCSP & TASP														
STATE-WISE FINANCIAL DISBURSEMENT AND PHYSICAL ACHIEVEMENT DURING MTF Plan (2017-20)														
		Health			Education					Training				
State	activity	Purchase of medical equipment	Financial Assistance for disabled persons for aid equipment(No. of person)	Financial assistance for cancer/heart patients(no)	Stipend(no)	Nehru Award (no)	Book & School uniform grant for Gardens affected by natural calamity / closed gardens	Bharat Scouts & Guides - Training Camps/ Rallis, Jamborees/Compares (No. of camps and no. of student beneficiaries)		Vocational training (no. of courses and no. of student beneficiaries)		XI Plan Capital Grant - school/college (no)	Others exp (Including bank charges)	TOTAL
Assam	Amt lakh	0	0	0.64	197.9	12.06	0	1.56		20.9		11.65	25.79	270.5
	Physical	0	0	1	2953	260	0	1	1	10	326	5(1460)	0	
Tripura	Amt lakh	0	0	0	2.94	0.85	0	0.4		0		0	0	4.19
	Physical	0	0	0	40	15	0	1	28	0	0	0	0	
West Bengal	Amt lakh	29.51	0	3.13	439.69	17.19	37.45	9.85		0		0	29.71	566.53
	Physical	35	0	3	4531	215	1052	230	2911	0	0	0	0	
Tamil Nadu	Amt lakh	0	0.04	0.5	362.1	9.71	0	7.65		0		0	0.5	380.5
	Physical	0	1	1	1625	155	0	32	8959	0	0	0	0	
Kerala	Amt lakh	0	0.53	0	356.28	6.88	11.8	3.2		0		0	7.15	385.84
	Physical	0	3	0	1460	115	295	0	80	0	0	0	0	

Karnataka	Amt lakh	0	0	0	2.26	0	0	0		0		0	0	**2.26**
	Physical	0	0	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	
Himachal Pradesh	Amt lakh	0	0	0	4.36	0.26	0	0		0		0	0.01	**4.63**
	Physical	0	0	0	41	6	0	0	0	0	0	0	0	
Uttarakhand	Amt lakh	0	0	0	0.52	0.79	0	0		0		0	0	**1.31**
	Physical	0	0	0	4	18	0	0	0	0	0	0	0	
All India	Amt lakh	29.51	0.57	4.27	1366.05	47.74	49.25	22.66		20.9		11.65	63.16	**1615.76**
	Physical	35	4	5	10666	784	1347	264	11979	10	326	1460	0	26,606

CHAPTER - 10

HINDI CELL

Introduction

With the enforcement of the constitution on 26 January, 1950, Hindi became the Official Language of the Union of India according to Article 343(1) of the constitution of India. Government of India was entrusted with the duty to promote the propagation and development of the Official Language Hindi, so that it may serve as a medium of expression of all the elements of the composite culture of India.

The Hindi Cell of the Board has the nodal responsibility for effective implementation of Official Language Policy of the Government of India, the Official Language Act 1963 and rules 1976 made there under. The work related to Official Language Policy and translation of important documents of the Board, is being performed under the supervision of Deputy Director (Official Language)

Compliance of Sec.3 (3) of O.L. ACT 1963 :

During the period 2019-2020 provisions/sections including section 3 (3) of the Official Language Act, 1963 which is the main regulatory Act guiding Official Language Policy of the Government of India, were fully complied with.

Correspondence in Hindi :

All letters received in Hindi were invariably replied to in Hindi itself during the year under review. Vigorous efforts were made for achievement of Programme 2019-20 and target laid therein.

Reports in Hindi :

Various reports like Annual Administrative Report, Annual Accounts, and Annual Audit Report of the Board were prepared in Hindi for submission to the parliament. Apart from this, Quarterly Progress Report and Annual Assessment Report regarding progressive use of Hindi, were prepared in Hindi and sent regularly to Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry.

Organising Hindi Workshop :

During the year under review three Hindi Workshops were organized from time to time in which Assistants/Senior Assistants/Assistant Administrative Officers and other officers of the Board were trained in doing official work in Hindi. Faculties from different Government offices conducted the classes. This resulted in a favourable orientation and inclination amongst officials towards functional Hindi.

Organising Hindi Week :

With a view to create awareness regarding official Language and accelerate its use in Official work, Hindi week was organized from 9-14th September, 2019. During the course of the week, several competitions were held and there was active participation of the employees. Similar programme were organized in regional offices of the Board in India.

Hindi website

In the era of e-governance when internet has become a powerful medium, Tea Board is running its website in Hindi also on www.teaboard.gov.in because even today Hindi is the language of the most of the Indian populace. Vigorous efforts were taken to update the Hindi website of the Board and make it match with English version, which is a continuous process.

Participation in TOLIC activities :

Board actively participated in the various promotional activities pertaining to usage of Official Languages, coordinated by Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Kolkata.

Meeting of OLIC of the Board:

The meeting of Official Language Implementation Committee (OLIC) were held in each quarters wherein useful decisions were taken.

Incentive Scheme for Use of Hindi in Official Work:

Tea Board promoted and propagated the incentive scheme in Head Office as well as its regional offices in India in order to accelerate the use of Hindi. The officials and employees were benefited by these Schemes. Some employees participated and were awarded with cash prize.

Annual Programme for transacting the Official work in Hindi

In pursuance of Official Language Resolution 1967, department of OL issues programme every year to speed up propagation and development of OL Hindi and also to accelerate its progressive use for official purpose. The Annual programme of the year 2019-20 is a continuation of this, whereby considerable progress has been made in the use of Hindi in the Official transaction. The prescribed target has been achieved to some extent. However, English continues to be in use in the Board.

CHAPTER- 11

VIGILANCE CELL

The Secretary of Tea Board acts as Chief Vigilance Officer of the Board. The overall activities of the Vigilance Cell are being done under the supervision of Chief Vigilance Officer. The total strength of Vigilance Cell is two apart from Secretary.

The main function of the vigilance Cell is to implement the directives of the Government/the Central Vigilance Commission, all of which is done on a regular basis. The Vigilance Cell also attends various queries and submits monthly and quarterly report to the Government. As per the advice of Chief Vigilance Officer the directives of CVC in respect of tender and preventive vigilance etc. are being followed in the Board in every respect. The Law Officer is also working as Vigilance Officer. Another important activity of vigilance cell is the observance of Vigilance Awareness Week every year as per directive of the Central Vigilance Commission during which all the employees of Tea Board are administered oath in the form of messages on efficiency and transparency while highlighting the basics mission of the awareness. During the year the Vigilance Cell has not received any complaint and there is no pending Vigilance case as on date.

CHAPTER -12

REPORT ON LEGAL, IPR CELL AND RTI CELL

Legal Cell: Tea Board's Legal Cell is working under the Law Officer. The Legal Cell of Tea Board is attending to all legal matters of the Board as and when referred to by the officers of Tea Board in Head office/Regional Offices. The Cell is also liaisons with the Board's empanelled Solicitors/Law Firms, legal consultants and Central Government Counsels on behalf of the Board. The number of cases pending as on 31.03.2019 was 92. During the year under review, 09 new cases arose and 20 cases were disposed of. As on 31.03.2020 the total number of pending cases was 81.

IPR Cell: The IPR Cell is looking after all matters relating to Intellectual Property Rights including administration of various logo mark/word mark registered by the Board under different statues in India and abroad. The Cell, in the year under report has issued 1744 number of Certificate of origin (COO) certifying the genuineness of Darjeeling tea prior to its export. Moreover, the Cell has issued 67 and renewed 107 permissions for use of the mark of Darjeeling, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox, Assam Logo, Nilgiri logo, India Tea Logo and Dooars-Terai Logo and thus collected Rs. 18,05,971.20/- as part of IEBR.

Tea Board has continued its objectives to protect and preserve the various tea names and logos administered by it, as India's treasured geographical indications and icons of India's cultural and collective heritage.

1. **Renewal of registrations during the period April 01, 2019 to March 31, 2020 :**
   No renewal has been filed by the Tea Board during this period.

2. **Total number of Oppositions filed by the Tea Board in India during the period April 01, 2019 to March 31, 2020 :**
   Seventy (70) oppositions were filed by the Tea Board during this period to prevent attempted registrations and misuse of DARJEELING, ASSAM, NILGIRI, DOOARS-TERAI tea names and logos as well as the INDIA TEA Logo.

3. **Total number of Oppositions filed by the Tea Board outside India during the period April 01, 2019 to March 31, 2020:**
   Six (6) oppositions (1 in Peru, 1 in European Union, 1 in Singapore, 1 in Russia, 1 in Nepal and 1 in France) were filed by the Tea Board during this period. The details of which are as under: -

   - **Peru:** The opposition matter in Peru pertains to the attempted registration of the mark' ASSAM Gourmet' in class 30 in the name of LA Artesana S.R.L (which contains the name ASSAM).

- **European Union:** The opposition matter in European Union pertains to the attempted registration of the mark “8.20 TRAIN TO ASSAM” in classes 30 and 32 in the name of R. SEELIG HILLE OHG. (Which contains the name ASSAM).

- **Singapore:** The opposition matter in Singapore pertains to the attempted registration of the mark “HAFLONG TEA TALES OF ASSAM”in class30 in the name of HAFLONG TEA PTE. LTD. (which contains the name ASSAM).

- **Russia:** The said opposition matter in Russia pertains to the attempted registration of the mark “Tsjaj Assam - poprobujsam!” in classes 30 & 35 in the name of Tea House (which contains the name ASSAM).

- **Nepal:** The said opposition matter in Nepal pertains to the attempted registration of the mark ‘ROYAL ASAM’ in class30 in the name of Modern Tea Industries Pvt. Ltd. (which is similar to ASSAM).

- **France:** The said opposition matter in France pertains to the attempted registration of the mark ‘DARLING DARJEELING’ in classes 16, 30 and 41 in the name of Madame Michelle Jean Baptiste (which is contains the name DARJEELING).

4. Total pending oppositions in India and number of cases disposed of during the period April 01, 2019 to March 31, 2020:

Currently, around two hundred and seventy-three (273) oppositions are pending in India. In recognition of the rights in the names of the origin teas administered by the Board, and in order to settle the matter, six (06) parties have since amended their marks by deleting reference to these names which are of interest to the Tea Board and seventy-one (71) oppositions were decided in favour of the Tea Board by the Trade Marks Registry during the period of April 01, 2019 to March 31, 2020.

5. Total pending oppositions outside India and number of cases disposed off during the period April 01, 2019 to March 31, 2020:

Presently, there are seventy-two (72) opposition matters and one (1) invalidation action are pending outside India. One (1) matter has been disposed of during the said period in favour of the Tea Board details whereof are provided below :-

Peru

Opposition was filed against the mark in class 30 in the name of BA Zhou Shi Sheng Fang which was rejected on July 10, 2012. An appeal was filed against the said rejection order. The appeal was decided in favour of Tea Board and the said mark was rejected on the ground that the applicant company was no longer in existence.

France

Observations were filed against the mark 'DARLING DARJEELING' in classes 16, 30 and 41 in the name of Madame Michelle Jean Baptiste. After considering the observations, the French Trade Marks Office amended the specification of goods in class 30 to read as "*Coffee, tea with Darjeeling Protected Geographical Indication; sugar; pastries; confectionery; honey; spices; biscuits; cakes; sweets; coffee-based beverages".*

6. **Fresh Applications filed for registration of the marks Darjeeling, Assam, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox, India Tea Logo in India and outside India:**

   We had filed a request for amendment of the GI registration No. 1 for DARJEELING to incorporate the green and white tea variants into the specification under it. The GI Registry published a notification dated October 14, 2019under Rule 73 of the Geographical Indications of Goods Rules 2002 in the GI journal No. 124 accepting the amendment request and recording the amendment of the DARJEELING GI.

7. During the period under review tender for empanelment to law firms was done and after due process, two Law Firms namely M/s K&S Partners, Gurugram and M/s L.S.Davar, Kolkata have been selected for next three years.

RTI Cell: This RTI Cell is responsible for dealing with all matters relating to the disposal of applications and appeal made under the Right to Information Act, 2005 and sending monthly as well as yearly return to the Ministry. The Law Officer is the Nodal Officer and one among the three designated Public Information officers. In the year under report, the 51 applications received under the Right to Information Act have been disposed of.

©Copyright, Tea Board India, 2020

14 बी टी एम सरणी कोलकाता 700 001
14 BTM SARANI KOLKATA 700 001
www.teaboard.gov.in